प्राणिविज्ञान
परिभाषा-कोश

DEFINITIONAL DICTIONARY OF ZOOLOGY

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग),
भारत सरकार

प्राणिविज्ञान परिभाषा-कोश

DEFINITIONAL DICTIONARY OF ZOOLOGY

कंप्यूटरीकृत डाटाबेस

Computerised Database

संपादक

राम बहादुर

उपनिदेशक

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)

भारत सरकार

COMMISSION FOR SCIENTIFIC & TECHNICAL TERMINOLOGY

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF SECONDARY EDUCATION

AND HIGHER EDUCATION)

GOVERNMENT OF INDIA

2001

© भारत सरकार, 2001
© Government of India, 2001
प्रथम संस्करण, 1978
द्वितीय संस्करण, संशोधित एवं परिवर्धित, 2001
प्रथम ई-संस्करण, 2019

प्रकाशक :
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम्,
नई दिल्ली - 110 066

बिक्री का पता :

(1) बिक्री अनुभाग,
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम्,
नई दिल्ली - 110 066

(2) प्रकाशन नियंत्रक,
प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
सिविल लाइन्स,
दिल्ली-110054

अध्यक्ष की कलम से

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 1961 में अपनी स्थापना समय से ही, उसे सौंपे गए कार्य-भार अनुसार भारतीय भाषाओं में शिक्षा माध्यम परिवर्तन हेतु विभिन्न विषयों में भारतीय भाषाओँ की मानक शब्दावली तथा विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न विषयक पुस्तकों का निर्माण एवं प्रकाशन करता आ रहा है । इस दीर्घ अवधि में आयोग ने विभिन्न आवश्यक विषयों से संबंधित अंग्रेजी-हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषा शब्दावलियों का निर्माण एवं प्रकाशन किया है । इक्कीसवीं सदी के सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में शिक्षा एवं ज्ञानार्जन के साधन को सद्यः उपलब्धता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है । ई-गवर्नेंस, ई-व्यवसाय एवं डिजिटल इंडिया जैसे क्रिया-कलाप दैनंदिन जीवन के अंग हो गए हैं। ऐसे में आयोग ने भी इन अधुनातन साधनों का उपयोग करने का निश्चय किया । इस क्रम में आयोग द्वारा निर्मित सभी शब्दावलियों, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण आपको सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-बुक निर्माण योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया है । इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु **'प्राणिविज्ञान परिभाषा-कोश'** का ई-बुक का संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है ।

मुझे इस परिभाषा कोश का ई-संस्करण आप सबको सुलभ कराते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है । इसी भांति आयोग द्वारा अन्य विषयों के भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की शब्दावली, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण प्रकाशित करने के कार्य भी प्रगति पर है । आयोग को सौंपे गए महत्वपूर्ण दायित्व में से एक दायित्व, निर्मित शब्दवलियाँ प्रयोक्ताओं तक पहुँचाने का रहा है । इलेक्ट्रोनिक माध्यम से आयोग अपने प्रकाशनों के प्रचार-प्रसार में अधिक प्रभावशाली होगा । मुझे आशा है आयोग द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से निर्मित शब्दावलियाँ जन-जन तक पहुंचेगी साथ ही सभी जिज्ञासु इस ई-संस्करण का अधिक से अधिक लाभ उठा सकेंगे।

प्रो. अवनीश कुमार
अध्यक्ष

प्राणिविज्ञान परिभाषा-कोश ई-शब्द संग्रह निर्माण से संबद्ध आयोग के अधिकारी

प्रधान संपादक

प्रो. अवनीश कुमार

अध्यक्ष

संपादक

डॉ. अशोक एन. सेलवटकर

(सहायक निदेशक)

श्री शिव कुमार चौधरी

(सहायक निदेशक)

श्री जय सिंह रावत

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

श्रीमती चक्प्रम बिनोदिनी देवी

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

सुश्री मर्सी ललरोहलू हमार

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

विषय-सूची

		पष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	IV
2.	संपादकीय	V-VI
3.	विशेषज्ञ परामर्श समिति	VII-IX
4.	संपादन और समन्वय	X-XI
5.	परिभाषाएँ	1-434
	परिशिष्ट :	
(i)	देवनागरी का अकारादि वर्णक्रम	435
(ii)	पारिभाषिक शब्दावली (हिंदी-अंग्रेजी)	436-538
(iii)	प्रकाशन विभाग (भारत सरकार) के बिक्री केंद्रों की सूची	539
	List of addresses of Sales Counters, Department of Publication (Government of India)	540

प्रस्तावना

प्राणिविज्ञान परिभाषा-कोश का प्रस्तुत संस्करण शब्दावली आयोग द्वारा प्राणिविज्ञान से संबंधित मानक संदर्भ-ग्रंथों के प्रकाशन की अगली कड़ी है। इस शृंखला में अब तक प्राणिविज्ञान (1978), कृषि कीटविज्ञान, सूक्ष्मजैविकी, कोशिकाजैविकी, सूत्रकृमिविज्ञान आदि विषयों के परिभाषा कोश प्रकाशित किए जा चुके हैं। आयोग ने विभिन्न विषयों में ऐसे 55 परिभाषा-कोश प्रकाशित किए हैं।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश द्वारा सन् 1961 में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग की स्थापना की गई थी जिसकी वैज्ञानिक अपेक्षा थी कि यह संस्था विज्ञान और मानविकी की आधारभूत तथा अनुप्रयुक्त विभिन्न प्रशाखाओं के लिए हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में शब्दावली निर्माण तथा तत्संबंधी सिद्धांतों के निर्धारण और समन्वय में उत्तरदायित्वपूर्ण केंद्रीय भूमिका का निर्वाह करे।

परिभाषा-कोशों का निर्माण तथा प्रकाशन आयोग के शब्दावली निर्माण कार्यक्रम का ही विस्तार है। शब्दावली या शब्द-संग्रहों में जहाँ अंग्रेजी तकनीकी शब्द तथा उनके हिंदी पर्याय मात्र होते हैं, वहीं परिभाषा कोशों में अंग्रेजी तकनीकी शब्द तथा उनके हिंदी पर्यायों के साथ-साथ उनकी संक्षिप्त, सार्थक, सटीक परिभाषाएँ (या व्याख्याएँ) भी दी जाती हैं। परिभाषा कोश किसी भी विषय के तकनीकी शब्द की संकल्पना को सही रूप में समझने में छात्र, अध्यापक, अनुसंधानकर्ता, जिज्ञासु आदि सभी के लिए उपयोगी होते हैं। मानक शब्दावली को स्थिरता प्रदान करने में इनका विशेष महत्व है।

प्रस्तुत परिभाषा-कोश के प्रणयन में आयोग ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा तकनीकी संस्थानों के विषय-विशेषज्ञों एवं भाषाविदों का सहयोग प्राप्त किया, जिसके लिए हम हृदय से उनके आभारी हैं। इस अवसर पर आयोग के उपनिदेशक श्री राम बहादुर एवं वे समस्त सहयोगी बधाई के पात्र हैं जिनके श्रम और निष्ठा से यह बृहत् कार्य संपन्न हुआ।

(डॉ. हरीश कुमार)
अध्यक्ष

संपादकीय

प्राणि विज्ञान के संशोधित तथा परिवर्धित परिभाषा-कोश को प्रस्तुत करते हुए मुझे अति प्रसन्नता है। इसके प्रथम संस्करण का प्रकाशन आयोग ने 1978 में किया था जिसमें इस विषय के लगभग 1,500 मूलभूत शब्दों की परिभाषाएं दी गईं थीं। तब से अब तक अर्थात् पिछले 22 वर्षों में प्राणिविज्ञान में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। प्राणिविज्ञान की अनेक उपशाखाएँ और गौण विषय प्रमुख विषय बनकर स्वतंत्र रूप से अध्ययन-अनुसंधान का विषय बन गए हैं। अधुनातन आविष्कारों के परिणामस्वरूप प्राणिविज्ञान की शब्दावली में अनेक नए शब्दों का समावेश हुआ है। अनेक पुरानी संकल्पनाओं के स्थान पर नई व्याख्याएँ प्रतिष्ठापित हुई हैं जिनके नए पर्याय उभरे हैं। प्रस्तुत कोश में सभी नवीन संकल्पनाओं का समाहार करना तो संभव न था किंतु चुनिंदा उपयोगी सामग्री को जोड़कर इसके अद्यतन का प्रयास अवश्य किया गया है। आयोग द्वारा नई और पुरानी शब्दावली में किए जा रहे निरंतर समन्वय के परिणामस्वरूप शब्द पर्यायों में अब तक जो संशोधन हुए हैं उन्हें कोश के कलेवर में यथास्थान सम्मिलित करने का प्रयास भी हुआ है।

इस कोश में तीन हजार से अधिक परिभाषाओं का संकलन है। नए तकनीकी शब्दों के चयन में अनेक विश्व-स्तरीय मानक तकनीकी शब्द-कोशों तथा प्राणिविज्ञान की विभिन्न शाखाओं की नवीनतम उच्चस्तरीय पाठ्य-पुस्तकों को आधार बनाया गया है। परिभाषा निर्माण के कठिन एवं श्रमसाध्य कार्य को विविध चरणों में संपन्न किया गया। सर्वप्रथम, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों के अध्यापन-अनुसंधान-रत शिक्षकों-विद्वानों से उनके अपने-अपने विषय की अद्यतन शब्द सूचियाँ मंगाई गईं। सभी शब्द-सूचियों को समेकित करके उनकी विशेषज्ञ समिति बैठक में समीक्षा की गई। समिति के निर्णय से इस कोश में सामान्य प्राणिविज्ञान संबंधी परिभाषाओं के साथ-साथ प्राणिविज्ञान की उन अनुप्रयुक्त शाखाओं को भी पर्याप्त स्थान दिया गया जिन्हें विश्वविद्यालय स्तर के विज्ञ पाठ्यक्रमों में वैकल्पिक रूप से विशिष्ट अध्ययन के लिए सम्मिलित किया जाता है। इनमें कीटविज्ञान, जैवरसायन, कोशिका जैविकी, परिवर्धन जैविकी तथा मास्त्यिकी आदि उल्लेखनीय हैं। द्वितीय चरण में उपलब्ध स्रोत सामग्री के आधार पर परिभाषाओं के अंग्रेजी प्रारूप तैयार किए गए। नवीनतम संकल्पनाओं एवं सिद्धांतों की यथार्थ व्याख्या के लिए उपयुक्त विषयविदों से व्यक्तिगत संपर्क साधा गया और विशेषज्ञों

की समग्र-समितियों में प्रारूप-परिभाषाओं पर सामूहिक चिंतन एवं विचार-विमर्श हुआ। संशोधित परिभाषाओं का मौलिक हिंदी लेखन प्राणिविज्ञानियों द्वारा किया गया एवं हिंदी रूपांतरित परिभाषाओं का पुनरीक्षण भाषाविदों तथा विषयविदों की संयुक्त बैठकों में किया गया। इस प्रक्रिया से प्राप्त परिभाषाओं को अंतिम मानकर प्रस्तुत कोश में वर्णमाला क्रम में व्यवस्थित किया गया है।

पाठकों की सुविधा के लिए कोश में तुलनात्मक तथा समानार्थी शब्दों के प्रतिसंदर्भ यथास्थान दिए गए हैं। 'तुलना कीजिए' के लिए 'तु.' और 'देखिए' के लिए 'दे.' संकेतों का प्रयोग किया गया है। संकल्पनाओं को अधिक स्पष्ट करने के लिए यत्र-तत्र उदाहरण भी दिए गए हैं जिन्हें 'उदा' द्वारा संकेतित किया गया है। अंत में हिंदी-अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली भी दे दी गई है जिससे परिभाषाओं में प्रयुक्त हिंदी तकनीकी शब्दों के अंग्रेजी पर्याय जानने में सहायता मिलेगी। इस शब्दावली का अकारादि क्रम जानने के लिए हिंदी की अकारादि वर्णक्रम योजना भी वहीं दी गई है।

संभव है कि समय एवं साधनों की सीमाओं के कारण इस कोश में प्राणिविज्ञान की अनेक महत्वपूर्ण परिभाषाएँ अछूती रह गई हों। सुधी विद्वानों से हम आशा करते हैं कि वे ऐसी पूरक सामग्री हमें अवश्य भेजेंगे ताकि उसकी सहायता से कोश का भावी संस्करण और अधिक उपयोगी बनाया जा सके।

निःसंदेह इस कोश की रचना के, प्रमुख आधार-स्तंभ वे सभी प्राध्यापक, अनुसंधानकर्ता और विषयविद् रहे हैं जिन्होंने इसके लिए आवश्यक स्रोत-सामग्री उपलब्ध कराई तथा समय-समय पर आयोग की विशेषज्ञ समिति की बैठकों में भाग लेकर हिंदी परिभाषाओं को अंतिम रूप देने में उत्साह तथा निष्ठा से पूरा योगदान दिया। जिन मानक ग्रंथों, स्तरीय पत्रिकाओं/संदर्भिकाओं से इस परिभाषा-कोश के निर्माण हेतु आवश्यक संदर्भ लिए गए हैं उनके लेखकों/संपादकों के प्रति मैं आभारी हूँ। हिंदी परिभाषाओं के परिमार्जन में अनेक सुयोग्य भाषाविदों के योगदान के लिए मैं उनका भी ऋणी हूँ। इस कार्य के लिए समर्पित अपने सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। इस कोश के निर्माण के लिए प्रेरणा, प्रोत्साहन तथा सतत् मार्गदर्शन के लिए मैं आयोग के अध्यक्ष डॉ. राय अवधेश कुमार श्रीवास्तव के प्रति अपना विशेष आभार प्रकट करता हूँ।

राम बहादुर
उपनिदेशक

नई दिल्ली
अप्रैल, 2001

विशेषज्ञ परामर्श समिति

डॉ. (श्रीमती) कुचेरिया, के., आचार्य, शरीररचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. (सुश्री) कौल, डी., आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

डॉ. गुप्ता, के.के., वरिष्ठ उपाचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, डा. जाकिर हुसैन महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. गुप्ता, पी.डी., सहायक निदेशक, कोशिका तथा अणु-जैविकी केंद्र, हैदराबाद।

श्री चंदोला, प्रेमानंद, पूर्व संपादक वि.ग.सि., वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

प्रो. चटर्जी, एस., आचार्य, जीवन विज्ञान स्कूल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

प्रो. चतुर्वेदी, एस.के., प्राणिविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्य प्रदेश

श्री चौहान, एन.एस., पूर्व सहायक शिक्षा अधिकारी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

डॉ. जेटली, एस.सी., उपाचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. जैन. एस.के., आचार्य, जैवरसायन विभाग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. त्रिपाठी, आर.सी., अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्य प्रदेश

डॉ. (श्रीमती) दत्त, डी., प्राध्यापक, प्राणिविज्ञान विभाग, डा. जाकिर हुसैन महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. दास, एस.एन., जैव प्रौद्योगिकीविद्, अखिल भारतीय आर्युर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. प्रसाद, एम.आर.एन., पूर्व आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. पांडे, आर., प्राचार्य, डी.बी.एस., स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देहरादून।

डॉ. प्रेम किशोर, प्रधान वैज्ञानिक, कीट विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. बामजाई, आर.एन.के., सह-आचार्य (आनुवंशिकी), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. भसीन, वी.के., उपाचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. मिश्रा, ए.के., प्राणिविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्य प्रदेश।

डॉ. मूना, जे.सी., विश्वविद्यालय ग्रंथ निर्माण निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. मेहता, वी.के., प्राध्यापक, प्राणिविज्ञान विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. (श्रीमती) मेहरा, आर.डी., प्रतिरक्षाविज्ञानी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. रईसुद्दीन, एस., प्राध्यापक, चिकित्सा तात्विकी तथा आविषविज्ञान विभाग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. (श्रीमती) रल्हन, आर., जैवरसायनविद्, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ. राव, के.वी.आर., पूर्व आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. लाल, आर., उपाचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. (श्रीमती) बडेहरा, एन.आर., प्राध्यापक, जैवरसायन विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. विश्नोई, एच.एस., पूर्व वरिष्ठ उपाचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. श्रीवास्तव, ए.के., आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

डॉ. श्रीवास्तव, एच.एच., डीन, रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।

डॉ. सक्सेना, हरिमोहन कृष्ण, पूर्व उपनिदेशक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

डॉ. सक्सेना, एस., शोध सहयोगी (सूक्ष्मजैविकी), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. सक्सेना, के.एन., पूर्व आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. सक्सेना, डी.एम., पूर्व अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. सप्रा., जी.आर., आचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

डॉ. सहगल, ए., उपाचार्य, प्राणिविज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन महाविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. सिंह, आर.पी., वरिष्ठ प्रवक्ता, जीवविज्ञान विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।

भाषाविद् :

डॉ. गुप्त, वाई.एम., पूर्व वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली।

श्री नौटियाल, डी.डी., पूर्व सचिव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

डॉ. व्यास, एन.के., पूर्व प्रधान संपादक (भाषा), केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली।

डॉ. शर्मा, के.एस., पूर्व अध्यक्ष, भाषा प्रौद्योगिकी एवं दृश्य-श्रव्य शिक्षण- प्रशिक्षण विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

संपादन और समन्वय

प्रधान संपादक
डॉ. हरीश कुमार
अध्यक्ष

संपादक
राम बहादुर
उपनिदेशक

सहायक संपादक
नरेन्द्र सिंह चौहान
पूर्व सहायक शिक्षा अधिकारी

प्रेमानंद चंदोला
पूर्व संपादक, विज्ञान गरिमा सिंधु

विभागीय सहयोग
अशोक सेलवटकर
सहायक वैज्ञानिक अधिकारी

सुरेश कुमार दहिया
आशुलिपिक

प्रेमलता शर्मा
आशुलिपिक

✣ ✣ ✣ ✣

प्रकाशन

धीरेन्द्र राय
सहायक निदेशक

डॉ. प्रेम नारायण शुक्ल
वैज्ञानिक अधिकारी

श्री आलोक वाही
कलाकार

श्रीमती कमला त्यागी
प्रूफ रीडर

A

abactinal — **पृष्ठीय**

अरतः सममित प्राणियों की मुख से विपरीत सतह से संबद्ध। शूल चर्मियों के शरीर का बिना नाल पद वाला क्षेत्र जिसमें प्रायः मेड्रीपोराइट सम्मिलित होता है।

A-band — **ए.-पट्ट**

पेशी की अनुदैर्घ्य काट के परासंरचनात्मक विवरण में दृष्टिगोचर पेशीन्यास के संकुचनशील भाग का ए.-जोन जिसमें मोटे और पतले दोनों प्रकार के तंतुक पाए जाते हैं। यह एच.-जोन/एच.-पट्ट के दोनों ओर होता है।

abaxial — **अपाक्ष**

अक्ष से दूर की ओर निर्दिष्ट।

abdomen — **उदर**

1. कशेरुकियों के शरीर में वक्ष और श्रोणि मेखला के बीच का भाग।
2. आर्थोपोडा संघ के इंसेक्टा, क्रस्टेशिया तथा एरेकनिडा वर्गों में वक्ष या शिरोवक्ष के पीछे का भाग।

abdominal appendage — **उदरीय उपांग**

उदर से निकलने वाले बाह्य-पाद या उन्हीं के समान संरचनाएं।

abdominal ganglion — **उदरीय गुच्छिका**

आहारनाल और दीर्घ अधर-पेशियों के बीच स्थित छोटा अंडाकार तंत्रिका केंद्र, जो आम तौर पर कीट के प्रत्येक उदरीय खंड में एक होता है। कभी-कभी ये गुच्छिकाएं संयुक्त होकर उदर के पश्च खंडों में तंत्रिकाओं की आपूर्ति कर देती हैं।

abducent nerve (abducens) **अपचालिनी तंत्रिका**
कशेरुकियों में छठी युग्मित कपाल तंत्रिका। यह प्रेरक तंत्रिका चतुर्थ वेन्ट्रिकल के तल के नीचे से निकल कर आंखों की बाह्य ऋजु पेशी तक जाती है।

abductor coxa **अपवर्तनी कक्षांग**

शक्तिशाली कक्षांग पेशियों में से दूसरी पेशी।

abductor muscle **अपवर्तनी पेशी**

किसी अंग या अवयव को शरीर की मध्यवर्ती रेखा या मुख्य अक्ष से बाहर की ओर ले जाने वाली पेशी।

abiogenesis **अजीवात्जनन**

अजीवित पदार्थ से जीवों की उत्पत्ति की एक प्राचीन मिथ्या संकल्पना। इसे स्वतःजनन (स्पॉन्टेनियस जेनेरेशन) भी कहते हैं।

abiotic **अजैव**

जैव-मंडल के अजैविक घटक जिनमें वायु, जल, भूमि और लवण आते हैं। इन अजैविक कारकों में तापक्रम, आर्द्रता, वर्षा, सूर्य का प्रकाश, वायु की गति, पी.एच. और रसायन सम्मिलित हैं जो जैविक क्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

abomasum **चतुर्थ आमाशय, एबोमेसम**

रोमंथी प्राणियों में आमाशय का चौथा भाग जिसे पाचन की दृष्टि से वास्तविक आमाशय कहा जा सकता है।

aboral **अपमुख**

मुंह से दूर अथवा उसके सामने की ओर स्थित।

abranchiate **अक्लोमी**

बिना क्लोम या गिलों वाला।

abrasion **1. अपघर्षण, 2. खरोंच**

त्वचा पर घर्षण अथवा रगड़ से होने वाली क्षति।

absolute **पूर्ण आकलन**

estimation किसी आवास में पहले से निर्धारित एकक में कीटों की संख्या की गणना। यह प्रति इकाई गणना आयतन, क्षेत्र, प्रति पादप परपोषी, प्रति प्राणि परपोषी आदि के संदर्भ में कीटों के घनत्व का आकलन बताती है। उदाहरण के लिए मानकीकृत चूषक पाशों द्वारा वायु से नमूना लेना, पादप भागों से अचल अवस्थाओं जैसे अंडे और प्यूपों को एकत्रित करना, पादप भागों पर अशन करते लारवों को एकत्रित करना अथवा उनकी पूरी पंक्ति अथवा प्रति वर्ग मीटर से कीटों अथवा उनकी परिपक्व अवस्थाओं की गणना करना।

absorption **अवशोषण**

जीवित कोशिकाओं और ऊतकों द्वारा तरल और विलेयों का अंतर्ग्रहण।

Acanthocephala **एकेन्थोसेफैला**

कूट प्रगुही (स्यूडोसीलोमेट) प्राणियों का एक संघ जिनको सामान्य भाषा में कंटशीर्ष कृमि कहते हैं। इनके वयस्क कशेरुकियों के आंत्र-परजीवी और डिभंक संधिपाद प्राणियों के परजीवी होते हैं।

acanthocephalous **कंटशीर्ष**

अंकुशित शुंडिका (proboscis) वाला।

acanthozooid **एकेन्थोज़ोयड, कंटजीवक**

मेखलाभों (सेस्टोडों) के प्रमूर्ध (प्रोस्कोलेक्स) का पुच्छीय भाग।

Acari **एकैराई**

ऐरेक्निडा कुल के ऐसे संधिपाद जिनमें चिचड़ियां (mites) और किलनियां (ticks) शामिल हैं।

acaricide **चिंचड़ीनाशी**

चिंचड़ियों और किलनियों को मारने के लिए उपयोग किए जाने वाले रसायन, उदा. डाइकोफोल, गंधक आदि।

acarology **चिंचड़ीविज्ञान**

विज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत चिंचड़ियों का अध्ययन किया जाता है।

acaudate **अपुच्छी**

बिना पुच्छ का प्राणी।

accessory gland **सहायक ग्रन्थियां**

कीटों के जनन-तंत्र से संबद्ध ग्रंथियां जो जनन-संबंधी कुछ गौण कार्यों को भी पूरा करती हैं। इसके द्वारा अंडों के आवरण अथवा कोष बनाने वाले आसंजनशील पदार्थ का स्रवण होता है। नर में श्लेष्मा ग्रंथि स्खलनीय सहायक ग्रंथि है जो वाहिनी में खुलती हैं।

accessory vein **अतिरिक्त शिरा**

अनुदैर्घ्य शिरा की एक अतिरिक्त शाखा अथवा हाइमनोप्टेरा गण में अगले पंख के पक्षांत क्षेत्र की सबसे बाद की पश्चशिरा।

accessory **सहायक, अतिरिक्त**

गौण या अप्रधान रूप. से सहायता देने वाला (अंग); जैसे सहायक-ग्रंथि।

accommodation **समंजन**

विभिन्न दूरियों पर स्थित वस्तुओं को साफ-साफ देखने के लिए आंखों में स्वतः होने वाला समायोजन जो मुख्यतः लेन्स की उत्तलता में परिवर्तन के फलस्वरूप होता है।

accrescent antenna **उत्तरवर्धी शृंगिका**

शिखाग्र की ओर धीरे-धीरे मोटी होती हुई शृंगिका।

acentric **अकेंद्री**

ऐसा गुणसूत्र जिसमें सेन्ट्रोमियर (सूत्रकेंद्र) नहीं होता।

acephalocyst **एसेफैलोसिस्ट, अशीर्षपुटी**

कुछ फीताकृमियों की उदाशय (हाइडेटिड) अवस्था।

acephalous **अशीर्षी**

1. सिर अथवा सिर-जैसी संरचना से रहित।

1-80/CSTT/RP/2001

2. बिना सुस्पष्ट सिर वाला (जैसे लैमेलिब्रैंक मोलस्क या ऐम्फिऑक्सस) अथवा वक्ष में आकुंचित ह्रासित सिर वाला (जैसे डिप्टेरा गण के कुछ लारवा–कीट)।

acerate **सूच्याकार**

(एकाक्ष अथवा तीक्ष्णांत कंटिकाओं के संदर्भ में) सूई की तरह एक ओर से नुकीली।

acerous **अशृंगिक**

1. बिना सींगों वाला।
2. बिना शृंगिकाओं वाला।
3. बिना स्पर्शक वाला।

acetabulum **श्रोणि उलूखल**

1. चतुष्पाद कशेरुकियों की श्रोणि मेखला में उरु अस्थि के शीर्ष के लिए चषकाकार गर्तिका जो श्रोणि-संधि बनाती है।

2. कीटों के वक्ष के कोटर जहां पाद लगे होते हैं।

3. लूताभों के कक्षांग की गर्तिका।

4. पर्णाभ तथा फीता कृमियों और जोंकों के चूषक (अंग) जिनसे वे परपोषी पर संलग्न होते हैं।

5. शीर्षपादों की भुजा पर पाये जाने वाले चूषक (अंग)।

acetyl choline **ऐसीटिल कोलीन**

तंत्रिका कोशिका द्वारा स्रवित एक ऐसा तंत्रि-रसायन जो अंतर्ग्रथन तथा तंत्रिपेशीय संधि पर विमोचित होता है। इसके अणु कोलीनेस्टरेज की क्रिया द्वारा तुरंत निम्नीकृत हो जाते हैं और इस प्रकार तंत्रिका फिर से नए आवेग को ग्रहण करने के लिए सक्षम हो जाती है।

acetyl coenzyme A **ऐसीटिल सहएन्जाइम ए.**

सह-एन्जाइम ए. का एक ऐसीटिल थायोएस्टर जो कार्बोहाइड्रेटों के अपचयन तथा अम्लों के बीटा-ऑक्सीकरण के दौरान बनता है। यह अनेक उपापचयी अभिक्रियाओं में अंतरण कर्मक का काम करता है।

achactous **अशूक**

बिना शूकों वाला।

achiasmatic meiosis **अकिऐज्मी अर्धसूत्रण**

अर्धसूत्री विभाजन जिसमें किऐज्मा नहीं बनता।

achromasia **एक्रोमेसिया**

अभिरंजकों के प्रति कोशिकाओं अथवा ऊतकों की सामान्य प्रतिक्रिया का अभाव।

achromatic figure (mitotic apparatus) **अवर्णक आकृति**
सूत्री विभाजन के दौरान बनने वाली एक संरचना जिसमें तारक-युग्म, तर्कु तथा उस के अनेक कर्षण रेशे शामिल होते हैं।

achromatic spindle **अवर्णक तर्कु**

कोशिका-विभाजन में ऐसे आभासी सूत्रों का तंत्र, जो केंद्रक के ध्रुवों की ओर मिलते हुए मध्य रेखा की ओर बढ़ते हुए दिखाई देते हैं।

achromatin **एक्रोमेटिन**

केंद्रक का वह पदार्थ जो क्षारकीय अभिरंजकों द्वारा आसानी से नहीं रंगा जा सकता। (विप — क्रोमैटिन)

acicle **सूची**

कांटे जैसा नौशृंग (scaphocerite), जैसे पैगुरिडी के प्राणियों (साधु केकड़ों) में।

acicular **सूच्याकार**

सूई जैसी संरचना जिसमें एक लंबी, पतली नोंक होती है।

aciculum **सूचिका**

कीटोपोडा के पार्श्वपाद (पैरापोडियम) में कड़ा आधारी शूक।

acid gland **अम्ल-ग्रंथि**

हाइमेनोप्टेरा गण के कीटों की अम्ल-स्रावी ग्रंथि।

acidophil (acidophile) **अम्लरागी**
अम्लरंजकों द्वारा भलीभांति रंगी जा सकने वाली संरचनाएं, जैसे कुछ अंगक या कोशिका। उदा. रुधिर की इओसिनरागी कोशिकाएं (इओसिनोफिल)।

acoelomate **अगुहिक**

बिना प्रगुहा (सीलोम) वाले प्राणियों के लिए प्रयुक्त; जैसे प्लैटीहेलमिन्थीज, नेमैटोडा, रॉटिफ़ेरा तथा कुछ अन्य सरल अकशेरुकी।

acoelous **1. अगुहिक 2. अगर्ती**

1. वास्तविक प्रगुहा यानी सीलोम से रहित (प्राणी)।

2. चपटे कशेरुकाय (सेन्ट्रम) वाला कशेरुक।

acontium **एकांशियम, सूत्रवर्ध**

ऐक्टीनियन प्राणियों (समुद्री एनीमोन) में आंत्रयोजनी तंतुओं की धागे-जैसी संरचनाओं में से एक जो दंश कोशिकाओं से लैस होती है और प्राणी को छेड़ने पर उनकी सुरक्षा के लिए उनके मुंह या विशेष छिद्रों द्वारा एकदम बाहर निकल आती है।

acquired character **उपार्जित लक्षण**

जीव द्वारा वातावरण या अंगों के उपयोग व अनुपयोग के परिणामस्वरूप अपने जीवन काल में प्राप्त किए जाने वाले लक्षण या विशेष संरचनाएं।

acquired variation **उपार्जित विभिन्नता**

सामान्य से अलग व्यवहार, संरचना या अंग जो जीव के परिवर्धन के साथ-साथ अधिकाधिक स्पष्ट रूप से प्रकट होता जाता है।

acquired **उपार्जित**

जीव को आनुवंशिक रूप में नहीं बल्कि स्वयं अपने प्रयत्नों से प्राप्त होने वाला (गुण या लक्षण) अथवा जन्म के बाद उत्पन्न होने वाला (रोग, इत्यादि)।

Acrania **ऐक्रेनिया**

कुछ वर्गीकरण पद्धतियों के अनुसार कॉर्डेटा का एक प्रभाग जिसमें हेमिकॉर्डेटा, यूरोकॉर्डेटा और सेफैलोकॉर्डेटा प्राणी आते हैं। वास्तविक सिर और मस्तिष्क या करोटि का न होना इनका विशिष्ट लक्षण है।

acraspedote **अविच्छद**

1. बिना गुंठिका (वीलम) वाले (सीलेन्टरेट) प्राणी।

2. एक्रैस्पिडा प्रभाग का अथवा उससे संबंधित।
3. फीताकृमियों के ऐसे शरीर-खंड जिनके सिरे एक दूसरे पर बैठते हैं।

acroblast **अग्रकोरक**

प्रशुक्राणु (स्पर्मेटिड) में गॉल्जी काय द्वारा घिरा हुआ इडियोप्लाज्म का पुंज जिससे अग्रपिंडक (ऐक्रोसोम) बनता है।

acrocentric chromosome **अग्रकेंद्री गुणसूत्र**

गुणसूत्र जिसका सूत्रकेंद्र एक सिरे पर होता है। मानव में ये गुणसूत्रों की उन लघु भुजाओं पर अनुषंगी होते हैं जिनमें राइबोसोमी आर.एन.ए. जीन मौजूद होते हैं।

acrocyst **शिखरपुटी**

कुछ हाइड्रॉइड प्राणियों में जनक प्रावरक (गोनोथीका) के शिखर पर पॉलिप (गोनोफ़ोर) की काइटिनमय गोल पुटी-जैसी संरचना।

acrodont **अग्रदंती**

हनु-अस्थि के किनारों पर जुड़े दांत (जैसे, कुछ सरीसृपों में)।

acromion process **अंसकूट प्रवर्ध**

अनेक उच्चतर कशेरुकियों में अंसफलक के कटक का अधर प्रसार जो मानव में कंधे का बाहरी कोण बनाकर अंस उलूखल की रक्षा करते हुए जत्रुक से मिलता है।

acron **एक्रोन**

1. कीटों का मुखपूर्वी क्षेत्र।
2. तरुण ट्राइलोबाइट का अग्र अखंडित भाग।

acrorhagus **शिखरपुच्छ, एक्रोरैगस**

एक्टिनेरिया के कुछ प्राणियों के शरीर के उपांत के निकट की गुलिका, जिसमें विशेष दंशकोशिकाएं (निमेटोसिस्ट) होती हैं।

acrosome **अग्रपिंडक, एक्रोसोम**

शुक्राणु के सिर का वह भाग जो गॉल्जी संमिश्र से व्युत्पन्न होता है और केंद्रक के अग्र सिरे को ढकता है। इसमें हायल्यूरोनिडेज़, प्रोटीएज़ और अम्ल फ़ॉस्फ़ेटेज़ जैसे अनेक एन्ज़ाइम होते हैं।

acrotrophic ovariole — **अग्रपोषी अंडाशयक**

पुटक नलिका के सिरे पर स्थित पोषक कोशिकाओं वाले अंडाशयकों में से एक। कुछ कीटों में पाए जाने वाले ये अंडाशयक जीवद्रव्यीय सूत्रकों की सहायता से वर्धमान अंडों से जुड़े रहते हैं और अंडे ज्यों–ज्यों अंडवाहिनी की ओर बढ़ते हैं त्यों–त्यों ये लंबे होते जाते हैं।

acrotrophic eggtube — **अग्रपोषी अंडनली**

अंडनलिका का वह प्रकार जिसमें पोषी कोशिकाएं अग्रकोष्ठक तक सीमित रहती है।

actin — **ऐक्टिन**

पेशी तथा कोशिका पंजर के सूक्ष्मतंतुओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन। यह गोलिकामय (जी. ऐक्टिन) तथा रेशेदार (एफ. ऐक्टिन) इन दो रूपों में मिलता है।

actinal — **मुखदिशी**

अरीय सममित प्राणी का वह भाग अथवा उससे संबंधित भाग जिससे स्पर्शक या शाखाएं निकलती हैं और जहां मुंह स्थित होता है।

actine — **एक्टीन**

तारकाकार कंटिका (spicule)।

actinoblast — **एक्टिनोब्लास्ट, अरकोरक**

वह मातृ कोशिका, जिससे कंटिका परिवर्धित होती है, जैसे पोरीफेरा में।

actinopharynx — **अरग्रसनी**

समुद्री ऐनीमोन की ग्रसिका (gullet)।

Actinopterygii — **ऐक्टिनॉप्टेरिजिआई**

मछलियों का उपवर्ग या प्रभाग जिसमें कॉड, हेरिंग, सर्पमीन (ईल), सॉमन आदि सामान्य मछलियों के अतिरिक्त स्टर्जियन व गार पाइक कहलाने वाली गैनॉइड मछलियाँ भी आती हैं। इनके युग्मित पखों में केवल शृंगी अरों का कंकाल होता है और कोई भी अस्थिल या उपस्थिल संरचना नहीं होती।

actinostome **अरमुख, ऐक्टिनोस्टोम**

समुद्री ऐनीमोन का मुख; तारामीन का 5-अरीय मुख–छिद्र।

actinula **ऐक्टिन्यूला, अरडिंभ**

ट्युबुलेरिया–जैसे निवह (कॉलोनी) वाले कुछ सीलेन्टरेट प्राणियों का रेंगने वाला डिंभक। स्पर्शकों से परिपूर्ण यह डिंभक छोटे पॉलिप की तरह दिखाई देता है और जनक पॉलिप (गोनोफोर) के चषक में परिवर्धित होता है।

activated charcoal **सक्रियित काष्ठकोयला, सक्रियित चारकोल**

उच्च कोटि का बहुत बारीक पिसा हुआ चारकोल जो तरल पदार्थ और गैसों का अवशोषण आसानी से कर लेता है।

activation **सक्रियण**

ऐसे परिवर्तन का क्रम जिनसे अंडा इस अवस्था में पहुंचता है कि आगे विदलन की क्रिया शुरू हो सकती है। इस प्रक्रिया के फलस्वरूप अंडे में पहले ही स्थित दूत आर एन ए (mRNA) प्रोटीन संश्लेषण को क्रियान्वित करता है। प्रोटीन के संश्लेषण से पॉलीराइबोजोम संरचनाएं बनती हैं।

activator **सक्रियक**

ऐसा प्रोटीन जो प्रायः किसी विशिष्ट डी.एन.ए. अनुक्रम के 5′ सिरे पर संलग्न होकर उसके अनुलेखन को प्रश्रय अथवा बढ़ावा देता है।

active ingredient **सक्रिय अवयव**

पीड़कनाशी का आविषालु तत्व (रसायन) जो जीवों को मारता है।

active resistance **सक्रिय प्रतिरोध**

परपोषी पर आक्रमण के पश्चात् होने वाली सुरक्षात्मक प्रतिक्रिया।

active transport **सक्रिय अभिगमन**

सांद्रण प्रवणता की विपरीत दिशा में आयनों अथवा उपापचयजों का अभिगमन। इसमें ऊर्जा की आवश्यकता होती है और यह प्रायः विशिष्ट अभिगमनी प्रोटीनों के माध्यम से होता है।

acute dermal toxicity **तीव्र त्वचीय आविषालुता**

पीडकनाशी की वह मात्रा जो त्वचा पर से शरीर में अवशोषित होने पर विषाक्त हो जाती है।

acute dosage **तीव्र मात्रा**

पीड़कनाशी के सक्रिय घटक (संरूपित पदार्थ नहीं) की वह मात्रा जिसका किसी क्षेत्र अथवा लक्ष्य पर अनुप्रयोग किया जाता है।

acute inhalation toxicity **तीव्र अंतःश्वसन आविषालुता**

पीड़कनाशी की वह मात्रा जो श्वास द्वारा फेफड़ों में पहुंचने पर विषाक्त हो जाती है।

acute oral toxicity **तीव्र मुखीय आविषालुता**

मुख द्वारा लिए गए रसायन की एक ही मात्रा से होने वाली आविषालुता।

acute poisioning **तीव्र विषाक्तन**

पीड़कनाशी की एक ही मात्रा के प्रभाव से होने वाला विषाक्तन।

acutiplanter **शितगुल्फ**

ऐसे गुल्फ से युक्त (पक्षी, आदि) जिसका पश्चतर भाग तेज नोक वाला हो।

adambulacral ossicle **अभिवीथि अस्थिका**

तारामीन (स्टारफिश) में नालपदों के समीप वीथि खांचों के दोनों ओर स्थित छोटी कंकाली पट्टिका।

adaptation **अनुकूलन**

वह प्रक्रम जिसके द्वारा कोई जीव अपने बाहरी व भीतरी वातावरण के प्रति अनुरूप बनने की क्षमता प्राप्त करता है या अपने को वातावरण के अनुकूल ढाल लेता है। इस प्रक्रम के परिणामस्वरूप उत्पन्न संरचना, स्वभाव या व्यवहार।

additive resistance **योज्य प्रतिरोध**

एक से अधिक जीन के द्वारा नियंत्रित प्रतिरोध। इनमें से प्रत्येक जीन स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त हो सकता है, किन्तु अतिरिक्त जीन की अभिव्यक्ति से उसकी क्षमता बढ़ जाती है।

additive — **योज्य, योगात्मक**

किसी द्रव्य (जैसे, पीड़कनाशी) में मिलाए जाने वाला पदार्थ, यह आवश्यक नहीं कि यह पदार्थ क्लेदक (wetting) या पृष्ठसक्रियक (surfactant) हो।

adductor muscle — **अभिवर्तनी पेशी**

1. वह पेशी जो किसी अंग या अवयव को शरीर के मुख्य अक्ष की ओर खींचती है।
2. वह पेशी जो दो भागों को परस्पर मिलाती है; जैसे सीपी में कवच के दोनों कपाटों को मिलानी वाली पेशी।

adecticous pupa — **अक्रियचिबुक कोशित**

ऐसे कोशित जिनमें असंधित (ह्रसित चिबुकांग होते) हैं। इनकी दो मुख्य किस्में हैं: अबद्ध अक्रियचिबुक कोशित और आबद्ध अक्रियचिबुक कोशित।

adelphoparasitism — **एडेल्फो-परजीविता**

परजीवी हाइमेनोप्टेरा के कुल एफीलिनिडी में मिलने वाली परजीविता जहां मादा प्राथमिक परजीव्याभ (parasitoid) होती है जबकि उसी जाति के नर द्वितीयक अथवा परात्परजीवी (hyperparsite) होते हैं। जब अमैथुनी मादा अनिषेचित अंडे कोक्सिड परपोषी में निक्षेपित करती है तब इन अंडों से केवल नर पैदा होते हैं। ये नर अविकल्पी द्वितीयक परजीवी/परजीव्याभ बन जाते हैं।

adenosine triphosphate (ATP) — **एडीनोसीन ट्राइफास्फेट (ए टी पी)**

एडेनीन, राइबोस तथा तीन फॉस्फेट ग्रुपों से बना यौगिक जो सजीव कोशिकाओं में उपापचयी अभिक्रियाओं के लिए ऊर्जा और फॉस्फेट ग्रुप का प्रमुख स्रोत है। इसमें से क्रमशः एक–एक फॉस्फेट अपघटित होने पर ए.डी.पी. और ए.एम.पी. बनते हैं।

adenosine — **ऐडेनोसिन**

ऐडेनीन (एक प्यूरीन क्षारक) और राइबोस/ डिऑक्सीराइबोस (पेन्टोस शर्करा) के ग्लाइकोसिडिक आबंध द्वारा जुड़ने से बना एक

न्यूक्लिओसाइड। यह ए.टी.पी. जैसे उच्च-ऊर्जा यौगिकों तथा न्यूक्लीक अम्लों के संघटक न्यूक्लिओटाइडों (ऐडेनिलिक अम्ल) का प्रमुख रचक है।

adenovirus **ग्रंथिविषाणु**

आवरण झिल्ली से रहित डी.एन.ए. विषाणु जिनका व्यास 70 से लेकर 90 नैनोमीटर तक होता है। इनकी विंशफलकीय सममिति वाली पेटिकाएँ 252 पेटिकाशकों से बनी होती हैं। ये मुख्यतः स्तनियों और पक्षियों की कोशिकाओं पर संक्रमण करते हैं।

adfrontal area **अभिललाट क्षेत्र**

लेपिडोप्टेरा गण के डिंभक के सिर पर वह क्षेत्र जिस पर एक जोड़ी संकरे तिरछे कटक (sclerites) होते हैं।

adhesion **आसंजन**

दो असमान पिंडों के संपर्क में आने पर उनमें परस्पर उत्पन्न आकर्षण बल जिसके कारण वे चिपक जाते हैं।

adipocyte (fat cell) **वसाणु (वसा-कोशिका)**

कोशिका विशेष जिसके कोशिकाद्रव्य में एक बड़ी वसा-गोलिका होती है। सामूहिक रूप से यह वसा-ऊतक का निर्माण करती है जो वृक्क, आंत्रयोजनी आदि के चारों तरफ तथा त्वचा के नीचे पाया जाता है। ऊर्जा-संचय, ऊष्मा-रोध और स्थूलन में इसका महत्व होता है।

adipoleucocyte **वसा-श्वेताणु**

वसा–बिंदुओं या मोम से भरा हुआ श्वेताणु; जैसे कुछ कीटों की रुधिर–कोशिकाएं।

adipose body **वसा-पिंडक**

1. उभयचर प्राणियों में जनन ग्रंथियों से संबद्ध वसा–गोलिकाओं से भरी संरचनाएं।
2.कीटों के पूरे शरीर के भीतर फैले हुए मध्यवर्ती ऊतक जो संभवतया पोषण पदार्थ के संग्रह का काम करते हैं।

adipose fin — **वसा-पख**

सामन और प्रारूपिक अशल्क मीनों–जैसी कुछ मछलियों में पश्च पृष्ठ पख का परिवर्धित कोमल, मांसल और अरहीन रूप।

adipose tissue — **वसा-ऊतक**

एक तरह का संयोजी ऊतक जिसकी बड़ी–बड़ी कोशिकाओं में वसा की बूंदें जमा होती हैं।

adjuvant — **सहवर्धी**

पदार्थ जो प्रतिरक्षा-अनुक्रिया को बढ़ाता है तथा उसे सतत रूप में बनाए रखता है। उदाहरणतः फिटकरी और एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड आदि।

adoral — **अभिमुखीय**

मुख के निकट या उससे संबंधित सतह, संरचना आदि के लिए प्रयुक्त।

ADP (adenosine diphosphate) — **ए.डी.पी. (ऐडेनोसीन डाइफॉस्फेट)**

ऐडेनोसीन और दो फॉस्फेट समूहों का एक यौगिक जो ए.टी.पी. से एक फॉस्फेट समूह के अपचय द्वारा बनता है।

adradius — **अभ्यर, अभि-अर**

सीलेन्टेरेटा प्राणियों में परि–अर (per-radius) और अंतरा–अर (inter-radius) के बीच स्थित संरचना।

adrectal — **अधिमलाशयी**

मलाशय के समीप स्थित या उससे जुड़ी हुई संरचना। इसका प्रयोग विशेष रूप से कुछ मोलस्कों की उस ग्रंथि के संदर्भ में होता है जिससे एक प्रकार का तरल पदार्थ निकलता है और जो प्रकाश के संपर्क में आने पर नील लोहित हो जाता है।

adrenal (gland) — **अधिवृक्क (ग्रंथि)**

वृक्क से लगी हुई अंतःस्रावी ग्रंथि जिससे एड्रिनेलिन नामक महत्वपूर्ण हार्मोन निकलता है।

adrenaline **एड्रिनेलिन**

अधिवृक्क (एड्रिनल) के केंद्रीय भाग (मेडुला) से निकलने वाला हार्मोन जो ग्लाइकोजन को ग्लूकोस में बदलने में सहायक होता है।

adsorption **अधिशोषण**

वह प्रक्रम जिसके द्वारा पदार्थों को सतह पर इस ढंग से आबद्ध रखा जाता है कि रसायन धीमी गति से उपलब्ध होता रहे। कई बार चिकनी मिट्टी अथवा कार्बनिक मिट्टियों में पीड़कनाशी के अवशोषण की प्रवृत्ति होती है।

adsorptive endocytosis **अधिशोषी अंतःकोशिकता**

अंतःकोशिकता का ऐसा प्रक्रम जिसमें अंतर्गृहीत पदार्थ की सांद्रता उस पदार्थ की झिल्ली से आबद्ध होने की क्षमता पर निर्भर करती है।

adult **प्रौढ़, वयस्क**

वृद्धि के फलस्वरूप पूर्ण आकार तथा जननक्षमता प्राप्त कर लेने वाला प्राणी।

adventitious regeneration **अपस्थानिक पुनर्जनन**

अपसामान्य स्थल की कोशिका से अंगों का विभेदन।

aedeagal apodeme **लिंगाग्रिका आंतरवर्ध (ऐपोडीम)**

नर कीट में लिंगाग्रिका की अंतरवृद्धि।

aedeagus **लिंगाग्रिका**

नर कीट का मैथुन अंग। स्खलन वाहिनी का अंतिम भाग अधर देहभित्ति से उत्पन्न अंगुली-जैसे अंतर्वलन से घिरा रहता है, जिससे नर का प्रवेशी अंग बनता है।

aerial **वायव**

1. धरातल से ऊपर

2. वायवीय

aerobic respiration **वायुश्वसन**

गैसीय अथवा जल में घुली हुई ऑक्सीजन की उपस्थिति में होने वाला श्वसन। तु. anaerobic respiration—अवायु-श्वसन।

aerobe **वायुजीव**

जीव जिन्हें जीवन-क्रियाओं के संपादन के लिए आण्विक ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ती है। ये ऑक्सीजन का उपयोग इलेक्ट्रॉन अभिगमन शृंखला के अंतस्थ इलेक्ट्रॉन ग्राही के रूप में करते हैं। जिन जीवों में ऊर्जा पारक्रमण की इसके अतिरिक्त कोई अन्य विधि नहीं होती वे अविकल्पी वायुजीव तथा जिन जीवों में इसकी अन्य क्रियाविधि होती है वे विकल्पी वायुजीव कहलाते हैं।

aerobic **वायवीय**

वायु की उपस्थिति में जीवित तथा सक्रिय रहने वाला जीव। (तु. anaerobic अवायवीय)

aeropyle **वायुद्वार**

कीटों के अंडों में उपस्थित प्रणाल जिनके द्वारा गैस भरी परत अंडे के बाहरी पर्यावरण से संपर्क करती है।

aerosol **वायु-विलय, ऐरोसोल**

पीड़कनाशी का वह संरूपण जिसका प्रकीर्णन अनुप्रयोग के समय अतिसूक्ष्म बूंदों के रूप में होता है। ये दाबीकृत प्रक्षेपक होते हैं। इनमें पीड़कनाशी की सूक्ष्म मात्रा रहती है जिसे उच्च दाब पर रासायनिक प्रक्रिया से निष्क्रिय गैस द्वारा एक सूक्ष्म छिद्र से निकाला जाता है। इन सूक्ष्म बूंदों का आकार 0.1 से 50 माइक्रोन व्यास के बीच होता है।

aestivation **ग्रीष्मनिष्क्रियता**

अत्यधिक गर्म और शुष्क जलवायु की अवधि बिताने के लिए कुछ प्राणियों में एक प्रकार की सुप्तावस्था जिसमें उनकी उपापचय क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं।

afferent **अभिवाही**

1. ऐसी तंत्रिकाएं जो आवेगों को मेरुरज्जु या मस्तिष्क की ओर ले जाती हैं।
2. ऐसी रुधिर-वाहिकाएँ जिनके द्वारा रक्त किसी विशेष अंग की ओर जाता है।

affinity **बंधुता**

जातियों, वंशों या अन्य प्राकृत वर्गों में संरचनात्मक समानता जिससे उनके साँझा पूर्वज होने की संभावना प्रकट होती है।

agamete **अयुग्मक**

अलिंगी जनन-कोशिका (जैसे बीजाणु या खंडजाणु) जो युग्मक संलयन (syngamy) के बिना ही वयस्क प्राणी बन जाती है। उदा. कुछ प्रोटोजोआ।

agamic **अयुग्मनी**

अनिषेकजनन द्वारा अथवा बिना संगम के संततियों की उत्पत्ति।

agar-agar **ऐगार-ऐगार**

समुद्री शैवाल से निष्कर्षित जेलेटिन जैसा एक पदार्थ जो संवर्धन माध्यमों को जमाने के काम आता है।

agglutinability **आश्लेष्यता**

लाल रुधिर कोशिका, जीवाणु,, विषाणु आदि में पाई जाने वाली समूहन की क्षमता।

agglutination **आश्लेषण**

कोशिकाओं का गुच्छों के रूप में संलग्न होना जिसमें उनकी परस्पर आसन्न प्रतिरक्षियों के प्रतिजन स्थलों पर द्विसंयोजी कोशिकाओं के बीच आबंधन सेतु बनते हैं। जैसे, रक्ताणु, शुक्राणु और अनेक जीवाणुओं में।

agglutinogen **एग्लुटिनोजन**

एग्लुटिनिन उत्पन्न करने वाला पदार्थ अथवा प्रतिजन (antigen)।

aggultinin **एग्लूटिनिन**

रुधिर कणिकाओं, जीवाणुओं आदि का समूहन करने वाला प्रतिरक्षी पदार्थ। विशेष रूप से, किसी व्यक्ति के रुधिर प्लाज्मा का वह अवयव जो दूसरे व्यक्ति के रुधिर में स्थित लाल कणिकाओं के

विशिष्ट प्रतिजन (एन्टीजन) के साथ अभिक्रिया कर समूहन करता है।

aglomerular **अकेशिकागुच्छीय**

केशिका–गुच्छ से रहित वृक्क (जैसे, कुछ मछलियों के वृक्क)।

aglycone **एग्लाइकॉन**

एक कार्बनिक यौगिक जो फ़ीनॉल या एल्कोहॉल होता है और जिसमें ग्लाइकोसाइड का शर्करा अंश मिला होता है। इसे जल अपघटन द्वारा प्राप्त किया जाता है।

Agnatha **एग्नैथा**

कार्डेटा संघ का एक उपसंघ जिसमें साइक्लोस्टोम अर्थात् चक्रमुखी प्राणी आते हैं। मछलियों से मिलती–जुलती आकृति होते हुए भी जबड़ों और युग्मित पखों का न होना इनकी प्रमुख विशेषता है। उदा. पेट्रोमाइज़ॉन और मिक्साइन।

agranulocyte **अकणकोशिका**

वह श्वेताणु, जिसमें कोशिकाद्रव्यी कणिकाएं नहीं होतीं; जैसे लसीकाणु या एककेंद्रकाणु।

air bladder **वायु आशय**

मछलियों में गैस से भरा थैलीनुमा अंग जो प्रायः आहार नाल और कशेरुकदंड के बीच स्थित होता है। आमतौर पर इसका काम तैरने में सहायता देना है, परंतु कुछ मछलियों में यह श्वसन, श्रवण तथा ध्वनि उत्पादन में भी सहायक होता है।

air sac **वायु कोश**

1. फुप्फुसों की कूपिकाएं: स्तनधारियों और पक्षियों में फुफुसों के मुख्य भाग को बनाने वाले लाखों छोटे–छोटे कोश। जल में घुली ऑक्सीजन और कार्बनडाइऑक्साइड इन कूपिकाओं की भित्तियों से होकर विसरण द्वारा रुधिर में आती–जाती रहती हैं।

2. पक्षियों के वायुकोश: बड़ी–बड़ी थैली–जैसी संरचनाएं जो वायु आशयों का कार्य करती हैं और फुप्फुस कूपिकाओं को फुप्फुसों से तथा हड्डियों को गुहाओं से जोड़े रखती हैं। श्वसन–क्रिया के

दौरान इन कोशों के संपीडन और प्रसार से वायु, फुप्फुस कूपिकाओं में तेजी से जाती है। इस प्रकार श्वसन क्रिया में वायु काफी तेजी से आती जाती है। 3. कीटों के वायुकोशः श्वास नलियों में पतली भित्तियों वाले विस्फारण, जो अपनी प्रत्यास्थता के कारण कई तेज उड़ने वाले कीटों के श्वसन–तंत्र को अधिक संवातन प्रदान करते हैं।

air tube **वायु-नलिका**

नली अथवा नलियों का जोड़ा जिसका सिरा पानी के ऊपर निकला रहता है और जिसकी सहायता से पूरे समय पानी के अंदर रहने वाले कीट सांस ले सकते हैं। उदा.– मच्छर का लारवा।

ala **पक्षक**

पंख के समान प्रवर्ध, प्रक्षेप या संरचना।

alar **पक्षाभ**

पक्षकों से संबंधित।

alary muscle **पक्षाकार पेशी**

कीट की हृदयावरणी गुहा को परिअंतरंग से अलग करने वाली झिल्ली में प्रविष्ट तिकोने पंख के समान पेशियों की शृंखला जिनके संकुंचन से रक्त प्रवाह हृदयावरणी गुहा में होता है और छोटे छिद्र आस्य से होकर लंबे पृष्ठीय नलिकाकार हृदय में पहुंचता है।

alate **सपक्षक**

प्रवासी मादा एफिड वर्ग के पंखवाले कीट।

albinism **अवर्णकता**

मेलानीन के पूर्ण अभाव वाला ऐसा जन्मजात विकार जो फेनिलऐलेनिन और टाइरोसिन के उपापचय में रुकावट आ जाने से उत्पन्न होता है। यह अप्रभावी जीन द्वारा नियंत्रित एक आनुवंशिक विकार है। त्वचा, बाल और आंख में रंग की कमी, सफेद रंग के चूहे व मोर आदि इसी का परिणाम हैं।

albino **वर्णकहीन (जीव)**

ऐसा जीव जिसकी त्वचा, रोम और आंखों पर वर्णकता (pigmentation) नहीं होती। यह अप्रभावी जीन (recessive gene) का प्रत्यक्ष प्रभाव है।

albumen — **एल्बूमेन, श्वेतक**

सरीसृप तथा पक्षियों के अंडों में भीतर का सफेद पोषक पदार्थ जो पीतक को घेरे रहता है। इसमें मुख्यतः ऐल्बूमिन होता है।

alder fly — **पौरमक्षी**

न्यूरोप्टेरा गण के सिलिएडी कुल के आदि कीट। इनके जलीय, परभक्षी डिंभकों में क्लोम तंतुओं (gill-filament) से झल्लरित सात या आठ जोड़ी सुस्पष्ट उदरीय उपांग (appendage) होते हैं। वयस्क कीट उड़ने में दुर्बल होते हैं तथा कम समय तक ही जीवित रहते हैं।

alecithal — **अपीतकी**

बिना पीतक वाला; विशेष रूप से ऐसे अंडे जिनके जीवद्रव्य में पीतक बहुत कम या बिल्कुल ही नहीं होता; जैसे अपरायुक्त स्तनियों के अंडे।

alien species — **विदेशी जाति**

वह कीट अथवा जीव जो किसी ऐसे प्रदेश में प्रवेश पा गया है अथवा प्रवेशित कर दिया गया है जहां वह पहले उपस्थित नहीं था।

alienicola — **अन्यावास**

दूसरे क्षेत्र का निवासी; विशिष्ट रूप से मौसमी प्रवास करने वाली जाति का एफिड (जैसे **एफिस रुमिसिस**) जो द्वितीयक अर्थात् ग्रीष्मकालीन परपोषी पौधे पर रहते हुए अलैंगिक रूप से सीधे ही बच्चे उत्पन्न करता है।

aliform — **पक्षरूप**

पंख–जैसी या पंखों के समान फैलाव वाली (संरचना)।

alimentary canal — **आहार नाल**

मुंह से बृहदंत्र तक जाने वाला नलिकामय मार्ग जो भोजन के पाचन और अवशोषण तथा मल–उत्सर्जन का काम करता है। मानव में यह नाल लगभग तीस फुट लंबी होती है।

alimentary system — **आहार-तंत्र**

भोजन के अंतर्ग्रहण, पाचन, अवशोषण तथा अवशिष्ट मल–पदार्थों के उत्सर्जन का कार्य करने वाले अंगों का समूह, जिसमें आहार–नाल और पाचक रसों का स्रवण करने वाली ग्रंथियां आती हैं।

alinotum **पक्षपृष्ठक**

पंखदार कीटों का वक्षीय बाह्यकंकाल पट्ट, जिससे पंख जुड़े रहते हैं।

alisphenoid **पक्षजतुक, ऐलिस्फेनाइड**

जतुक (अस्थि) के पंख–जैसी आकृति को बनाने वाली संरचना या उससे संबंधित अवयव।

alkaloid **ऐल्केलॉइड**

कुछ पौधों में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले नाइट्रोजनी पदार्थ जिनका उपयोग वनस्पति मूल के कीटनाशी तैयार करने के लिए किया जाता है। ये कीटों में परपोषी के चयन का निर्धारण करते हैं।

alkylating agent **ऐल्किलन कारक**

सल्फोनिक अम्ल के ये ऐस्टर नाइट्रोजन मस्टर्डस और एजिरिडिन हैं और नर कीट बंध्यक के रूप में अत्यधिक प्रभावी हैं। उदाहरण–टेपा और एफोलेट।

allantois **अपरापोषिका**

उच्चतर कशेरुकियों की एक भ्रूणबाह्य संरचना जो आहार–नाल के पश्च भाग से झिल्लीदार थैली के रूप में परिवर्धित होती है और पोषण अथवा श्वसन में योग देती है। स्तनियों में यह अपरा का एक भाग है।

allele (allelomorphic pair) **विकल्पी (युग्मविकल्पी)**

गुणसूत्रों में समकक्ष विस्थल पर पाये जाने वाले जीनों का एक जोड़ा या समूह जो वैकल्पिक आनुवंशिक लक्षणों का नियमन करता है। जीनों के वैकल्पिक जोड़े में दोनों जीन प्रभावी, दोनों अप्रभावी या एक प्रभावी और दूसरा अप्रभावी हो सकता है। गुणसूत्रों में जब एक ही विस्थल पर दो से अधिक विकल्पी जीन होते हैं, तो उन्हें बहुविकल्पी कहते हैं।

allelism **विकल्पता (युग्मविकल्पता)**

दो युग्म विकल्पियों (ऐलीलों) के बीच का संबंध।

allelochemic **अन्योन्य रसायन**

किसी एक जाति के जीव द्वारा उत्पन्न एक प्रकार का अपोषणज रसायन जो दूसरी जाति की वृद्धि, स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित करता है।

allelopathy **ऐलीलोपैथी**

किसी जीव द्वारा पर्यावरण में मोचित रसायन से दूसरे जीव की वृद्धि अथवा उसके जनन का संदमन।

allergen **प्रत्यूर्जक, ऐलर्जन**

प्रतिजन जो प्रत्यूर्जता (ऐलर्जी) प्रेरित करता है। ये पराग, जीवों और विभिन्न खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाले गोलकीय प्रोटीन होते हैं।

allergy **प्रत्यूर्जता, ऐलर्जी**

प्रतिजन-प्रतिरक्षी अभिक्रिया (antigen-antibody reaction) जो संवेदनशील (sensitive) व्यष्टियों में किसी पदार्थ के प्रति अत्यधिक कार्यिकीय अनुक्रिया (physiological response) के रूप में व्यक्त होती है।

alligator **ऐलीगेटर**

ऐसा मगर जिसका सिर चौड़ा और प्रोथ के रूप में निकला हुआ होता है। इसके निचले जबड़े के बढ़े हुए चौथे दांत के लिए ऊपरी जबड़े में एक विशेष कोटरिका होती है। **क्रोकोडाइलस** वंश के मगर से यह अधिक सुस्त होता है।

allochronic **असमकालिक**

अलग–अलग भूवैज्ञानिक काल–खंडों (युग, महाकल्प आदि) में पाई जाने वाली जातियों या वर्गक (टैक्सॉन) के लिए प्रयुक्त शब्द। विप. synchronic समकालिक।

allograft **अपरनिरोप**

आनुवंशिकता के आधार पर एक ही जाति के दो असमरूपी सदस्यों के बीच निरोप का आदान-प्रदान

alloiogenesis **एकांतरजनन**

किसी जीव के जीवन–चक्र में लैंगिक तथा अलैंगिक जनन का एकांतरण।

allometric growth **सापेक्षमितीय वृद्धि** ऐसी वृद्धि जिसमें जीव के एक अंग की वृद्धि– दर दूसरे अंग की वृद्धि–दर से भिन्न होती है।

allometry **सापेक्षमिति**

किसी व्यष्टि के अंग विशेष की वृद्धि दर की संपूर्ण व्यष्टि की अथवा उसके किसी अन्य अंग की वृद्धि दर से तुलना।

allomone **ऐलोमोन**

एक ऐसा रसायन या रसायनों का मिश्रण जिसे कोई जीव दूसरी जाति के जीव में अनुक्रिया उत्पन्न करने के लिए मोचित करता है। इसका लाभ मोचन करने वाले जीव को होता है, अर्थात् ये रसायन उत्पन्न करने वाले जीव के प्रतिरक्षी स्राव होते हैं जो आक्रमणकारी के लिए आविषालु या प्रतिकारी होते हैं। यह अंतराजातीय सेमियो–रसायन हैं जो उत्पादक जीव की सहायता करता है।

allopatric **विस्थानिक**

एक दूसरे से भिन्न, अलग–अलग भौगोलिक वितरण–क्षेत्र वाली जातियां।

allopatric distribution **विस्थानिक वितरण**

समष्टियों का स्थानिक वितरण जो भौगोलिक रोध द्वारा पृथक् रहता है।

allopatric speciation **विस्थानिक जातिउद्भवन**

एक लंबे अंतराल के बाद भौगोलिक पृथक्करण, जैसे पर्वत श्रृंखला के कारण मूल पूर्वज–समूहों से नई जाति का उद्भव।

allophore **एलोफोर**

लाल वर्णक वाली कोशिका या वर्णकी लवक जो मछलियों, उभयचरों तथा सरीसृपों की त्वचा में पाया जाता है।

alloplasm **अपद्रव्य**

कोशिका–जीवद्रव्य का वह भाग जिससे स्वतंत्र कोशिकाओं का निर्माण नहीं होता।

allopolyploid (alloploid) **अपरबहुगुणित**

बहुगुणित जीव जिसका गुणसूत्र-समुच्चय ऐसी दो भिन्न जातियों के जनकों के संकरण से उत्पन्न हो जिनकी गुणसूत्र-संरचना तथा संख्या एक जैसी नहीं होती।

allosome **ऐलोसोम**

प्रारूपिक गुणसूत्र से भिन्न कोई भी गुणसूत्र।

allosteric enzyme **अपरस्थली एंजाइम**

वे एंजाइम जिनकी त्रिविम संरचना और जैव गुण सक्रिय स्थल के अलावा अन्य स्थलों पर विशिष्ट छोटे–छोटे अणुओं के बंधन से बदल जाते हैं। दे allostery

Allotheria **ऐलोथीरिया**

जुरैसिक कल्प के आद्य स्तनियों का उपवर्ग। इनके अधूरे जीवाश्म अवशेष ही मिले हैं जिनके आधार पर इन्हें मोनोट्रीमों और शिशुधानी वाले प्राणियों के वर्ग में रखा गया है।

allotype **एलोटाइप, अन्यप्ररूप**

नामप्ररूप (होलोटाइप) के नमूने से पृथक लिंग वाला प्रारूपिक निदर्श, विशेषतः वह जिसका मूल लेखक द्वारा नामकरण किया गया हो।

alpha taxonomy **ऐल्फा वर्गिकी**

किसी जाति के नामकरण और उसकी विशेषता से संबद्ध वर्गिकी का स्तर। इसे वर्णनात्मक वर्गिकी भी कहते हैं।

alternate host **एकांतर परपोषी**

किसी जीव के जीवन–चक्र को पूरा करने के लिए उपयोग में आने वाली एक या दो परपोषी जातियाँ।

alternation of generation **पीढ़ी एकांतरण**

वह क्रम जिसमें किसी जीव की द्विगुणित पीढ़ी (डिप्लॉइड) अलैंगिक विधि से जनन करती हुई अगुणित पीढ़ी (हैप्लॉइड) को जन्म देती है जो फिर लैंगिक विधि से जनन करती हुई पुनः द्विगुणित पीढ़ी को जन्म देती है और यह क्रम इसी प्रकार चलता जाता है; जैसे, प्राणियों में हाइड्रोजोआ वर्ग के ओबेलिया, आदि में। दे. मेटाजेनेसिस

altrices (nidicolae) **सहायापेक्षी (नीडाश्रयी)**

फ़ाखता (पंडुक) और कबूतर जैसे पक्षी, जिनके बच्चे बहुत अपरिपक्व अवस्था में ही पैदा होते हैं। जन्म कें समय इनमें या तो पिच्छ बिल्कुल ही नहीं होते या केवल थोड़े से कोमल पिच्छ होते हैं। ये

घोसलों में ही रहते हैं और भोजन के लिए माता–पिता पर आश्रित होते हैं।

altriuism **परोपकारिता**

सिलफिड भृंगों के नर और मादा द्वारा पैतृक रक्षण का कार्य। नर और मादा दोनों ही भूमि में बिल खोदने और लारवों को अशन कराने में सहयोग करते हैं।

alula **पक्षिका**

पक्ष–आधार के पश्च कोण पर विशेष रूप से विकसित कलामय पालियों का एक जोड़ा। उदाहरण–डिप्टेरागण के कुछ कीट।

alveolus **कूपिका, ऐल्वियोलस**

1. गुलिका (tubercle) पर उभरी हुई रोम गर्तिका अथवा शूक गर्तिका (setal socket)।

2. फुप्फुसों में वायु गुहिका। 3. दंत–गर्त।

ambrosia beetle **ऐम्ब्रोसिया भृंग, प्रादन भृंग**

स्कोलिटिडी कुल के भृंग जो लकड़ी को बेधकर कवकों को भीतर ले जाते हैं ताकि उनसे अपने भृंगकों के लिये भोजन उपलब्ध करा सकें।

ambulacrum **एम्बुलेक्रम, वीथिक्षेत्र**

कई शूलिचर्मियों (एकाइनोडर्मो) में मुंह से भुजा तक फैली हुई अरीय खांच जिसमें नाल–पद (tube feet) होते हैं।

ambulatory **चलनक्षम**

चलने–फिरने से संबद्ध अथवा चलने वाले अंग का या उससे संबद्ध (जैसे नाल–पद या क्रस्टेशिया के सखंड उदरीय उपांगों में से कोई)।

amensalism **ऐमनसेलिज्म**

जैविक–प्रक्रिया का ऐसा प्रकार जिसमें एक जीव का दूसरे जीव द्वारा संदमन होता है, लेकिन दूसरा जीव न तो संदमित होता है और न उद्दीप्त ही होता है।

Ametabola — **एमेटाबोला**

कीटों का एक समूह जिसमें थाइसोन्यूरा जैसे कुछ गण आते हैं और जिनमें अस्पष्ट रूप से कायांतरण होता है।

ametabolus (ametamorphic) — **अकायांतरणी**

पंखहीन आदिम कीट जिनमें कायांतरण नहीं होता। ये कीट डिप्लूरा, थायसेन्यूरा, कोलेम्बोला और प्रोटूरा गण के अंतर्गत आते हैं।

ametoecious — **एकपोषी**

अपने जीवन–चक्र के दौरान केवल एक परपोषी पर ही आश्रित रहने वाला (प्राणी)।

amino acid — **ऐमीनो अम्ल**

α-ऐमीनो प्रतिस्थापित कार्बोक्सिलिक अम्लों वाले कार्बनिक यौगिक जिनसे प्रोटीनों का निर्माण होता है। सामान्यतः प्रोटीनों में ऐसे 20 प्रकार के ऐमीनो अम्ल पाए जाते हैं।

amino acid — **ऐमीनो अम्ल**

कार्बनिक यौगिकों का एक ऐसा वर्ग जो ऐमीनो (NH_2) तथा कार्बोक्सिल (-COOH) समूह युक्त होते हैं और जिसके साथ पार्श्व शृंखला भी लगी रहती है। यह प्रोटीन की आधारगत संरचनात्मक इकाई है।

amitosis — **असूत्रण, असूत्रीविभाजन**

तर्कु या सूत्र–जैसी संरचनाओं के निर्माण के बिना ही केंद्रक के सीधे विभाजन के फलस्वरूप एक से दो कोशिकाओं का बनना।

ammoniotelic mechanism — **अमोनिया-उत्सर्ग प्रक्रिया**

अनेक अकशेरुकी प्राणियों, टीलियोस्ट मछलियों, टैडपोल आदि में मुख्यतः अमोनिया के रूप में नाइट्रोजन का उत्सर्जन।

amniocentesis — **उल्बवेधन**

गर्भवती महिला की उदर भित्ति में सूई डालकर गर्भाशय और उल्बतरलीय गुहा में से उल्ब-तरल प्राप्त करने की एक तकनीक।

इस तरल के विश्लेषण द्वारा भ्रूण में होने वाली आनुवंशिक अपसामान्यता का पता लगाया जाता है।

amnion **उल्ब**

भ्रूण से उत्पन्न और उसे घेरे रहने वाली एक भ्रूणबाह्य झिल्ली। एम्नियोटा वर्ग (सरीसृप, पक्षी और स्तनी) में इस झिल्ली और भ्रूण के बीच तरल भरा होता है।

amniote **ऐम्निओट, उल्बी**

ऐसा प्राणी जिसकी गर्भ–कला में उल्ब मौजूद रहता हो, जैसे सरीसृप, पक्षी तथा स्तनी।

amniotic cavity **उल्ब गुहिका**

उल्ब और भ्रूण की मध्यवर्ती गुहिका जिसमें ऐसा तरल पदार्थ भरा रहता है जो भ्रूण को जलीय माध्यम प्रदान करता है।

amniotic fluid **उल्ब तरल**

परिवर्धित होते भ्रूण को चारों ओर से घेरे रखने वाला तरल। यह अंड–स्फुटन के समय कीट लारवों की सहायता करता है क्योंकि लारवा स्फुटन के समय इस तरल को निगलकर आकार में बढ़ जाते हैं और अंड–कवच को तोड़ देते हैं।

Amoeba **अमीबा**

प्रोटोजोआ संघ के ऐसे प्राणियों का एक वंश जिनकी आकृति पादाभों के बनने बिगड़ने के कारण सदा बदलती रहती है और जिनमें स्थायी अंगक (या सहायक संरचनाएं) नहीं होते। ये प्राणियों के सरलतम रूप समझे जाते हैं।

amoebiasis **अमीबता**

अमीबा द्वारा उत्पन्न रोग, विशेषतः मनुष्य की बड़ी आंत में अमीबाओं के संक्रमण से होने वाला रोग।

amoebicide **अमीबानाशी**

अमीबाओं, विशेषतया परजीवी अमीबाओं को मारने वाला पदार्थ।

amoebocyte **अमीबाणु**

अमीबा–जैसी अनिश्चित एवं परिवर्तनशील आकृति की और उसी तरह संचलन करने वाली कोशिका; जैसे कुछ श्वेत रुधिर कोशिकाएं।

amoeboid **अमीबीय, अमीबाभ**

अमीबा की तरह का – विशेषतया आकृति, लक्षणों अथवा गति में।

amoebula (pseudopodiospore) **अमीबुला (पादाभबीजाणु)**

1. छोटा अमीबा।

2. अमीबा की आकृति वाला कोई छोटा जीव या कोशिका (जैसे, मिक्सोमाइसिटीज या ग्रेगेराइनों के जीवन–चक्र की कुछ अवस्थाएं)।

amorphous matrix **अक्रिस्टलीय आधात्री, रवाहीन आधात्री**

ऐसा अंतरकोशिक पदार्थ जिसका सामान्यतः निश्चित आकार और रूप तो नहीं होता, लेकिन जिसमें प्रायः कुछ विशेष एककोशिक शैवाल या जीवाणु अंतःस्थापित होते हैं।

amphiaster **उभयतारक**

1. ऐसी स्पंज कंटिका जिसके दोनों सिरों पर तारों जैसी संरचनाएं होती हैं।

2. समसूत्रण द्वारा कोशिका–विभाजन के दौरान निर्मित अवर्णक तर्कु (achromatic spindle) से जुड़े हुए दो तारक।

Amphibia **ऐम्फ़ीबिया**

कशेरुकियों का वह वर्ग, जो मछलियों और सरीसृपों के बीच में आता है। अनियत–तापिता, चिकनी मुलायम गीली त्वचा, हृदय में दो अलिंद व एक निलय, दो अनुकपाल कंद (ऑक्सिपिटल कॉन्डाइल), पसलियों का उरोस्थि से जुड़ा न होना, लारवों में गिलों द्वारा और कायांतरण के बाद वयस्कों में फेफड़ों द्वारा श्वसन होना, इन प्राणियों की प्रमुख विशेषताएं हैं। मेंढ़क, सैलामैन्डर, न्यूट आदि इस वर्ग के उदाहरण हैं।

amphibian **जलस्थलचर, उभयचर (उभचर)**

ऐम्फ़ीबिया वर्ग का या उससे संबंधित।

amphibious **जलस्थली, उभयचरी**

भूमि और जल दोनों तरह के वातावरण में जीवन बिताने वाले (जीव) जैसे, मेंढक, मगर, ऊदबिलाव आदि।

amphiblastula **ऐम्फिब्लैस्टुला, उभकोरक**

कुछ स्पंजों में परिवर्धन की एक अवस्था जिसमें गेंदनुमा खोखले कोशिका पिंड के आधे भाग में कशाभी कोशिकाएं और शेष आधे भाग में बड़ी कणिकामय कोशिकाएं होती हैं।

amphicoelous **उभयगर्ती**

कशेरुक का एक प्रकार जिसमें सेंट्रम दोनों ओर अवतल होता है; जैसे मेंढक का आठवां कशेरुक और मछलियों के सभी कशेरुक।

amphicondylous **उभयकंदी**

दो अनुकपाल अस्थिकंदों से युक्त (करोटि)।

amphid **द्विक, ऐम्फ़िड**

कुछ सूत्रकृमियों (नेमेटोडों) में शरीर के अग्र सिरे पर दाएं–बाएं स्थित गोलाकार गर्तों की एक जोड़ी जो संभवतः रस–संवेदी अंगों का काम करती है।

amphidelphic **उभय-अंडाशयी**

दो अंडाशयों वाली ऐसी मादा जिसमें एक अंडाशय आगे की ओर तथा दूसरा पीछे की ओर स्थित होता है।

amphidiploid **उभद्विगुणित**

ऐसा संकर जीव जिसमें दोनों जनकों के जीनोम द्विगुणित अवस्था में पाये जाते हैं।

amphidromous **उभयगामी**

प्रजनन–काल को छोड़कर जीवन–चक्र की किसी भी अवस्था में अलवण जल से खारे जल में जाने वाला (प्राणी)।

amphikaryon **उभयकेंद्रक, ऐम्फ़ीकेरियॉन**

ऐसा केंद्रक जिसमें दो अगुणित गुणसूत्रों का समूह होता है।

amphimixis **उभयमिश्रण, ऐम्फ़िमिक्सिस**

निषेचन की क्रिया में नर और मादा प्राक्केंद्रकों के मिलने से एक ही व्यष्टि में विभिन्न मातृ और पितृ लक्षणों का सम्मिलन।

Amphineura **ऐम्फिन्यूरा**

द्विपार्श्व सममिति वाले समुद्री मोलस्कों का एक वर्ग जिसमें काइटन और उससे संबंधित प्राणी आते हैं। इनमें कवच और पाद या तो नहीं होते या फिर आठ कपाट वाला कवच और चौड़ा व चपटा पाद होता है।

Amphioxus **ऐम्फिऑक्सस**

ब्रैंक्योस्टोमा वंश का छोटा पारदर्शी समुद्री प्राणी जिसके दोनों सिरे नुकीले होते हैं और अग्र सिरे पर नीचे की ओर कुरलों (सिराई) से घिरा मुखरंध्र होता है। पृष्ठ तथा गुद पख का होना किंतु पादों का अभाव, पृष्ठरज्जु और पृष्ठ तल पर तंत्रिकारज्जु का होना किंतु पूर्ण मस्तिष्क का अभाव, रुधिर–वाहिका तंत्र का होना पर हृदय का अभाव, नेत्र के स्थान पर मध्य वर्णक बिंदु का होना, श्रवण अंग का अभाव और केवल घ्राण अंग का होना, इसके प्रमुख लक्षण हैं। इसको प्रायः रज्जुकी कार्डेटों का सरलतम रूप समझा जाता है।

amphiplatyan **ऐम्फिप्लेटियन**

कशेरुक का एक प्रकार जिसमें सेंट्रम दोनों तरफ चपटा होता है। उदा. स्तनियों के कशेरुक।

amphipneustic **उभयरंध्री**

ऐसा अल्परंध्री लारवा जिसमें केवल अग्रवक्षीय और पश्च-उदरीय श्वसन-रंध्र होते हैं।

amphistylic **उभयनिलंबित, ऐम्फिस्टाइलिक**

ऊपरी जबड़े के आंशिक रूप से करोटि से मुक्त होने तथा कंठिका चिबुक उपास्थि से निलंबित होने (जैसे कुछ आद्य शार्कों में) की स्थिति।

amphistyly **उभयनिलंबता, ऐम्फिस्टाइली**

जबड़ों के निलंबन का एक प्रकार जिसमें ऊपरी जबड़ा आगे से तो कपाल के खांचे में फिट बैठता है किंतु पीछे से कंठिका–चिबुक उपास्थि द्वारा निलंबित रहता है। कुछ आद्य शार्कों में यह स्थिति पाई जाती है।

amphitoky **उभनिषेकजनन**

अनिषेकजनन से नर और मादा दोनों ही संततियों का उत्पन्न होना।

amplification **प्रवर्धन**

(दे॰ gene amplification)

ampulla **ऐम्पुला, तुंबिका**

किसी वाहिनी का फूला हुआ थैली–जैसा भाग; जैसे स्तनियों के कान की अर्धवृत्ताकार नलिकाएं या शूलचर्मी (एकाइनोडर्म) नालपदों की संरचनाएं।

ampullaceous **तुंबिकासम**

(संवेदिका के संबंध में) फ्लास्क के आकार की।

ampulliform **तुंबिकारूपी**

फ्लास्करूपी संरचना।

amylase **ऐमिलेज**

मंड को माल्टोस में बदलने वाला एंजाइम। यह एंजाइम लार, अग्न्याशयिक रस इत्यादि विविध प्राणिस्रावों व ऊतकों तथा अंकुरित होते हुए बीजों, पत्तियों और पौधों के अन्य भागों में पाया जाता है।

anabiosis **प्रसुप्तजीवन**

शुष्कन के परिणामस्वरूप निलंबित सजीवन की एक अवस्था जो जल से संपर्क होने पर समाप्त हो जाती है।

anabolism **उपचय**

जीवों में रासायनिक परिवर्तनों की रचनात्मक प्रक्रिया जिसमें सरलतर पदार्थों से जटिलतर पदार्थों के निर्माण के साथ–साथ ऊर्जा जमा होती है। इसी प्रक्रिया से शरीर में वृद्धि संभव होती है।

Anacanthini **ऐनाकेन्थिनी**

निओप्टेरिजाई मछलियों का एक गण जिसमें कॉड, हेक, हैडक, आदि टीलिओस्ट मछलियां आती हैं। मध्य पख तथा श्रोणि पख की सभी अरों का मुलायम तथा संधियुक्त होना, श्रोणि पख का काफी आगे वक्ष क्षेत्र में होना, और बिना वाहिनी वाला वायु–आशय इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

anadromous **समुद्रापगामी, उद्‌गामी**

ऐसी समुद्री मछलियों के लिए प्रयुक्त जो अंडे देने के लिए समुद्र (लवणजल) से नदियों (अलवण जल) में चली आती हैं।

anaerobe **अवायुजीव**

जीव जिन्हें जीवन क्रियाओं के सम्पादन के लिए आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती। अविकल्पी अवायुजीव ऑक्सीजन की उपस्थिति में मर जाते हैं, किंतु विकल्पी अवायुजीव ऐसे पर्यावरण में भी पनपते हैं। (तु.—Aerobe-वायुजीव)

anaerobic **अवायवीय**

वायु के अभाव में (जैसे आंतों के भीतर) जीवित अथवा सक्रिय रहने वाला जीव; ऐसे जीव से संबंधित अथवा उससे प्रेरित।

anaerobic respiration **अवायु-श्वसन**

श्वसन का वह प्रकार जिसमें जीव उन अभिक्रियाओं से ऊर्जा प्राप्त करता है जिनमें मुक्त ऑक्सीजन का संयोग नहीं होता; जैसे आंतों में पाए जाने वाले फीताकृमियों की श्वसन–क्रिया।

anaerobiosis **अवायुजीवन**

वायु अथवा ऑक्सीजन के अभाव में भी वनस्पति तथा प्राणियों की जीवन–क्रियाओं का चालू रहना।

anal aperture **गुद छिद्र**

आहार नाल का बाहरी पश्च द्‌वार।

anal cell **पक्षांत कोशिका**

कीट पंख के पक्षांत क्षेत्र की एक कोशिका।

anal cerci **गुदलूम**

कीटों के पश्च उदरीय कायखंड (सामान्यतया ग्यारहवें काय–खंड) के उपांग जो जीवन भर बने रहते हैं।

anal gland **गुद ग्रंथि**

गुदा के निकट एकल, युग्मित अथवा सामूहिक रूप में स्थित ग्रंथियां, जो कुछ प्राणियों में मलाशय में खुलती हैं, जैसेः (क) स्कंक (skunk) की युग्म ग्रंथि जो एक अरुचिकर स्राव उत्पन्न करती है; (ख) म्यूरेक्स वंश के मोलस्क प्राणियों की ग्रंथि जो रंगाई में काम आने वाले एक बैंगनी पदार्थ का स्रवण करती है, और (ग) मसी ग्रंथि।

anal lobe **1. पक्षांत पालि 2. गुद पालि**

1. हाइमेनोप्टेरा गण वाले कीटों के पंखों की पश्च पालि।

2. डिप्टेरा में पंख की गुद शिरा के पीछे वाला आधारीय भाग।

anal loop **पक्षांत पाश**

ड्रेगन फ्लाई के पिछले पंख में सीयू–2, 1ए और 2ए के बीच कोशिकाओं का एक समूह जो गोल, लंबा अथवा पादरूपी हो सकता है।

anal pit **गुद गर्त** भ्रूण की आदि रेखा (primitive streak) का पश्च उपांत भाग।

anal plate **गुद पट्टिका**

1. कच्छप में अधरवर्म (प्लैस्ट्रन) की पश्च हड्डी।

2. अधिकांश सांपों में गुदा के सामने वाला बड़ा शल्क।

3. प्रारंभिक भ्रूणीय बाह्यचर्म तथा अंतश्चर्म के मिलने से बना पट्ट, जिससे होकर बाद में गुदा का स्फुटन होता है।

anal vein **पक्षांत शिरा**

मध्योत्तर तथा जुगल क्षेत्र के बीच की सभी शिराएं (कॉम्सटॉक–नीधम तंत्र के अनुसार इन शिराओं को पश्चमध्योत्तर तथा पंखाभिकाएं भी कहा जाता है।

anal **1. गुद 2. पक्षांत**

1. उदर का अंतिम खंड जिस पर गुदा स्थित होती है।

2. पंख का अंतिम छोर जहां प्रायः पक्षांत कोशिका होती है।

analogous organs **समवृत्ति अंग**

कार्य में समान किंतु उद्‌भव में भिन्न अंग। उदा. पक्षी और चमगादड़ के पंख। तु. homologous organs समजात अंग।

analogous **समवृत्तिक**

वे संरचनाएं जिनके कार्य तो समान होते हैं परंतु विकास के मूल भिन्न होते हैं, जैसे–कीट–नखर (पंजा) और मनुष्य के हाथ।

analogue **समवृत्ति**

एक व्यष्टि के किसी भाग या अंग का किसी अन्य व्यष्टि के भाग या अंग से प्रकार्य में समान किंतु उत्पत्ति में भिन्न होना।

analogy **समवृत्तिता**

कार्य में समान किंतु उद्‌भव में भिन्न होने की स्थिति, जैसे पक्षी और कीट के पंख।

Anamniota **एनैम्निओटा (अनुल्बी वर्ग)**

ऐसे कशेरुकियों का प्राकृतिक समूह जिनके भ्रूणों में उल्ब नहीं होता; जैसे साइक्लोस्टोम, मछलियां और उभयचर।

anamorphosis **अधिकायांतरण**

1. विभिन्न प्राणि–समूहों के विकास के दौरान धीरे–धीरे होने वाले प्रगामी परिवर्तनों द्वारा एक जाति अथवा प्रकार का दूसरे में परिवर्तन।

2. संधिपादों में स्फुटन के बाद अतिरिक्त शरीर खंडों का बनना।

anaphase **पश्चावस्था**

समसूत्रण अथवा अर्धसूत्रण II की मध्यवस्था के बाद प्रत्येक गुणसूत्र के अर्धसूत्रों का वियोजन होकर तर्कु-ध्रुवों की ओर जाना अथवा अर्धसूत्रण–I की पश्चावस्था के दौरान युग्मित गुणसूत्रों का युगली अथवा बहुयुगली गुणसूत्रों के रूप में अलग हो जाना

anaphase **पश्चावस्था, ऐनाफ़ेज़**

कोशिका–विभाजन की तीसरी प्रमुख अवस्था जिसमें प्रतिकृत गुणसूत्र मध्यवर्ती रेखा में विपरीत ध्रुवों की ओर चले जाते हैं।

anapolysis **अमोचन**

कुछ फ़ीताकृमियों में परिपक्व देहखंडों का शरीर से आजीवन जुड़ा रहना।

anapophysis **पश्चवर्ध**

कटि–कशेरुकों में अनुप्रस्थ प्रवर्ध के आधार से पृष्ठ तल पर निकलने वाला छोटा प्रवर्ध।

anaspid **ऐनेस्पिड, अछिद्रकरोटि**

ऐसे सरीसृपों के लिए प्रयुक्त जिनकी करोटि में शंख छिद्र नहीं होते।

anastomosis **शाखामिलन**

किसी तंत्र की शाखाओं की अंतःसंबंद्धता।

anatomy **शारीर**

जीवविज्ञान की वह शाखा, जिसमें विच्छेदन आदि की सहायता से जीव की स्थूल संरचना का अध्ययन किया जाता है। यह आकारिकी की एक उपशाखा है।

anconal(anconeal) **1. कफोणिक 2. पक्षपृष्ठक**

1. कोहनी का या उससे संबंधित।

2. पक्षियों के पंख की ऊपरी सतह से संबंधित।

androconia **पुंगंध शल्क**

रूपांतरित पंख–शल्क, जो कुछ नर तितलियों में लैंगिक दृष्टि से आकर्षक खुशबू उत्पन्न करते हैं।

androgen **ऐंड्रोजन, पुंजन**

नर हार्मोन अर्थात् वे रासायनिक स्राव जिनमें नर के लक्षण विकसित करने की क्षमता होती है; जैसे वृषण हार्मोन।

androgenesis **पुंजनन**

निषेचन की क्रिया में अंड केंद्रक के भाग न लेने के कारण केवल पैतृक गुणसूत्रों वाले भ्रूण का परिवर्धन।

androsterone **ऐन्ड्रोस्टेरोन**

अधिवृक्क के वल्कुट में पाया जाने वाला नर हार्मोन जो टेस्टोस्टेरोन की तुलना में बहुत कम सक्रिय होता है।

androtype **पुंप्ररूप**

किसी प्राणि–जाति के नर का प्ररूप–निदर्श (type specimen)।

anemoplankton **वातोढ़प्लवक**

वायु–वाहित सूक्ष्म जीवों का समूह।

anemotaxis **वातानुचलन**

1. पंखों वाले कुछ कीटों में उस वायु प्रवाह की ओर उड़ने की प्रवृति का होना जो स्रोत विशेष से मादा वयस्कों के सेक्स फ़ीरोमोन गंध अणुओं को लाता है। गंध के स्रोत की ओर पहुंचने के लिए वयस्कों के उड़ने में अवरक्त विकिरण (infrared radiation) सहायक होता है।

2. रेंगने वाले कीटों, चींटियों और कुछ कीटों की लारवा अवस्थाओं में भोजन–स्रोतों और आश्रयस्थलों की ओर पथ का अनुसरण करना।

aneuploid **असुगुणित**

ऐसी कोशिका या जीव जिसमें उसके कायिक गुणसूत्रों की संख्या की अपेक्षा एक या एक से अधिक गुणसूत्र, कम या अधिक होते हैं।

aneuploidy **असुगुणिता**

गुणसूत्र संख्या में एक या अधिक गुणसूत्र के घट या बढ़ जाने से उत्पन्न कोई अपसामान्य स्थिति।

angling **बंसी लगाना**

बंसी से मछली फंसाने का काम जिसमें कांटे और डोर से मछली पकड़ी जाती हैं।

angular bone **कोणीया**

स्तनियों को छोड़कर अधिकांश कशेरुकियों में निचले जबड़े के निम्न पश्च भाग में स्थित कलास्थि (कला अस्थि)। स्तनियों के विकास के दौरान यह हड्डी जबड़े से अलग होकर कर्ण पटहास्थि के रूप में परिवर्धित हो जाती है।

angulliform **कुंचिकाकार, कुंचित**

सर्पमीन की आकृति वाला।

angulo-splenial **एंग्यूलो-स्प्लीनियल**

उभयचरों में चिबुक के अधिकांश भीतरी और निम्न भाग को बनाने वाली अस्थि।

animal cell **जंतु-कोशिका, प्राणिकोशिका**

प्राणियों के शरीर की संरचनात्मक और प्रकार्यात्मक इकाई या कोशिका। इसमें कोशिका भित्ति, हरितलवक और धानियाँ नहीं होतीं। कोशिकाद्रव्य में तारककेंद्रों का पाया जाना इन्हें उच्च कोटि के पादपों की कोशिकाओं से, तथा हिस्टोन से संबद्ध डी.एन.ए. युक्त सुस्पष्ट केंद्रक की उपस्थिति इन्हें प्राक् केंद्रकों से विभेदित करते हैं।

animal electricity **प्राणि विद्युत**

प्राणियों के शरीर में घर्षण द्वारा उत्पन्न विद्युत् खासकर विद्युत् मीन आदि मछलियों मे विशेष रूप से अनुकूलित अंगों द्वारा उत्पन्न विद्युत् जिसका प्रयोग इनके द्वारा मुख्यतः आक्रमण या प्रतिरक्षा के लिए किया जाता है।

animal kingdom **प्राणि-जगत्**

सजीव सृष्टि के पांच जगतों में से एक जगत्, जिसमें आर्थ्रोपोडा, मोलस्का कॉर्डेटा आदि शामिल है। इनके विशिष्ट लक्षण हैं संचलन के द्वारा गति और प्राणिसन–भोजिता, आदि।

animal pole **सक्रिय ध्रुव**

अंडाणु का वह प्रक्षेत्र जिसमें विखंडन अपेक्षाकृत तीव्र गति से होता है। इस भाग में सबसे कम पीतक होता है और अर्धसूत्रण के दौरान

केंद्रक से ध्रुवकाय बाहर निकलता है। (विप. vegetal pole – अल्पक्रिय ध्रुव)

animal **जंतु, प्राणी**

जीवधारियों के दो प्रमुख समुदायों – वनस्पति तथा प्राणि समुदायों में से एक। पौधों के विपरीत, स्वतः गतिमान होने की क्षमता, जैव भोजन, तथा पर्णहरित (क्लोरोफिल) का अभाव इनकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

animalcule **जंतुक**

ऐसा सूक्ष्म जंतु, जो किसी उपकरण की सहायता के बिना खाली आंख से नहीं दिखाई देता। उदा. अमीबा, पैरामीशियम, वोर्टीसेला आदि।

animalculist **जंतुकविज्ञानी**

जंतुकों के बारे में विशेष जानकारी रखने वाला व्यक्ति।

animalia **ऐनिमेलिया**

जीवधारियों के दो मूल समूहों में से एक, जिसके अंतर्गत सभी प्राणी आते हैं।

ankylosis **अस्थिसमेकन**

दो या अधिक पृथक् अस्थियों का अन्य कठोर भागों के साथ सिर्फ जुड़ने से एक हड्डी या संरचना का निर्माण।

Annelida **ऐनेलिडा**

द्विपार्श्व सममिति वाले देहगुहायुक्त मेटाजोआ प्राणियों का संघ जिसमें केंचुआ, नेरीस और जोंक आदि आते हैं। सखंड शरीर, सिर का न होना, वृक्कक का होना, नर–मादा अंगों का प्रायः एक ही प्राणी में होना यानी उभयलिंगी व्यवस्था, इनके विभेदक लक्षण हैं।

annulation **वलय, वलयन**

क्यूटिकलीय सतह पर आड़े वलय क्रमों के बीच का दबा हुआ भाग जो वलयांशों जैसा दिखाई देता है।

annulus **वलयिका**

गोल छल्ले की आकृति–जैसी कोई संरचना, जैसेः 1. केंचुओं के शरीर के गोल खंड। 2. जोंक के एक ही खंड में बाहर से दीखने वाले कई छल्ले।

anoestrous **निर्मदचक्र**

स्तनी प्राणियों में दो लैंगिक सक्रियता की अवस्थाओं के बीच मदचक्र की विरामावस्था।

Anoplura **एनोप्लूरा**

दे. साइफनकुलेटा

anoxia **ऐनॉक्सिया, अनॉक्सिता**

ऑक्सीजन–रहित पर्यावरण।

anoxybiosis **अनॉक्सीजीविता**

जीव की वह अवस्था जिसमें पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी होने के कारण उसकी उपापचयी क्रिया घट जाती है।

anteclypeus **अग्र मुखपालि**

मुखपालि के खंडों का अग्र भाग।

antecosta **पूर्वपर्शुक**

प्राथमिक अंतरखंडीय वलय से संगत पृष्ठक या अधरक पट्टिका के आंतरिक पृष्ठ पर स्थित अग्र उपसीमांतीय या सीमांतीय कटक जिस पर विशेष रूप से अनुदैर्घ्य पेशियां लगी रहती हैं।

antecostal suture **पूर्व-पर्शुक सीवन**

पूर्वपर्शुक की बाह्य सीवन।

antecoxal piece **अग्रकक्षांग भाग**

एक प्रकार का भीतरी कठक जो प्रायः एकल या विभक्त संधिकठक और अधिअधरक के बीच या संधिकठक और अग्रकक्षांग सेतु के बीच पाया जाता है।

antecoxal sclerite **अग्रकक्षांग कठक**

पश्चाधरक का एक कठक जो पश्चकक्षांगों के ठीक आगे होता है।

antefurca **अग्रद्विशिख**

कीटों में अग्र वक्षीय खंड का चिमटानुमा प्रवर्ध अथवा अधरकीय आंतरवर्ध (apodeme)।

antelabrum **ऐन्टीलेब्रम**

विभेदित रहने पर कीटों के लेब्रम का अग्र भाग।

antenna **शृंगिका**

आर्थोपोडा प्राणियों के शीर्ष में सखंड युग्मित उपांग। क्रस्टेशिया वर्ग में इनके दो युग्म होते हैं जिनमें से पहली जोड़ी को लघुशृंगिका और दूसरी को शृंगिका कहते हैं। इनका कार्य संवेदनाएं ग्रहण करना है।

antennal fossa **शृंगिक खात**

कीटों के सिरे में पायी जाने वाली गुहा या गर्त जिसमें शृंगिकाएं स्थित होती हैं।

antennifer **शृंगिकाधर**

संधिपाद प्राणियों में शृंगिका की गर्तिका।

antennule **लघुशृंगिका**

छोटी शृंगिका, विशेषतः क्रस्टेशिया वर्ग के प्राणियों में प्रथम युग्मित शृंगिका। इनका कार्य प्रायः संवेदना–ग्रह्ण होता है।

anteriad **अग्रदिशी**

आगे की ओर निर्देशित।

anterior cross vein **अग्र अनुप्रस्थ शिरा**

डिप्टेरा गण के पंखों की वह अनुप्रस्थ शिरा जो पंख के मध्य में रेडियस से मीडिया तक फैली रहती है।

anterior **अग्र**

शरीर के अगले सिरे अर्थात् सिर की तरफ स्थित अंग, संरचना, क्षेत्र आदि।

anterodorsal **अग्रपृष्ठीय**

कीट–शरीर की आगे, शीर्ष या ऊपर की तरफ की स्थिति।

anteromesal **अग्रमध्यवर्ती**

कीट शरीर के आगे और मध्य रेखा की समवर्ती स्थिति।

anteroventral **अग्राधर**

कीट शरीर के आगे, नीचे या निचले भाग की स्थिति।

antesternite **पूर्व अधरकांश**

कीटों का अग्र अधरक कठक।

anthelminthic **कृमिनाशक**

कोई यौगिक जो कृमियों का नाश करता हो।

antibiosis **प्रतिजीविता**

दो जीवों के बीच परस्पर-विरोधी साहचर्य जिसमें एक की सामान्य वृद्धि और विकास पर दूसरे का हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

antibiotic **एन्टीबायोटिक**

सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पन्न रासायनिक यौगिक और उनसे मिलते-जुलते कृत्रिमतः संश्लेषित या अर्धसंश्लेषित पदार्थ जो कम सांद्रता में भी अन्य सूक्ष्म जीवों को मारने या उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम होते हैं।

antibody **प्रतिरक्षी**

रुधिर प्लाज्मा में रहने वाले या संक्रमण की प्रतिक्रिया के रूप में बनने वाले उन विशिष्ट पदार्थों में से एक पदार्थ जो जीवाणु, विषाणु आदि के प्रभाव को नष्ट करके उनसे शरीर की रक्षा करते हैं।

antidote **प्रतिविष, प्रतिकारक**

विषाक्तता के समय तुरंत दिया जाने वाला व्यावहारिक पदार्थ जो विष के प्रभाव को नष्ट करता है।

antienzyme **प्रतिएन्जाइम, प्रतिकिण्व**

एन्जाइम की क्रियाओं को कम या बंद करने वाला पदार्थ या प्रतिरक्षी, जैसे ऐन्टीट्रिप्सिन, ऐंटीप्रोटिएस।

antifeedant **अशन-रोधी**

ऐसा यौगिक जो पीड़क की अशन–क्रिया में अवरोध उत्पन्न करता है।

antifeeding compound **प्रति-अशन यौगिक**

वह पदार्थ जो किसी जीव के भोजन–स्रोत (जैसे फसलीय पादप) को प्रतिकर्षित अथवा विषालु किए बिना ही अशन से रोकता है।

antigen **प्रतिजन**

अणु जो इम्यूनोग्लोबुलिन अणु के विशिष्ट योजीस्थल के साथ स्थायी अन्योन्य-क्रिया करने पर प्रतिरक्षी उत्पन्न करता है। प्रतिजन अणु विलयन में मुक्त रूप से अथवा कोशिकीय झिल्ली के एक भाग के रूप में पाया जा सकता है।

antimetabolite **प्रतिउपापचयज**

वह यौगिक जो संरचना में उपापचयी मार्ग के माध्यमिक (जैसे उपापचयन) के समान होने के कारण प्रतिस्पर्धात्मक रूप से माध्यमिक के एन्जाइमी रूपांतरण का संदमन कर सकता है जिससे उपापचय अवरुद्ध हो जाता है। इन यौगिकों का कई पीड़कों के नियंत्रण के लिए उपयोग किया जाता है।

antitoxin **ऐन्टीटॉक्सिन, प्रतिआविष**

किसी जीवाणु द्वारा आविष (टॉक्सिन) के प्रति अनुक्रिया के फलस्वरूप बनने वाला प्रतिरक्षी (ऐन्टीबॉडी)।

antler **शृंगाभ**

हिरन तथा हिरन–कुल के प्राणियों में ललाटिका से निकला हुआ अस्थिल ह्रासित उद्वर्ध। सामान्यतया ऐसी संरचनाएं नर में ही होती हैं और पशुओं के सींगों के विपरीत ये प्रत्येक वर्ष गिर जाती हैं।

aorta **महाधमनी**

शरीर की प्रमुख धमनी, जो अन्य धमनियों व उनकी असंख्य शाखाओं द्वारा रुधिर को हृदय से शरीर के अधिकांश अंगों तक ले जाती है।

aortic arch **महाधमनी चाप**

कशेरुकियों में अधर महाधमनी से निकलकर पृष्ठ महाधमनी से जुड़ने वाली युग्मित धमनियां। मछलियों में ये अभिवाही और अपवाही

क्लोम वाहिकाओं में परिवर्धित हो जाती हैं। स्थलीय प्राणियों में भ्रूणीय चापों के छह युग्म होते हैं जिनमें पहले दो और पांचवें युग्म का प्रौढ अवस्था में बहुधा लोप–सा हो जाता है तथा तीसरे, चौथे और छठे युग्म क्रमशः ग्रीवा, दैहिक–चाप और फुप्फुस–चाप बन जाते हैं।

ape **कपि**

वानर, विशेषतया पुरानी दुनिया में बड़े पुच्छहीन वानरों में से एक। पौंगिडी कुल में आने वाले इन प्राणियों की कुछ जातियां रूप तथा व्यवहार में मनुष्य से मिलती–जुलती हैं।

aperture **रंध्र, द्वारक**

छिद्र अथवा खुला स्थान (जैसे, ठोस पदार्थ के भागों या खंडों के बीच का)। उदा. एक–कपाटी कवच का छिद्र।

Aphaniptera **एफैनिप्टेरा**

(दे. – Siphonoptera साइफ़ोनैप्टेरा)

aphelenchoid oesophagus **एफेलेनकॉयड ग्रसिका**

सूत्रकृमियों की त्रिभागीय ग्रसिका जिसमें मध्य कंद पूर्ण विकसित रहता है तथा उसमें पृष्ठीय ग्रसिका ग्रंथि खुलती है।

aphicide **एफिडनाशी**

एफिडों को नष्ट करने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला पदार्थ या रसायन।

aphid lion **एफिड व्याघ्र**

लेसविंग (**क्राइसोपा कॉर्निया**) का लारवा जो दिखने में घड़ियाल जैसा और बहुत खाने वाला होता है। इसका उपयोग व्यापक रूप से एफ़िडों के नियंत्रण के लिए ग्रीन हाऊस में उगायी जाने वाली फसलों पर किया जाता है।

aphid-borne **एफिड-वाहित**

ऐसे सूक्ष्म जीव जो एफिड़ों के शरीर में रोग उत्पन्न करने में सक्षम होने तक परिवर्धित होते रहते हैं।

aphidicolous **एफिडवासी**

ऐफिड निवहों में स्थायी या अस्थायी रूप से रहने वाला (जैसे, चींटियों की कुछ जातियां)।

aphidivorous **ऐफिडाहारी, ऐफिडभक्षी**

ऐफिडों से पोषण प्राप्त करने वाला (प्राणी)।

aphototropic **प्रकाशापवर्ती**

प्रकाश के स्रोत से दूर भागने वाला (प्राणी)।

apiary **मधुमक्षिशाला, मधुवाटिका**

मधुमक्खी पालन के लिए छत्ते अथवा अन्य पात्रों का समूह जिनका उपयोग मधुमक्खियों को रखने तथा उनके प्रजनन के लिए होता है।

apicad **शिरोन्मुख, अभ्यग्र**

शीर्ष या शिखर की ओर।

apical cell **शीर्ष कोशिका**

वह वृहदाकार पोषी कोशिका जो कुछ कीटों में वृषण नलिका के ऊपरी सिरे पर होती है।

apiculture **मधुमक्खीपालन**

शहद की मक्खियों को पालने का धंधा।

apochlorosis **अहरितता**

सामान्यतः पर्णहरित से युक्त प्राणिवर्ग के कुछ वंशों में पर्णहरित का न होना, जैसे कुछ फ्लेजेलेटा में।

apocrine gland **अपस्रावी ग्रंथि**

एक प्रकार का तरल या अपस्रावी पदार्थ (अर्थात् स्रावी कोशिकाओं के कोशिकाद्रव्य के कुछ अंश के विघटन से उत्पन्न स्राव) उत्पन्न करने वाली उन बड़ी स्वेद–ग्रंथियों में से एक ग्रंथि जो मानव शरीर

में रोम वाले क्षेत्रों में होती हैं। इनमें अम्लरागी कोशिकाद्रव्य वाली स्तंभाकार कोशिकाओं की एकल परत होती है।

Apocrita (Clistogastra) **एपोक्रिटा (क्लिस्टोगैस्ट्रा)**
झिल्लीमय पंखी कीट जिनमें वक्ष तथा उदर के बीच पतली दंडी–जैसी संरचना होती है। इस समूह में मक्षिकाएं (bee), चींटियां तथा बर्रे आती हैं।

apodal (apodus, apodial) **अपाद**
बिना टांगों या अधर पख अथवा स्तंभ वाला।

apodeme **आंतरवर्ध**

देहभित्ति की कोई घनीय अंतःवृद्धि जो सामान्यतः बहुकोशिकीय आधात्री और कभी–कभी एकल कोशिका में भी हो सकती है।

Apodiformes (Micropodiformes) **ऐपोडीफॉर्मीज (माइक्रोपोडीफॉर्मीज)**
लंबे, संकीर्ण पंखों और दुर्बल पादों वाले पक्षियों का गण विशेषतः जिसमें बतासी (स्विफ्ट) और गुंजन पक्षी (हमिंग बर्ड) आते हैं।

apodous **अपाद**

कीटों के लारवों का एक प्रकार जिसमें वक्षीय और उदरीय उपांग पूर्णतया दमित अथवा अनुपस्थित होते हैं। इस प्रकार के लारवे अधिकतर हाइमेनोप्टेरा, डिप्टेरा, कोलियोप्टेरा गणों में और लेपीडोप्टेरा के कुछ कीटों में पाए जाते हैं।

apodus larva **अपाद लारवा**

पादहीन, छोटे सिर और अल्प संवेदी अंगों वाला अपह्रासित प्रकार का कीट–लारवा जो प्रायः प्रचुर भोजन वाले स्थानों में पाया जाता है। गृहमक्खी, मक्षिका और घुन लारवे इसी प्रकार के होते हैं।

apodus **अपाद, पादहीन**

कीट का पादरहित लारवा।

apoenzyme **एपोएन्ज़ाइम**

कोएन्ज़ाइम (सहएन्ज़ाइम) के साथ मिलकर सक्रिय एन्ज़ाइम बनाने वाले प्रोटीन का अंश।

apolysis **प्रमोचन**

प्राणी द्वारा अपने जीवनकाल में पक्व देहखंडों का परित्याग, जैसे अधिकांश फीताकृमियों में।

apomixis **असंगजनन**

कायिक कोशिकाओं या अनिषेचित अंडों द्वारा अलैंगिक जनन। इसे अनिषेकबीजता भी कहते हैं।

apophysis **विवर्ध**

1. कशेरुकियों में हड्डी का प्रवर्ध, जो प्रायः पेशी के जुड़ने का स्थल होता है।

2. कीटों में बाह्य कंकाल का प्रवर्ध, जैसे आंतर प्रवर्ध (apodeme) अथवा बाह्य कंट (spur)।

apoplast **अपलवक**

पौधों में कोशिका-भित्ति का लगभग अविच्छिन्न तंत्र जो जल-संचलन के महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में कार्य करता है।

apopyle **अपद्वार**

स्पंज शरीर के वे छिद्र जिनके द्वारा जल की धारा कशाभी कक्षों से केंद्रीय गुहा या बहिर्वाही नाल में पहुंचती है।

aposematic **अपसूचक**

खतरों से आगाह करने वाले भड़कीले रंग या संरचनाएं। दंशकीटों आदि कुछ प्राणियों में ये अपसूचक शत्रुओं से जीव की रक्षा करने में सहायक होते हैं।

appendage **उपांग**

शरीर से जुड़े हुए अवयव या अंग; जैसे कीटों की शृंगिकाएं, मछलियों के पख, पक्षियों के पंख, मानव के हाथ–पैर, आदि।

appendicular skeleton **उपांगी कंकाल**

अक्षीय कंकाल (कशेरुक दंड व करोटि) से पृथक् पख व पाद (हाथ–पैर) की हड्डियों का ढांचा।

appendicular **उपांगीय**

उपांग से संबंधित या उस पर स्थित (कोई अंग या अंग–समूह)।

appendix **परिशेषिका**

शरीर के किसी भाग से निकलने वाला उद्‌वर्ध या प्रवर्ध; विशेष रूप से कृमिरूप परिशेषिका।

appetitive behaviour **अभिलाषी व्यवहार**

कीटों के प्राकृतिक निकेत की उपयुक्त पर्यावरणी दशा में जीवन संबंधी अनिवार्य क्रिया–कलापों को संपन्न करने के लिए उनके द्‌वारा विशिष्ट क्रिया स्थलों की ओर तेजी से गतिमान होना। इनमें अंडनिक्षेपण, शिशु–अशन, निर्मोचन, वयस्क निर्गमन, वयस्क अशन, संगम स्थल, दिवाचर–निशाचर–क्रिया, शीतनिष्क्रियता–उपरति आदि से संबंधित स्थल की ओर जाने का व्यवहार प्रमुख है।

apposition image **स्तराधान प्रतिबिंब**

वह प्रतिबिंब जिसका निर्माण उस समय होता है जब बाह्य बिंदुओं से आने वाले प्रकाश की कुछ किरणें नेत्रांशकों में प्रवेश करने पर अपवर्तनी इकाई द्वारा नीचे स्थित रैब्डोम के दूरस्थ सिरे पर फोकस हो जाती हैं। शेष सभी किरणें नेत्रांशकों को पृथक् करने वाले वर्णक द्वारा विच्छिन्न हो जाती है।

apteria **अपिच्छ क्षेत्र**

कुछ कैरिनेट पक्षियों के शरीर पर पिच्छहीन या सिर्फ कोमल पिच्छ से ढके रहने वाले भाग जो देहपिच्छों की पंक्तियों के बीच स्थित होते हैं।

apterous **पक्षहीन**

बिना पंखों वाला कीट।

Apterygiformes **ऐप्टेरीजीफॉर्मीज**

उड़ न सकने वाले थलचर पक्षियों का एक गण जिसमें न्यूजीलैंड की कीवी आती है। अवशेषी पंख, लंबी चोंच तथा छोटी आंखें इनकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

Apterygota **एप्टेरिगोटा**

पंखहीन कीटों का वह उपवर्ग जिनकी पक्षहीन दशा आदिम मानी गई है और जिनमें कायांतरण कम अथवा नहीं होता। वयस्क में एक या अधिक जोड़ी अग्रजननीय (pregenital) उदरीय उपांग होते हैं तथा चिबुक (mandibles) सिर–संपुट (headcapsule) से प्रायः एक स्थान पर जुड़े होते हैं। उदाहरण–थाइसेन्यूरा, डिप्लूरा, प्रोट्यूरा और कोलेम्बोला गणों के कीट।

Apteryx **ऐप्टेरिक्स**

उड़ने में असमर्थ पक्षियों का वंश जिसमें ऐप्टेरिजिओफ़ॉर्मीज गण के सभी सदस्य आते हैं। कीवी इसका प्रमुख उदाहरण है।

aquarist **जलजीवज्ञ, जलशालाविद्**

जलजीवशाला (जलशाला) का विशेषज्ञ।

aquarium **जलजीवशाला, जलशाला**

सामान्यतया कांच की दीवारों वाला कृत्रिम जलपात्र, जिसमें जीवित प्राणी व पौधे अध्ययन, प्रदर्शन तथा मनोरंजन के लिए रखे जाते हैं।

aqueous humour **नेत्रोद, ऐक्वअस ह्यूमर**

कशेरुकियों में आंख की अग्र कक्षिका में लेन्स और श्वेत मंडल (कॉर्निया) के बीच का तरल।

Arachnida **ऐरेक्निडा**

आर्थ्रोपोडा का बड़ा वर्ग जिसमें बिच्छू, मकड़ी, किलनी, चिंचड़ी आदि आते हैं। सिर तथा वक्ष के जुड़ने से बने शिरोवक्ष में छह जोड़े उपांगों (जिनमें से चार चलन–पाद होते हैं) का होना इनका प्रमुख लक्षण है।

arboreal **1. वृक्षीय 2. वृक्षवासी**

1. पेड़ का अथवा उससे संबंधित या पेड़-जैसी आकृति वाला।

2. पेड़ों पर रहने वाला (प्राणी)।

arborescent appendage — **वृक्षसम उपांग**

जल से बाहर निकलने वाली अरोही, पर्च-जैसी कुछ मछलियों के क्लोम कक्ष में पाई जाने वाली शाखायुक्त सहायक संवहनी संरचना जिससे वे हवा में सांस ले सकती हैं।

arbovirus — **आर्बोवाइरस, संवाविषाणु**

वह विषाणु, जो संधिपाद प्राणी में मध्यस्थ परपोषी और कशेरुकी में अंत्य परपोषी के रूप में पुनरावृत्त होता है।

archaebacteria — **आद्यजीवाणु**

प्राक्केंद्रकी (prokaryotic) जीवों का एक समूह जिनके झिल्ली लिपिडों के रसायन यूबैक्टीरिया के रसायनों से भिन्न होते हैं। ये कुछ बातों में यूबैक्टीरिया से मिलते-जुलते हैं तथा कुछ में सुकेंद्रकियों से।

archaeocyte — **आद्यकोशिका**

स्पंजों में बड़े केंद्रकों और कुंठित पादाभों वाले कुछ अमीबाणु जो अविभेदित भ्रूणीय कोशिकाएं समझे जाते हैं और परिवर्धित होकर जनन-कोशिकाएं बन जाते हैं।

Archaeopteryx — **आर्किऑप्टेरिक्स**

सर्वप्रथम ज्ञात पक्षी जिसके जीवाश्म दक्षिण जर्मनी में मिले हैं। जुरैसिक काल के इस पक्षी का आकार बड़े कबूतर जितना था। लंबे जबड़ों में हड्डीदार दांत, पंजों में तीन की बजाय चार अंगुलियां और लंबे उड़न-पिच्छ इसके विशिष्ट लक्षण थे।

Archaeornis — **आर्किऑर्निस**

उत्तर जुरैसिक काल में पाए जाने वाले पक्षियों का वंश जिनकी लंबी दुम में काफ़ी पर होते थे। इन पक्षियों में कई सरीसृपी लक्षण थे, जैसे–चोंच का अभाव, जबड़ों में दांत और पंजों में नखरयुक्त तीन अंगुलियां।

Archaeornithes — **आर्किओर्निथीज़**

पक्षियों का एक उपवर्ग जिसमें जुरैसिक कालीन सबसे पुराने तथा आद्यतम जीवाश्म–पक्षी आते हैं। इसमें आर्किओर्निस तथा आर्किओप्टेरिक्स नामक दो वंश ही आते हैं। इनमें सरीसृपों के कुछ

विभेदक लक्षण भी पाए गए हैं जैसे जबड़ों में दो दांतों का होना, ठोस हड्डियों में वायु कोश का अभाव और बिना नौतल वाली छोटी उरोस्थि। अग्र पादों में पंजों के साथ-साथ तीन नखरयुक्त अंगुलियां भी पाई गई हैं।

archaic — **आदि, आद्य, पुराकालीन, पुरातन**

1. प्रारंभिक काल से ही बिल्कुल अपरिवर्तित रूप वाला; जैसे स्फ़ीनोडोन नामक आद्य सरीसृप।

2. प्रागैतिहासिक समय का अथवा उससे संबंधित।

archenteron (gastrocoele) — **आदयंत्र**

अंतश्चर्म (endoderm) की गुहिका जो कंदुकन (gastrulation) के दौरान अंतश्चर्म और मध्यजनस्तर (मेसोडर्म) कोशिकाओं के भीतर की ओर जाने से बनती है तथा अंततः आंत्रगुहिका बन जाती है।

archetype — **आद्यप्ररूप**

विशेषीकृत लक्षणों के विलोपन से बना एक काल्पनिक पूर्वज प्ररूप।

archibenthal — **आदिनितलस्थ**

नितलस्थ क्षेत्र के ऊपरी भाग का या उससे संबद्ध। उपवेलांचलीय से वितलीय तक फैले हुए इस क्षेत्र में महाद्वीपीय शेल्फ भी शामिल हैं।

area opaca — **अपारदर्शी क्षेत्र**

सरीसृपों तथा पक्षियों के भ्रूणों में कोरकचर्म (ब्लास्टोडर्म) का परिधीय श्वेतमंडल, जो केन्द्रीय पारदर्शी क्षेत्र को घेरे रहता है और पीतक से संपर्क बनाए रखता है।

area pellucida — **पारदर्शी क्षेत्र**

परिवर्धनशील सरीसृपों व पक्षियों के भ्रूणों में कोरकचर्म (ब्लास्टोडर्म) का केंद्रीय स्वच्छ क्षेत्र, जो पीतक के सीधे संपर्क में नहीं रहता।

areola — **क्षेत्रिका**

1. क्यूटिकल का वह क्षेत्र जो अनुप्रस्थ और अनुदैर्घ्य अंकनों द्वारा पार्श्वीय क्षेत्र में परिसीमित होता है।

2. स्तनियों में चूचुक के चारों ओर का गहरे रंग वाला क्षेत्र।

argenteum **रजताभ स्तर**

मछलियों में चर्म की संयोजी ऊतक वाली परावर्ती परत, जिसमें रंगदीप्त कोशिकाएं (इरिडोसाइट) तो होती हैं किंतु वर्णकीलवक (क्रोमेटोफोर) नहीं होते। यह ग्वानीन के सूक्ष्म स्फटिकों से बनती हैं।

arista **शूक**

शृंगिका का पतला और शूक-समान उपांग। आकारिकीय रूप से वर्तिका (style) और शूक में अंतर नहीं होता। वर्तिका सदैव अंतस्थ होती है जबकि शूक प्रायः पृष्ठीय और बिरले ही अंतस्थ होता है। साइक्लोरेफ़ा की शृंगिकाओं में तीन आधारीय खंड होते हैं जिनमें तीसरा सबसे बड़ा, जटिल और शूक वाला होता है। शूक नग्न, पिच्छकी अथवा कंकती हो सकते हैं। वर्गीकरण में ये बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

Aristotle's lantern **अरस्तू की लालटेन**

समुद्री अर्चिन में मुख और जबड़ों का ढांचा बनाने वाली पांच-पार्श्वीय जटिल कंकाल संरचनाएं। इस चर्वण-अंग के भीतरी ओर पांच गतिशील दांत और इन्हें घुमाने के लिए अस्थियों तथा पेशियों का विस्तृत तंत्र होता है।

armadillo **आर्मेडिलो**

डेसिपोडिडी कुल का बिल खोदकर रहने वाला मुख्यतया रात्रिचर स्तनी जिसमें धड़ और सिर छोटी अस्थिल पट्टिकाओं के खोल से ढके रहते हैं। छेड़े जाने पर ये इस खोल के भीतर गेंद के रूप में हो जाते हैं।

arolium **अजिनक**

गद्दी के समान संरचना जो नखरों के बीच अंतिम गुल्फ खंड के शीर्ष पर या प्रत्येक गुल्फ नखर के आधार पर पाई जाती है। उदाहरण–डिप्टेरा गण की घरेलू मक्खी।

arrhenotoky **अनिषेकपुंजनन**

अनिषेचित अंडों से नरों की उत्पत्ति। उदा. पुमक्षी (ड्रोन बी) आदि।

Arsinoitherium **आर्सिनॉइथीरियम**

अल्पनूतन युग के विलुप्त स्तनियों का वंश जिनके दो सींग तथा हाथी-जैसे पैर होते थे।

arterial system **धमनी-तंत्र**

संवहन–तंत्र का वह भाग जो रुधिर को हृदय से शरीर के विभिन्न अंगों की ओर ले जाता है।

arteriole **धमनिका**

कशेरुकियों की छोटी धमनी; विशेष रूप से किसी केशिका के समीपस्थ धमनी की छोटी शाखा।

arteriosclerosis **धमनीकाठिन्य**

धमनियों का दीर्घकालीन रोग जिसमें वाहिका–भित्तियों के काफी मोटे और कठोर हो जाने के कारण धमनियों का लचीलापन समाप्त हो जाता है।

artery **धमनी**

नलिकाकार वाहिका जो रुधिर को हृदय से शरीर के विभिन्न अंगों में ले जाती है। धमनियों की दीवारें शिराओं की अपेक्षा मोटी, अधिक पेशीय तथा लचीली होती हैं।

articulation **संधि**

देहभित्ति के दो दृढ़ीकृत भागों के बीच का जोड़। संधित संधि में जुड़ने वाले पृष्ठों के एक या दो जोड़ों के अनुसार ये एककंदीय (monocondylic) या द्विकंदीय (dicondylic) संधि कहे जाते हैं।

artificial classification **कृत्रिम वर्गीकरण**

लक्षणों की समग्रता के मूल्यांकन की अपेक्षा एकल यादृच्छिक लक्षण पर आधारित वर्गीकरण।

Artiodactyla **आर्टिओडैक्टिला (समखुरी गण)**

खुरयुक्त स्तनियों का गण, जिनमें अग्र पादों और पश्च पादों की कार्यशील अंगुलियां संख्या में सम (सामान्यतः दो या चार) होती हैं। इस गण में गाय–भैंस, भेड़, बकरी, बारहसिंगा, हरिण, जिराफ, ऊंट, दरियाई घोड़ा, सूअर आदि प्राणी आते हैं।

Ascaris — **ऐस्केरिस**

ऐस्केरिडी कुल के त्रिओष्ठीय मुख वाले गोल कृमियों का प्ररूपी वंश, जो आकार और बाहरी आकृति में केंचुओं से मिलते-जुलते हैं और मनुष्य के साथ-साथ कई अन्य प्राणियों में परजीवी बनकर रोग उत्पन्न करते हैं।

ascending colon — **आरोही बृहदंत्र**

बृहदांत्र का वह भाग जो सामान्यतया उदर के दाहिनी तरफ से ऊपर की ओर जाता है।

asexual reproduction — **अलैंगिक जनन**

जनन का वह प्रकार, जिसमें जनन-कोशिकाएं (युग्मक) न बनकर जनन क्रिया प्राणी की कायिक कोशिकाओं से होती है; जैसे अमीबा में द्विखंडन, स्पंज में जेम्यूल द्वारा जनन और हाइड्रा में मुकुलन।

asexual — **अलैंगिक, अलिंगी**

जनन का एक प्रकार जिसमें सेक्स कोशिकाओं (युग्मकों) का युग्मन नहीं होता।

asphyxiant — **श्वासरोधी**

ऐसी गैस जो श्वसनी-विसरण द्वारा नाशकजीवों को मारती है।

aspirator — **चूषित्र**

कीटों को चूषण द्वारा पकड़ने की एक युक्ति।

assay — **आमापन**

किसी पदार्थ के अवयवों का गुणात्मक अथवा मात्रात्मक निर्धारण, जैसे औषध या कीटनाशी का।

assimilation — **स्वांगीकरण**

जीवों में भोजन के पश्चात् अवशोषित पोषक पदार्थों का अंततः जीव द्रव्य में परिवर्तन।

association neuron (internuncial neuron) — **सहबंधक तंत्रिएक**

संवेदी और प्रेरक तंत्रिएकों का योजक तंत्रिएक।

aster **तारक**

अधिकांश प्राणि–कोशिकाओं में तारक केंद्र से निकलने वाला छोटी सूक्ष्म नलिकाओं का ताराकार समूह जो कोशिकापंजर का महत्वपूर्ण भाग होता है।

astigmatous **श्वासाछिद्री**

बिना श्वास-छिद्रों (spiracles) वाला।

astrocyte **ताराणु**

कशेरूकी केंद्रीय तंत्रिका-तंत्र में ग्लियल कोशिकाओं का एक प्रकार जिनका आकार तारे जैसा होता है।

asymmetric cell division **असममित कोशिका-विभाजन**
कोशिका-विभाजन जिससे असमान संतति कोशिकाएँ बनती हैं।

asymmetrical **असममित**

ऐसी संरचना जो दोनों तरफ एक समान नहीं होती।

asymmetry **असममित**

किसी संरचना के दोनों तरफ एक समान न होने की स्थिति।

atavism **पूर्वजता**

जीनों के पुनर्योजन के कारण जीव में सुदूर पूर्वजों के ऐसे अभिलक्षण की पुनरावृत्ति जो निकटतम पूर्वजों या प्रजनकों में नहीं पाया जाता। उदा. कभी-कभी मानवशिशु में छोटी-सी पूंछ का प्रकट होना।

athrocyte **शोषाणु**

प्रगुहाणु जो कायद्रव से विजातीय तत्वों का अवशोषण करके उन्हें क्रिस्टल के रूप में संचित करता है।

atlas **ऐटलस, शीर्षधर**

चतुष्पाद कशेरुकियों में मेरुदंड को करोटि से जोड़ने वाला कशेरुक।

atomize **कणित करना**

बिंदुकों (सूक्ष्म बूंदों) में परिणत करना (फुहार तरलों के लिए प्रयुक्त)।

atracheate **अवातक, श्वासनली-हीन**

श्वासनली से रहित (प्राणी)।

atresia **1. अछिद्रता 2. जीर्णता**

1. शरीर में किसी भाग अथवा छिद्र का तंग हो जाना या बिल्कुल ही न रहना।

2. अपहासन की क्रिया द्वारा किसी संरचना का लोप; जैसे स्तनी अंडाशय के पुटका।

atrial **परिकोष्ठी**

परिकोष्ठ या अलिंग से संबद्ध (गुहिका, रंध्र, नाल आदि)।

atrium **1. अलिंद 2. परिकोष्ठ**

1. हृदय की अग्र गुहिका अथवा कक्ष, जिसमें रुधिर शरीर के विभिन्न अंगों से लौटकर आता है।

2. ट्यूनिकेटा और सेफेलोकार्डेटा में ग्रसनी के चारों तरफ का कक्ष।

atrophy **क्षीणता, अपुष्टि**

कोशिकीय क्षय की एक प्रक्रिया जिसके परिणामस्वरूप आकार और क्रिया का ह्रास होता है।

attractant **आकर्षी**

एक रसायन-विशेष या भौतिक स्रोत जो कीटों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

atypical **अप्रारूपिक, अप्ररूपी**

सामान्य या प्ररूप से भिन्न; जैसे चतुष्पादों में प्रथम कशेरुक यानी ऐटलस।

auditory nerve **श्रवण-तंत्रिका**

कशेरुकियों की आठवीं कपाल-तंत्रिका, जो आंतरिक कर्ण से निकले आवेगों को मस्तिष्क तक ले जाती है।

auditory ossicles **श्रवण-अस्थिकाएं**

स्थलीय कशेरुकियों में कर्णपटह झिल्ली को अंडाकार गवाक्ष अथवा आंतरिक कर्णपटह से जोड़ने वाली छोटी-छोटी अस्थियाँ।

augmentation **सुवर्धन**

पीड़कों के जैविक-नियंत्रण के लिए परजीवियों, परभक्षियों या रोगाणुओं का बड़े पैमाने पर संवर्धन, पालन-पोषण और स्थानिक मोचन।

auricle **1. अलिंद 2. ऑरिकिल**

1. हृदय का वह कक्ष जिसमें रुधिर शरीर के भिन्न–भिन्न अंगों से लौटकर आता है और वहां से फिर निलय (वेंट्रिकल) में चला जाता है।

2. कान–जैसी उभरी हुई कोई संरचना; जैसे प्लेनेरिया में शीर्ष के दाएं–बांएं उभार, समुद्री अर्चिनों में हनुकंकाल (अरस्तू की लालटेन) की परिधि के चारों ओर स्थित पांच कैल्शियम चाप।

auricularia **कर्णकाभ**

होलोथूरिया के प्राणियों में पाया जाने वाला एक प्रकार का डिंभक (larva)।

autoantibody **स्वप्रतिरक्षी**

प्रतिरक्षी जो किसी व्यक्ति के शरीर के सामान्य प्रतिजन घटक के साथ विशिष्ट प्रतिक्रिया करने में सक्षम होता है और स्वयं भी उसी शरीर में बनता है। *पात्रे*, ऐसे प्रतिरक्षी अपने समान प्रतिजनों के साथ प्रतिक्रिया द्वारा पहचाने जाते हैं। ये प्रतिजन प्रायः दूसरी जातियों से प्राप्त किये जाते हैं।

autoantigen **स्वप्रतिजन**

शरीर का प्रसामान्य घटक जो स्वप्रतिरक्षी से अभिक्रिया करता है।

autocatalysis **स्वोत्प्रेरण**

ऐसा प्रक्रम जिसके द्वारा किसी अभिक्रिया का उत्पाद उसके सकारात्मक पुनर्भरण (positive feedback) को प्रभावित करने वाली अभिक्रिया को उत्प्रेरित करता है।

autocidal control **स्वघाती नियंत्रण**

किसी कीट जाति का उसके ही विरुद्ध उपयोग जिससे कि उस कीट की प्राकृतिक समष्टि को कम किया जा सके अथवा उसका उन्मूलन किया जा सके। इसे प्रायः कुछ साधनों द्वारा आनुवंशिक हेर-फेर से प्राप्त करते है। उदा.–बंध्य नर का मोचन।

autoecology (autoecology) **स्वपारिस्थितिकी**

एकल कीट जाति के द्वारा किसी समुदाय के विशेष निकेत में रहने के लिए किए जाने वाले अनुकूलन का अध्ययन।

autogamy **स्वकयुग्मन**

पैरामीसियम जैसे कुछ सिलिएटों में जनन-क्रिया के दौरान एक ही कोशिका में उत्पन्न दो युग्मक केंद्रकों का संलयन।

autogenous vaccine **स्वगत वैक्सीन**

उपचारगत रोगी के शरीर से पृथक् करके संवर्धित किए गए जीवाणुओं से तैयार वैक्सीन।

autograft **स्वरोपण**

एक ही जीव के शरीर के किसी अंश को निकाल कर उसे उसी जीव के शरीर के अन्य भाग में निरोपित करना।

autonomic nervous system **स्वायत्त तंत्रिका-तंत्र**

केंद्रीय तंत्रिका–तंत्र के साथ ही, गुच्छिकाओं और तंत्रिकाओं का पृथक् उपतंत्र जो अंतरंगों की अनैच्छिक क्रियाओं का नियंत्रण करता है; विशेष रूप से (1) कशेरुकियों में तंत्रिका–तंत्र का वह भाग जो अनैच्छिक पेशियों, ग्रंथियों आदि पर नियंत्रण रखता है और अनुकंपी तथा परानुकंपी तंत्रों से मिलकर बनता है। अनुकंपी तंत्र की तंत्रिकाएं मेरु रज्जु से अधर तल पर निकलकर कशेरुक दंड के दोनों ओर स्थित गुच्छिकाओं तक जाती हैं। (2) कीटों में अग्रांत्र से संबधित स्वायत्त तंत्रिका-तंत्र।

autoparasite **स्वपरजीवी**

वह परजीवी, जो दूसरे परजीवी पर जीवन निर्वाह करता है।

autophagic vacuole **स्वभोजी धानी**

अंगक-भक्षी लयनकाय या एक प्रकार की पाचक धानी जिसमें कोशिका अपने अंगकों (जैसे, माइटोकोन्ड्रिया, अंतःद्रव्यी जालिका आदि) का स्वलयन करती है।

autophagous **स्वतःभोजी**

जन्म से ही स्वयं पोषण प्राप्त करने में सक्षम; जैसे, कुछ पक्षी जो स्फुटन के तुरन्त बाद ही इधर-उधर दौड़कर आहार ढूंढ़ने लग जाते हैं।

autophagy **स्वतःभोजिता**

1. शरीर में अंगों का भक्षण जो प्रायः अंगोच्छेदन के बाद होता है।

2. उपापचयी उत्पादों के स्वअवशोषण द्वारा जीवन–निर्वाह; जैसे खमीर (यीस्ट) द्वारा अपने ही ग्लाइकोजन का उपयोग।

autopolyploidy **स्वबहुगुणिता**

किसी बहुगुणित जाति में उसकी मूल जाति के अगुणित गुणसूत्र-समुच्चय के गुणन से व्युत्पन्न संजीनों के एक से अधिक समुच्चयों में होने की अवस्था।

autoradiography **स्वविकिरणी चित्रण**

वैद्युत्कण संचलन आदि विधियों द्वारा पृथक्कृत कोशिकाओं, ऊतक खंडों अथवा अणुओं (प्रोटीन, न्यूक्लीक अम्लों आदि) के वितरण तथा उनमें रेडियो समस्थानिकों की उपस्थिति ज्ञात करने की तकनीक। संसाधित रेडियोसक्रिय पदार्थ को फोटोग्राफी विलयन अथवा फिल्म से ढक देते हैं और अंधेरे में लंबे समय तक उद्भासित करते हैं। इसके बाद प्रकट हुए रजत कणों अथवा रेडियो सक्रिय संपरीक्षकों को सीधे अथवा सूक्ष्मदर्शी से देखते हैं।

autosome **अलिंगसूत्र**

लिंग गुणसूत्रों के अतिरिक्त, कोई भी अन्य गुणसूत्र। मनुष्य में अलिंगसूत्रों के 22 जोड़े होते हैं।

autostylic **स्वनिलंबित, आटोस्टाइलिक**

कंठिका–चाप द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहने की बजाय कपाल से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े जबड़ों वाला; जैसे, काइमेरा, फुप्फुस-मीन, उभयचर और उच्चतर कशेरुकियों की करोटि।

autotomy **स्वांगोच्छेदन**

1. प्रतिवर्ती क्रिया द्वारा किसी भाग या अंग का शरीर से स्वतः पृथक्करण; जैसे छिपकली की पूंछ का।

2. प्राणी का दो या तीन खंडों में विभाजित हो जाना; जैसे क्रस्टेशियनों, शूलचर्मियों और कृमियों में।

autotroph **स्वपोषी**

जीव जो अपनी आवश्यकता के पोषक कार्बनिक पदार्थों को कार्बन-डाईआक्साइड और अन्य सरल अकार्बनिक अणुओं से संश्लेषित करने में स्वयं सक्षम होता है।

autotrophism **स्वपोषण**

पोषण का वह प्रकार जिसमें जीव द्वारा स्वयं अपने शरीर के भीतर अकार्बनिक पदार्थों को इस्तेमाल करके खाद्य पदार्थों का संश्लेषण किया जाता है।

autozooid **ऑटोजोआइड, स्वजीवक**

ऐन्थोजोआ में सामान्य प्ररूपी पॉलिप जो अपना पोषण स्वयं प्राप्त कर सकता है।

auxins **ऑक्सिन-वर्ग**

कोशिका-दीर्घन करने वाले पादप वृद्धि हार्मोनों का एक समूह जो पौधों की जड़ों और तने के छोर में पाया जाता है।

auxotroph **विपोषी**

उत्परिवर्ती सूक्ष्मजीव जिन्हें अपनी वृद्धि के लिए न्यूनतम अनिवार्य माध्यम के अतिरिक्त भी अन्य वृद्धि कारकों की आवश्यकता होती है।

Aves **एवीज (पक्षिवर्ग)**

कशेरुकियों का उच्चतर वर्ग जिसमें विलुप्त और विद्यमान सभी पक्षी आते हैं। इन समतापी (नियततापी) अंडप्रजक प्राणियों में परों से ढकी त्वचा, दो पश्चपाद, अग्रपादों का पंखों में परिवर्तन, हृदय में चार कक्ष, और केवल दाहिना महाधमनी-चाप होते हैं।

avicide **पक्षिनाशी**

पीड़क पक्षियों को नियंत्रित करने वाला पदार्थ। यह प्रायः उनको मारता नहीं है, बल्कि कुछ पक्षियों को दूर भगा देता है, जिससे दूसरे पक्षी भी डर कर भाग जाते हैं।

axeny **आगंतुक हीनता**

आकारिकीय रोधों के बिना ही रोगाणु के प्रति पादप का प्रतिरोध।

axial fibril **अक्षीय रेशक**

स्पाइरोकीटों की बाहरी कला के ठीक नीचे स्थित कशाभिका जैसी संरचना।

axillars (axillaries) **कक्षपिच्छ**

कक्षक से निकलने वाले परों (पिच्छों) का समूह जो पक्षियों की उड़ान में उड्डयन पिच्छों और शरीर के बीच वाले स्थान को ढक लेता है।

axillary **कक्षीय, कक्षवर्ती**

कांख या कक्षक का, उसमें स्थित या उससे संबद्ध; जैसे कक्षपिच्छ, कक्षीय कठक, आदि।

axis **अक्षकशेरुक, अक्षक**

चतुष्पाद कशेरुकियों में दूसरा ग्रीवा-कशेरुक।

axon **तंत्रिकाक्ष**

तंत्रिएक का एक प्रवर्ध अथवा तंत्रिका-रेशा जो एकदिशीय तंत्रिका-आवेग को कोशिका-पिंड से दूर ले जाता है।

axoneme **अक्षसूत्र**

पक्ष्माभ या कशाभ में गति उत्पन्न करने वाले अक्षीय रेशकों का बंडल जिसमें 9 द्विक सूक्ष्मनलिकाएं 2 एकल सूक्ष्मनलिकाओं को घेरे रहती हैं।

axostyle **अक्षदंड**

अनेक कशाभी प्राणियों में जीवद्रव्य की दंड-जैसी संरचना जो आंतरिक कंकाल का कार्य करती है।

azygous vein **अयुग्म शिरा**

सरीसृपों, पक्षियों और स्तनियों में प्रायः एक ही तरफ (दाहिनी तरफ) पाई जाने वाली शिरा जो पसलियों के आस–पास का रुधिर इकट्ठा करके अग्र महाशिरा में ले जाती है।

B

bacillus — **बैसिलस, दंडाणु**

दंड–रूप, वायुजीवी बीजाणु बनाने वाले जीवाणुओं (बैक्टीरिया) का वंश जिसमें ऐसी कई जातियां सम्मिलित हैं जिनका उपयोग जैव पीड़कनाशियों की भांति किया जाता है। महत्वपूर्ण जातियां हैं—**बैसिलस सीरेस, बै. लेन्टीमोर्बस, बै, पेपिली, बै. स्फेरीकस, बै. सबटेलिस** और **बै. थ्यूरिनजियेन्सिस।**

back mutation (reverse mutation) — **प्रतीप उत्परिवर्तन**

उत्परिवर्ती जीन में वंशागमी प्रत्यावर्तन जिसके फलस्वरूप उस प्रकिण्व या प्रकार्य का पुनः स्थापन होता है जिसे वह तथाकथित 'अग्र उत्परिवर्तन' के कारण खो चुका हो।

backbone (vertebral column) — **रीढ़ (कशेरुक दंड)**

पीठ में स्थित कई छोटी-छोटी हड्डियों से बनी एक खोखली संरचना जो मेरुरज्जु को ढक कर सुरक्षित रखती है। यह कशेरुकियों का विशिष्ट लक्षण है।

back-cross — **प्रतीप प्रसंकर**

संतति का अपने जनकों में से किसी एक के साथ प्रसंकरण। (तु. breeding)

bacteriophage — **जीवाणुभोजी (विभोजी)**

ऐसा विषाणु जो जीवाण्विक परपोषी में रहकर अपना प्रतिकृतियन करता है। उदा. लैम्डा-टी- और पी-विभोजी।

bacteriophage — **जीवाणुभोजी**

ऐसा विषाणु जो जीवाण्विक परपोषी पर संक्रमण करके अपना प्रतिकृतियन करता है। इसका संक्षिप्त नाम विभोजी है। उदाहरण, लैम्डा-, टी.-, और पी.- विभोजी।

bacteroid **जीवाणुसम**

जीवाणु जैसी अथवा आपरिवर्तित जीवाणु-कोशिका। शिंबों (फलियों) वाले पादपों की मूल ग्रंथिकाओं में पाई जाने वाली विकृत *राइज़ोबियम* कोशिका।

Baculoviridae **बैक्युलोविरिडी**

संधिपाद–विशिष्ट विषाणुओं का समूह जिसमें केंद्रकीय पॉलीहेड्रोसिस (एन.पी.बी.) और ग्रेनुलोसिस विषाणु आते हैं।

baculum **शिश्नास्थि**

चमगादड़, ह्वेल और कुछ कृंतकों, मांसाहारियों, नरवानरों आदि स्तनियों के शिश्न में मध्य रेखा पर स्थित कोमल हड्डी।

baenomere **पदधारक**

कीटों में टांग को धारण करने वाला शरीर का (वक्षीय) खंड।

bahaviour **व्यवहार**

भीतरी और बाहरी वातावरण में परिवर्तन के प्रति संपूर्ण जीव की अनुक्रिया; जैसे उद्दीपनों के प्रति अनुचलन, अनुवर्तन, त्वचा का रंग-परिवर्तन आदि।

bait **विलोभक**

पीड़क को आकर्षित करने वाला भक्षण-योग्य पदार्थ।

balanced lethal **संतुलित घातक**

तद्रूप प्रजनन करने वाला विषमयुग्मज जिसमें युग्मित गुणसूत्रों में से प्रत्येक में विभिन्न घातक जीन इस प्रकार स्थित होते हैं कि जीन-विनिमय प्रायः नहीं होता।

balancer (haltere) **संतोलक**

1. डिप्टेरा कीटों में पूरी तरह न बढ़े हुए निष्क्रिय पश्च पंख जिनकी सहायता से कीट हवा में उड़ते हुए संतुलन बनाए रखते हैं।

2 सैलामैन्डर आदि उभयचरों के लार्वों के सिर पर पाए जाने वाले युग्मित उपांग जो अग्र पादों के बनने से पूर्व संतुलन का कार्य करते हैं।

baleen — **तिमि शृंगास्थि**

कुछ ह्वेलों में तालु की श्लेष्म कला से उत्पन्न किरेटिन पट्टिकाएं जो मुंह के भीतर पानी से खाद्य वस्तुओं को छानकर अलग कर देती हैं।

ball and socket joint — **कंदुक-खल्लिका संधि**

ऐसी संधि जिसमें एक हड्डी का अर्ध-गोलाकार सिरा दूसरी हड्डी के प्यालेनुमा भाग पर इस तरह बैठता है कि वह हर दिशा में थोड़ा बहुत घूम सकता है; जैसे श्रोणि–उलूखल संधि।

band — **पट्टी**

किसी पॉलीटीन गुणसूत्र में विद्यमान उदग्र पट्टी जो युग्मित कायिक गुणसूत्र बंडल में एक ही स्तर पर बहुत सी समजात वर्ण-कणिकाओं के साथ-साथ होने से बनती है।

bandicoot — **बैंडीकूट, पंदिकोकु**

खेत के चूहे की हृष्ट–पुष्ट और सबसे बड़ी जाति जो ऊपर से गहरे भूरे रंग की होती है। कभी-कभी ये चूहे काले, हल्के भूरे या लगभग लाल होते हैं।

barb — **पिच्छक**

पक्षियों के परों में पिच्छाक्ष से निकली पार्श्व शाखाएं।

barbate — **कूर्चकी, लोमगुच्छी**

लंबे बालों के गुच्छे वाला या लंबे कड़े बालों वाला।

barbule — **पिच्छिका**

पक्षियों के परों में पिच्छक के दोनों ओर स्थित छोटे–छोटे प्रवर्ध जिनमें पिच्छिका प्रवर्ध (बार्बीसेल) नामक अंकुश–जैसी संरचनाएं होती हैं और जिनकी सहायता से वे परस्पर गुंथे रहते हैं।

barophilic — **दाबरागी**

ऐसी परिस्थिति में रहने वाला (जीव) जहां वातावरण का दबाव अधिक रहता है। मुख्य रूप से, गहरे सागर में रहने वाले जीवधारियों के लिए प्रयुक्त।

barotaxis **दाबानुचलन**

किसी जीवधारी में दबाव के उद्दीपन के फलस्वरूप होने वाली अभिविन्यासी अनुक्रिया।

barotropism **दाबानुवर्तन**

वायुमंडलीय दाब में परिवर्तन के फलस्वरूप किसी पौधे या स्थावर प्राणी में होने वाला अनुवर्तन।

basal **आधारी**

आधार पर स्थित।

basal apodeme **आधारी आंतरवर्ध**

नर कीट के शिश्नाधार का आंतरवर्ध।

basal body **आधारी काय**

सुकेंद्रकी प्राणियों की कशाभों और पक्ष्माभों का संलग्नन स्थल जो ऐक्सोनीम के आधार पर पाई जाने वाली एक बेलनाकार संरचना है। यह ऐक्सोनीम की सूक्ष्म नलिकाओं का एकत्रण और विन्यास करती है।

basal disc **आधारी डिस्क, आधार बिंब**

कुछ वृंतयुक्त स्थानबद्ध सीलेन्टेरेट प्राणियों में शरीर में फैला हुआ आधारी भाग जिसकी सहायता से वे किसी वस्तु से जुड़े रहते हैं।

basal granule **आधारी कणिका**

प्रत्येक कशाभ अथवा पक्ष्माभ के आधार पर स्थित सुस्पष्ट रूप से रंगा जा सकने वाला सूक्ष्म कण जिससे ब्लेफ़ेरोप्लास्ट भी कहते हैं।

basal metabolic rate **आधारी उपापचयी दर**

विराम अवस्था में उपापचय (ऑक्सीजन-व्यय) की दर। इसे सतही क्षेत्रफल के प्रतिवर्गमीटर के लिए प्रति घंटा उत्पन्न होने वाली सामान्य ऊष्मा की प्रतिशत से व्यक्त किया जाता है।

basal metabolism **आधारी उपापचय**

विरामावस्था में किसी जीव की उपापचयी क्रिया की सामान्य दर।

basal plate **आधार पट्टिका**

शिश्नाधार के कठक।

basal sclerite **आधारी कठक**

दो पार्श्वीय, ऊर्ध्वाधार पटलिकाओं (vertical lamellae) से बना कठक जो ऊर्ध्वाधर तल पर जुड़कर एक द्रोणी (basin) बनाता है जिसमें ग्रसनी स्थित होती है।

basalia **बैसेलिया, आधारिका**

मछलियों के युग्मित पखों में नीचे की ओर स्थित कंकालीय संरचनाएं।

basanale **बैसेनेल**

कीटों में गुद-शिराओं के आधार पर स्थित तीसरा कक्षीय कठक।

base **क्षारक, बेस**

1. वह पदार्थ जो किसी विलयन में H^+ ऑयन अथवा एक प्रोटोन ग्रहण करता है या किसी अन्य पदार्थ को एक जोड़ा इलेक्ट्रॉन प्रदान करता है।

2. न्यूक्लीक अम्लों के नाइट्रोजनी क्षारक (प्यूरीन या पिरिमिडीन) घटक अवशिष्ट।

basement membrane **आधार झिल्ली**

देहभित्ति का आंतरिक-आस्तर बनाने वाली पतली झिल्ली जो बाह्य त्वचा से अधिक चिपकी रहने के कारण उसका उत्पाद ही मालूम होती है।

basendite **मूलांत पालि**

क्रस्टेशियनों में विशेषीकृत युग्मित उपांगों के सिरों से जुड़ी पालियों के जोड़ों में से एक।

baseost **आधारास्थि**

टीलियोस्ट मछलियों की अरास्थि (टेरिजियोफ़ोर) का दूरस्थ भाग।

basic dye **क्षारकीय रंजक**

सामान्य रूप से कोशिका के ऋणावेशित केंद्रकी रचकों को रंग प्रदान करने वाला धनायनी कार्बनिक अभिरंजक।

basic number — **आधारी संख्या, मूल संख्या**

बहुगुणित व्यष्टि की पूर्वजीय द्विगुणित जाति की अगुणित गुणसूत्र संख्या का एक्स. (X) द्वारा निरूपण।

basipodite — **दूर पादांश**

अंत्य पादांश का आधारी खंड या समान्यीकृत उपांग का दूसरा खंड।

basiproboscis — **आधारशुंड**

कुछ कीटों में शुंड का वह झिल्लीमय भाग, जिसमें चिबुकांग (mentum), अधःचिबुकांग (sub-mentum) तथा जंभिकीय कारडोइन और स्टाइपीज होते हैं।

basisphenoid — **आधारजतुक**

कशेरुकी कपाल के आधार के मध्य भाग में स्थित अस्थि जो आधार पश्चकपाल और जतुकपूर्वी के बीच में रहती है।

basitarsus — **आधार गुल्फ**

गुल्फ का निकटस्थ उपखंड।

basivalvula — **आधार प्रकठक**

प्रथम प्रकठक के आधार पर स्थित छोटे कठक जिन्हें कभी-कभी भ्रम से पुटधर (valvifer) समझ लिया जाता है।

basiventral — **आधारमूलक**

अस्थिमय अथवा उपास्थिमय संरचनाओं का जोड़ा, जिससे कशेरुकाय (सेंट्रम) का अधर भाग और कभी-कभी पुच्छ क्षेत्र में हीमल चाप बनता है।

basket cell — **करंड कोशिका**

1. कुछ ग्रंथियों के आधार के चारों तरफ पाई जाने वाली पेशी–उपकला कोशिकाओं में से एक।

2. अनुमस्तिष्क में पाया जाने वाला एक प्रकार का अंतरांतत्रिओन जिसकी कोशिकाकाय परकिंजे-कोशिका परत के एकदम ऊपर स्थित होती है और उसे प्रभावित करती है।

basophil — **क्षारकरागी**

कणिकायुक्त एक श्वेत रुधिर-कोशिका जो क्षारकीय रंगों से अभिरंजित होती है। संक्रमण होने पर इनसे हिस्टेमीन एवं सेरेटोनिन निकलती है।

basophilic — **क्षारकरागी, क्षारकरंजी**

क्षारक रंजकों के प्रति बहुत अधिक आकर्षण दिखलाने वाला (पदार्थ या कोशिका)।

Batesian mimicry — **बेटसी अनुहरण**

किसी एक प्राणी या प्राणिजात का दूसरे हानिकर, अरुचिकर या विषैले प्राणी या प्राणिजात से रूप, रंग या आकृति की समानता जिससे पहले प्राणी की सुरक्षा हो जाती है क्योंकि परभक्षी जीव दोनों को ही मारने का प्रयत्न नहीं करते।

bathypelagic — **गभीर वेलापवर्ती**

महासागर में गहरे, विशेषकर सतह से सैकड़ों फुट नीचे वाले जल का, उसमें रहने वाला अथवा उससे संबद्ध।

beach seine (haul seine) — **पुलिन संपाशक (कर्षण संपाशक)**

लंबा जाल जिसे तट के एक सिरे पर बांध कर मछलियों के झुंड के आसपास घुमा-फिरा कर खींच लिया जाता है।

bee — **मक्षिका, भ्रमर**

हाइमेनॉप्टेरा गण के झिल्लीदार पंखों वाले कीटों का सामान्य नाम। इनमें चर्वण-लेहन प्रकार के मुखांग होते हैं और ये पराग, मकरंद तथा मधु से पोषण प्राप्त करते हैं।

beetle — **भृंग**

कोलिऑप्टेरा गण के कीटों का सामान्य नाम। इनमें पंखों का अगला जोड़ा पक्षवर्म नामक कड़ी संरचना के रूप में होता है, जो पिछले झिल्लीमय पंखों को ढककर सुरक्षित रखता है।

behavioural resistance — **व्यावहारिक प्रतिरोध**

कीटों में कीटनाशियों के लिए प्रतिरोध की एक क्रियाविधि जो व्यावहारिक परिवर्तन से आती है जिससे कीट अपने आपको

कीटनाशियों के संपर्क में आने से बचाता है, अर्थात् एक सामान्य कीट जाति के कुछ व्यष्टि कीट कीटनाशी द्वारा उपचारित सतह से दूर रहते हैं।

behavioural orientation — **व्यावहारिक अभिविन्यास**

किसी कीट जाति की परिक्षिप्त समष्टि का दृश्य और घ्राण उद्दीपन के प्रभाव से परपोषी पादप की ओर अभिविन्यास (आना)। ये दोनों ही उद्दीपन भ्रमणशील कीट जाति के व्यष्टियों को परपोषी की तरफ घूम जाने में सहायक होते हैं।

benign tumour — **सुदम्य अर्बुद**

दूसरे अंगों को संक्रमित न करने वाले अर्बुद। ये पुनः प्रसामान्य लक्षण प्ररूप स्थिति में लौट सकते हैं, जबकि दुर्दम अर्बुदों में ऐसा नहीं होता। (तु॰-malignant tumour)

benthic — **नितलस्थ**

सागर की निचली तह या तली का अथवा वहां पाया जाने वाला।

benthos — **नितलक**

समुद्र या झील की तली में रहने वाले पौधों तथा प्राणियों का सामूहिक नाम।

Bergman's rule — **बर्गमैन नियम**

वह सिद्धांत या मत जिसके अनुसार नियततापी प्राणियों की व्यापक रूप से फैली हुई बहुलप्ररूपी (polytypic) जातियों में, प्रत्येक भौगौलिक प्रजाति के प्राणियों का औसत आकार वातावरण के औसत तापमान के विपरीत अनुपात में बदलता रहता है।

beta taxonomy — **बीटा वर्गिकी**

निम्न वर्गक और उच्च वर्गक की प्राकृतिक पद्धति में जाति-विन्यास से संबंधित वर्गिकीय स्तर।

bethylid wasp — **बेथिलिड बर्र**

वह कीट जिसमें ट्रोकैन्टिलस (trochantellus) अल्पपरिवर्धित अथवा नहीं होता तथा पश्चवक्षों में प्रायः पक्षांतपालि (anal lobe) होती है,

ये छोटे अथवा मध्यम आकार और गहरे रंग वाले, चींटी के समान कीट लेपिडॉप्टेरा और कोलियोप्टेरा के लारवों पर परजीवी होते हैं। उदा.–**पेरिसीरेला, नेफेनटीडिस** और **गोनियोजस इन्डिकस।**

bicellular **द्विकोशिक**

दो कोशिकाओं वाला या उनसे बना हुआ; जैसे कुछ ग्रंथियां आदि।

bicipital **द्विशिरस्की, द्विशाखी**

1. द्विशिरस्क (बाइसेप्स) पेशी का अथवा उससे संबद्ध।

2 कूट, पर्शुका आदि ऐसे अंगों के लिए प्रयुक्त जिनमें दो भाग या संरचनाएं होती हैं।

bicorn **द्विशृंगी**

दो सींगों वाला (अंग, संरचना या जीव)।

bicornuate **द्विक्षृंगी**

दो सींग अथवा सींग–जैसे प्रवर्धों वाला (अंग या संरचना); जैसे गर्भाशय।

bicuspid tooth **द्वयग्री (दंत)**

दो उभारों वाले अग्रचर्वणक जो मानव में रदनकों (कैनाइन) और चर्वणकों (मोलर) के बीच में स्थित होते हैं।

bicuspid valve **द्विवलनी (कपाट)**

स्तनी हृदय में बाएं अलिंद–निलय छिद्र में स्थित कपाट जो दो वलनों की सहायता से बंद होता है।

bidder's organ **बिडर अंग**

कुछ भेकों (टोडों) के नर या मादा में से किसी में भी जननांगों के अग्र सिरे पर या वसा पिंडकों के निकट स्थित अल्पवर्धित अंडाशय।

bifanged (tooth) **द्विमूलीय (दंत)**

दो जड़ों वाला (दांत)।

bifid **द्विशाखित, द्विशाखी**

एक मध्यगत विदरण द्वारा दो बराबर भागों में बँटा हुआ, जैसे सरीसृपों की जीभ।

biflabellate **द्विपंखाभ**

ऐसी कीट–शृंगिकाओं के लिए प्रयुक्त जिनकी संधियों के दोनों ओर पंखे–जैसे प्रवर्ध हों।

biflagellate **द्विकशाभी**

दो कशाभों वाला (जीव या कोशिका); जैसे द्विकशाभी चलबीजाणु (जूस्पोर)।

bilateral symmetry **द्विपार्श्व सममिति**

किसी प्राणी या अंग के केवल एक ही समतल से दो समरूप भागों में विभाजित होने की स्थिति; जैसे मेंढक, तिलचट्टे, मानव आदि में।

bile **पित्त**

यकृत् से निकलने वाला पीले-हरे रंग का गाढ़ा क्षारीय स्राव जो पित्त-वाहिनी से पित्ताशय तथा ग्रहणी में पहुंचता है और पाचन में सहायक होता है।

bill **चोंच, बिल**

1. किरेटिनयुक्त आवरण समेत पक्षियों के जबड़े, जो आहार और स्वभाव के अनुसार विविध प्रकार से रूपांतरित होते हैं।

2. चोंच–जैसा मुखांग; जैसे कच्छप के शृंगी जबड़े और प्लैटीपस में संवेदी त्वचा से ढकी हुई चोंच।

binary fission **द्विखण्डन, द्विविभाजन**

कुछ प्राणियों में जनन की सरल प्रक्रिया जिसमें एक कोशिका के केन्द्रक और कोशिकाद्रव्य के विभाजन से दो समान कोशिकाएं बन जाती हैं; जैसे **अमीबा** में।

binocular vision **द्विनेत्री दृष्टि**

त्रिविम दृष्टि, जिसमें दोनों आंखें समाने की ओर उन्मुख होकर किसी वस्तु को एक साथ देख सकती हैं। यह प्राइमेट प्राणियों का

विशिष्ट लक्षण है और इससे वे दूरी का सही–सही अंदाज लगा लेते हैं। उल्लू आदि कुछ परभक्षी ण्क्षियों में भी यह विशेषता पाई जाती है।

binomen **द्विनाम**

दो भाग, वंश और विशेषक जिससे जीवों का वैज्ञानिक नाम दिया जाता है।

binomial nomenclature **द्विपद नामपद्धति**

जीवधारियों के नामकरण की वैज्ञानिक विधि जिसका प्रतिपादन सर्वप्रथम कैरोलियस लिनिअस ने किया था। इसके अनुसार प्रत्येक जीव के नाम में दो पद होते हैं जो या तो लैटिन में या फिर लैटिनीकृत रूप में होते हैं। पहला पद जीनस (वंश) का और दूसरा स्पीशीज़ (जाति) का बोधक होता है। रोमन लिपि में जीनस का नाम बड़े अक्षर (कैपिटल लेटर) से शुरू किया जाता है।

उदा. मानव के जीनस का नाम **होमो** (*Homo*) और स्पीशीज का **सेपिएन्स** (*sapiens*) है और पूरा जीव-वैज्ञानिक नाम **होमो सेपिएन्स** (*Homo sapiens*) है।

bioagent **जैव कारक**

परजीवी, परभक्षी, रोगाणु आदि जीव जिनका उपयोग नाशकजीवों को मारने के लिए किया जाता है।

bioassay **जैव आमापन, बायोऐसे**

मानक अथवा मानक कीट की अनुक्रिया के मापन के परिप्रेक्ष्य में, जीवों (कीटों) की अनुक्रिया के व्यवस्थित मापन द्वारा, किसी पदार्थ का गुणात्मक या मात्रात्मक आकलन।

biochemistry **जीवरसायन**

जीव के शरीर में होने वाली रासायनिक अभिक्रियाओं तथा तत्संबंधी रासायनिक यौगिकों का अध्ययन।

bioclimatology **जैव जलवायु-विज्ञान**

विज्ञान की वह शाखा जिसके द्वारा जीवित प्राणियों पर जलवायु के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

biodegradable **जैव-निम्नीकरणीय**

सूक्ष्मजीवों द्वारा निर्विषी उपापचयजों (metabolites) में टूट जाने वाले पदार्थ अथवा अजैविक जैव रासायनिक पारस्परिक क्रियाओं से प्रेरित होने वाले पदार्थ।

biogenesis **जीवात्जनन**

सजीव पदार्थ में जीवों के उद्भव का सिद्धांत। (विप. abiogenesis अजीवात्जनन)।

biogenetic law **जाति-आवर्तन नियम**

ऐसी परिकल्पना कि प्रत्येक व्यष्टि अपने परिवर्धन-काल में अपनी जाति के परिवर्धन-इतिहास की संक्षिप्त पुनरावृत्ति करता है।

biogeography **जीव-भूगोल**

विज्ञान की वह शाखा जिसमें समय और स्थान में प्राणियों और पादपों के वितरणों का अध्ययन किया जाता है।

biological control **जैव नियंत्रण**

पारिस्थितिक संतुलन में जैव कारकों के द्वारा परिवर्तन लाकर विनाशकारी या हानिकारक जीवों का नियंत्रण; जैसे, किसी क्षेत्र या आवास में नए परभक्षी, परजीवी या रोग को लाकर किसी पीड़क या नाशक जीव की संख्या में कमी करना।

biological race **जैव प्रजाति**

पोषी प्राथमिकताओं के आधार पर वर्गीकृत जातियों के कार्यिकीय प्रभेद।

biological species concept **जैव जाति संकल्पना**

जातियों के परस्पर प्रजनन पार्थक्य पर बल देने वाली जातिवर्ग संकल्पना।

biological stain **जैव अभिरंजक**

कोशिका के विभिन्न संघटकों को विभेद्रक रंग प्रदान करने वाले रासायनिक पदार्थ।

biological classification — **जैव वर्गीकरण**

आनुवंशिक संबंधों के निष्कर्षों के आधार पर जीवों की वर्गकों (टैक्सॉनों) में व्यवस्था।

biology — **जीवविज्ञान, जैविकी**

वह विज्ञान, जिसका जीवधारियों के अध्ययन से संबंध है। पौधों से संबद्ध शाखा को वनस्पति विज्ञान और प्राणियों से संबद्ध शाखा को प्राणिविज्ञान (जंतुविज्ञान) कहते हैं।

bioluminescence — **जैव संदीप्ति**

एक विशिष्ट दैहिक रसायन (ल्यूसीफेरिन) की अभिक्रिया के कारण कुछ जीवधारियों द्वारा प्रकाश उत्पादन।

biome — **जीवोम, बायोम**

प्रमुख पारिस्थितिकीय क्षेत्र जैसे कि मरुस्थल या उष्णकटिबंधीय वन का जीव समुदाय।

biometry — **जैव-सांख्यिकी, बायोमेट्री**

जीवों और उनकी समानताओं तथा विविधताओं का सांख्यिकीय अध्ययन।

bionomics — **जैव-पारिस्थितिकी**

जीवधारियों के स्वभाव, आवास, जीवनवृत्त और अनुकूलनों के अध्ययन का विज्ञान।

biopesticide — **जैवपीड़कनाशी**

वह पीड़कनाशी जिसमें क्रियाशील संघटक विषाणु, कवक, जीवाणु अथवा प्राकृतिक रूप से मिलने वाला जैवरसायन (पादपों अथवा प्राणियों से व्युत्पन्न) होता है।

biopolymer — **जैवबहुलक**

प्रोटीन, न्यूक्लीक अम्ल तथा कार्बोहाइड्रेट जैसे बृहदाकार जीव बहुलक। इनका निर्माण मूल निर्माण सामग्री इकाइयों (एकलकों) की पुनरावृत्ति के द्वारा होता है।

biopsy **बायोप्सी, जीवऊति परीक्षा**

जीवों, उनके अंगों तथा चेतन शरीर से निकाले गए ऊतकों, कोशिकाओं अथवा तरलों का निदानसूचक अध्ययन।

biorational (pesticide) **जैवयौक्तिक (पीड़कनाशी)**

इस शब्द का प्रयोग अरासायनिक पीड़कनाशियों के लिये किया जाता है जिनमें जैव पीड़कनाशी और वानस्पतिक पीड़कनाशी सम्मिलित हैं।

bioseston **जैवसंप्लवक**

संप्लवक के अनेक घटकों में से एक जिनमें केवल जीवधारी ही होते हैं।

biosphere **जीवमंडल**

स्थलमंडल, जलमंडल के कुछ भागों तक फैला एक संकीर्ण मंडल जिसमें सभी प्रकार के जीव पाए जाते हैं। वे इस मंडल में बढ़ते और जनन करते हैं।

biosynthesis **जैवसंश्लेषण**

वह प्रक्रिया जिसके द्वारा कोशिकाएं छोटे और अपेक्षाकृत सरल संघटकों से बड़े और जटिल अणुओं का निर्माण करती हैं।

biosystematics **जैववर्गीकरण विज्ञान**

विज्ञान की वह शाखा जो जीवों की विविधता, उनके जाति-उद्भवन (speciation) और जातिवृत्त से संबंधित है।

biota **जीवजात**

किसी भी क्षेत्र के समस्त जीव-जंतु और वनस्पति।

biotechnology **जैवप्रौद्योगिकी**

सामान्य प्रौद्योगिकी का वह प्रकार जिसमें किसी औद्योगिक उपयोग के लिए जैव-कारकों, तंत्रों या प्रक्रमों का अनुप्रयोग होता है जैसे, जीवाणुओं द्वारा इन्सुलिन का उत्पादन।

biotic agent **जीवीय कारक**

जैविक जीव, विशेषकर लाभदायक जैविक जीव जैसे रोगाणु, परजीवी, परभक्षी जो नाशक कीटों की बढ़ती समष्टियों का संदमन करते हैं तथा खरपतवारों के घनत्व को कम करते हैं।

biotic community **जीवीय समुदाय**

स्थान विशेष पर किसी कीट जाति के व्यष्टियों की उपस्थिति उसकी समष्टि है। किसी क्षेत्र में कीटों की विभिन्न समष्टियों की उपस्थिति से समुदाय बनता है। ये समुदाय आपस में और अपने भौतिक पर्यावरण से भी लगातार पारस्परिक क्रिया करते रहते हैं।

biotic environment **जीवीय पर्यावरण**

सूक्ष्मजीवों, पादपों और प्राणियों से बना पर्यावरण।

biotic factor **जीवीय कारक**

पारितंत्र के जीवित घटक जो अपने पोषण की विधि के अनुसार उत्पादक, उपभोक्ता और अपघटक के रूप में श्रेणीकृत होते हैं।

biotic potential **जीवीय विभव**

प्राणी या कीट की किसी भी जाति को स्वतंत्र रहने देने पर और प्राकृतिक शत्रुओं, रोग या अन्य संदमनकारी कारकों से पृथक् रखे जाने पर उसकी वृद्धि का अधिकतम आकलन। सामान्यतया विभवीय जनन-दर बहुत अधिक होती है लेकिन अस्तित्व के लिए संघर्ष में संतुलन बना रहता है और इस कारण किसी भी जाति का समष्टि-घनत्व मोटे तौर पर नियत अथवा एक समान रहता है।

biotroph **जैवपोषी**

ऐसा जीव जो अपने भोजन तथा जीवन-चक्र के लिए अन्य जीवों के सजीव ऊतकों पर निर्भर रहता है।

biotype **जीवप्ररूप**

किसी जाति में पाई जाने वाली ऐसी कार्यिकीय (शरीरक्रियात्मक) विभिन्नता जो उसके एक समान आनुवंशिक गठन वाले व्यष्टि या व्यष्टि समूह में व्यक्त होती है।

bipartite **द्विखंडी, द्विभाजित**

ऐसी संरचनाओं के लिए प्रयुक्त जिनमें दो भाग हों या जो आधार तक दो भागों में बंटी हुई हो।

bipolar **द्विध्रुवी**

1. दो ध्रुवों वाला, जिसके प्रत्येक सिरे पर एक-एक तंत्रिका प्रवर्ध हो; जैसे तंत्रिका कोशिकाएं।

2. दोनों ध्रुवीय प्रदेशों का अथवा उससे संबद्ध; जैसे कुछ समुद्री जीवों का वितरण।

biramous **द्विशांखी**

दो शाखाओं वाला क्रस्टेशियन पाद जिसमें एक अंतःपादांश (endopodite) और एक बहिःपादांश (exopodite) होता है।

bird **पक्षी, चिड़िया**

पिच्छों से ढके शरीर वाला नियततापी प्राणी। अग्र पादों का बदलकर पंख बन जाना, दांतों का अभाव, चोंच की उपस्थिति, चार कक्षों वाला हृदय, एक (दाहिना) महाधमनी चाप, वातिल हड्डियां, वायु कोष, बड़े व कड़े कैल्सियमी कवच वाले अंडे, इनकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

birotular **बाइरोट्यूलर, द्विचक्रिक**

पहिए–जैसे दो सिरों वाली (स्पंज कंटिका)।

bisexual **द्विलिंगी**

नर और मादा दोनों जननांगों वाला, जैसे केंचुआ।

biting mouthparts **कर्तन मुखांग**

ठोस पदार्थ को काटने और पीसने के लिए अनुकूलित कीट मुखांग। ऐसे मुखांग चिबुकीय (mandibulate) भी कहलाते हैं। उदा. थायसेन्यूरा, ऑर्थोप्टेरा, डर्मेप्टेरा, डिक्टिओप्टेरा, ऑडोनेटा, कॉलियोप्टेरा और अनेक कीटों के लारवे।

bivalent **युगली**

अर्धसूत्री विभाजन के समय प्रथम पूर्वावस्था में दो समजात गुणसूत्रों के युग्मन से बनी संरचना।

bivalent chromosome **द्विसंयोजी गुणसूत्र**

समजात गुणसूत्र युगल जो प्रथम अर्धसूत्रण की मध्यावस्था में दिखाई देते हैं।

bivalve **द्विकपाटी**

1. दो कपाट वाला; जैसे सीपियों का कवच।
2. परस्पर जुड़े हुए दो कपाट वाले कवच का प्राणी; जैसे शुक्ति, **यूनियो** आदि।

bivoltine **द्विप्रज**

1. एक वर्ष (ऋतु) में दो बार अंडे या बच्चे (brood) उत्पन्न करने वाला; जैसे रेशमकीट।
2. एक वर्ष में दो पीढ़ियों वाला, अर्थात् उपरति (diapause) रहित ग्रीष्म पीढ़ी तथा उपरति वाली शिशिर पीढ़ी (कीटों के संबंध में)।

blast cell **कोरक कोशिका**

प्रतिजन से उद्दीपन प्राप्त करने के बाद बी.-कोशिकाओं से विभेदित बड़े आकार की विभाजी कोशिका।

blastema **प्रमुकुलन**

अविभेदित कोशिकाओं का पुंज जिसमें वृद्धि करने और विभेदित होने की क्षमता होती है।

blastocoele **कोरकगुहा, ब्लास्टोसील**

अंड-विदलन के अंत में निर्मित कोरक के मध्य पाई जाने वाली प्राथमिक देहगुहा जो अविभेदित कोरकखंडों से घिरे तरलयुक्त अवकाश के रूप में दिखाई देती है।

blastocyst **कोरकपुटी, ब्लास्टोसिस्ट**

स्तनियों के परिवर्धन में विदलन से उत्पन्न तूतक (मोरुला) के बाद की एक खोखली अवस्था जिसमें बाहर की ओर एक कोशिका परत, पोषकोरक (ट्रोफोब्लास्ट) होता है और भीतर एक सिरे पर गुहा में ही फूला हुआ एक ठोस कोशिका–पुंज होता है, और जिसे आंतरिक कोशिका संहति (inner cell mass) कहते हैं।

blastoderm **ब्लास्टोडर्म, कोरकचर्म**

1. अधिक पीतक वाले अंडों में विदलन के फलस्वरूप बनने वाली कोशिकाओं का सतही आस्तर या आवरण। कशेरुकियों (जैसे मुर्गी) के अंडों में यह पीतक ध्रुव की तरफ कोशिकाओं की चपटी बिंब होती है। कीटों के अंडों में यह ऐसी कोशिकाओं का स्तर होती है जो पीतक के चारों तरफ रहता है।

2. कंदुकन से पहले कोरक की कोशिकाओं का पृष्ठीय स्तर। जब काफ़ी संख्या में विदलन कोशिकाएं बन जाती हैं, तब उनमें से अधिकतर अंडे के परिसरीय भाग में चली जाती हैं और वहां सतत कोशिकीय स्तर अथवा पीतक के चारों ओर घेरने वाले कोरक चर्म को बनाने के लिए परिद्रव्य (periplasm) के साथ समाविष्ट हो जाती हैं।

blastokinesis **कोरक-गतिक्रम**

अधिक पीतकयुक्त अंडों में बढ़ते हुए भ्रूण की गति, जिससे शरीर का आंशिक घूर्णन हो जाता है; जैसे कुछ कीटों व सेफ़ैलोपॉड प्राणियों में।

blastomere **कोरकखंड, ब्लास्टोमियर**

निषेचित अंडों में विदलन की क्रिया के फलस्वरूप बनने वाली कोशिकाओं में से एक।

blastopore **कोरकरंध्र, ब्लास्टोपोर**

कंदुक (गैस्ट्रुला) अवस्था में भ्रूण की सतह पर पाए जाने वाला अस्थाई रंध्र, जिसके द्वारा आंतरिक गुहा अर्थात् आद्यंत्र (आर्केन्टेरोन) बाहर को खुलती है।

blastostyle **कोरकस्तंभ**

कुछ सीलेन्टेरेट प्राणियों में खोखले दंड–जैसी संरचना वाला जीवक (zooid) जिससे मेड्यूसाभ मुकुल उत्पन्न होता है।

blastula **कोरक, ब्लैस्टुला**

भ्रूण परिवर्धन में गैस्ट्रुला से पहले की अवस्था। यह प्रायः कोशिकाओं के स्तर से बनी खोखली गेंद-जैसी संरचना होती है। कोरक दो प्रकार के होते हैं: एक भीतर गुहा वाला (सीलोब्लैस्टुला) और दूसरा गुहारहित या ठोस (स्टीरिओ ब्लैस्टुला)।

blepharoplast **ब्लैफैरोप्लास्ट**

सुकेंद्रकी प्राणियों के पक्ष्माभों और कशाभिकाओं के अक्ष सूत्र के आधार पर स्थित बेलनाकार संरचना जो सूक्ष्मनलिकाओं से बनी होती है। यह संरचना अक्षसूत्र की सूक्ष्मनलिकाओं के एकत्रण और विन्यास का संचालन करती है।

blind spot (eye) **अंधबिंदु**

कशेरुकी आंख में प्रकाश के प्रति असंवेदी दृष्टिपटल का भाग, जहां पर दृक् तंत्रिका प्रवेश करती है।

blister beetle **फफोला भृंग**

तेल भृंग के नाम से प्रसिद्ध इस भृंग से एक तरल पदार्थ निकलता है जिसका प्रमुख घटक कैन्थेरिडिन है। इस तरल में उत्तेजक गुण होता है और मानव शरीर यदि इसके संपर्क में आए तो छाले पड़ जाते हैं। उदाहरण–**माइलेब्रिस** जाति और **एपीकोंटा**।

blood **रुधिर, रक्त**

प्राणियों की वाहिकाओं और कोटरों में बहने वाला तरल संयोजी ऊतक, जो पोषण पदार्थ, ऑक्सीजन, हॉरमोन आदि पदार्थों को शरीर के विभिन्न अंगों में तथा वर्ज्य पदार्थों को उत्सर्गी अंगों तक पहुंचाता है। इसके तरल भाग यानी प्लाज्मा में वर्णकयुक्त या वर्णकहीन अथवा दोनों प्रकार की कोशिकाएं होती हैं। कशेरुकियों का रुधिर हीमोग्लोबिन नामक श्वसन–वर्णक के कारण लाल होता है किंतु क्रस्टेशिया, सेफ़ैलोपॉड आदि प्राणियों में हीमोसाएनिन नामक वर्णक के कारण रुधिर का रंग नीला होता है।

blood corpuscle **रुधिर-कणिका**

रुधिर के तरल भाग यानी प्लाज्मा में पाई जाने वाली कोशिकाएं; जैसे, रक्ताणु (एरिथ्रोसाइट), श्वेताणु (ल्यूकोसाइट) और बिम्बाणु (थ्रोम्बोसाइट)।

blood gills **रूधिर क्लोम**

कुछ कीटों में रक्त से भरी महीन थैलियां, जो लवणों को ग्रहण करने का कार्य करती हैं।

blood group **रुधिर वर्ग**

रक्त के चार प्रमुख प्रकारः "ए" (A), "बी' (B), "एबी" (AB) और 'ओ' (O)—जिनका आधार लाल कणिकाओं और प्लाज्मा में क्रमशः एग्लुटिनोजन और एग्लुटिनिन का होना या न होना है। इन दोनों पदार्थों की प्रतिक्रिया के कारण ही असंगत रुधिर-वर्गों के रुधिर के आपस में मिलने पर समूहन (एग्लूटिनेशन) की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

blood plasma **रुधिर-प्लाज्मा**

रुधिर–कणिकाओं को छोड़कर रुधिर का शेष तरल भाग। रुधिर–सीरम से यह इस बात में भिन्न है कि इसमें फाइब्रिनोजेन होता है।

body cavity **देहगुहा, शरीरगुहा**

अधिकांश त्रिजनस्तरी (ट्रिप्लोब्लास्टिक) प्राणियों की तरलयुक्त आंतरिक गुहा, जो बाहर से देहभित्ति द्वारा घिरी होती है और जिसमें विभिन्न अंतरंग होते हैं। तु. coelom (प्रगुहा)।

body wall **देहभित्ति**

बाह्य चर्म का बना शरीर का अध्यावरण जिसमें अधिचर्म, उपचर्म तथा आधार झिल्ली सम्मिलित हैं।

boll weevil **गोलकघुन, बॉल-वीविल**

एक छोटा घुन जिसके डिंभक (लारवे) कपास के पौधों के गोलकों (डोडे) या बीज–फलियों को खाते हैं और उनको व्यापक क्षति पहुंचती है। उदाहरण–ऐन्थोनोमस ग्रेन्डिस।

book gill — **पुस्त क्लोम, पुस्त गिल**

कुछ जाइफोसूरा – जैसे *लिमुलस* – और विलुप्त यूरीप्टेरिडों के श्वसन अंग जिनमें बड़ी संख्या में पन्ने–सदृश्य संरचनाएं होती हैं और जिनके बीच जल प्रवाहित होता है।

book louse — **पुस्त यूका**

सोकोप्टेरा गण के अंतर्गत आने वाले कीट, जिनकी 12–50 खंडों वाली लंबी तंतुरूप शृंगिकाएं होती हैं। इन कीटों में पंख नहीं होते तथा सामान्यतया ये किताबों और कागजों के ढेर में पाए जाते हैं और पुस्तकों की जिल्द के लेप (पेस्ट) पर अशन करते हैं।

book-lung — **पुस्त-फुप्फुस**

(lung book)

ऐरेकनिडा वर्ग के बिच्छू, मकड़ी आदि प्राणियों का थैली-जैसा श्वसन अंग, जिसमें किताब के पन्नों की तरह व्यवस्थित, रक्त से भरे खोखले वलन होते हैं और इसी में गैस–विनिमय होता है।

borer — **वेधक**

चर्वण भाग से युक्त मुख वाले कीट जो तनों, कंदों तथा फलों आदि में छेद करते हैं। उदाहरण–धान्य, ज्वार की प्ररोह मक्खी, आदि।

bothrium — **चूषकखांच**

कुछ फीताकृमियों की मूर्धा (scolex) में चूषण संबंधी खांच।

Bowman's capsule — **बोमन संपुट**

कशेरुकियों के वृक्क-नलिका का प्रारंभिक दोहरी भित्ति वाला फूला हुआ प्याले-जैसा भाग। प्रत्येक संपुट में एक कुंडलित केशिकागुच्छ (glomerulus) होता है। ये दोनों मिलकर मैलपीगी काय बनाते हैं। दे. Malpighian body (मैलपीगी काय)।

brachiation — **बाहुगमन**

भुजाओं की सहायता से एक स्थान से दूसरे स्थान पर झूलते हुए चलना; जैसे गिब्बन द्वारा।

brachypterous **लघुपंखी**

छोटे अग्रपक्ष वाले कीट। कुछ ऋजुपंखी (arthopteran) जातियों के नर और मादा दोनों ही में सामान्य और छोटे पंख होते हैं जबकि अन्य कीट जातियों की केवल मादाएं ही छोटे पंख वाली होती हैं। यह झींगुरों, विशेषतः छछुंद झिंगुरों, का विभेदक लक्षण (diagnostic character) है।

brain **मस्तिष्क**

प्राणियों में केंद्रीय तंत्रिका-तंत्र का प्रमुख भाग, जो सिर के क्षेत्र में संवेदी अंगों के एकत्र हो जाने से संकेंद्रित हो जाता है। यह शरीर की प्रतिक्रियाओं का विभिन्न प्रकार से समन्वय करता है।

branchiocranium **क्लोम-कपाल**

मछलियों की करोटि के दो प्रमुख भागों में से एक, जिसमें चिबुक, कंठिका क्षेत्र तथा क्लोम-चाप होते हैं।

branchiomere **क्लोमखंड**

क्लोम (गिल) का भाग, विशेषतया वायुश्वासी कशेरुकियों के भ्रूण ग्रसनी-चापों तथा विदरों द्वारा प्रदर्शित विखंड।

branchiostegal ray **क्लोमावरक अर**

कंठिका चाप के अस्थिल अरीय प्रवर्ध, जो अधिकांश मछलियों में क्लोम कक्ष की झिल्लियों का कंकाल बनाते हैं।

breeding territory **प्रजनन-क्षेत्र**

कुछ प्राणियों, विशेषकर पक्षियों, में अपने घर या घोंसले के चारों तरफ का न्यूनाधिक क्षेत्र जिस पर प्राणी-विशेष अपना एकाधिकार समझता है और अन्य प्राणियों को वहां आने से रोकता है।

breeding true **तद्रुप प्रजनन**

जनकों से अभिन्न लक्षण प्ररूप वाली संतानों का पीढ़ी दर पीढ़ी उत्पन्न होना।

breeding — **प्रजनन**

1. अंडे-बच्चे देने की क्रिया।

2. विशेषतया सुधार की दृष्टि से नियंत्रित संगम अथवा संकरण द्वारा इच्छित नस्ल की उत्पत्ति।

bright field microscopy — **दीप्त क्षेत्र सूक्ष्मदर्शिकी**

प्रकाशीय सूक्ष्मदर्शिकी की तकनीक जिसमें अभिरंजित कोशिकाओं/ऊतकों को देखने के लिए उनमें प्रकाश किरणों का सीधा संचारण किया जाता है।

brimstones — **गंधक तितली**

वनों और बागों की बड़ी परंतु सामान्य यूरोपीय तितली जिसका नर चमकीला और गंधक के समान होता है। इसके प्रत्येक पंख के केंद्र में छोटा लाल धब्बा होता है। मादा लगभग सफेद होती है। नर को 'सल्फर' भी कहते हैं।

bristle tail — **शूक पुच्छ**

थाइसैनूरागण के स्थलीय कीट, जो शल्कों से आच्छादित होते हैं तथा चांदी अथवा घूसर रंग के होते हैं। उदाहरण–फायरब्रेट, सिल्वर फिश, आदि।

bristle — **शूक**

मजबूत और दृढ़ काँटे-जैसी संरचनाएँ जो टैकेनिडी (डिप्टेरा) में स्पष्ट दिखाई देती हैं।

broad spectrum pesticide — **विस्तृत स्पेक्ट्रम पीड़कनाशी**

निर्धारित मात्रा में अनुप्रयुक्त किए जाने पर पीड़कों के व्यापक परिसर को अथवा अनेकानेक पीड़कों को नियंत्रित करने वाला पीड़कनाशी। पीड़कपरिसर में एक ही पीड़क की विभिन्न अवस्थाएं हो सकती हैं या विभिन्न गणों (आर्डर) वाले भिन्न–भिन्न पीड़क हो सकते हैं। इन रसायनों की आविषालुता दीर्घकाल तक बनी रहती है। इस श्रेणी में क्लोरीनयुक्त हाइड्रोकार्बन-जैसे डी.डी.टी., बी.एच. सी., क्लोरडेन आदि हैं जो पर्यावरण में हानिकारक उपापचयज संदूषकों (contaminants) को छोड़ देते हैं।

bronchus — **श्वसनी, ब्रोकस**

उच्चतर कशेरुकियों में श्वास–नली की वह शाखा, जो फेफड़े में जाती है। भित्ति में बने पूर्ण या अपूर्ण उपास्थि–छल्लों के होने से यह पिचकती नहीं और दृढ़ बनी रहती है।

brood pouch — **भ्रूण-कोष्ठ, भ्रूण-धानी**

प्राणियों में जननांगों के साथ एक विशेष थैली, जिसमें परिवर्धित होते हुए अंडे या भ्रूण रहते हैं; जैसे अश्वमीन (sea horse), मेंढक, भेक आदि में।

brood — **शाव**

जीवों की एक ही जाति से उत्पन्न होने वाली लगभग समान आयु की संतति।

bruchid beetle — **ब्रूकस भृंग, ब्रूकिड भृंग**

विभिन्न दालों के बीजों को खेत, विशेषतः भंडार, में ग्रस्त करने वाला भृंग। इनके डिंभकों (लारवों) में अतिकायांतरण (hypermetamorphosis) होता है। उदा.–**कैलोसोब्रूकस**।

brush border membrane — **ब्रुश बॉर्डर झिल्ली**

पोषक तत्वों का अवशोषण करने में सहायक आंत्रउपकला-कोशिकाओं के विशिष्ट शीर्षस्थ प्रक्षेत्र जिनमें प्लैज़्मा झिल्ली वर्तित होकर अनेक सूक्ष्मांकुरों का रूप धारण कर लेती है; ताकि सतही क्षेत्र बढ़ जाए।

Bryozoa (Polyzoa) — **ब्रायोज़ोआ (पोलिज़ोआ)**

छोटे–छोटे जलीय, प्रायः स्थानबद्ध (अचल) तथा निवही प्राणियों का संघ (फ़ाइलम), जो सतही तौर पर हाइड्राइड सीलेन्टरेटों से मिलते–जुलते हैं। इनमें गुदा, प्रगुहा (सीलोम) तथा भोजन प्राप्त करने के लिए कशाभी स्पर्शक (टेन्टेकल) होते हैं।

buccal cavity (mouth cavity) — **मुख-गुहिका**

ग्रसनी तक फैला हुआ मुख के अंदर का अवकाश। कशेरुकियों में इसके अंदर दांत, जिह्वा आदि अंग होते हैं।

buccal gland **मुख-ग्रंथि**

1. श्लेष्म झिल्ली की द्राक्षगुच्छ-जैसी छोटी श्लेष्म ग्रंथि, जो कपोलों का अस्तर बनाती है।

2. कपोलिका (buccinator) पेशी के निकट स्थित लसीका-ग्रंथियों में से एक।

bud **मुकुल**

प्राणी के शरीर का उद्‌वर्ध, जिसके परिवर्धन से नई संतति बन जाती है; जैसे **हाइड्रा** में।

budding yeast **मुकुलन यीस्ट**

सेकैरोमाइसीज़ और संबद्ध जातियाँ, जो जनक कोशिका से मुकुलन द्‌वारा एक छोटे से आकार की नई संतति-कोशिका बनाकर अपनी संख्या में वृद्‌धि करती हैं।

buffered population **उभयरोधित समष्टि**
जीवों का एक–दूसरे पर इस प्रकार प्रभाव पड़ने की स्थिति जिसमें दोनों के समष्टि घनत्व एक माध्य के आस–पास एक निश्चित परास में रहते हैं।

bundle-sheath cell **पूलाच्छद कोशिका**

संवहनी बंडल को चारों तरफ से घेरने वाली बड़े आकार की मृदूतकं अथवा दृढ़ोतक कोशिका।

bunodont **वप्रदंत**

ऐसे दांतों या दांत वाले प्राणी जिनमें शिताग्र छोटे व शंकुरूप हों।

bunolophodont **वप्रकटकदंत**

ऐसे दांतों या दांत वाले प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जिनके बाहरी दंताग्र कुंद शंकु की तरह और भीतरी दंताग्र अनुप्रस्थ धार की तरह रूपांतरित हों; जैसे टापीर के दांत।

bunoselenodont **वप्रशशिदंत**

ऐसे दांतों या दांत वाले प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जिनके भीतरी दंताग्र कुंद शंकु की तरह और बाहरी दंताग्र अनुदैर्घ्य चापाकार रचना में रूपांतरित हों।

bursa copulatrix **मैथुन प्रपुटी**

मादा कीट का मैथुन कोष्ठ, जो सामान्यतः जननकक्ष या उसका एक भाग होता है तथा मैथुन के समय लिंगाग्रिका को अपने आप में समेट लेता है।

bursa entiana **ग्रहणी प्रपुटी**

उपास्थियुक्त मछलियों के जठरनिर्गमी आमाशय और आंत्र के बीच एक छोटी थैली-जैसी संरचना।

bursa **प्रपुटी**

अधिकांश नर–सूत्रकृमियों के पश्च सिरे पर स्थित पार्श्वीय क्यूटिकलीय विस्तार।

butterfly **तितली**

कीटों के लेपिडोप्टेरा गण के सदस्यों का सामान्य नाम, जिनमें गदाकार शृंगिकाएं होती हैं।

buzzing **कलस्वर, मर्मर**

कीटों के उड़ते समय उत्पन्न होने वाली ध्वनि, जो हाइमेनोप्टेरा गण के कीटों–**बॉम्बस हीमोराइड** में सामान्यतः होती है।

C

caecum — **अंधनाल, सीकम**

1. आहार-नाल से निकली हुई बंद सिरे वाली कोई नली या नली-जैसी संरचना। स्तनियों में यह क्षुद्रांत्र और बृहदांत्र के संगम से निकलती है और इसके दूरस्थ सिरे पर कृमिरूप परिशेषिका होती है। शाकाहारी स्तनियों में अंधनाल बहुत लंबी, किंतु मांसाहारियों में या तो छोटी या फिर बिल्कुल ही नहीं होती।

2. कीटों में इनकी संख्या प्रायः 6 या कम-ज्यादा भी हो सकती है और ये मध्यांत्र के अग्रभाग से निकले रहते हैं।

calcaneus — **पार्ष्णिका, कैल्केनियस**

कई कशेरुकियों में अंतःगुल्फ़िका (फ़ीब्युलेर) या एड़ी की हड्डी। पक्षियों में पश्चगुल्फ़िका (मेटाटार्सस) का एक प्रवर्ध।

calcarea — **कैल्केरिया**

पोरीफेरा संघ (फाइलम) में ऐसे स्पंजों का वर्ग जिनके कंकाल में केवल कैल्शियम कार्बोनेट से बनी कंटिकाएं होती हैं। उदा. **साइकॉन, एस्कॉन** आदि।

callus — **कैलस**

अनियंत्रित समसूत्रण के फलस्वरूप बनने वाला अविभेदित कोशिकाओं का समूह।

calyx — **चषक, केलिक्स**

प्याले या कीप से मिलती–जुलती आकृति की कोई संरचना; जैसे कुछ स्तनियों में वृक्क–द्रोणि का भाग या कुछ हाइड्रोजोअनों में हाइड्रॉइड के चारों तरफ की बाह्यकंकाली संरचना।

Cambrian period **कैम्ब्रियन कल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में कैम्ब्रियनपूर्व महाकल्प के बाद तथा आर्डोविशन कल्प से पहले 8 करोड़ वर्ष का समय। प्राणियों में इस समय तक प्रोटोजोआ, स्पंज और मोलस्क काफी विकसित हो चुके थे।

camouflage **छद्मावरण, कैमोफ्लाज**

अपनी रक्षा या परपक्षी प्राणियों का शिकार होने से बचने के उद्देश्य से कुछ प्राणियों में पाये जाने वाला स्वांग, छल या पर्यावरण से मिलती-जुलती आकृति या रूप-रंग।

campaniform **घंटीरूप**

समुद्री सूत्रकृमियों में चूषक-जैसे गर्त जिसमें संवेदी कोशिका-युक्त क्यूटिकल की पतली परत निकली रहती है।

campodeiform larva **कैम्पोडियारूप लारवा**

कैम्पोडिया जैसे होने के कारण कैम्पोडियारूप डिंभक कहलाने वाले इन डिंभकों का शरीर लंबा, कुछ-कुछ तर्कुरूप, लगभग अवनमित (depressed) और प्रायः अच्छी तरह दृढ़ीकृत होता है। ये डिंभक परभक्षी होते हैं और इनमें संवेदी तंत्र भलीभांति परिवर्धित होता है। ये डिंभक न्यूरोप्टेरा, स्ट्रेप्सिप्टेरा, ट्रिकोप्टेरा और कुछ कोलियोप्टेरा (विशेषतः एडीफैगा) गणों में पाए जाते हैं।

canal system **नाल-तंत्र**

स्पंजों में ऐसी बहुत-सी नलियों या नलिकाओं का समूह, जिसके द्वारा अंतर्वाही छिद्रों का बहिर्वाही छिद्रों से संपर्क बना रहता है। इन नालों में कीपकोशिकाओं के अस्तर वाली कई गुहाएं होती हैं। नाल-तंत्र द्वारा शरीर में पानी आता-जाता रहता है और इस तरह जंतु पानी से छानकर भोज्य पदार्थ ले लेते हैं।

cancer cell **कैन्सर कोशिका**

रोगी कोशिका जो दुर्दम अर्बुद के रूप में कोशिकाओं के अपसामान्य, असमान प्रचुरोद्भवन के कारण बनती है उदा॰ कार्सिनोमा या सार्कोमा। कैंसर कोशिकाएँ शरीर के अन्य अंगों में पहुंचकर द्वितीयक अर्बुद बनाती हैं।

canine (teeth) **रदनक, कैनाइन**

स्तनियों में कृंतक (इंसाइज़र) और अग्रचर्वणक (प्रिमोलर) के बीच स्थित लंबे, नुकीले और एक शिताग्र (कस्प) वाले दांत। कार्नीवोरा में ये खास तौर पर बढ़े हुए होते हैं और चीर-फाड़ के काम आते हैं। दे. dental formula दंत सूत्र।

cannibalism **स्वजातिभक्षण**

भोजन की वह प्रक्रिया जिसमें एक जीव अपनी वृद्धि के लिए अपनी ही जाति के दूसरे जीव को खाता है। इसमें एक अपरिपक्व अवस्था का प्राणी लारवा अपनी ही जाति की दूसरी अपरिपक्व अवस्था के प्राणी का भक्षण करता है। उदा. चने की सूंडी, **हीलियोथिस, आर्मीजेरा**। इसके अतिरिक्त ट्राइबोलियम कीट में पोषकीय लाभों के लिए अथवा कुछ परभक्षियों में घनत्व को नियंत्रित करने की क्रियाविधि के रूप में ऐसा देखा गया है। आकस्मिक तौर पर **प्रेइंग मेन्टिडों** में मैथुन के समय मादा नर पर आक्रमण कर उसके सिर को खा जाती है।

cantharid beetle **कैन्थेरिड भृंग**

मेलॉइडी कुल के भृंग। इनसे कैन्थेरिडिन ($C_{10}H_{12}O_4$) नामक औषध उत्पाद बनता है जो सुखाए गए कीटों से तैयार किया जाता है। इन भृंगों के केवल एलेट्रा ही औषध के लिए काम में लाए जाते हैं क्योंकि इनमें कीट के सारे कोमलांगों से भी अधिक सक्रिय तत्व होते हैं। **लिट्टा** जाति के भृंगों का वाणिज्यिक कैन्थेरिडिन के उत्पादन में उपयोग किया जाता है हालांकि इसकी तुलना में **माइलेब्रिस** से अधिक केन्थेरिडिन निकलता है।

capacitation **क्षमतायन**

ऐसा प्रक्रम जिसके द्वारा एक स्तनी शुक्राणु उसी जाति के अंडाणु को निषेचित करने में सक्षम होता है। इससे दोनों युग्मकों की प्लैज़्मा झिल्ली में अनिवार्य परिवर्तन होता है। यह परितर्वन मादा जनन-पथ में प्रेरित स्रावों के कारण होता है। इस प्रक्रिया को *पात्रे* भी किया जाता है।

capillary **केशिका, कैपीलरी**

शिराओं और धमनियों को जोड़ने वाली बहुत ही बारीक या कम व्यास की तथा एककोशिक परत वाली दीवारों की सूक्ष्मदर्शीय

वाहिका, जिसके द्वारा ऊतकों में पोषण, ऑक्सीजन, आदि धुले पदार्थों का आदान–प्रदान होता है।

capitate antenna **समुंड शृंगिका**

दूरस्थ खंड पर मुद्गर के आकार वाली संरचना।

capitulum **कैपिटुलम, मुंडक**

किसी अंग या भाग का घुंडीनुमा सिरा; जैसे पक्षियों और स्तनियों की पर्शुका (पसली) का एक प्रवर्ध, जिसके द्वारा वह वक्ष कशेरुकों के सेंट्रम से जुड़ती है; ह्यूमेरस (प्रगंडिका) का शीर्ष, आदि।

capping **आच्छादन**

कोशिका सतह के किसी स्थल पर विशिष्ट प्रोटीन समूह का पुंजन जिसके लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया कोशिका-झिल्ली घटकों के समूहन के बाद होती है; उदा॰ बहुसंयोजी आबंधों की क्रिया।

capsid **कैप्सिड**

विषाणु कण का बाह्य प्रोटीनी आवरण।

carapace **पृष्ठवर्म**

कई प्राणियों में पीठ या पृष्ठ सतह को ढकने वाला काइटिनी अथवा अस्थिल खोल जैसी संरचना। यह अधिकांश कशेरुकियों के भ्रूणों और शिशुओं के कंकाल में प्रमुख रूप में पाया जाता है और वयस्क अवस्था आने तक उसका अधिकतर भाग हड्डी द्वारा प्रतिस्थापित हो जाता है। एलास्मोब्रैंक मछलियों का कंकाल आजीवन उपास्थि का ही बना रहता है।

carbamate **कार्बामेट**

कीटनाशकों का वह समूह जो कार्बोनिक अम्लों के व्युत्पन्नों से बना होता है और जिसके एक अणु में OCON= समूह होता है। ये कार्बामेट एस्टर कीटों और स्तनधारियों में कोलीनेस्टरेज एन्जाइम को अवरुद्ध करते हैं। ये कीटनाशकों, बरुथीनाशकों अथवा

सूत्रकृमिनाशकों की भांति कार्य कर सकते हैं। उदाहरण–एल्डाकार्ब, मीथियोकार्ब, कार्बोरिल, कार्बोनेट आदि।

carbohydrate **कार्बोहाइड्रेट**

कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अणुओं से बना कार्बनिक यौगिक जिसका मूलानुपाती सूत्र $(CH_2O)n$ है और जो ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। इसके अपचय से कार्बन-डाइ-ऑक्साइड, जल तथा ऊर्जा प्राप्त होते हैं। रासायनिक दृष्टि से यह एल्डिहाइडों अथवा कीठोनों का पॉलिहाइड्रॉक्सी-व्युत्पन्न यौगिक है।

Carboniferous period **कार्बनी कल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में पेलियोज़ोइक महाकल्प का एक खंड, जिसमें पर्मियन और डिवोनी के बीच 25 करोड़ वर्ष से लेकर 20 करोड़ वर्ष पूर्व तक का समय आता है। इस कल्प में कीटों तथा सरीसृपों की शुरुआत हुई।

carboxypeptidase **कार्बोक्सीपेप्टीडेज़**

दो अग्न्याशयी प्रकिण्व (ए. और बी.) जिनके द्वारा प्रोटीन शृंखलाओं का जल अपघटन होता है। यह क्रिया शृंखला के कार्बोक्सिल सिरे पर शुरू होती है और इससे शृंखला के रचक ऐमीनो अम्ल एक-एक करके निकलते हैं।

carcinogenic **कैन्सरजनी**

कीटनाशी, पीड़कनाशी पदार्थ या कर्मक के कैंसर उत्पादन करने वाले गुण के लिए प्रयुक्त।

carcinoma **कार्सीनोमा, उपकलार्बुद**

उपकला कोशिका के व्यापक अनियंत्रित गुणन से उत्पन्न अर्बुद।

cardia **जठरागम**

ग्रसनी और आंत्र को जोड़ने वाला कपाटीय उपकरण।

cardiac gland **जठर ग्रंथि**

जठर में उपस्थित ग्रंथि।

cardo **कार्डो**

जंभिका (maxilla) का प्रथम अथवा निकटस्थ भाग, जो बहुत से कीटों में सिर से जुड़ा होता है।

carina **नौतल, कूटक**

हड्डी का ऐसा उभरा हुआ भाग या कटक, जिसकी आकृति नाव के तल से मिलती-जुलती है; जैसे पक्षियों की उरोस्थि में नीचे की ओर निकला मध्य भाग।

Carnivora **कार्निवोरा**

स्तनियों का एक गण जिसमें शेर, चीते, कुत्ते, बिल्ली जैसे मांसभक्षी प्राणी आते हैं। तेज नाखून, शिकार पकड़ने–चीरने के लिए लंबे रदनक और हड्डी तोड़ने के लिए मज़बूत मोटे चर्वणक इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

carnivorus **मांसाहारी**

दूसरे जंतुओं के मांस को खाने वाला।

carotid artery **ग्रीवा धमनी**

कशेरुकियों के सिर में रक्त ले जाने वाली प्रमुख धमनी, जो दो शाखाओं में विभक्त हो जाती है। बाहरी शाखा सतह पर स्थित भागों को और भीतरी शाखा मस्तिष्क को रक्त पहुंचाती है।

carpal **मणिबंधिका**

प्रकोष्ठ और करभ (मेटाकार्पस) के बीच स्थित छोटी-छोटी अनेक हड्डियों में से एक; कलाई की कोई एक हड्डी।

carpenter bee **तक्ष मक्षिका**

एकल मक्षिकाओं की ऐसी जातियों को दिया जाने वाला नाम जो अपना नीड़ बनाने के लिए लकड़ी को खोदती है। इनमें से अधिकांश उष्ण कटिबंधी तथा जाइलोकोपिडी कुल की है।

carpenter moth **तक्ष-शलभ**

गोट शलभ (कुल केसिडी) के डिंभक जो लकड़ी में नालियां बनाकर पर्णपाती वृक्षों को अत्यधिक क्षति पहुंचाते हैं।

carpodite **कॉर्पोडाइट**

सामान्यीकृत उपांग का पांचवा खंड।

carpus **मणिबंध**

स्थलीय कशेरुकियों में अग्र पाद अथवा हाथ के आधार का क्षेत्र, जिसे सामान्य भाषा में कलाई कहते हैं।

carrier protein **वाहक प्रोटीन**

वह प्रोटीन जो अन्य अणुओं से जुड़कर उन्हें अपने साथ झिल्लियों तथा उपकोशिकीय कक्षों में होकर लाने-ले जाने में सहायता करता है।

carrier **वाहक**

1. ऐसा विषमयुग्मज जिसमें एक जीन अप्रभावी तथा दूसरा प्रभावी होता है जिसके कारण व्यष्टि में अप्रभावी जीन के लक्षण प्रकट नहीं हो पाते।
2. किसी तत्व का स्थायी अरेडियोसक्रिय समस्थानिक जिसे रासायनिक संक्रियाओं में उस तत्व की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उसके कम मात्रा वाले रेडियोसक्रिय समस्थानिक के साथा मिलाया जाता है।
3. प्रतिरक्षाजनी अणु जिसके साथ कोई हेप्टेन युग्मित किया जाए।
4. किसी प्रतिदीप्त प्रोटीन निर्मिति का आयतन बढ़ाने हेतु प्रयुक्त प्रतिदीप्त अणु।
5. व्यष्टि जिसमें रोगाणु विशेष आश्रय ग्रहण करे किंतु रोग के नैदानिक लक्षण न प्रकट हों

catabolism (katabolism) **अपचय, केटाबोलिज्म**

जीवों में कोशिकाओं के भीतर होने वाली रासायनिक परिवर्तनों की प्रक्रिया, जिसमें जटिल पदार्थ सरल पदार्थों में अपघटित होते या टूटते हैं और ऊर्जा निकलती है।

catadromous **अधोगामी, समुद्राभिगामी**

ऐसी मछलियों के लिए प्रयुक्त जो वंशवृद्धि या जनन क्रियाएं पूरी करने के लिए नदियों से समुद्र में जाती हैं। विप. **anadromous** समुद्रपगामी।

catalyst **उत्प्रेरक**

वह पदार्थ जो रासायनिक अभिक्रिया को तेज तो कर देता है लेकिन स्वयं आकार एवं मात्रा में नहीं बदलता।

category **संवर्ग (वर्गिकी)**

पदानुक्रमी वर्गीकरण में किसी स्तर पर एक निश्चित कोटि जो उदाहरण के लिए वर्ग, कुल, वंश आदि को दर्शाता है।

caterpillar **इल्ली, केटरपिलर**

तितली, शलभ आदि कीटों का कृमि—जैसा मुलायम डिंभक जिसके वक्ष में तीन जोड़ी संधित टांगें और उदर में कई चलन-प्रपाद (प्रोलेग) होते हैं।

cat-fishes **अशल्क मीन, शिंगटी**

शल्कहीन मछलियों का समूह, जिनमें मुंह के आस-पास बिल्ली की मूछों की तरह स्पर्शवर्ध (बार्बेल) निकले होते हैं। इसीलिए इन प्राणियों को कैट—फिश कहते हैं।

caudal **पुच्छीय**

पूंछ से संबंधित।

caudate larva **पुच्छीय डिंभक**

वह कृमिरूप डिंभक जिसका पूंछ के समान उपांग भिन्न-भिन्न लंबाई का होता है। ऐसा डिंभक हाइमेनोप्टेरा गण के कुछ इकन्यूमोनिडी, बेकोनिडी और चेलसीडिडी में अधिकतर पाया जाता है।

cell adhesion **कोशिका-आसंजन**

किसी कोशिका और उसकी समीपस्थ कोशिकाओं के बीच वह संपर्क जिसके कारण कोशिका समुच्चयन, कोशिका-गतिशीलता और अंतरकोशिकीय-संचार होता है। कोशिका-आसंजन की मात्रा में अत्यधिक विविधता पाई जाती है और पृष्ठ आवेश के परिमाण के साथ इसका संभवतः विपरीत संबंध होता है। अधिकांश ऊतकों में कोशिकाएँ अपेक्षाकृत घनिष्ठ संपर्क में होती हैं और यह आसंजन बंधकायों की मौजूदगी से और अधिक बढ़ जाता है।

cell biology **कोशिका जैविकी**

कोशिकाओं की संरचना एवं क्रियाओं से संबंधित जीवविज्ञान की शाखा। पहले इसे कोशिकाविज्ञान (साइटोलॉजी) कहा जाता था, किंतु कोशिकाओं के विभेदीकरण, उनसे संबद्ध जैवरसायन, कार्यिकी आनुवंशिकी तथा अन्य विधाओं के कोशिकाविज्ञान में शामिल हो जाने से अब इस विस्तृत अध्ययन-क्षेत्र को कोशिका जैविकी (सेल बायोलॉजी) कहते हैं।

cell coat (glycocalyx) **कोशिका आवरण (ग्लाइकोकेलिक्स)**

प्राणि कोशिका की सतह पर पाई जाने वाली एक 10-20 नैनोमीटर मोटी पॉलिसैकेराइड परत जो प्लैज़्मा झिल्ली से बाहर निकली हुई ग्लाइकोलिपिड तथा ग्लाइकोप्रोटीन पार्श्व शृंखलाओं से बनी होती है। इसमें मौजूद सिआलिक अम्ल अवशेष कोशिका सतह को ऋण आवेशित करते हैं। जीवाणु कोशिकाओं में यह पॉलिसैकेराइड कैप्सूल या परत के रूप में पाई जाती है।

cell communication **कोशिका संचार**

एक कोशिका से दूसरी कोशिका को रासायनिक अणुओं के रूप में भेजा गया संदेश जो उसके प्रकार्यों के नियमन एवं समन्वय के लिए आवश्यक होता है।

cell death **कोशिका मृत्यु**

परिघटना जिसमें कोशिकाएँ विभेदन होने के साथ-साथ विभाजनों की एक निश्चित संख्या के बाद पूर्व निर्धारित योजनाक्रम के अनुसार मर जाती हैं क्योंकि उनका कोशिका चक्र धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है।

cell differentiation **कोशिका विभेदन**

प्रक्रिया जिसके द्वारा एक ही अविभेदित कोशिका से उत्पन्न संतति कोशिकाओं में संरचना तथा प्रकार्य का विशिष्टीकरण हो जाता है।

cell division **कोशिका विभाजन**

पूर्व विद्यमान कोशिका से नई कोशिकाएँ बनने की प्रक्रिया।

cell doctrine **कोशिका सिद्धांत**

(दे॰ cell theory)

cell fractionation **कोशिका प्रभाजन**

वह तकनीक जिसके द्वारा कोशिकीय घटकों को उनके भौतिक गुणधर्मों के आधार पर अलग-अलग किया जाता है।

cell mediated immunity **कोशिका माध्यित प्रतिरक्षा**

टी. लसीकाणुओं की मध्यस्थता से उत्पन्न विशिष्ट उपार्जित प्रतिरक्षा। इसमें टी. लसीकाणु पोषी लक्ष्य कोशिकाओं की सतह पर विजातीय प्रतिजनों तथा पोषी के मुख्य ऊतक सुसंगति के सम्मिश्र एम.एच.सी. को पहचानने पर प्रभावी कोशिकाओं के रूप में परिपक्व होते हैं, ताकि वे संक्रमित लक्ष्य पोषी कोशिका को नष्ट करके पोषी को संक्रामी (प्रायः विषाणु और जीवाणु) से सुरक्षा प्रदान कर सकें।

cell membrane (plasma membrane) **कोशिका-झिल्ली**

प्राणियों की कोशिका के चारों ओर पाई जाने वाली एक द्विपरतीय अर्धपारगम्य झिल्ली जो अधिकांशत वसा तथा प्रोटीन अणुओं से बनी होती है।

cell migration **कोशिका अभिगमन**

भ्रूण-उद्भव और घाव भरने के दौरान कोशिका संचलन।

cell theory **कोशिका सिद्धांत**

कोशिका को जीवन की आधारभूत इकाई मानने वाली धारणा। इसके अनुसार ऐसा माना जाता है कि सभी ऊतक कोशिकाओं से बने हैं। (cell doctrine)

cell **कोशिका**

जीवधारियों के शरीर की संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाई। इसमें दो प्रमुख भाग केंद्रक और कोशिकाद्रव्य के चारों ओर एक रक्षात्मक अर्धपारगम्य झिल्ली होती है। वनस्पति-कोशिका में पाई जाने वाली सेलुलोस की बनी कोशिका भित्ति सामान्यतः प्राणि-कोशिकाओं में नहीं पाई जाती।

cellulase **सेलुलेज़**

एक प्रकिण्व जो सेलूलोस के पाचन में सहायक होता है।

cellulose **सेलुलोस**

जटिल संरचना वाला पॉलिसैकेराइड जो कोशिका भित्ति का मुख्य घटक है। यह परस्पर आबंधित बीटा-डी. (β-D.) ग्लूकोस अणुओं के रैखिक अनुक्रम से बनता है।

cell-wall **कोशिका-भित्ति**

पादपों तथा जीवाणुओं की कोशिकाओं का सबसे बाहरी दृढ़ सुरक्षात्मक आवरण। यह मुख्यतः सेलुलोस का बना होता है तथा पूर्णतः पारगम्य होता है। (दे. **cell**)

Cenozoic era **सीनोजोइक महाकल्प, नूतनजीव महाकल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में साढ़े छह करोड़ वर्ष पूर्व से लेकर आज तक का समय। मध्यजीवी (मेसोजोइक) महाकल्प के बाद से शुरू होने वाले इस महाकल्प में टर्शियरी और क्वाटरनरी नामक दो कल्प होते हैं। इसे स्तनियों का काल कहा जाता है।

centipede **कनखजूरा**

आर्थ्रोपोडा संघ के काइलोपोडा वर्ग का लंबा-चपटा स्थलीय जंतु, जिसके शरीर में अनेक कायखंड होते हैं और प्रत्येक कायखंड पर एक-एक जोड़ी टांगें होती हैं। उदा. स्कोलोपेंड्रा।

central nervous system **केंद्रीय तंत्रिका-तंत्र**

तंत्रिका-तंत्र का प्रमुख भाग जो कशेरुकियों में मस्तिष्क तथा मेरु-रज्जु और अकशेरुकियों में गुच्छिका तथा तंत्रिका-रज्जु से बनता है। प्राणियों की विभिन्न गतिविधियों का समन्वय करना इसका प्रमुख कार्य है।

centriole **तारक केंद्र**

अधिकांश कोशिकाओं में तर्कु ध्रुवों पर स्थित अथवा कोशिका परिधि में अंतःस्थापित सूक्ष्म नलिकीय बेलनाकार संरचना जो पक्ष्माभ अथवा कशाभ का आधारीकाय होती है। यह त्रिक् सूक्ष्म नलिकाओं के नौ समुच्चयों से बनी होती है।

centrolecithal **केंद्रपीतकी**

ऐसे अंडों के लिए प्रयुक्त जिनमें पीतक मध्य भाग में और काफी मात्रा में रहता है। उदा. कीटों के अंडे।

centromere **सूत्रकेंद्र**

विशेषीकृत वर्णकणिका जिससे, कोशिका विभाजन के दौरान, तर्कु रेशे जुड़े रहते हैं। सेन्ट्रोमियर की स्थिति से ही एनाफेस अवस्था में क्रोमोसोम की आकृति (शलाका या अंग्रेजी के जे तथा वी अक्षर जैसी) निर्धारित होती है।

centrosome **तारककाय, सेन्ट्रोसोम**

कोशिकाद्रव्य का विभेदित बहुत सूक्ष्म क्षेत्र जहां से माइटोसिस के प्रारंभ होने पर दो तारककेंद्र (सेंट्रिओल) निकलते हैं। आधुनिक अध्ययनों के आधार पर प्रत्येक तारककेंद्र में दो संरचनाएं समकोण पर रहती हैं।

centrum **कशेरुकाय, सेन्ट्रम**

कशेरुक के आधार का भाग जो पूर्ण या आंशिक रूप से पृष्ठरज्जु (नोटोकॉर्ड) का स्थान लेता है। इसमें ऊपर की ओर तंत्रिका-चाप और कभी–कभी दोनों पार्श्व में अनुप्रस्थ प्रवर्ध होते हैं। कशेरुकाय के अग्र और पश्च सिर के अवतल या उत्तल होने के आधार पर कशेरुकों के कई प्रकार हो जाते हैं; जैसे अग्रगर्ती, अगर्ती, उभयगर्ती आदि।

cephalic lobe **शिरस्य पालि**

पुरोमुख (prostomium) एवं तृतीय प्रमस्तिष्कीय (cerebral) कायखंड से बनी भ्रूण की शीर्ष पालियां।

cephalic region **शिरस्य प्रक्षेत्र**

शीर्ष प्रदेश में शिरस्य ढाँचे से थमे हुए ओष्ठों से घिरा हुआ मुख द्वार।

cephalic **शिरस्य**

शीर्ष से संबंधित।

Cephalochordata **सेफैलोकॉर्डेटा**

कॉर्डेटा प्राणियों का एक उपसंघ या समूह जिसमें पृष्ठरज्जु शरीर के अग्र सिरे तक जाती है। उदा. **एम्फिऑक्सस**।

Cephalopoda **सेफैलोपोडा**

मोलस्कों का एक वर्ग जिसमें **ऑक्टोपस, कटलफिश, नौटीलस** आदि आते हैं। इसमें सुविकसित शीर्ष तथा बड़ी जटिल आंखें होती हैं और मुख के चारों ओर कई लंबे परिग्राही (prehensile) स्पर्शक (टेन्टेकल) या भुजाएं होती हैं। पाद का पश्च भाग एक कीप अथवा साइफन में रूपांतरित होकर बड़ी प्रावार-गुहा में से बाहर को निकलता है। इनमें कवच प्रायः भीतरी, कुछ में बाहरी ओर कुछ में बिल्कुल ही नहीं होता है।

cephalothorax **शिरोवक्ष**

सिर और वक्ष के मिलने से बनी संरचना। उदा.–क्रस्टेशिया और एरेक्निडा वर्गों के अंतर्गत आने वाले प्राणी।

cercaria **सर्केरिया**

कुछ पर्णाभ कृमियों (ट्रिमैटोडों) की अंतिम जलीय डिंभक अवस्था। गोल हृदयाकार शरीर, चूषक तथा दृक् बिंदु और नोदक पूंछ इसके विशिष्ट लक्षण हैं।

cercus **लूम**

अनेक संधिपाद प्राणियों में उदर के सिरे पर संधियुक्त उपांग।

cerebellum **अनुमस्तिष्क**

कशेरुकियों में पश्च मस्तिष्क का वह स्थूलन या फुलाव जो पेशियों की गतिविधि पर नियंत्रण और शरीर का संतुलन बनाए रखता है।

cerebrum **प्रमस्तिष्क**

कशेरुकी मस्तिष्क का प्रमुख भाग जो दो गोल फैलाव या संरचना के रूप में घ्राण पालि के पीछे होता है। यह उच्चतर केशरुकियों में विभिन्न आवेगों के समन्वय और मानव आदि उच्चतम स्तनियों में बौद्धिक क्षमता से संबद्ध है।

cervix **ग्रीवा**

1. सिर और अग्रवक्ष के बीच का लचीला अंतर्खंडीय क्षेत्र जिसकी झिल्ली में भिन्न-भिन्न संख्याओं में छोटी पट्टिकाएं अंतःस्थापित होती हैं जिन्हें ग्रीवा-कठक कहते हैं।

2. गर्भाशय का नलिकाकार अग्रभाग।

Cestoda **सेस्टोडा**

प्लेटीहेल्मिथीज संघ (फ़ाइलम) का एक वर्ग (क्लास) जिसमें अंतःपरजीवी फीताकृमि आते हैं। स्कोलेक्स में अंकुश या चूषक, अनेक खंडों वाला शरीर और प्रत्येक परिपक्व खंड में द्विलिंगी जनन–अंग इनके विशिष्ट लक्षण हैं। उदा. **टीनिया**।

Cetacea **सिटेशिया (तिमिगण)**

मछली से मिलती–जुलती आकृति के विशालकाय, जलीय, अपरायुक्त स्तनियों का गण जिसमें ह्वेल, सूंस और **शिंशुक** आते हैं। त्वचा के नीचे वसा की मोटी तह (तिमिवसा), पतवार या चप्पू-जैसे अग्रपाद, पूंछ का चौड़े पख (वाज) के रूप में होना तथा पश्च पादों का अभाव इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

chaeta **शूक**

देह भित्ति में अंतःस्थापित काइटिनयम शूल; जैसे कुछ लघुवलयक (annelid) प्राणियों में।

chaetotaxy **शूकविन्यास**

बाह्य कंकाल पर शूकों की व्यवस्था पर आधारित नाम पद्धति। कीट संदर्भ में शूकों का नियत प्रतिरूप में विन्यास जो वर्गिकी के लिये महत्वपूर्ण है।

chalaza **श्वेतकरज्जु**

पक्षियों के अंडों में सघन श्वेतक (एल्ब्यूमेन) की बटी हुई दो डोरियां, जिनके द्वारा पीतक कवच–झिल्ली से जुड़ा रहता है।

character **लक्षण, गुण**

किसी जीव की आकृतिक, शारीरीय और शरीर क्रियात्मक विशेषता जो सामान्यतः जीन-प्ररूप और पर्यावरण की अंतःक्रिया से उत्पन्न होती है।

check list **परीक्षण सूची**

तुरंत संदर्भ के लिए किसी वर्ग का स्थूल वर्गीकरण।

cheek **कपोल**

सिर पर स्थित संयुक्त नेत्र और मुख के बीच का पार्श्व भाग।

chela — **करज, कीला**

कुछ संधिपाद प्राणियों के कुछेक पादों (limbs) में पाया जाने वाला बड़ा नखर।

chelate — **करजी, कीलेट**

नखर जैसा अथवा चिमटी जैसा।

chelicerate — **केलिसेरेट, प्रकरजीय**

संवेदी शृंगिका के स्थान पर अग्र उपांगों का जोड़ा, अग्र-युग्म तथा शेष उपांगों के सामान्य-अभिलक्षण, जो एरेक्निड़ा को अन्य सभी संधिपादों से अलग करते हैं।

Chelonia — **कीलोनिया (कच्छप गण)**

सरीसृपों का एक गण जिसमें कछुए आदि आते हैं। अधिचर्मीय शृंगीय पट्टिकाओं से ढकी अस्थि पट्टियों (पृष्ठवर्म व अधरवर्म) से सुरक्षित शरीर और जबड़ों में दांत के स्थान पर चंचुक का होना इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

chemically inactive — **रासायनिकतः निष्क्रिय**

ऐसा पदार्थ या सामग्री जो किसी दूसरे रसायन अथवा पदार्थ के साथ आसानी से अभिक्रिया नहीं करते।

chemoreceptor — **रसोग्राही**

रासायनिक उद्दीपनों का बोध कराने वाले संवेदी अंग। ये रासायनिक उद्दीपनों के प्रति अभिक्रियाशील होते हैं।

chemosterilant — **रसोबंध्यक**

ऐसा रासायनिक यौगिक जिसके कारण जनन–बंध्यता उत्पन्न हो जाती है।

chemotaxis — **रसायनी अनुचलन, रसोअनुचलन**

किसी विसरणशील पदार्थ के कारण किसी जीव- विशेष को आकर्षित अथवा प्रतिकर्षित करने की प्रक्रिया।

chiasma **व्यत्यासिका, किएज्मा**

गुणसूत्री विनिमय का बिंदु जो द्विसूत्र अवस्था में समजात गुणसूत्रों के पृथक होने पर दिखाई पड़ता है। यह प्रथम अर्धसूत्रण की द्विपट्ट और डाइकाइनेसिस अवस्थाओं के दौरान दिखाई देने वाले युग्मित समजात गुणसूत्रों के दो अर्धसूत्रों का विनिमय स्थल होता है।

chimaera **विचित्रक**

सामान्य जनन प्रक्रिया से भिन्न बहुजीनी स्रोतों से प्राप्त जीव, ऊतक अथवा अणु।

chimaera **विचित्रक, काईमेरा**

ऐसा जीव जिसमें उत्परिवर्तन, कायिक विसंयोजन अथवा रोपण से उत्पन्न दो या अधिक लक्षण प्ररूपों वाले ऊतक पाए जाते हैं।

Chiroptera **काइरॉप्टेरा**

अपरा स्तनियों का एक गण, जिसमें उड़ने वाले एकमात्र स्तनी यानी चमगादड़ आते हैं। इनमें पंख अग्रपाद से पश्च पाद और कुछ में दुम तक फैली हुई त्वचीय झिल्ली के रूप में होते हैं और जो काफी लंबी अंगुलियों से भी जुड़े रहते हैं। रात्रिचर होना उदर में स्थित वृषण और घोर अंधेरे में पराश्रव्य ध्वनि तरंगों द्वारा बाहरी वस्तुओं का संवेद प्राप्त कर सकना, इनके प्रमुख लक्षण हैं। ये प्राणी प्रमुख रूप से कीटभक्षी व फलभक्षी होते हैं किन्तु कुछ ऐसे भी हैं जो अन्य स्तनियों का रुधिर चूसते हैं।

chitin **काइटिन**

संधिपाद प्राणियों के बहिःकंकाल एवं अनेक कवकों की कोशिका भित्तियों में पाया जाने वाला एन.-एसिटिल ग्लूकोसैमीन का बहुलक।

chlorinated hydrocarbon **क्लोरीनीकृत हाइड्रोकार्बन**

ऐसा रासायनिक यौगिक जिसमें क्लोरीन, कार्बन और हाइड्रोजन होता है। उदा.–डी.डी.टी., बी.एच.सी.।

chlorophyll **पर्णहरित, क्लोरोफिल**

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में इलेक्ट्रानदाता के रूप में अत्यावश्यक प्रकाशग्राही हरा वर्णक।

chloroplast **क्लोरोप्लास्ट, हरितलवक**

प्रकाशसंश्लेषी लवक (plastid) जिसमें दोहरी झिल्ली से बनी पुटिका के भीतर प्रोटीनयुक्त पिटिका में अंतःस्थापित क्लोरोफिल-धारी झिल्ली पटलों का चिपिटाशय तंत्र होता है। सुकेन्द्रकी पादपों का यह विशिष्ट कोशिकांगक है।

chlorosis **हरिमाहीनता**

पर्णहरित के ठीक से न बनने के कारण पौधे के हरे ऊतक का सामान्यतः पीला पड़ जाना। कुछ पौधों पर ऐफिड के अशन के कारण भी हरिमाहीनता दिखाई देने लगती है।

chlorosome **क्लोरोसोम, हरितकाय**

कुछ हरित प्रकाशसंश्लेषी जीवाणुओं के कोशिका-द्रव्य में मौजूद सिगार-रूपी आशय।

choanocyte **कीपाणु**

स्पंजों की प्ररूपी कोशिका, जिसमें कशाभ के चारों तरफ जीवद्रव्य का पतला कॉलर होता है। कुछ कशाभी प्रोटोजोआ प्राणियों (कोएनोफ्लेजेलेटा) में भी ऐसी कोशिकाएं पाई जाती हैं।

cholinesterase **कोलीनेस्टरेज़**

ऐसिटिलकोलीन को विघटित करने तथा तंत्रिकाओं के अंतिम छोर पर उसका संचय रोकने वाला एन्ज़ाइम।

cholinesterase inhibitor **कोलीनेस्टेरेज संदमक**

कोई भी कार्ब-फॉस्फेट, कार्बोमेट या अन्य कीटनाशक रसायन जो तंत्रिका–तंत्र से संबद्ध ऐसीटिल कोकीन को निष्क्रिय करने वाले एंजाइम की क्रिया में बाधा उत्पन्न करता है।

chondriocyte **उपास्थ्यणु**

उपास्थि कोशिका

chondriome **कॉन्ड्रियोम**

कोशिका में मौजूद सभी माइटोकोंड्रियाओं का सामूहिक नाम।

chondriosome **कॉन्ड्रियोसोम**

दे.—mitochondria सूत्रकणिका।

chondrocranium **उपास्थिकपाल**

कपाल के उपास्थिमय होने की अवस्था, जो भ्रूणों में अस्थायी और कुछ एलास्मोब्रैंक मछलियों में स्थायी होती है।

Chordata **कॉर्डेटा**

प्राणिजगत् का एक विशाल एवं महत्वपूर्ण संघ जिसमें हेमिकॉर्डेटा, यूरोकॉर्डेटा, सेफैलोकॉर्डेटा तथा सभी कशेरुकी आते हैं। वयस्क या परिवर्धन की किसी न किसी अवस्था में पृष्ठरज्जु और (ग्रसनी की भित्तियों में) क्लोम रंध्रों का होना, और पृष्ठ तल पर स्थित खोखला नलिकाकार तंत्रिका-तंत्र इनके प्रमुख लक्षण हैं।

chorion **जरायु**

1. कीट अंड-कला का अकाइटिनी कवच, जो अंडाशय की कोशिकाओं द्वारा अंडाणु के चारों ओर स्रावित होता है।
2. सरीसृपों, पक्षियों व स्तनियों में भ्रूण का बाहरी आवरण बनाने वाली झिल्ली, जो उल्ब को सुरक्षित रखती है और स्तनियों में अपरा बनाने में योग देती है।

chordotonal organ **ध्वनिग्राही अंग**

अनेक प्रकार की विशेषीकृत संवेदिकाओं, तर्कु संवेदिकाधरों (scolophore) अथवा तर्कुसंवेदिकाओं (scolopidia) से बनी संयुक्त संरचनाएं जिनमें प्रत्येक में एक स्पष्ट संवेदीकाय स्थूणक (scolops) होता है। तर्कुसंवेदिकाओं का तर्कु आकृति का बंडल प्रत्येक सिरे पर अध्यावरण से जुड़ा होता है। कीटों में यह संरचना यांत्रिक या ध्वनि तरंगें ग्रहण करती है।

choroid plexus **रक्तक जालक**

उच्चतर कशेरुकियों में मृदुतानिका (पाईआमेटर) का चौड़ा वाहिनीमय क्षेत्र जिससे मस्तिष्क-मेरु तरल का स्रवण होता है। यह दो स्थानों पर पाया जाता है। डायनसेफलॉन की छत पर पाया जाने वाला अग्ररक्तक जालक तथा मेड्युला आब्लांगेटा की छत पर पाया जाने वाला पश्च रक्तक जालक।

chromatid **अर्धगुणसूत्र, क्रोमेटिड**

गुणसूत्र (क्रोमोसोम) के अनुदैर्ध्य द्विगुणन (डुप्लीकेशन) से बने दो अर्धांश जो समसूत्रण (माइटोसिस) या अर्धसूत्रण (मीयोसिस) की पूर्वावस्था (प्रोफेज) और मध्यावस्था (मेटाफेज) में सूत्रकेंद्र पर परस्पर जुड़े दिखाई देते हैं। पश्चावस्था (ऐनाफेज) में ये अलग होकर संतति गुणसूत्र बन जाते हैं।

chromatin **क्रोमैटिन**

केंद्रक का विशिष्ट पदार्थ जो न्यूक्लीक अम्लों और प्रोटीनों का यौगिक होता है और क्षारकीय रंजकों से गहरा रंगा जा सकता है।

chromatophore **वर्णकधर**

सामान्यतः संयोजी ऊतक की एक कोशिका जिसमें वर्णक भरा होता है; जैसे गिरगिट की त्वचा में पाए जाने वाले वर्णकधर जिनके आकुंचन या प्रसार से विभिन्न रंग व्यवस्था बन जाती है। रंजकहीन प्राणियों में इनके अंदर वर्णक बिल्कुल नहीं होते। उदा. त्वचा के असिताणु (मेलेनोसाइट)।

chromomere **वर्णकणिका, क्रोमोमियर**

गुणसूत्र में गहरा रंगा जाने वाला छोटा क्षेत्र जो अर्धसूत्रण की पूर्वावस्था की केवल तनुपट्ट अवस्था में दिखाई देता है। वास्तव में यह डी एन ए तंतु का अत्यधिक कुंडलित क्षेत्र है।

chromonema (chromonemata) **वर्णसूत्र, क्रोमोनीमा**

पूर्वावस्था में गुणसूत्रीय द्रव्य का बहुत बारीक सूत्र। यह अर्धगुणसूत्र के संघनन का प्रारंभिक व्यक्त स्वरूप है।

chromoneme **क्रोमोनीम**

जीवाणुओं और उनके विषाणुओं का डी.एन.ए. सूत्र।

chromosomal aberration — **गुणसूत्री विपथन**
गुणसूत्रों की संख्या अथवा उनकी संरचना में होने वाला अपसामान्य परिवर्तन।

chromosome map — **गुणसूत्र मानचित्र**

गुणसूत्र पर जीनों की सापेक्ष स्थिति स्पष्ट करने वाला ऐसा आलेख, जिसमें जीनों के विन्यास का रैखिक क्रम दिखाया जाता है और दूरियाँ पुनर्योजन की आवृत्ति की समानुपाती होती हैं।

chromosome complement — **गुणसूत्र कंपलीमैन्ट**
युग्मक अथवा युग्मज के केंद्रक में उपस्थित गुणसूत्रों का समुच्चय।

chromosome — **गुणसूत्र**

समसूत्रण या अर्धसूत्रण के दौरान कोशिकाओं के केन्द्रकों में प्रकाश सूक्ष्मदर्शिकी द्वारा दृश्य क्रोमैटिन का संघनित गहन अभिरंजनीय द्रव्यमान जो संजीन की संरचनात्मक एवं स्वप्रतिकारी इकाई है। यह डी.एन.ए. के एक द्विरज्जुकीय अणु तथा उसके सहयोगी प्रोटीनों (मुख्यतः हिस्टोनों) से बना होता है। जाति विशेष के लिए गुणसूत्र-संख्या प्रायः निश्चित एवं स्थिर होती है।

chronic toxicity — **दीर्घकालिक आविषालुता**

लंबे समय तक (किसी रसायन के) संपर्क में रहने के कारण क्षतिग्रस्त या नष्ट करने की क्षमता।

chronological species sequence — **जाति कालानुक्रम**
किसी वंश में जाति-विशेष का कालानुक्रम के अनुसार शामिल किया जाना।

cibarium — **सिबेरियम**

मुख-बाह्य की खाद्य कोटरिका या मुखपूर्व मुखगुहा, जो अधोग्रसनी के आधार और मुखपालि (clypeus) के अधर तल के बीच स्थित होती है।

cicada — **साइकेडा**

साइकेडिडी कुल का कीट जिसके नर, उदर के नीचे स्थित कंपमान झिलियों की सहायता से तीव्र ध्वनि उत्पन्न करते हैं।

cilia (cilium) **पक्ष्माभ**

कोशिकाद्रव्य से निकली हुई रोम या शूक जैसी संरचनाएं जो पैरामीशियम आदि कुछ एक-कोशिक प्राणियों में और कई अन्य प्राणियों की उपकला (एपीथीलियम), जैसे मेंढक में मुख–गुहा की उपकला, में पाई जाती हैं। संचलन और पानी या अन्य तरल पदार्थों की धारा उत्पन्न करके भोजन कण ले जाना इनका प्रमुख कार्य है।

Ciliata **सिलिएटा**

प्रोटोजोआ संघ का एक वर्ग। इनके शरीर पर पक्ष्माभिकाएं और भीतर लघुकेंद्रक तथा गुरुकेंद्रक पाए जाते हैं। उदा. वॉर्टीसेला, पैरामीशियम।

ciliates **पक्ष्माभ, सिलिएट**

सिलिएटा अथवा सिलियोफोरा के प्राणियों का सामान्य नाम।

cilium **पक्ष्माभ**

संचलनी कोशिकांगक जो सूक्ष्मनलिकाओं के पूलों और संबद्ध प्रेरक प्रोटीनों से बना होता है। पक्ष्माभी स्पंदन से या तो कोशिकाएँ चलती-फिरती हैं (जैसे प्रोटोजोआन प्राणी) अथवा विभिन्न पदार्थ कोशिकाओं के आर-पार आते-जाते हैं (जैसे श्वसन-क्षेत्र के जरिए श्लेष्मा, अथवा अंडवाहिनी के जरिए अंडाणु)। (दे. centriole)

circular muscle **वर्तुल पेशी**

प्राणियों, जैसे केंचुए की देहभित्ति, में बाह्य त्वचा के अंदर की ओर तथा मेंढक की आहार नाल में पर्युदर्या (पेरिटोनियम) के अंदर स्थित, वृत्ताकार पेशी स्तर। इन पेशियों के संकुचन से ही संचलन आदि की क्रियाएं होती हैं।

circulation **परिसंचरण**

रक्त का हृदय से धमनियों, कोशिकाओं और शिराओं में होते हुए चक्रीय रूप से लगातार बहते रहने की व्यवस्था। इसके द्वारा श्वसनीय गैसों, पोषण एवं वर्ज्य पदार्थों तथा हॉर्मोन आदि का घुली अवस्था में विभिन्न अंगों को पहुंचाया जाना और उनसे वापस लाया जाना संभव होता है।

cirrus **सिरस, कुरल**

तंतुमय या रोम-जैसी विभिन्न संरचनाएं; जैसे कुछ प्रोटोजोआ प्राणियों में संचलन तंतु, कुछ चपटे कृमियों के मैथुन अंग आदि।

cisterna **कुंडिका**

झिल्ली से परिबद्ध ऐसी चपटी पुटिका जो कोशिकीय पदार्थों के भंडारण एवं अभिगमन से संबंधित होती है। उदाहरणतः अंतर्द्रव्यी-जालिका या गॉल्जी सम्मिश्र में पाए जाने वाली पुटिकाएँ।

cistron **कार्येक**

समपक्ष-विपक्ष परीक्षण के द्वारा स्पष्ट वह आनुवंशिक इकाई जो ऐसे जीन के समतुल्य है जिसमें किसी प्रोटीन को निरूपित करने वाले डी.एन.ए. का इकाई अनुक्रम समाविष्ट होता है।

cladicism **शाखावर्गणन, क्लेडिसिस्म**

वर्गीकरण की ऐसी पद्धति, जो पूर्णतया जातिवृत्तीय शाखन बिंदुओं पर आधारित होती है। इससे जातिवृत्तीय समय के विभाजन बिंदु का ज्ञान होता है।

cladism **शाखावाद**

जातिवृत्त के नवीनतम शाखन बिंदु के आधार पर जीवों के वर्गीकरण का सिद्धांत।

cladogram **शाखाचित्र**

शाखावाद के सिद्धांतों के आधार पर बनाया गया वंशवृक्ष। इसमें विकासीय अपसार की दरों की उपेक्षा कर दी जाती है।

clasper **आलिंगक**

कोई अंग या भाग जिसके द्वारा नर और मादा मैथुन क्रिया में परस्पर चिपटे रहते हैं; जैसे कुछ कीटों और एलास्मोब्रैंक मछलियों में।

class **क्लास, वर्ग**

संघ और गण के बीच की वर्गीकरण इकाई।

classical biological control — **चिरप्रतिष्ठित जैव नियंत्रण**

हानिकारक पीड़कों के प्राकृतिक शत्रुओं का उन क्षेत्रों में जानबूझकर प्रवेशन और वितरण, जहां वे पहले उपस्थित नहीं थे। उन्हें विशेषकर विदेशी उत्पत्ति के पीड़कों के विरुद्ध प्रयुक्त किया जाता है। सिट्रस के हानिकारक कीट *आइसीरिया परचेसी,* के नियंत्रण के लिये आस्ट्रेलियाई लेडीबर्ड भृंग *रोडोलिया कार्डिनेलिस* का उपयोग सफलतापूर्वक किया गया।

classification — **वर्गीकरण**

एक निश्चित पद्धति के अनुसार समानता तथा पारस्परिक संबंधों के आधार पर जीवधारियों को अलग–अलग समूहों में रखने की व्यवस्था। सबसे बड़ा समूह फाइलम या संघ कहलाता है और उसके बाद क्रमशः क्लास (वर्ग), आर्डर (गण), फेमिली (कुल), जीनस (वंश), स्पीशीज (जाति) तथा सबस्पीशीज (उपजाति) आते हैं। प्राणियों की वर्गीकरण व्यवस्था में मानव का स्थान इस प्रकार हैः संघ कार्डेटा, वर्ग मैमेलिआ, उपवर्ग यूथीरिया, गण प्राइमेटीज, कुल होमिनिडी, वंश होमो, जाति सेपिएन्स।

clavola — **मुद्गराभ, क्लैवोला**

कीट शृंगिका का कशाभी भाग, अथवा सिरे के जोड़।

cleavage — **विदलन**

समसूत्रण (*माइटोसिस*) की क्रिया द्वारा कोशिकाओं के गुणन की प्रक्रिया, जिससे एककोशिक अंडाणु (निषेचित अंडे) से बहुकोशिक भ्रूण बनता है। विदलन के कई प्रकार हैं; जैसे पूर्णभंजी विदलन, अंशभंजी विदलन, सर्पिल विदलन, आदि।

cleptoparasitism — **क्लैप्टोपरजीविता**

वह परजीविता जिसमें कुछ परजीव्याभ विशेषकर उस कीट परपोषी पर आक्रमण करते हैं जो पहले से ही अन्य परजीव्याभ द्वारा परजीवीकृत कर दिया गया है। यह बहुपरजीविता का उदाहरण है।

clitellum — **पर्याणिका, क्लाइटेलम**

केंचुए, जोंक आदि एनीलिडा प्राणियों में त्वचा की ग्रंथिल पट्टी, जिसके चिपचिपे तरल से कोकून (कोया) बनता है।

cloaca **अवस्कर**

उच्चतर स्तनियों को छोड़कर सभी कशेरुकियों की आहार नाल के पश्च सिरे का कक्ष, जिसमें आंत्र व जनन और मूत्र वाहिनियां खुलती हैं।

clone **क्लोन, एकपूर्वजक**

एकल जीव से अलैंगिक जनन (समसूत्री कोशिका विभाजन) द्वारा प्राप्त आनुवंशिकतः समरूप व्यष्टि।

cloned gene **क्लोनित जीन**

प्लाज्मिड वाहक अणु में समाविष्ट डी.एन.ए. शृंखला जो इसके साथ-साथ समान अथवा भिन्न जीवों में पुनरावर्तित होती है।

cloning **क्लोनन**

अलैंगिक जनन एवं संवर्धन द्वारा एक कोशिका, जीन या डी.एन.ए. खंड से अनेक आनुवंशिकतः अभिन्न वंशक्रम बनाना।

clypeus **मुखपालि, क्लिपियस**

ऊर्ध्वोष्ठ (लेब्रम) के ठीक ऊपर कपाल का आननी (facial) अंश जो सामान्यतया एक अधिमुखक सीवन (epistomal suture) द्वारा फ्रौस से पृथक किया रहता है। यह कभी–कभी अग्रमुखपालि तथा पश्चमुखपालि में विभक्त होता है। सिबेरियम की विस्फारक पेशियां (dialator muscle) इसकी भीतरी सतह से संलग्न होती है।

cnidoblast **दंशकोरक**

सीलेन्टेरेटों के नाइडेरिया समूह में पाई जाने वाली विशिष्ट सूत्र-कोशिकाएं, जिनमें दंशपुटी (नेमेटोसिस्ट) होती हैं।

cnidocil **दंशप्रवर्ध**

दंशकोशिका के बाहरी भाग से निकला हुआ एक छोटा संवेदी प्रवर्ध, जिससे स्पर्श होते ही दंशसूत्र झटके से बाहर आता है।

cnidophore **दंशधर**

रूपांतरित जीवक (zooid), जिसमें दंशकोशिकाएं होती हैं।

coagulation **स्कंदन**

प्रायः शरीर से बाहर निकलते ही तरल रुधिर के जम जाने की क्रिया। अन्य कारकों के साथ–साथ थ्रॉम्बिन नामक उत्प्रेरक के स्राव से घुलनशील फाइब्रिनोजेन अघुलनशील फाइब्रिन तंतुओं के जाल में बदल जाता है। इस जाल से रुधिर कोशिकाएं बाहर नहीं निकल पातीं और उस स्थान पर थक्का बन जाता है। इससे रक्त का बाहर निकलना बंद हो जाता है।

coarctate larva **संपीडित डिंभक**

कुछ-कुछ द्विपंखी कोशितावरण जैसा डिंभक, जिसमें पूर्ववर्ती अर्थात् पहले के इंस्टार की त्वचा पूरी तरह से नहीं गिरती बल्कि शरीर के पुच्छ-सिरे से संलग्न रहती है। फफोला भृंग का छठा इंस्टार भी कूटकोशित कहलाता है।

coarctate pupa **संपीडित कोशित**

एक ऐसा कोशित रूप, जिसमें अंतिम डिंभक-त्वचा अतिरिक्त आवरण के रूप में उपस्थित रहती है। यह विशेष रूप से, चक्रविदारी डिप्टेगण में पाया जाता है। उदा.– घरेलू मक्खी।

coccyx **अनुत्रिक, कॉक्सिक्स**

पुच्छ कशेरुकों के जुड़ने से बनी हुई अस्थिल संरचना। विशेषतः मानव में तीन से पांच अवशिष्ट कशेरुकों के जुड़ने से बनी संरचना।

cochlea **कर्णावर्त, कॉक्लिया**

स्तनियों में आंतरिक कर्ण का सर्पिल भाग, जो ध्वनि कंपनों को ग्रहण कर श्रवण तंत्रिका के माध्यम से केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को विद्युत् आवेग प्रेषित करता है।

cockroach **तिलचट्टा**

डिक्टियोप्टेरा गण के कीटों को दिया गया नाम। सामान्यतया कॉक्रोच *पेरीप्लेनेटा अमेरिकाना* को कहा जाता है, जो अमेरिका से भारत में प्रवेश पा कर आम हो गया है। यह प्रायः घरों में सीवर तथा अंधेरे स्थान पर उपस्थित रहता है।

cocoon — **कोकून, कोया**

1. केंचुए, मकड़ी आदि में एक से अधिक अंडों की सुरक्षा के लिए एक थैलीनुमा कठोर आवरण।
2. कुछ कीटों में प्यूपा की सुरक्षा के लिए, रेशम का आवरण जो डिंभक द्वारा निकले स्राव से बनता है।

code — **संहिता**

प्राणिविज्ञान के आधार पर नाम-पद्धति की अंतरराष्ट्रीय नियमावली।

coding sequence — **कोडन अनुक्रम**

जीन का वह अंश जिससे उसके प्रोटीन उत्पाद के ऐमीनो अम्ल अनुक्रम का प्रत्यक्ष बोध होता है।

coding strand — **कोडन रज्जुक**

द्वैध डी.एन.ए. का वह रज्जुक जिसका न्यूक्लिओटाइड अनुक्रम दूत आर.एन.ए. के समान हो सिवाए उसके U के स्थान पर T होने के।

co-dominance — **सहप्रभाविता**

विषमयुग्मज में किसी विशिष्ट जीन युग्म के दोनों विकल्पियों के पूर्णतः अभिव्यक्त होने की स्थिति। यह विकल्पी या इनके द्वारा निर्धारित विशेषक सहप्रभावी होते हैं। उदाहरणतः ए.बी.ओ. रुधिर वर्ग तंत्र में।

codon — **प्रकूट**

तीन न्यूक्लिओटाइड-क्षारकों का ऐसा अनुक्रम जो किसी विशिष्ट ऐमीनो अम्ल को अभिव्यक्त करता है अथवा किसी पॉलिपेप्टाइड शृंखला संश्लेषण के समापन का संकेत देता है।

Coelenterata — **सीलेन्टेरेटा**

अकशेरुकियों का एक संघ जिसमें हाइड्रा, जेलीफिश, समुद्री ऐनीमोन, प्रवाल आदि जलीय प्राणी आते हैं। अरीय सममिति, आंतरगुहा, दो परतों वाली देहभित्ति और स्पर्शकों से घिरे मुंह का होना किंतु गुदा का न होना, इन प्राणियों की विशेषताएं हैं।

coelenteron **सीलेन्टेरोन, आंतरगुहा**

सीलेन्टेरेटों में केंद्रीय जठर–वाहक गुहा, जो बाहर को एक ही रंध्र से खुलती है। यह रंध्र आहार के अंतर्ग्रहण और अपचे पदार्थों के विसर्जन का काम करता है।

coelom (coelome) **प्रगुहा, सीलोम**

त्रिकोरकी (ट्रिप्लोब्लास्टिक) प्राणियों की देहगुहा, जो चारों तरफ से मध्यजनस्तर (मीजोडर्म) या पर्युदर्या (पेरिटोनियम) कला से ढकी रहती है। अन्य शरीर गुहाओं से भेद करने के लिए इस तरह की देहगुहा को प्रगुहा या सीलोम कहते हैं। भ्रूणों में प्रगुहा दो प्रकार से बनती है : (1) आंत्रगुहा से निकले हुए कोष्ठों से बनने वाली आंत्रप्रगुहा यानी ऐन्टेरोसील और (2) मध्यजनस्तर के द्विभाजित होने से बनने वाली दीर्णप्रगुहा यानी साइजोसील।

coenocyte **संकोशिका**

भित्ति विभाजन के बिना केंद्रक-विभाजन की पुनरावृत्ति के फलस्वरूप बनने वाली कोशिका की बहुकेंद्रकी अवस्था।

co-enzyme **सह-एन्ज़ाइम**

किसी एन्ज़ाइम या एन्ज़ाइम तंत्र के द्वारा उत्प्रेरित अभिक्रिया में अनिवार्य रूप से भाग लेने वाला कार्बनिक यौगिक, जो इस प्रक्रिया में स्वयं व्यय नहीं होता।

cold blooded **असमतापी, अनियततापी**

(दे. poikilothermal)

Coleoptera **कोलियोप्टेरा (वर्मपंखी गण)**

सूक्ष्म से लेकर बड़े आकार तक के कीट जिनके अग्रपंख शृंगीय या चर्मिल प्रवर्म (elytra) में रूपांतरित होते हैं और जो कीट के बैठने की स्थिति में मिल जाते हैं तथा जिसके फलस्वरूप एक सीधी मध्य-पृष्ठीय सीवन (suture) बन जाती है। पश्चपंख झिल्लीमय और प्रवर्मो के नीचे वलित रहते हैं तथा लघूकृत या अनुपस्थित होते हैं तथा अग्रवक्ष बड़ा और गतिशील, मध्यवक्ष बहुत लघूकृत। इनकी विशेषताएं हैं – पूर्ण कायांतरण; डिंभक कैम्पोडियारूपी अथवा क्रॉस रूपी, बिरले ही अपादी होते हैं, कोशित अक्रियचिबुक (adecticous)

और अबद्ध, मुखांग आदंश (bitting) प्रकार के होते हैं। उदा. –भृंग।

collagen **कोलैजन**

अत्यधिक तनन-सामर्थ्य वाला बहुव्यापी प्राणि-प्रोटीन जो कोशिका–बाह्य आधात्री तथा रेशेदार ऊतकों (कंडरा, उपास्थि और त्वचा) का एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक अवयव होता है। इसके अणु का एक-तिहाई भाग ग्लाइसीन और एक-तिहाई प्रोलीन या हाइड्रॉक्सीप्रोलीन होता है। इसकी द्वितीयक संरचना त्रिक-कुंडलिनी के रूप में होती है।

collar **कॉलर**

वलयाकार पट्टी की तरह की कोई संरचना; जैसे– 1 कीपकोशिकाओं (कोयनोसाइट) में कशाभ के आधार के चारों ओर कीप–जैसी आकृति की संरचना। 2. हेमीकॉर्डेटा में शुंड के ठीक पीछे स्थित मांसल क्षेत्र। 3. सर्पिल कवच वाले गैस्ट्रोपोडों में मांसल प्रावार (मैन्टल) का छोर या किनारा, जो कवच के बाहर निकला रहता है।

Collembola **कोलेम्बोला**

अपंखी कीट जिनके अंतःसृतहनु (endognathus) मुखांग आदंश के लिए अनुकूलित होते हैं। संयुक्त नेत्र अनुपस्थित; उदर 6-खंडीय, जिसमें प्रायः तीन जोड़ी उपांग होते हैं जैसे कि एक अधर-नलिका, सूक्ष्म उपबंधनी (retinaculum) और एक द्विशाखी (forked) स्प्रिंग अंग। वातकतंत्र और मैलपीगी नलिकाएं नहीं होती। उदा. –कुंडलपुच्छ (spring-tail)।

colleterial gland **श्लेषक ग्रंथि**

मादा की वे सहायक ग्रंथियां जो अंडों को किसी आधार से चिपकाने वाले आसंजक पदार्थ का स्रवण करती हैं।

colon **बृहदांत्र, कोलन**

कशेरुकियों में छोटी आंत और मलाशय के बीच का भाग, जहां अपचे भोजन से पानी का अवशोषण होता है।

colonization **उपनिवेशन**

नये आवास में कीटों के समुदाय की स्थापना का प्रक्रम। यह उस कार्यक्रम को भी दर्शाता है जिसमें परजीवियों/परजीव्याभों की लाभदायक विदेशी जाति को हानिकारक पीड़क समष्टियों का दमन करने के लिए कृषि पारितंत्र में नियंत्रित ढंग से मोचित किया जाता है।

colony hybridization **निवह संकरण**

स्वस्थाने संकरण के उपयोग द्वारा जीवाणु निवहों के किसी विशेष डी.एन.ए. अनुक्रम की पहचान करने की विधि। इसे क्लोनन प्रयोग के बाद किया जाता है। इसे गुरूनस्टाइन-होगनेस पद्धति भी कहते हैं।

colony **निवह, कॉलोनी**

एक साथ रहने वाले और बहुधा एक-दूसरे पर आश्रित अथवा एक दूसरे से जुड़े एक ही जाति (स्पीशीज) के कई व्यष्टियों का समूह। उदा. कुछ सीलेन्टेरेटों में पोषक, जनक आदि जीवक, और दीमक तथा मधुमक्खी जैसे सामाजिक कीटों में कर्मी, रानी, पुंमधुप आदि रूप।

colorimeter **वर्णमापी**

ज्ञात विलयन संघटक की सांद्रता को उस संघटक के मानक विलयन के रंगों से तुलना करके मापने वाला यंत्र।

colour blindness **वर्णांधता**

वर्ण विभेदन की क्षमता का अभाव जो एक्स सहलग्नी अप्रभावी जीन से संबंधित एक वंशागत दोष है। यह स्त्री द्वारा संप्रेषित होकर पुरूषों में प्रकट होता है। स्त्रियों में वर्णांधता दोष समययुग्मजी स्थिति के कारण उत्पन्न होता है जिसमें दोनों एक्स-गुणसूत्र एक ही विस्थल पर आ जाते हैं।

columella **स्तंभिका, कॉल्यूमेला**

स्तनियों में कर्णावर्त (कॉक्लिआ) का केंद्रीय दंड। पक्षियों, सरीसृपों और उभयचरों में एक श्रवण अस्थिका जो एक ओर कर्णपटह और दूसरी ओर भीतरी कान से लगी होती है। मछलियों में कंठिका

चिबुक उपास्थि और स्तनियों में स्टेपीज या रकाब इसके समजात मानी जाती है।

comb nest **छत्ता**

कुछ कीटों द्वारा उत्पादित और निर्मित कोशिकीय संरचनाएं। इन्हें प्रायः मधुमक्खियां और बर्रे अपने शाव के रहने और उसके लिए खाद्य संगृहीत करने के लिए बनाते हैं।

commensalism **सहभोजिता**

अलग-अलग जाति के दो जीवधारियों के एक साथ भोजन करने और रहने की अवस्था, जिससे एक को लाभ किंतु दूसरे को विशेष लाभ न होकर हानि भी नहीं पहुंचती। उदा. साधु केकड़ा और समुद्री एनीमोन।

commissure **संधायी**

दो समान संरचनाओं को जोड़ने वाली संरचना, जैसेः 1. एक ही जोड़े की दाईं–बाईं गुच्छिकाओं (गैंग्लिऑनों) को जोड़ने वाले तंत्रिका-रज्जु। 2. केंचुए में पृष्ठ और अधर वाहिकाओं को जोड़ने वाली रुधिर-वाहिका।

common name **सामान्य नाम**

स्थानीय अथवा देशज नाम।

community **समुदाय**

किसी विशेष आवास में पारस्परिक क्रिया करने वाले जीवों की जातियों की समष्टि।

compatible **सुसंगत, संयोज्य**

ऐसे दो यौगिक जो एक-दूसरे के गुणों को प्रभावित किए बिना परस्पर मिश्रित किए जा सकें।

competant cell **सक्षम कोशिका**

बाह्यकोशिकीय डी.एन.ए. ग्रहण करने की क्षमता अर्जित कर लेने वाली जीवाणु कोशिका।

competition **स्पर्धा**

एक-दूसरे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली वे पारस्परिक क्रियाएँ, जिन्हें जीव सामान्य संसाधन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए करते हैं।

complement system **पूरक तंत्र**

ग्लोबुलिन वर्ग के रुधिर प्रोटीनों का ऐसा समूह जो प्रतिरक्षी आलेपित विजातीय कोशिकाओं का लयन करता है। परस्पर श्रेणीबद्ध पूरक क्रमपात क्रिया द्वारा ये प्रोटीनें अनेक जैव प्रभाव उत्पन्न करती हैं।

complementary resistance **पूरक प्रतिरोध**

उन दो या अधिक जीनों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित प्रतिरोध, जिनमें से एक प्रभावी होता है।

complete resistance **पूर्ण प्रतिरोध**

परपोषी पादप की सूत्रकृमि प्रजनन को पूर्णतया रोकने की क्षमता।

complete dominance **पूर्ण प्रभाविता**

ऐसी स्थिति जिसमें विषमयुग्मज और समयुग्मज द्वारा एक जैसे लक्षणप्ररूप उत्पन्न होते हैं।

complete metamorphosis **पूर्ण कायांतरण**

कीट परिवर्धन का एक प्रक्रम जिसमें अंडा, डिंभक, कोशित और प्रौढ़ अवस्थाएं शामिल हैं। उदा.–शलभ और तितली।

compound eye **संयुक्त नेत्र**

अधिकांश संधिपादों, विशेषतया कीटों और क्रस्टेशियनों, में पाई जाने वाली आंख जो छोटे–छोटे बहुत से नेत्रांशकों के मिलने से बनती है। प्रत्येक नेत्रांशक में वस्तु के किसी सूक्ष्म भाग का ही प्रतिबिंब बनता है और ऐसे बहुत से प्रतिबिंबों के समूहन से प्राणी को पूर्ण वस्तु का आभास होता है।

concentration **सांद्रता, सांद्रण**

एक मात्रक आयतन में निहित पदार्थ की निश्चित मात्रा।

condyle **अस्थिकंद**

कंकाल के किसी भाग के सिरे पर बनी घुंडी, जो दूसरे भाग की गर्तिका में इस प्रकार बैठती है कि निश्चित दिशा में ही गति हो सके; जैसे करोटि और शीर्षधर (ऐटलस) के बीच का अनुकपाल कंद।

cone cell **शंकु कोशिका**

कशेरुकी दृष्टिपटल में पाई जाने वाली प्रकाश-संवेदी कोशिकाएँ जो कुछ विशिष्ट तरंग दैर्ध्यों के प्रति चयनात्मक रूप में अनुक्रिया दर्शाती हैं; जिसके कारण हम विविध रंगों को देख पाते हैं।

confusant **भ्रामक**

फीरोमोन या उसके अनुरूप पदार्थ। इनका उपयोग कीट-संचार में बाधा उत्पन्न करके मैथुन में व्यवधान पैदा करना है।

congeneric **समवंशी**

एक ही वंश की जातियों के लिए प्रयुक्त शब्द।

congenital **जन्मजात**

जन्म से ही विद्यमान जैसे जन्मजात रोग या विरूपता। ये आनुवंशिक न होकर गर्भाशय में परिवर्धन के समय उत्पन्न होते हैं।

conjugation **संयुग्मन**

दो कोशिकाओं, गुणसूत्रों या केंद्रकों के बीच आपसी संगम। इसमें दात्री कोशिका से आनुवंशिक पदार्थ या उसका एक अंश दूसरी कोशिका में अंतरित हो जाता है। कुछ प्रोटोज़ाओं (जैसे पैरामीशियम) में प्रजनन की यह एक सामान्य विधि होती है जिसमें संयुग्मित पैरामीशियम के विभाजन से सामान्य एवं अधिक समर्थवान सन्तति उत्पन्न होती है।

conjunctiva **नेत्रश्लेष्मला**

कशेरुकियों की आंख में सामने की पतली पारदर्शी झिल्ली। यह श्वेतमंडल की बाहरी और पलक की भीतरी सतह को ढके रहती है।

connective tissue **संयोजी ऊतक**

मध्यजनस्तर से उत्पन्न होने वाला ऊतक जिसमें निर्जीव अंतराकोशिक आधात्री (मैट्रिक्स) की काफी मात्रा रहती है। अन्य ऊतकों या अंगों को जोड़ना-बांधना और सहारा देना इनका प्रमुख कार्य है।

connective **संयोजी**

कुछ प्राणियों के तंत्रिका-तंत्र में दो भिन्न गुच्छिकाओं या तंत्रिका केंद्रों को जोड़ने वाली संरचना; जैसे घोंघे में प्लूरोपीडल संयोजी।

conservation **संरक्षण**

पौधों तथा प्राणियों में नैसर्गिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से प्राकृतिक साधनों का समुचित रख-रखाव या सही ढंग से उपयोग।

conspecific **समजातीय**

एक ही जाति की समष्टियों या व्यष्टियों के लिए प्रयुक्त शब्द।

consumer **उपभोक्ता**

पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से उपभोक्ता अधिकतर प्राणिजगत् (मानव सहित) के जीव हैं, जो अपना खाद्य स्वयं पैदा नहीं कर सकते लेकिन ऊर्जा प्राप्ति और अपने जीवन प्रक्रमों को सहारा देने के लिए जीवित कार्बनिक पदार्थ का उपयोग करते हैं। पादप-जगत के कुछ जीव भी उपभोक्ता हैं जो अपना पोषण मृत कार्बनिक पदार्थ के अपघटन से प्राप्त करते हैं, जैसे कि जीवाणु, कवक और विषाणु। ये सभी जीव सामूहिक रूप से परपोषित कहलाते हैं।

contact poison **स्पर्श विष**

ऐसा पीड़कनाशी जिसके स्पर्शमात्र से ही पीड़क मर जाता है।

contractile vacuole **संकुचनशील रसधानी**

एक रसधानी जो परासरणी प्रवणता के कारण कोशिका से पानी को निकाल देती है। उत्सर्जन तथा परासरण नियमन इनका प्रमुख कार्य है।

convergence **अभिसरण**

दूरतः संबद्ध रूपों में आकारिकीय समानता; जैसे, ट्राइलेकिड और डोरीलाइमिड शूकिकाओं में।

Copeognatha **कोपिओग्नैथा**

(दे. Psocoptera)

Copepoda **कोपीपोडा**

मुक्तजीवी अथवा परजीवी परुषकवचियों (क्रस्टेशियन) का एक उपवर्ग, जिनमें पृष्ठवर्म (कैरापेस) नहीं होता और प्रौढ़ अवस्था में एक मध्य नेत्र होता है।

coral **प्रवाल, कोरल, मूंगा**

निवह (कॉलोनी) में रहने वाले तथा शृंगीय कंकाल स्रावित करने वाले सीलेन्टेरेट प्राणी अथवा इनके द्वारा बनाए गए कंकाल का जुड़ा हुआ पुंज।

corbiculum **प्रपिटक (पराग करंड)**

(pollen basket) मधुमक्खी की पश्च–अंतर्जंघिका के उपांग पर स्थित अवतल चिकना स्थान, जिसके कोरों में उठे रोमों वाली झल्लरी होती है। यह संरचना पराग एकत्रित करने का कार्य करती है।

core DNA **क्रोड डी.एन.ए.**

क्रोड कण पर विद्यमान डी.एन.ए. के 146 क्षारक युग्म।

cornea **स्वच्छमंडल, कॉर्निया**

कशेरुकियों में नेत्र गोलक की बाहरी परत का पुतली के सामने वाला पारदर्शी भाग, जिनमें आइरिस और लेन्स के बीच नेत्रोद भरा रहता है। अकशेरुकियों में संयुक्त नेत्र की प्रत्येक मुखिका (फेसेट) का बाहरी पारदर्शी भाग।

cornicle **कूणिका, तनुशृंगी**

उदर के पश्च भाग में स्थित पृष्ठीय नलिकाकार प्रवर्ध युग्म। उदा. –एफिड आदि।

corpora allata **अंडाभ पिंड, कॉर्पोरा एलेटा**

गुच्छिका-सदृश कायों का एक जोड़ा जिसका स्टोमोडियल तंत्रिका तंत्र के साथ निकट संबंध होता है। ये काय किशोर हार्मोन या

निओटोनिन का स्रवण करते हैं, जो कीटों की वृद्धि एवं परिवर्धन का नियमन करते हैं।

corpora cardiaca **तांत्रिकास्रावी पिंड, कॉर्पोरा कार्डिएका**

तंत्रिका-हीमल अंग जहां मस्तिष्क हॉर्मोन संगृहीत और मोचित होता है। ये एक जोड़ी अंग मस्तिष्क के लगभग पीछे ग्रसिका पर स्थित होते हैं।

corpora pedunculata **कॉर्पोरा पीडैंकुलेटा, वृंतक पिंड**

कीट मस्तिष्क में कोशिकीय संहति जिसमें सहबंधक तंत्रिकोशिका होती है और जिसे 'उच्च केंद्रों' का स्थान समझा जाता है। यह अत्यधिक जटिल व्यवहार को नियंत्रित करता है। इन्हें खुंबी काय भी कहते हैं।

corpus luteum **पीत पिंड, कॉर्पस ल्यूटियम**

ह्रासित पुटक कोशिकाओं का वह समूह, जो अंडोत्सर्जन के बाद अंड कक्ष में शेष रह जाता है।

corpuscle **कणिका**

1. जीवद्रव्य-कोशिका, जो तरल अथवा ठोस आधात्री में पाई जाती है और अन्य कोशिकाओं के सीधे संपर्क में नहीं आती; जैसे रुधिर कणिका।

2. कई कोशिकाओं से बने पिंड; जैसे मैलपीगी काय।

cortex **वल्कुट, कॉर्टेक्स**

किसी अंग या संरचना का परिधीय भाग जो केंद्रीय भाग (मेडुला) से भिन्न होता है; जैसे मस्तिष्क, वृक्क, अधिवृक्क ग्रंथि, आदि में।

costa **कॉस्टा**

अनुदैर्घ्य पंख शिरा, जिससे सामान्यतः कीट पंख के अग्र कोर का निर्माण होता है।

courtship **अनुरंजन**

लैंगिक समागम से पहले प्राणियों में नर और मादा द्वारा एक दूसरे को आकृष्ट करने या रिझाने के उद्देश्य से की जाने वाली क्रियाएं या व्यवहार; जैसे विशेष प्रकार की मुद्राएं, ध्वनियां, उछल-कूद, आलिंगन आदि।

coxa **कक्षांग**

कक्षपादांश (coxopodite) का दूरस्थ भाग। जब उपकक्षांग (subcoxa) से अलग रहता है तब प्रकार्यात्मक आधारीय खंड का कार्य करता है अथवा पाद का समीपस्थ खंड जो शरीर से कक्षांग प्रवर्ध द्वारा संधि बनाता है।

coxal process **कक्षांग प्रवर्ध**

पार्श्वक सीवन के अधरीय छोर पर स्थित एक प्रवर्ध।

coxopodite **कक्षपादांश**

उपांग का प्राथमिक आधार खंड।

cranial nerve **कपाल तंत्रिका**

मस्तिष्क से निकलकर शरीर के विभिन्न भागों में जाने वाली युग्मित तंत्रिकाएं, जिनकी संख्या मछलियों और उभयचरों में दस तथा सरीसृपों, पक्षियों और स्तनियों में बारह होती हैं। इनका क्रम इस प्रकार हैः घ्राण, दृक्, अक्षिप्रेरक, चक्रक, त्रिशाखी, अपवर्तनी, आनन, श्रवण, जिह्वाग्रसनी, वेगस, मेरु अतिरिक्त और अधोजिह्व तंत्रिकाएं।

cranium **कपाल**

करोटि या खोपड़ी का मुख्य भाग, जो मस्तिष्क को घेरे रहता है और उसे सुरक्षा प्रदान करता है।

crepuscular **संध्याचर, सांध्य**

उन प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जो शाम को सूरज डूबते समय या सबेरे सूरज निकलते समय सक्रिय हो जाते हैं; जैसे कुछ शलभ।

Cretaceous period **क्रिटेशस कल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में मेसोजोइक महाकल्प का एक खंड, जिसमें जुरेसिक और टर्शियरी के बीच साढ़े बारह करोड़ से लेकर 6 करोड़ वर्ष पूर्व तक का समय आता है। सरीसृपों की प्रधानता और सर्वप्रथम स्तनियों का विकास इस कल्प की विशेषता है।

Crinoidea **क्रिनॉइडिया**

शूलचर्मियों के उपसंघ पेल्मेटोज़ोआ का एक वर्ग, जिन्हें सामान्य भाषा में समुद्री लिली कहते हैं और जिनमें एक वृंत से प्यालेनुमा रचना अधःस्तर से जुड़ी रहती है।

crochet **प्रांकुश**

अंकुशी कटक जो शल्क पंखी (लेपिडोप्टेरा) डिंभक के अधर तल पर लगे होते हैं।

Crocodilia **क्रोकोडीलिआ**

सरीसृपों का एक गण, जिसमें मगर और घड़ियाल आते हैं। लंबे तुंड (थूथन) के सिरे पर नासारंध्र, लंबी कठोर तालु, शृंगीय अधिचर्मीय शल्क से ढका शरीर और चार कक्ष वाला हृदय इनके प्रमुख लक्षण हैं।

crop **अन्नपुट, क्रॉप**

कई प्राणियों, विशेषतः कीटों और पक्षियों की आहारनाल में आमाशय से पहले स्थित ग्रसनी का फूला हुआ भाग, जहां से भोजन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में प्रेषण तथा पाचन क्रिया के लिए आमाशय में जाता है।

cross contamination **पर-संदूषण**

किसी एक पीड़कनाशी का संयोगवश दूसरे पीड़कनाशी के साथ मिल जाना।

cross resistant **पर-प्रतिरोधी**

पीड़कों का ऐसा समुदाय जो किसी एक पीड़कनाशी के लिए प्रतिरोधी होने के साथ–साथ रासायनिक रीति से संबद्ध दूसरे पीड़कनाशियों के लिए भी प्रतिरोधी बन जाता है।

cross **1. प्रसंकर 2. प्रसंकरण**

एक ही वंश की भिन्न जातियों या एक ही जाति के दो आनुवंशिक रूपों के बीच प्रजनन से उत्पन्न प्राणी या प्रजनन की क्रियाविधि।

crossing over **विनिमय**

अर्धसूत्रण के दौरान समजात गुणसूत्रों के बीच उनके खंडों की अदला–बदली द्वारा आनुवंशिक पदार्थ का आदान-प्रदान जिसके परिणामस्वरूप आनुवंशिक पुनर्योजन होता है। यदा-कदा समसूत्रण में भी विनिमय होता देखा गया है।

cross-section **अनुप्रस्थ काट**

आड़ी काट।

Crustacea **क्रस्टेशिया**

आर्थ्रोपोडा संघ के अधिकाशंतः जलीय प्राणियों का एक वर्ग जिसमें झींगा, चिंगट, केकड़ा, बार्नेकल आदि आते हैं। शिरोवक्ष की सुरक्षा के लिए बाह्य कंकाल का होना, दो जोड़ी शृंगिकाएं, एक जोड़ी चिबुक (मैन्डिबल) और द्विशाखी पाद इनकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

cryobiosis **निम्नतापजीविता**

जीव की वह अवस्था जिसमें पर्यावरण के तापमान में अत्यधिक कमी हो जाने के कारण जीव की सक्रियता घट जाती है।

cryptic species **गुप्त जाति**

आनुवंशिकतः और लैंगिकतः भिन्न ऐसी जातियां जिन्हें आभासी आकारिकीय लक्षणों के आधार पर विभेदित नहीं किया जा सकता।

cryptobiosis **गुप्तजीविता**

जीव की वह अवस्था जिसमें वह निर्जीववत् लगता है और जिसमें उसकी उपापचयी क्रिया का पता नहीं चलता।

ctenidium **कंकतक्लोम**

कंघे के दांत-जैसे मजबूत शूकों की पंक्ति। उदा.–सोकोप्टेरा, साइफोनेप्टेरा।

Ctenophora **टीनोफोरा**

मुक्तप्लावी समुद्री प्राणियों का समूह जिसको प्रायः सलीन्टेरेटों का उपसंघ मानते हैं, किंतु आधुनिक विचार-धारा के अनुसार वर्गीकरण पद्धति में इसे स्वतंत्र संघ समझा जाता है। दंश कोशिकाओं का अभाव, द्विअरीय सममिति, कंकतरूपी पट्टियों पर स्थित पक्ष्माभों द्वारा संचलन और गोलाकार शरीर के एक सिरे पर मुख और दूसरे पर संवेदनांग, पक्ष्माभी कौम्ब-रिब की 8 रेखांशिक पंक्तियां इनके प्रमुख लक्षण हैं, उदा. समुद्रीकंक्त, कौम्बजेली।

culture **1. संवर्धन 2. संवर्ध**

1. जीवों, ऊतकों या कोशिकाओं का कृत्रिम रूप से पोषण करके उनकी वृद्धि तथा गुणन करना।

2. संवर्धन द्वारा उत्पन्न जीव, ऊतक अथवा कोशिकाओं का समूह।

3. वह संवर्धन, जो कीट अथवा जीव के पालन की आधारभूत आवश्यकताएं पूरी करता है।

cumulative pesticides **संचयी पीड़कनाशी**
ऐसे रसायन, जो प्राणियों के ऊतकों या पर्यावरण (मृदा, जल आदि) में संचित हो जाते हैं।

cusp **दंताग्र, शिताग्र**

स्तनियों के चर्वणक दांत की काटने-पीसने वाली सतह पर बना नुकीला उभार।

cutaneous respiration **त्वक् श्वसन**
श्वसन का ऐसा विशेष प्रकार, जिसमें अनेक जलीय कीटों का वायुमंडल से सीधा संपर्क न होने और उन कीटों में किसी बाह्य उपकरण या विशेष संरचनाओं के न होने के कारण, गैस का विनिमय शरीर–भित्ति से विसरण द्वारा होता है। उदाहरण–मिज डिंभक, कैडिश फ्लाई डिंभक, अंतः परजीवी आदि।

cuticle **उपत्वचा, क्यूटिकल**

मेटाजोओ के अधिकांश अकशेरुकी संघों में बाह्यत्वचा (एपीडर्मिस) के ऊपर निर्जीव पदार्थ का बाहरी रक्षात्मक स्तर। संधिपाद (आर्थ्रोपोडा) प्राणियों में यह विशेष रूप से विकसित होता है।

cuticula **क्यूटिकुला**

देहभित्ति की बाहरी अकोशिक परतें।

cuttle fish **कटलफिश, सुफेनक**

दस भुजाओं वाला समुद्री सेफेलोपॉड मोलस्क प्राणी, जिसमें कैल्सीभूत (कैल्शियमी) भीतरी कवच या समुद्रफेन होता है। इसका वैज्ञानिक नाम सीपिया है।

cyclodiene **साइक्लोडीन**

वलयी संरचना वाले यौगिक। उदा.— एनडोसल्फॉन।

cyclopoid larva **साइक्लोपॉइड डिंभक**

हाइमेनोप्टेरा गण के कुछ परजीवियों (परजीव्याभों) में मिलने वाला डिंभक, जिसकी आकृति क्रस्टेशिया के डिंभक नौप्लियस से मिलती है। इसमें फूला हुआ बड़ा शिरोवक्ष, हँसिया के समान बड़ा चिबुक और एक जोड़ी द्विशाखित पूंछ के समान विभिन्न आकार वाला उद्वर्ध होता है।

cyclosis **द्रव्यभ्रमण**

कोशिका के भीतर जीव द्रव्य का परिसंचरण।

cyclostomes **चक्रमुखी**

कपालीय कशेरुकियों का एक निम्नतम समूह जिसमें सर्पमीन (ईल) की आकृति वाले जलीय प्राणी आते हैं। जबड़ों का अभाव, गोल चूषण मुख का होना और हड्डी, शल्क तथा युग्मित पखों का अभाव इसके प्रमुख लक्षण हैं। दे. Agnatha एग्नेथा।

cyst **पुटी, सिस्ट**

थैली या गुब्बारे जैसी मोटी रक्षात्मक संरचना। यह संरचना कई सूक्ष्मजीवों (प्रोटोजोआ) में और कुछ कृमियों (फीताकृमि) के डिंभकों की सुप्त अवस्था में पाई जाती है।

cystocyte **पुटीकोशिका, पुटी अणु**

जनद नलिका में जनन कोशिकाओं को घेरे रखने वाली कोशिकाएं अथवा अंडाशय की पुटक कोशिकाएं तथा वृषण की पुटी कोशिकाएं।

Cystoidea **सिस्टोइडिया**

पेल्मेटोज़ोआ उपसंघ के बर्तन की आकृति के विलुप्त शूलचर्मियों का एक वर्ग, जिनका अस्तित्व ओर्डोविशियन से परमियन कल्प तक रहा।

cytochemistry **कोशिकारसायन**

कोशिका विज्ञान तथा रसायन की वह संयुक्त शाखा जिसमें कोशिका के विभिन्न रासायनिक घटकों (मुख्यतः कार्बनिक यौगिकों) की गुणात्मक तथा मात्रात्मक पहचान तथा उनका स्थान निर्धारण किया जाता है।

cytochrome **साइटोक्रोम**

हीमयुक्त प्रोटीन वर्णकों या लौह पोर्फिरिनों के वर्ग के सदस्य जो कोशिकीय श्वसन और प्रकाश संश्लेषण में इलेक्ट्रॉन वाहक का कार्य करते हैं।

cytogenetics **कोशिकानुवंशिकी**

समसूत्रण (माइटोसिस) और अर्धसूत्रण (मीयोसिस) में गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) की गतिविधियों का और इनके द्वारा आनुवंशिक लक्षणों की वंशागति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन।

cytokinesis **कोशिकाभाजन**

कोशिका विभाजन की अंतिम अवस्था जिस में कोशिका द्रव्य संतति कोशिकाओं में पृथ्क हो जाता है। प्राणि कोशिकाओं में यह प्रक्रिया मध्यवर्ती सूक्ष्मतंतुओं के वर्तुल संकुचन द्वारा तथा पादप कोशिकाओं में फ्रेग्मोप्लास्ट और कोशिका भित्ति निर्माण द्वारा संपन्न होती है।

cytokinin **साइटोकाइनिन**

कोशिका-विभाजन का उद्दीपन करने वाले हार्मोन पदार्थों के समूह में से कोई एक।

cytology **कोशिकाविज्ञान**

जीवविज्ञान की वह शाखा जिसमें कोशिका की संरचना तथा उसके प्रकार्यों का अध्ययन किया जाता है। इसमें सूक्ष्मदर्शिकीय तकनीकों का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है।

cytolysis **कोशिकालयन**

कोशिका का विलयन जिसमें कोशिका झिल्ली के विदरित होने से कोशिका अंतर्वस्तु बिखर जाती है।

cytoplasm **कोशिकाद्रव्य**

कोशिका झिल्ली के अन्दर तथा केंद्रक के चारों ओर स्थित जीवद्रव्य।

cytoplasmic inheritance **कोशिकाद्रव्यी वंशागति**

वंशानुगति की वह प्रक्रिया जिसमें सूत्रकणिका अथवा हरितलवक में अवस्थित जीनों का आगामी पीढ़ी में संचारण होता है।

cytoplasmic membrane **कोशिकाद्रव्य झिल्ली**

दे.— plasma membrane

cytoplast **कोशिकाद्रव्यक**

झिल्ली से परिबद्ध कोशिका द्रव्य, जिसमें केंद्रक नहीं होता।

cytoskeleton **कोशिकापंजर**

सुकेंद्रकी कोशिका के कोशिका द्रव्य में प्रोटीन तंतुओं का जाल जो कोशिका–आकृति को बनाए रखने या कोशिका ओर इसके अंगकों को गति एवं संकुचनशीलता प्रदान करने में सहायक होता है।

cytostome **कोशिकामुख**

वह रंध्र जिसके द्वारा पक्ष्माभी प्राणी भोजन ग्रहण करते हैं।

cytozoic **कोशिकाजीवी**

कोशिका के भीतर रहने वाला; जैसे स्पोरोज़ोआई पोषाणु (trophozoite)।

D

dactylopodite **अंगुलिपादांश**

संधिपाद के सामान्यीकृत उपांग का अंतस्थ खंड।

dactylozooid **अंगुलिजीवक**

कॉलोनीय हाइड्रोजोअन प्राणियों में शिकार पकड़ने तथा सुरक्षा के लिए रूपांतरित लंबा छरहरा हाइड्राभ, जो स्पर्शकों अथवा छोटी घुंडियों वाला और बिना मुख वाला होता है।

dactylus **अंगुलिखंड**

कीट के गुल्फ का भाग।

dark field microscopy **अदीप्त क्षेत्र सूक्ष्मदर्शिकी**

सूक्ष्मदर्शी परीक्षा का एक प्रकार जिसमें प्रतिदर्श (बिम्ब) की पृष्ठ/भूमि प्रकाशित नहीं होती; परंतु प्रकाश परावर्तन के कारण वह सुस्पष्ट दिखाई देता है।

Darwinism **डार्विनवाद**

चार्ल्स डार्विन (1809–1882) द्वारा प्रतिपादित जीवधारियों के विकास की प्रक्रिया से संबद्ध विवेचन, मत या सिद्धांत जिसके अनुसार प्राकृतिक वरण की प्रक्रिया के फलस्वरूप जीवन संघर्ष में वे ही जीव जीवित बने रहकर वंश वृद्धि कर पाते हैं जिनमें पर्यावरण से जूझने के लिए अनुकूलतम लक्षण होते हैं। ये लक्षण या विभिन्नताएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुंच जाती हैं और इन लक्षणों में पीढ़ी दर पीढ़ी जमा होते रहने से अंततः नई स्पीशीज बन जाती हैं।

daughter cell **संतति कोशिका**

जनक कोशिका, जनक निवह आदि से उत्पन्न उसी प्रकार के व्यष्टि।

Dayer's law **डायर नियम**

इल्लियों का सिर संपुटक ज्यामितीय श्रेढ़ी (geometrical progression) में बढ़ता है। प्रत्येक निर्मोक के बाद सिर चौड़ाई में ऐसे अनुपात (प्रायः 1:4) में बढ़ता है जो जाति-विशेष के लिये नियत होता है। कई कीटों में प्रत्येक निर्मोक के बाद होने वाली वृद्धि की दर से इस आनुभविक नियम (empirical rule) द्वारा पूर्व-सूचना मिल सकती है। किंतु इस नियम से इन्स्टारों की संख्या की पूर्व-सूचना नहीं मिल सकती।

dealation **विपंखन, विपंखीभवन**

पंखों का गिराना, जैसे निषेचन के बाद मादा चींटियों अथवा दीमकों द्वारा।

decarboxylation **विकार्बोक्सिलन**

किसी यौगिक से एक कार्बोक्सिल समूह के निष्कासन का प्रक्रम।

deciduous **पाती**

ऐसी संरचनाओं के लिए प्रयुक्त, जो अपना कार्य कर चुकने के बाद शरीर से पृथक् हो जाती हैं। उदा. ऐम्फीबिया के कैडूसीब्रैंकिएटा के क्लोम, पक्षियों के पर और स्तनियों में एक प्रकार का अपरा, शृंगाभ या ऐन्टलर, दूध के दांत आदि।

decomposer **अपघटक**

वे परपोषित जीव जो पोषण के लिए अपघटन द्वारा मृत कार्बनिक पदार्थ के भंजन से बने उत्पादों का अवशोषण कर लेते हैं। इन्हें मृतजीवी भी कहते हैं।

decomposition **अपघटन**

मरे हुए जीवधारियों के शरीर या ऊतक का क्षय अथवा विभिन्न रासायनिक पदार्थों में टूट जाने की प्रक्रिया।

decticous pupa **सक्रियचिबुक कोशित**

एक आदिम प्रकार का कोशित, जो सदा अबद्ध होता है अर्थात् इसके उपांग शेष शरीर में जुड़े नहीं होते। इनका प्रयोग गमन के

लिए किया जा सकता है। इनमें अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली, कठकीकृत और संधित चिबुकांग होते हैं जो कोशितावरण को खोलने में काम आते हैं। इस प्रकार का कोशित अपेक्षाकृत अधिक आदि एन्डोप्टेरिगोटो (जैसे न्यूनोप्टेरा, मेकाप्टेरा, ट्रिकोप्टेरा) में पाया जाता है।

defaunation **विप्राणिजातन**

जंतुओं का हनन (समाप्त कर देना), विशेष रूप से कीट के शरीर से सहजीवी प्रोटोज़ोआई प्राणिजात (fauna) का।

definitive host **अंत्य परपोषी**

जैविक नियंत्रण की दृष्टि से ऐसा परपोषी जीव जिसमें परजीव्याभ या परजीवी अपने जीवन चक्र और लैंगिक परिपक्वता को पूर्ण कर लेता है।

defoliator **निष्पत्रक**

ऐसे कीट जो पत्तियों या तनों के अंशों को चबाकर पौधों को अनावृत कर देते हैं। उदाहरण—पर्णभृंग, इल्लियां, कटुवा सूंडी, टिड्डा, पिस्सू भृंग आदि।

degeneration **अपह्रासन**

किसी जीव के जीवनकाल में या विकास के दौरान शरीर के अंगों का आंशिक या पूर्ण लोप।

degradability **निम्नीकरणता**

किसी रसायन की कम जटिल यौगिकों या तत्वों में अपघटित होने या टूट जाने की क्षमता।

dehydrogenase **डिहाइड्रोजनेज़**

जैव रासायनिक अभिक्रिया में पाया जाने वाला वह एन्ज़ाइम, जो क्रियाधार से हाइड्रोजन हटाकर उसके ऑक्सीकरण को उत्प्रेरित करता है।

deletion (deficiency) **विलोपन**

किसी बृहत् अणु अथवा गुणसूत्र में से क्रोमैटिन के कुछ अंश या डी.एन.ए. अणु के कुछ भाग का टूट कर अलग हो जाना।

Demospongia **डीमोस्पंजिया**

पोरीफेरा संघ का एक बड़ा वर्ग, जिसमें सिलिका या स्पंजिन से बनी चार अरीय या सुई–जैसी सरल कंटिकाएं होती हैं। अधिकांश वर्तमान स्पंज इसी वर्ग में आते हैं। उदा. यूस्पंजिया।

dendrite **द्रुमिका**

किसी तंत्रिका कोशिका से निकला शाखारूपी कोशिकाद्रव्यी प्रक्षेप या तंतु, जो तंत्रिका आवेग को कोशिका काय की तरफ ले जाता है। यह अपने संपर्क में स्थित अन्य तंत्रिका कोशिका के तंत्रिकाक्ष (axon) से आवेग ग्रहण करता है।

dendrogram **द्रुमारेख, वंशवृक्ष**

वंश-संबंधों की मात्रा को प्रदर्शित करने के लिए वृक्षाकार रेखाचित्र।

density dependent factor **सघनता निर्भर कारक**

कीट-समष्टि की घनत्व-निर्भर मर्त्यता (mortality) को नियमित करने वाले जैव कारक जैसे इस प्रकार की मर्त्यता परपोषी-विशिष्ट जैव कारकों, रोगजनकों और अंतःर्जातीय स्पर्धा के कारण परपोषी के उच्च घनत्व के समय सबसे ज्यादा होती है। इस प्रकार के जैव कारक पीड़क की अधिक संख्या होने पर उसे कम कर देते हैं तथा पीड़क के घनत्व पर आश्रित होते हैं।

density independent factors **सघनता निरपेक्ष कारक**

वे घनत्व-स्वतंत्र अजैविक कारक, जो पीड़क समष्टि में मर्त्यता पैदा करते हैं जिसका समष्टि के आकार या उसके घनत्व से संबंध नहीं होता। मौसम-परिवर्तन, अन्य प्राकृतिक आपदाएं या मानवीय कार्यकलाप, बड़े पैमाने पर होने वाले पर्यावरणीय रूपांतरण आदि अजीवीय कारक इस प्रकार की मर्त्यता का कारण बनते हैं।

dental formula **दंत सूत्र**

स्तनियों में ऊपरी तथा निचले जबड़ों के दांतों की संख्या बताने की विधि, जिससे विभिन्न प्रकार के दांतों की कुल संख्या का पता चल जाता है। कृंतक, रदनक, अग्रचर्वणक और चर्वणक दांतों को इसी क्रम में रखते हुए मानव में दोनों जबड़ों के एक तरफ के दांतों का विन्यास इस प्रकार लिखा जाता है: $\frac{2123}{2123}$

dentary **दंतिकास्थि**

अधिकांश कशेरुकियों के निचले जबड़े में सांमने स्थित एक युग्मित कलास्थि, जिसमें प्रायः दांत होते हैं। अस्थि-मीनों, सरीसृपों तथा पक्षियों के निचले जबड़े में इसके अलावा और भी अस्थियां रहती हैं लेकिन स्तनियों के निचले जबड़े में यही एकमात्र अस्थि होती है।

dentine **डेन्टीन**

दांतों का भीतरी भाग बनाने वाला काफी कठोर पदार्थ, जो बाहर से इनेमल नामक कठोरतर पदार्थ से ढका रहता है। यह त्वचा के चर्म (डर्मिस) स्तर से उत्पन्न होता है जबकि इनेमल अधिचर्म (एपिडर्मिस) से निकलता है।

deoxyribonucleic acid **डिऑक्सीराइबोन्यूक्लीक अम्ल**

(दे.- DNA)

deposit **निक्षेप**

पीड़कनाशी की ऐसी मात्रा, जो अनुप्रयोग के फौरन बाद जम जाती है।

depressor **अवनमनी**

1. अवनमन पेशीः शरीर की किसी रचना (जैसे निचले जबड़े) को नीचे की ओर गति देने वाली पेशी।

2. अवनमनी तंत्रिकाः शरीर के किसी अंग की सक्रियता को धीमा या कम कर देने वाली तंत्रिका; जैसे वेगस तंत्रिका की शाखा, हृद अवनमनी तंत्रिका जो हृदय की क्रिया को धीमा कर देती है।

dermal toxicity **चर्मीय आविषालुता**

किसी भी बाह्य पदार्थ का अविच्छिन्न त्वचा के मार्ग से शरीर में घुस जाने के फलस्वरूप होने वाली विषाक्तता। अधिकतर पीड़कनाशी अविच्छिन्न त्वचा के जरिए पूरी तरह या कुछ सीमा तक शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। बहुत से पीड़कनाशी जब तक कुछ विशेष विलायकों में घुले हुए न हों, तब तक जल्दी से अवशोषित नहीं होते। लेकिन अनेक पीड़कनाशी ऐसे हैं जो सभी प्रकार के संरूपों में अविच्छिन्न त्वचा से घुस जाते हैं। उदा.—ऑर्गेनोफॉस्फेट पीड़कनाशी।

Dermaptera **डर्माप्टेरा (चर्मपंखी गण)**

प्ररूपी आदंशी मुखांग वाले लंबे कीट जिनकी जीभिका (ligula) द्विपालिक (bilobed) होती है। अग्र पंख बहुत छोटे चर्मिल प्रवार (leathery tegmina) में रूपांतरित होते हैं जिनमें शिराएं नहीं होती। पश्चपंख अर्धधन्वाकार झिल्लीमय होते हैं जिनकी शिराएं अत्यधिक रूपांतरित और अरीयतः (radially) स्थित होती हैं। सामान्यतया अपंखी रूप पाए जाते हैं। गुल्फ त्रिखंडीय, लूम (cerci) असंधित और बहुत दृढ़ीकृत (sclerotize) चिमटियों में रूपांतरित होते हैं। अंडनिक्षेपक (ovipositor) लघूकृत या नहीं भी होता। कायांतरण थोड़ा या बिल्कुल नहीं होता। उदा.–कर्ण कीट (ईयरविग)।

dermis **चर्म, डर्मिस**

कशेरुकियों की द्विस्तरीय त्वचा का भीतरी स्तर, जो मध्यजनस्तर (मेसोडर्म) से उत्पन्न होता है। इस भाग में रुधिर वाहिकाएं, योजी ऊतक और तंत्रिकाओं के सिरे, आदि होते हैं।

description **वर्णन**

एक टैक्सॉन (वर्गक) की विशेषताओं का विवरण।

determinant **निर्धारक**

कोशिकीय बृहत्-अणुओं के वे घटक या भाग जो विशेष प्रतिरक्षात्मक, परिवर्धनीय अथवा आनुवंशिक प्रकार्य करते हैं। प्रतिजन के इस भाग से प्रतिरक्षी अणु आबद्ध होते हैं।

determinate embryology **निर्धारी भ्रूणविज्ञान**

भ्रूणविज्ञान का वह प्रकार, जिसमें प्रत्येक कोशिका का भविष्य पूर्वनिर्धारित होता है।

deuterotoky **अनिषेकोभजनन**

अनिषेकजननीय अंडों से दोनों लिंगों का जनन।

deutonymph **द्वितीयार्भक**

बरुथी (mite) का तीसरा इंस्टार (निर्मोक रूप)।

deutoplasm **पोषद्रव्य**

कोशिकाद्रव्य में अंडे का पीतक अथवा पोषक पदार्थ।

development **परिवर्धन**

जीवधारियों में वृद्धि के साथ–साथ विभेदन की प्रक्रिया। इसके द्वारा अंडे से भ्रूण और भ्रूण से वयस्क बनता है अथवा किसी अविभेदित भाग से विभेदित भाग बन जाता है। पहले को भ्रूणीय तथा दूसरे को अभ्रूणीय परिवर्धन कहते हैं।

Devonian period **डिवोनी कल्प**

पृथ्वी के कालक्रम में पेलियोजोइक महाकल्प का एक भाग, जिसमें सिल्यूरियन तथा पर्मियन कल्पों के बीच 30 करोड़ वर्ष से लेकर 25 करोड़ वर्ष पूर्व तक का समय आता है। इस अवधि में सर्वप्रथम उभयचर एवं कीट प्रकट हुए।

diagnosis **निदान**

किसी टैक्सॉन की पहचान के लिए उसकी विशिष्टताओं के आधार पर तकनीकी वर्णन।

diagnostic index **विभेद सूचक**

किसी जाति-विशेष या जाति-समूह की वंशीय निकटता का परिणाम, जिसके द्वारा उनके विभेदक लक्षण अथवा गुणों के आधार पर उन्हें अलग–अलग पहचानना संभव होता है।

diakinesis **डाइकाइनेसिस**

अर्धसूत्री विभाजन की पूर्वावस्था की अंतिम तथा पश्चावस्था-I की पूर्वगामी अवस्था जिसमें अधिकतम संघनन के फलस्वरूप युगली छोटे व मोटे हो जाते हैं तथा केंद्रक झिल्ली टूट जाती है।

dialysis **अपोहन**

मिश्र विलयन में से छोटे अणुओं को बड़े अणुओं (जैसे, प्रोटीन) से अलग करने की एक विधि। ऐसा एक झिल्ली द्वारा किया जाता है जो छोटे अणुओं के लिए वरणात्मक रूप से पारगम्य होती है।

diapause **उपरति**

वृद्धि का धीमा होना अथवा परिवर्धन में रुकावट।

diaphragm **तनुपट, डायफ्राम, मध्यपट**

कोई ऐसी संरचना जिसके द्वारा देहगुहा का उपविभाजन हो जाता है, विशेष रूप से वक्ष और उदर गुहा को अलग करने वाला पेशीय पट जिसके वक्ष गुहा की तरफ उभरने और चपटा होने से उच्छ्वसन और अंतःश्वसन में सहायता मिलती है।

diastole **अनुशिथिलन**

हृदय की गुहाओं, विशेष रूप से निलय (वेन्ट्रिकल), का लयबद्ध फैलाव या विस्फारण जिसके दौरान वे रक्त से भर जाती हैं।

dicentric chromosome (=dicentric) **द्विकेंद्री गुणसूत्र (द्विकेंद्री)**
संरचनात्मक रूप से अपसामान्य गुणसूत्र जिसमें दो सूत्रकेंद्र होते हैं।

dicerous **द्विशृंगी**

दो शृंगिकाओं (antennae) वाला।

Dictyoptera **डिक्टिओप्टेरा (जालपंखी गण)**

निरपवादरूप से तंतुरूपी और बहुखंडीय शृंगिकाओं वाले कीट, जिनके मुखांग चिबुकी (mandibulate) होते हैं। टांगें एक दूसरे के समान अथवा अग्रपाद प्रसह (raptorial), कक्षांग बड़े; गुल्फ पंचखंडीयः; अग्र-पंख लगभग मोटे प्रवार (tegmina) में रूपांतरित और सीमांत कॉस्टा शिराओं वाले होते हैं। मादाओं का अंडनिक्षेपक लघूकृत और सातवें अधरक से छिपा रहता है। नर जननांग जटिल, असममितीय और नौवें उदरीय अधरक द्वारा छिपा हुआ होता है जिस पर एक जोड़ी शूक (stylet) होते हैं। लूम बहुखंडीय, विशिष्टीकृत घर्षणध्वनि अंग और श्रवण अंग नहीं होते, अंडे अंडकवच (ootheca) में होते हैं। उदा.–तिलचट्टा (कॉक्रोच) और मेन्टिड।

dictyosome **डिक्टियोसोम**

पादप कोशिकाओं में कुंडिकाओं का वह चट्टा जो संबद्ध आशयों से मिलकर गॉल्जी संमिश्र बनाता है।

diencephalon — **अग्रमस्तिष्कपश्च**

कशेरुकियों में अग्रमस्तिष्क का पिछला भाग, जिसके पृष्ठतल पर पिनियल अंग और अधर तल पर पीयूष अंग स्थित होते हैं। यह प्रमस्तिष्क गोलार्ध तथा मध्य मस्तिष्क को जोड़ता है।

differential staining — **विभेदी अभिरंजन**

प्रक्रिया जिसमें सूक्ष्म जीवों और कोशिकाओं में भेद दर्शाने के लिये रंजक विलयों अथवा अभिरंजन अभिकर्मकों का क्रमबद्ध प्रयोग किया जाता है।

differentiation — **विभेदन**

परिवर्धन के दौरान समान लगने वाली कोशिकाओं या ऊतकों की विशिष्ट संरचनाओं में बदलने की प्रक्रिया, जिसके फलस्वरूप इन परिवर्तित संरचनाओं में रासायनिक और क्रियात्मक विशेषताएं उत्पन्न हो जाती हैं।

diffuse placenta — **विसरित अपरा**

अपरा का वह प्रकार जिसमें रसांकुर (villi) जरायु की सतह पर अलग–अलग फैले रहते हैं, जैसे सुअर, घोड़े आदि में।

diffusion coefficient — **विसरण गुणांक**

कोशिका झिल्ली के पार सूक्ष्म जैवाणु के विसरण की दर जो प्रति सेकंड प्रभावित क्षेत्र के हिसाब से मापी जाती है।

diffusion — **विसरण**

अणुओं और आयनों की वह गति जो उनके उच्चतर सांद्रता वाले क्षेत्र से निम्नतर सांद्रता वाले क्षेत्र की ओर होती है।

digenetic — **द्विपोषी (द्विपरपोषी)**

ऐसे जीव या परजीवी (के लिए प्रयुक्त) जो अपना जीवन-चक्र पूरा करने के लिए दो परपोषियों पर आश्रित होते हैं।

digestion — **पाचन**

प्राणियों की आहार-नाल अथवा आहार-गुहा या आंत्र में बाहर से ग्रहण किए गए जटिल खाद्य पदार्थों का एन्ज़ाइमों द्वारा ऐसे

सरलतर विसरणशील पदार्थों में बदल जाना, जो अवशोषण द्वारा शरीर के तत्वों में मिल जाते हैं।

digestive gland **पाचक ग्रंथि**

प्राणियों में भोजन को पचाने वाले एन्ज़ाइम-युक्त स्राव उत्पन्न करने वाली ग्रंथियां; जैसे लार ग्रंथियां, जठर ग्रंथियां, अग्न्याशय आदि।

digestive system **पाचक तंत्र**

उन सभी संरचनाओं और संबद्ध ग्रंथियों का सामूहिक नाम, जो भोजन की पाचन-क्रिया में योगदान देती है।

digestive tract **पाचन पथ**

(दे. alimentary canal)

digit **अंगुलि**

अग्र या पश्च पाद में आगे निकली हुई संधित संरचना; जैसे हाथ और पैर के अंगूठे व अंगुलियां।

digital formula **अंगुलि-सूत्र**

चतुष्पाद प्राणियों में हाथ या पैर की, अंगुष्ठ से प्रारंभ करके हर एक अंगुलि में, अंगुलास्थियों की संख्या बतलाने वाली विधि। उदाहरणार्थ, मानव के हाथ का अंगुलि सूत्र 2.3.3.3.3 है।

digitigrade **पादाग्रचारी, अंगुलिचारी**

पैर के पिछले भाग या एड़ी को ऊपर उठाकर सिर्फ अंगुलियों के सिरे के सहारे चलने वाले प्राणी की संचलन विधि के लिए प्रयुक्त।

dihaploid **द्विअगुणित**

ऐसा द्विगुणित जो अगुणित कोशिका, ऊतक या जीव के अगुणित गुणसूत्र के द्विगुणन से न बन कर चतुर्गुणित के अर्धन से व्युत्पन्न होता है।

dikaryon **द्विकेंद्रक**

दो अगुणित विषम केंद्रकयुक्त कोशिका।

dilator **विस्फारिणी**

ऐसी पेशी, जिसके संकुचन से कोई नलिकाकार संरचना अथवा छिद्र फैलता है।

diluent **तनुकारी**

शत प्रतिशत शक्ति संपन्न आविषालु पदार्थ में मिलाया जाने वाला एक द्रव अथवा ठोस पदार्थ, जो उसकी उग्रता को कम करता है।

dilution rate **तनुता दर, तनुकरण दर**

तनुकारी की वह मात्रा, जिसको पीड़कनाशी में मिलाए जाने पर वांछित सांद्रता प्राप्त होती है।

dimorphism **द्विरूपता**

किसी प्राणी के दो रूपों में पाये जाने की दशा; जैसे सीलेन्टेरेटों में हाइड्राइड और मेड्यूसाभ रूप। अनेक प्राणियों में नर और मादा का दो भिन्न रूपों में होना यानी लैंगिक द्विरूपता।

dinosaur **डाइनोसॉर**

विशालकाय विलुप्त सरीसृपों का सामूहिक नाम, जो ट्राएसिक तथा क्रिटेशस काल में पाए जाते थे। भारी भरकम शरीर, शल्कयुक्त त्वचा, लंबे पाद, लंबी दुम तथा अपेक्षाकृत अल्पविकसित मस्तिष्क इनकी विशेषताएं थीं।

dioecious **पृथक्लिंगी**

एक ही जाति में नर तथा मादा का पृथक्-पृथक् पाया जाना।

Diphyodont **द्विवारदंती**

ऐसे स्तनियों के लिए प्रयुक्त, जिनमें पाती दांत (दूध के दांत) एक बार गिर कर फिर से नए स्थायी दांत निकलते हैं।

diploblastic **द्विकोरकी**

ऐसे प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जिनमें दो आद्य भ्रूणीय स्तर–बाह्यचर्म (एक्टोडर्म) और अंतश्चर्म (एन्डोडर्म) होते हैं। इनमें वास्तविक मध्यजनस्तर नहीं होता; जैसे सीलेन्टेरेट प्राणी।

diploid number **द्विगुणित संख्या, डिप्लॉइड संख्या**

किसी जीव के युग्मक या नर तथा मादा जनन-कोशिकाओं में मौजूद गुणसूत्रों की दुगुनी संख्या का होना, जो किसी जीव-जाति का विशिष्ट लक्षण होता है। परिपक्व जनन कोशिकाओं को छोड़कर प्राणि-शरीर की सभी कोशिकाओं में गुणसूत्रों की द्विगुणित संख्या पाई जाती है; जैसे मानव में यह संख्या 46 है।

diploid **द्विगुणित**

जिसमें दैहिक कोशिकाओं में गुणसूत्रों की प्ररूपी संख्या जनन कोशिकाओं के गुणसूत्रों की संख्या से दुगुनी होती है। जैसे मानव दैहिक कोशिकाओं की यह संख्या 46 होती है।

diploidy **द्विगुणिता**

किसी प्राणी में कायिक कोशिकाओं के गुणसूत्रों की सामान्य संख्या, जो युग्मकों अथवा जनन कोशिकाओं में पाई जाने वाली संख्या से दुगुनी होती है; जैसे मानव की कायिक कोशिकाओं में यह संख्या 46 और युग्मक में 23 होती है।

diplotene (diplonema) **द्विपट्ट अवस्था (अवस्था)**

अर्धगुणसूत्रण की प्रथम पूर्वावस्था में स्थूलपट्ट के ठीक बाद की अवस्था, जिसमें युग्मित गुणसूत्र अनुदैर्घ्यतः अर्धसूत्रों में विभाजित होते दिखाई देते हैं। इस अवस्था में सूत्रकेंद्रों के प्रतिकर्षण से दोनों अर्धसूत्रों के बीच की दूरी बढ़ती जाती है; किऐज़्मा बनने लगते हैं और जीन विनिमय की क्रिया भी होती है।

Diplura **डिप्ल्यूरा**

अपंखी कीट, जिनके मुखांग अंतःसृत हनु (endognathus) वाले होते हैं। संयुक्त नेत्र और नेत्रक नहीं होते। उदर के अंत में युग्मित लूम होते हैं। अंतस्थ मध्य तंतुक (filament) नहीं होता। मैलपीगी नलिकाएं अवशेषांग के रूप में होती हैं अथवा नहीं भी होती। उदा.– केम्पोडिया और पेराजेपिक्स जातियां।

Dipnoi **डिप्नोई**

अलवणजलीय शल्कयुक्त मछलियों का समूह, जिनमें वाताशय फुप्फुस का काम करता है और जिनमें अस्थिल कंकाल, बाह्य तथा

आंतर नासा-छिद्र और केंद्रीय अस्थिल अक्ष वाले युग्मित पख होते हैं। इन्हें फुप्फुसमीन भी कहते हैं और इनकी केवल तीन जातियां पाई जाती हैं: *निओसेरेटोडस* (आस्ट्रेलिया) *लेपिडोसाइरेन* (द. अमेरिका) और *प्रोटोप्टेरस* (मध्य अफ्रीका)।

Diptera **डिप्टेरा, द्विपंखी गण**

एन्डोप्टेरीगोटा विभाग के कीटों का एक बड़ा गण, जिसमें अगले पंख झिल्लीदार तथा पिछले संतोलक के रूप में और मुखांग प्रधानतः चूषण प्रकार के होते हैं; जैसे मच्छर, मक्खी आदि।

direct pest **प्रत्यक्ष पीड़क**

ऐसे पीड़क जो किसी पण्यवस्तु जैसे फल, सब्जी आदि को तात्कालिक एवं प्रत्यक्ष हानि पहुंचाता है, भले ही उसका समष्टि घनत्व कम हो।

directed mutation **दिष्ट उत्परिवर्तन**

गुणसूत्री परिवर्तन जो विशिष्ट जीनों में कृत्रिम रूप से किए जाते हैं।

disaccharide **डाइसैकेराइड**

दो सरल शर्कराओं के संघनन द्वारा बनी शर्करा। दोनों शर्कराओं के अणु समान अथवा भिन्न हो सकते हैं और वे ग्लाइकोसिडीय आबंध से जुड़े रहते हैं। प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले डाइसैकेराइडों के उदाहरण हैं - गन्ना शर्करा (सुक्रोस) और दुग्ध शर्करा (लेक्टोस)।

discoid **चक्रिकाभ**

चक्रिका के आकार का।

discoidal **चक्रिकाभ**

1. विदलन का एक प्रकार जिसमें कोरकचर्म (ब्लास्टोडर्म) एकस्तरीय बिंब के रूप में पीतक (योक) के ऊपर रहता है।

2. अपरा का एक प्रकार जिसमें अंकुर एक या अधिक बिंब-जैसे क्षेत्रों में ही स्थित होते हैं; जैसे मानव में।

discontinuous variation — **असतत विभिन्नता**

किसी एक जाति में सामान्य जनकों की संतान में भिन्न लक्षणों का पाया जाना। यह घटना गुणसूत्रों की संख्या में परिवर्तन या इनकी रासायनिक अथवा भौतिक संरचना में फेर-बदल होने के कारण होती है।

disjunction — **वियोजन**

समसूत्रण अथवा अर्धसूत्रण की पश्चावस्था में गुणसूत्र का दो सह-अर्धसूत्रों में अलग-अलग हो जाना।

dispersing agent — **परिक्षेपक**

ऐसा पदार्थ जिसके द्वारा कणों के बीच संसंजी (cohesive) आकर्षण कम हो जाता है। इसके लिए क्लेदनीय चूर्ण (wettable powder) बनाते समय प्रकीर्णन और निलंबी कर्मक मिलाए जाते हैं, ताकि सक्रिय संघटकों का सुगमता से क्लेदन और निलंबन हो सके।

distal — **दूरस्थ**

शरीर के किसी अंग या भाग के आधार या मध्य रेखा से दूर वाले भाग या अंग के लिए प्रयुक्त; जैसे बाहु का अंगुलियों वाला सिरा, हृदय से दूर वाला भाग, मस्तिष्क से दूर स्थित तंत्रिकाएं आदि।

distipharynx — **दूरग्रसनी**

कुछ कीटों में अधि-ग्रसनी और अधोग्रसनी के मिलने से बनी छोटी नलिका।

distribution — **वितरण**

पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों में अथवा विभिन्न भूवैज्ञानिक युगों में जीव जातियों का फैलाव। पहले को स्थानगत और दूसरे को कालगत वितरण कहते हैं।

diurnal animal — **दिवाचर, दिवा प्राणी**

वे प्राणी, जो दिन में ही सक्रिय होते हैं। विप. nocturnal रात्रिचर।

diurnal — **दिवाचर**

दिन में सक्रिय

divergence **अपसरण**

दो संबंधित डी.एन.ए. खंडों के न्यूक्लिओटाइड अनुक्रमों में अथवा दो प्रोटीनों के ऐमीनो अम्ल अनुक्रमों में प्रतिशत अंतर।

divergent transcription **अपसारी अनुलेखन**

किसी मूल केंद्र की दोनों विपरीत दिशाओं में स्थित दो उन्नायकों से अनुलेखन का आरंभ होना, जिससे अनुलेखन दोनों दिशाओं में हो सके।

diverticulum **अंधवर्ध, डाइवर्टिकुलम**

किसी वक्ष या नाल से निकलने वाली नली-जैसी संरचना, जिसका दूरस्थ सिरा बंद होता है। उदा. कृमिरूप परिशेषिका (वर्मिफॉर्म एपेन्डिक्स)।

diving air store **निमज्जन वायु-संचयन**

कुछ कीट जब तल सतह के नीचे डुबकी लगाते हैं, तब वे अपने साथ शरीर के किसी भाग से संलग्न वायु की एक परत या वायु का एक बुलबुला साथ ले जाते हैं। वाटर बोटमैन (कैरिक्सिडी) और बैक–स्विमर्स (नोटोनैक्टिडी) के वयस्क और अर्भक दोनों ही के शरीर की अधर सतह पर स्थित रोमों में वायु की एक परत होती है।

division of labour **श्रम विभाजन**

यह कीट समाजों के संगठन का मूल है और इसे उनकी पारिस्थितिक सफलता के मुख्य घटकों में एक समझा जाता है। इसे दो लक्षणों से स्पष्ट करते हैं:

1. एक साथ विभिन्न क्रियाएं करना।
2. विशिष्टीकृत व्यष्टियों के समूहों द्वारा, जिन्हें उन व्यष्टियों से अधिक कुशल समझा जाता है जो विशिष्टीकृत नहीं है या दोनों के द्वारा नियत कार्य साथ–साथ करना।

dizygotic **द्वियुग्मजी, द्विअंडज**

सामान्यतः एक समय में एक ही शिशु उत्पन्न करने वाले स्तनियों में अपवादस्वरूप एक साथ निषेचित होने वाले दो अंडों से उत्पन्न जुड़वां बच्चों के लिए प्रयुक्त।

D.N.A. **डी.एन.ए.**

डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिओटाइडों की स्वतःप्रतिकृतिकारी बहुलक शृंखला, जो प्रायः द्विकुंडलित होती है और सभी जैव-कोशिकाओं और अनेक विषाणुओं में जीनों के रचक तत्व के रूप में आनुवंशिक सूचनाओं की संवाहक होती है।

DNA cloning **डी.एन.ए. क्लोनन**

विशेष *पात्रे* क्रियाविधि जिससे डी.एन.ए. के एक विशेष अनुक्रम (जीन) का भारी मात्रा में उत्पादन किया जाता है। इस क्रियाविधि में अनुक्रम को उपयुक्त क्लोनन संवाहक में निविष्ट किया जाता है। इससे जो पुनर्योगज (संकर) बनता है, उसे ऐसी कोशिका में प्रविष्ट किया जाता है जिसमें यह प्रतिकृति बना सके और अंत में कोशिकाओं के संवर्ध में वृद्धि की जा सके।

DNA coding **डी.एन.ए. कूटन**

डी.एन.ए. और आर.एन.ए. में न्यूक्लिओटाइडों का क्रमागत त्रिक जो ऐमीनो अम्लों के अनुक्रमों के संदर्भ में प्रोटीनों की प्राथमिक संरचना निर्धारित करता है।

DNA replicase **डी.एन.ए. रेप्लीकेज़**

डी.एन.ए. प्रतिकृतीयन के लिए आवश्यक विशिष्ट एन्ज़ाइम सम्मिश्र।

DNA-ase **डी.एनेज**

वह एन्जाइम जो डी.एन.ए. के आबंधों पर आक्रमण कर उन्हें तोड़ देता है।

dominance **प्रभाविता**

लक्षण प्ररूप के समयुग्मी तथा विषमयुग्मी दोनों प्रकार के जीवों में अभिव्यक्त होने की दशा। इसमें युग्मविकल्पी का जोड़ा पहली पीढ़ी (एफ-1) की सभी तथा दूसरी पीढ़ी (एफ-2) की 75% संततियों में प्रकट होता है।

dominant (genes/ traits) **प्रभावी (जीन/विशेषक)**

समयुग्मी तथा विषमयुग्मी-दोनों प्रकार के जीवों के लक्षण प्ररूपों में समान रूप से अभिव्यक्त जीन जो अपने विकल्पी की अभिव्यक्ति को दबा देती है।

dominant character **प्रभावी लक्षण**

किसी विषमयुग्मजी जीव में दो वैकल्पिक लक्षणों या एलीलों में से प्रकट होने वाला एक लक्षण, जो दूसरे पर छा जाता है या उसकी अभिव्यक्ति नहीं होने देता; जैसे मानव में सामान्य रंग दृष्टि जो वर्णांधता पर प्रभावी होती है।

dorsal aorta **पृष्ठ महाधमनी**

कशेरुकियों में धमनी चापों (मछलियों में क्लोम चापों) से निकलने वाली प्रमुख धमनी, जो कशेरुक-दंड के नीचे स्थित होती है। इसमें होकर, सिर तथा अग्र पादों को छोड़कर, रुधिर शरीर के शेष भागों में जाता है।

dorsal ganglion **पृष्ठीय गुच्छिका**

तंत्रिका वलय के पश्च स्थित छोटी गुच्छिका, जिससे पृष्ठ तंत्रिका निकलती है।

dorsal **पृष्ठीय**

कशेरुकियों में रीढ़ या कशेरुक दंड की तरफ, उसके पास या उसी पर स्थित (कोई संरचना)।

dorso pleural line **पृष्ठ-पार्श्वक रेखा**

शरीर के पृष्ठक और पार्श्व क्षेत्र के बीच विलगन की वह रेखा, जिसमें प्रायः वलन या खांच का चिह्न होता है।

dorsum **पृष्ठ**

पार्श्व क्षेत्रों से ऊपर प्राणी की पूरी पीठ।

double helix **द्वि कुंडली**

कुंडलिनी की तरह लिपटे डी.एन.ए. के दो रज्जुक।

drenching **मज्जन**

पीड़कनाशी से पूरी तरह भिगो देना—अर्थात् उससे मृदा, प्राणी अथवा पादप को संतृप्त करना अथवा नहला देना।

drone **पुंमधुप, पुंमक्षिका**

नर मधुमक्खी, खासकर अनिषेचित अंडे से उत्पन्न बड़ा डंकहीन व्यष्टि जो मधु इकट्ठा करने में या मधुछत्ते की देखरेख करने में योगदान नहीं देता। किंतु आवश्यकता पड़ने पर रानी मक्षिका के लिए वीर्यसेचन करता है।

ductless glass **वाहिनीहीन ग्रंथि**

दे. endocrine gland अंतःस्रावी ग्रंथि।

ductus ejaculatorius **स्खलन वाहिनी, डक्टस इजेकुलेटोरियस**

1. नर जननांगों में बाहर की ओर खुलने वाली एक वाहिनी, जिसमें होकर शुक्र शरीर से बाहर निकलता है।

2. कई कशेरुकियों में शुक्रवाहक (वास डीफेरेन्स) का दूरस्थ भाग बनाने वाली मांसल पेशी, जो मैथुनांग के सिरे पर खुलती है।

duodenum **ग्रहणी**

कशेरुकियों की आहार-नाल में आमाशय के ठीक बाद स्थित छोटी आंत का अग्रतम भाग, जिसमें अग्न्याशय वाहिनी और पित्त वाहिनी खुलती है।

duplex DNA **द्विक डी.एन.ए.**

कुंडलित आकार में पाया जाने वाला द्विरज्जुकित डी.एन.ए.।

duplicate genes **द्विक जीन**

जीन जो प्रति संजीन एक से अधिक प्रति में पाई जाती हैं। ये अधिकांशतः सिर से पुच्छ अनुक्रम में अनुबद्ध होते हैं।

duramater **दृढ़तानिका, ड्यूरामेटर**

कशेरुकियों में मस्तिष्क तथा मेरु रज्जु के चारों तरफ स्थित मजबूत रेशेदार झिल्ली।

dust **प्रधूल, धूलि**

पीड़कनाशी और कुछ अक्रिय पदार्थों का सूखा मिश्रण। वाहक के रूप में मटियार, टाल्क, ऐटापल्गाइट, अखरोट का कवच, कैल्सियम

कार्बोनेट और इसी प्रकार के अन्य पदार्थों से इसका अनुप्रयोग सुगम बन जाता है।

duster **धूलित्र, प्रधूलक**

वह उपकरण अथवा युक्ति जो, पीड़कनाशी धूल के सूक्ष्म कणों को लक्ष्य-सतह पर निर्देशित करती है।

dyad **द्वयक**

अर्धसूत्री विभाजन में होने वाले प्रथम भाजन के परिणामस्वरूप उत्पन्न दो कोशिकाएँ।

E

earthworm **केंचुआ**

ऐनेलिडा संघ के यूटाइफियस, फेरेटिमा आदि वंशों के प्राणियों का सामान्य नाम। इनका शरीर सिलिंडराकार, दोनों सिरों पर नोकीला, कई खंडों वाला, उपांगहीन तथा शूकयुक्त होता है।

earwig **कर्णकीट**

डर्मोप्टेरा गण के सदस्यों का सामान्य नाम।

ecdysis **निर्मोकोत्सर्जन**

समय -समय पर त्वचा की बाहरी स्तर या केंचुली (संधिपादों की उपत्वचा या सरीसृपों में बाहरी अधिचर्मी स्तर) को शरीर से उतार फेंकने की क्रिया; जैसे सांप, कीट और क्रस्टेशियाई प्राणियों में।

ecdysone **एक्डाइसोन**

प्रत्येक निर्मोक या उपरति (diapause) की समाप्ति के बाद अग्र वक्षीय ग्रंथियों (prothoracic glands) द्वारा स्रावित कीट निर्मोचन हॉर्मोन, जो एक रसायन होता है और विभिन्न कायिक ऊतकों की वृद्धि, उनके परिवर्धन तथा अन्य शरीर रैखिक मापक। क्रियात्मक और आकृतिक परिवर्तनों को उद्दीपित करता है, ताकि निर्मोचन चक्र का सतत पुनरावर्तन होता रहे।

Echinodermata **एकाइनोडर्मेटा**

अकेशरुकी समुद्री प्राणियों का एक संघ। अरीय सममिति, त्वचा में कैल्शियमी पट्टियां या अस्थिकाएं, नाल-पद और जल-संवहनी तंत्र, इनके प्रमुख लक्षण हैं। उदा. तारामीन, समुद्री अर्चिन, समुद्री खीरा आदि।

echolocation — **प्रतिध्वनि निर्धारण**

चमगादड़ आदि प्राणियों में उच्च आवृत्ति ध्वनियों (पराश्रव्य ध्वनियों) के उपयोग से आस-पास की बाधाओं से बचते हुए अभिविन्यास करना। आस-पास की वस्तुओं से टकराकर ध्वनियों के वापस लौटने पर प्राणी को उन वस्तुओं की दिशा तथा सापेक्ष दूरी का अंदाज लग जाता है और वह बिना कहीं टकराए उड़ सकता है।

eclipse — **तिरोभाव**

जीवाणुभोजी (बैक्टीरियोफाज) के संक्रमण के बाद का वह समयांतराल जब परपोषी में पूर्ण प्रभोजी (विरियॉन) उपस्थित नहीं होते।

ecological niche — **पारिस्थितिक निकेत**

वह स्थान विशेष (प्राकृतिक परिवेश) जहां जीव अपने जीवीय संबंधों तथा भौतिक पर्यावरण में रहता है। यह पर्यावरण उसके विशिष्ट संरचनात्मक अनुकूलनों, शरीर-क्रियात्मक समायोजनों तथा विकसित व्यवहारपरक प्रतिरूपों से निर्धारित होता है।

ecological succession — **पारिस्थितिक अनुक्रम**

पारिस्थितिकीय निकेत में पहले से उपस्थित समष्टियों का दूसरी बेहतर अनुकूलित समष्टियों द्वारा प्रतिस्थापन।

ecological tolerance — **पारिस्थितिकीय सह्यता**

विभिन्न पर्यावरणीय कारकों जैसे – मौसम और खाद्य – की वे सीमाएं, जिनके भीतर जैव जाति जिंदा रह सकती है। ये सीमाएं भिन्न-भिन्न जातियों के लिए भिन्न-भिन्न होती हैं।

ecology — **पारिस्थितिकी, परिस्थितिविज्ञान**

जीवविज्ञान की वह शाखा, जिसमें जीवधारियों के आपसी संबंध तथा पर्यावरण के साथ उनके भौतिक संबंधों का अध्ययन किया जाता है।

economic damage — **आर्थिक क्षति**

हानि की वह मात्रा जिसको रोकने के लिए प्रयुक्त कृत्रिम नियंत्रण में आने वाली लागत उचित होती है।

economic injury level — **आर्थिक क्षति स्तर**

पीड़कों की समष्टि की न्यूनतम सघनता, जो आर्थिक हानि का कारण बनती है।

economic threshold — **आर्थिक देहली**

आर्थिक देहली हमेशा ही आर्थिक क्षति स्तर की अपेक्षा निम्न पीड़क सघनता को निरूपित करती है। इन नियंत्रण उपायों को इसलिए अपनाया जाता है ताकि पीड़कों की सघनता आर्थिक क्षति स्तर तक न पहुंचने पाए।

ecosystem — **पारितंत्र, पारिस्थितिक तंत्र**

पौधों तथा प्राणियों का जैव समुदाय और पानी, हवा, मिट्टी आदि के भौतिक पर्यावरणी कारकों के मिलने से बना तंत्र। संरचना तथा कार्य की दृष्टि से इसे पारिस्थितिकी की मूलभूत इकाई समझा जाता है। उदा. तालाब, वन, आदि।

ectoderm — **बाह्यजनस्तर**

प्राणियों के भ्रूण में तीन प्राथमिक कोशिका स्तरों में से सबसे बाहर की परत, जिससे अधिचर्म और तंत्रिका ऊतक बनते हैं।

ectoparasite — **बाह्य परजीवी**

वे कीट जो किसी प्राणी की बाहरी सतह पर परजीवी के रूप में रहते हैं। ये अधिकतर उत्तेजना या चोट पहुंचाते हैं अथवा रोगाणुओं का वहन करते हैं। उदा. पिस्सू, जूं, खटमल आदि।

ectophallus — **बाह्य शिश्न**

अंतः शिश्न से भिन्न बाहरी शिश्न-भित्ति।

ectoplasm — **बहिर्द्रव्य, एक्टोप्लाज्म**

कुछ एककोशिक प्राणियों में कोशिका-झिल्ली के नीचे जीवद्रव्य की बाहरी कम मोटी परत, जो आंतरिक स्तर (अंतर्द्रव्य) की तुलना में कुछ-कुछ पतली, घनी तथा पारदर्शी होती है।

ectotrachea — **बहिर्वातक, बाह्यश्वासनली**

कीट की श्वासनली की बाहरी ओर की एपिथीलियमी परत।

edaphic **मृदीय**

मिट्टी से संबंधित।

Edentata **इडेन्टेटा**

ऐसे अपरा स्तनियों का एक गण, जिनमें दांत कम या बिल्कुल ही नहीं होते। आधुनिक वर्गीकरण के अनुसार अब इसके स्थान पर तीन अलग-अलग गण (ऑर्डर) माने जाते हैं—जेनार्थ्रा जिसमें अमरीकी चींटीखोर आते हैं, ट्यबुली—डेन्टेटा जिसमें आर्डवर्क आते हैं और फोलिओडोटा जिसमें भारत का शल्की चींटीखोर (सल्लू सांप) आते हैं।

eelworm **सूत्रकृमि, ईलवर्म**

विशेष रूप से भूमि वाले अथवा पादप परजीवियों के लिए प्रयुक्त सामान्य नाम।

efferent **अपवाही**

1. ऐसी तंत्रिकाओं के लिए प्रयुक्त, जो आवेगों को मेरुरज्जु या मस्तिष्क से दूर ले जाती हैं।
2. ऐसी रुधिर वाहिकाओं के लिए प्रयुक्त, जिनके द्वारा रक्त किसी विशेष अंग से दूर जाता है।

efficacy **प्रभाविकता**

किसी पीड़कनाशी की प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता।

egestion **बहिःक्षेपण**

पाचन-तंत्र से बिना पचे हुए तथा अनुपयुक्त पदार्थों का बाहर निकल जाना।

egg **अंडा, अंड**

यथार्थतः केवल मादा युग्मक या अंडाणु; किंतु आमतौर पर सरीसृपों तथा पक्षियों में एल्ब्यूमेन और बाहरी खोल समेत।

egg batch **अंड घान**

मादा कीट द्वारा लगभग एक ही समय में एकल रूप से या समूह में अंडे देना।

egg chamber **अंड कक्ष**

अंडाशय की अंडनलिका का एक कक्ष या पुटक, जिसमें एक अंडक होता है। पुटक का निर्माण कोशिकाओं से होता है।

egg guide **अंड निर्देशक**

जननांग–रंध्र के पीछे स्थित अवजनद (subgenital) पट्टिका का प्रवर्ध, जो ऐक्रिडिडी कुल में विकसित होता है।

egg mass **अंड संहति**

जिलेटिनी आधात्री में अंतःस्थापित अंडे।

egg sheet **अंड आस्तर**

कागज का टुकड़ा, गत्ता, पॉलिथीन या कोई अन्य कृत्रिम वस्तु, जिस पर कीट के अंड निक्षेपित किए जाते हैं।

egg tube **अंडनलिका**

अंडाशयक का नलिकाकार भाग, जिसमें जनन कोशिकाएं, अंडक, धात्री कोशिकाएं और पुटक कोशिकाएं होती हैं।

ejaculatory duct **स्खलनीय वाहिनी**

1. नर जनन तंत्र की मध्यवर्ती बाह्यचर्मी नलिका।

2. मैथुनांग में स्थित अयुग्मित नली या वाहिनी, जिससे होकर शुक्र निकलता है।

elateriform larva **इलेटरीरूप डिंभक**

'वायर–वर्म' के आकार का भृंगक (grub) जो लंबा, पतला और कठकीय होता है और जिसके शरीर में छोटे-वक्षीय पाद और बहुत कम रोम होते हैं।

electrophoresis **वैद्युत् कण-संचलन**

वह विद्युत् रासायनिक प्रक्रिया जिसमें विद्युत्-आवेश वाले निलंबित कण विद्युत् धारा के प्रभाव से विलयन में स्थानांतरित हो जाते हैं।

elephantiasis **श्लीपद, फीलपाँव**

मानव का वह रोग, जिसमें *वूचेरेरिया ब्रैन्क्राफ्टाई* नामक परजीवी सूत्रकृमि के कारण पावों में अत्यधिक सूजन हो जाती है।

ELISA **एलाइज़ा (एन्ज़ाइम सहलग्न प्रतिरक्षा शोषक आमापन)**

प्रतिजनों या प्रतिरक्षियों के मापन की प्रक्रियाओं में से एक जिसमें विशेष इम्यूनोग्लोबुलिन से सहबद्ध एन्ज़ाइम की मात्रा का आमापन किया जाता है।

elytra (elytron) **पक्षवर्म, प्रवर्म**

ढाल-जैसी कोई संरचना; मुख्यतः भृंगों में अगले पंखों के रूपांतरित होने से बना हुआ शृंगीय आवरण या संरचना, जिसके नीचे झिल्लीमय पिछले पंख स्थित रहते हैं।

Embioptera **एम्बीओप्टेरा (चेतनपंखी गण)**

रेशम सुरंगों में रहने वाले यूथी (gregarious) कीट जिनके मुखांग आदंश के लिए अनुकूलित और जीभिका चार-पालिक होती है। गुल्फ त्रिखंडीय, अगले जोड़े का पहला खंड बहुत स्फीत (inflated), दोनों जोड़ी पंख एक जैसे और शिराएं कम सुस्पष्ट होती हैं। लूम द्विखंडीय और नर में प्रायः असममितीय (asymmetrial); मादाएं पंखहीन और डिंभक रूपी। नर में कायांतरण क्रमिक लेकिन मादा में नहीं होता। उदा. एम्बीया।

emboly **अंतरारोहण, एम्बोली**

ब्लैस्टुला की भित्ति के अंतर्वलन यानी अंदर की ओर धंसने से गैस्ट्रुला की भीतरी परत (एन्डोडर्म) का निर्माण।

embryo **भ्रूण**

अंडे या मातृ गर्भाशय से निकलने से पहले प्राणी की प्रारंभिक परिवर्धनशील अवस्था।

embryogenesis **भ्रूणोद्भव**

अंडे से डिंभक की प्रथम अवस्था तक के निर्माण की प्रक्रिया।

embryology — **भ्रूणविज्ञान, भ्रौणिकी**

जीवविज्ञान की वह शाखा, जिसमें भ्रूण के बनने और उसके परिवर्धन की अवस्थाओं का अध्ययन होता है। इसमें युग्मनज या अंडे से लेकर स्फुटन या शिशु बनने तक की सभी अवस्थाओं का अध्ययन शामिल है।

embryonated larva — **भ्रूणीकृत डिंभक**

ऐसे अंडे जिनसे प्रथम अपस्था वाले डिंभक निकलते हों।

emergence — **निर्गमन**

वह अवस्था जिसमें वयस्क कीट कोशित आवरण अथवा अंतिम अर्भकीय त्वचा को छोड़ता है।

empodium — **अंतरापादक, एम्पोडियम**

मध्यवर्ती पालि या कंट–रूपी प्रवर्ध, जो कीटों में सामान्यतः नखराकुंचक (calcanea) पट्ट से गुल्फिकापूर्वी (pretarsus) नखर के आधारों के बीच अधरतः निकलता है।

emulsifiable concentrate — **पायसीकरणीय सांद्र**

ऐसा उत्पाद जो आविषकारी और पायसीकारक (emulsifying agent) के कार्बनिक विलायक (पानी में अघुलनशील) में घुलने से बनता है।

enamel — **दंतवल्क, इनेमल**

अधिचर्म से उत्पन्न दांत की ऊपरी कड़ी परत, जो दंतीन को ढकती है। यह शरीर का सबसे कड़ा पदार्थ है।

encapsulation — **संपुटन**

पीड़कनाशियों को संरूपित करने की एक विधि जिसमें उसका संरूपण विशेष पदार्थ (प्रायः पॉलिविनायल) से बने संपुट में रखा जाता है और जिसके फलस्वरूप पीड़कनाशी बहुत देर तक निकलता रहता है।

end cell — **अंत्य कोशिका**

कोशिका जो आगे और परिपक्व होने में समर्थ नहीं होती लसीकाभ कोशिका श्रेणी की परिपक्व प्लैज़्मा कोशिका।

end chamber **अंत्य कक्ष**

कीट की जनद नलिका का अंडदाशय (germarium)।

endemic **विशेषक्षेत्री, स्थानिक**

किसी क्षेत्र, देश या प्रदेश तक ही सीमित रहने वाला; पारिस्थितिकी में ऐसी जीव जातियों के लिए प्रयुक्त, जो सब जगह न होकर केवल कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में ही पाई जाती हैं।

endocrinology **अंतःस्रावविज्ञान, अंतःस्राविकी**

जीवविज्ञान की वह शाखा, जिसमें हॉर्मोनों के स्रवण, प्रकृति, प्रभाव आदि का अध्ययन किया जाता है।

endocuticle **अंतःक्यूटिकल**

क्यूटिकल की भीतरी कोमल परत।

endocytosis **अंतःकोशिकता**

कोशिकाओं में होने वाली परिघटना जिसमें जीवद्रव्य-झिल्ली विभिन्न बाह्य पदार्थों को परिबद्ध करके आशय बनाती है और फिर उस आशय को उक्त पदार्थ सहित कोशिका के अंदर ग्रहण कर लेती है।

endoderm **अंतर्जनस्तर**

भ्रूण के तीन प्राथमिक स्तरों में से सबसे भीतरी स्तर, जिससे पाचन तथा श्वसन अंगों की उपकला (एपिथीलियम) बनती हैं।

endodermal epithelium **अंतःचर्मी उपकला**
आंत्र की अवकाशिका को घेरे रहने वाला एकल कोशिकाओं का स्तर।

endogenous **अंतर्जात**

उत्पादक संरचना के भीतर पैदा होने वाला।

endomixis **अंतःमिश्रण**

कुछ कशाभी प्रोटोजोआ प्राणियों में समय–समय पर केंद्रक में होने वाला पुनर्गठन, जिसमें पुराने गुरुकेंद्रक के ह्रास के साथ–साथ

लघुकेंद्रक के विभाजन एवं पुनर्विभेदन से नया गुरुकेंद्रक बन जाता है, जैसे पैरामीशियम में।

endoparasite **अंतःपरजीवी**

वह परजीवी अथवा परजीव्याभ, जो परपोषी के अंदर रहता है।

endophallus **अंतःशिश्न**

शिश्न का आंतरिक कक्ष जो लिंगाग्रिका के सिरे पर अंतर्वलित होता है। इसमें स्खलनीय वाहिनीं का मुंह खुलता है। यह सामान्यतः पराक्षेप्य आशय (eversible vesicle) या नलिका अथवा कभी–कभी स्थायी आंतरिक शिश्नीय संरचना भी होती है।

endoplasm **अंतर्द्रव्य**

कोशिका के जीवद्रव्य का भीतरी कणिकामय भाग जो बहिर्द्रव्य की अपेक्षा अधिक तरल होता है और जिसमें मुख्य कोशिका अंगक (organalle) पाए जाते हैं।

endoplasmic reticulum (ER) **अंतःद्रव्यी जालिका (ई.आर.)**
सभी सुकेंद्रकी कोशिकाओं में पाया जाने वाला झिल्ली से परिबद्ध जीवद्रव्य प्रणालों, थैलियों आदि का वह तंत्र जो कोशिकीय अभिगमन से संबद्ध होता है। यह केंद्रक-आवरण की दो झिल्लियों के बीच की गुहा से सतत जुड़ा होता है। रूक्ष अंतःद्रव्यी जालिका की बाह्य सतह पर राइबोसोम संलग्न होते हैं, किंतु चिकनी अंतःद्रव्यी जालिका पर वे नहीं होते।

endopodite **अंतःपादांश**

द्विशाखीय उपांग की मध्यवर्ती शाखा।

Endopterygota **एन्डोप्टेरीगोटा अंतःपंखी**

कीटों का एक प्रभाग, जिनमें पूर्ण कायांतरण होता है। इनमें पंख अंदर से परिवर्धित होते हैं और डिंभक प्रौढ़ों से भिन्न होते हैं।

endopterygote **अंतःपंखी**

संपूर्ण कायांतरण वाले कीट, जिनके पंख आंतरिक तौर पर परिवर्धित होते हैं।

endoskeleton **अंतःकंकाल**

प्राणियों के शरीर को साधने वाला भीतरी ढांचा; जैसे मानव की रीढ़, स्पंज की कंटिकाएं और कीटों की मस्तिष्कछदि (टेन्टोरियम)।

endosome **अंतःकाय**

वह अंतःकोशिकीय आशय जो लयनकाय के साथ संलयित होकर दवि्तीयक लयनकाय बनाता है।

endostyle **अधोग्रसनी खांच, एन्डोस्टाइल**

ग्रसनी की अधर भित्ति में पक्ष्माभी ग्रंथिल खांच या गर्त, जो कुछ ट्यूनीकेटों तथा ऐम्फिओक्सस में और साइक्लोस्टोमेटा के डिंभकों में पाए जाते हैं। ये पक्ष्माभी अशन-क्रिया में योग देते हैं। इस संरचना को कशेरुकियों में अवटु (थायरॉइड) के समजात माना जाता है।

endotheca **अंतःप्रावरक**

शिश्न प्रावरक की आंतरिक भित्ति।

endothorax **अंतर्वक्ष**

क्रस्टेशियाई वक्ष का आंतरवर्ध (apodeme) तंत्र।

endotoky **अंर्तजनन**

मादा शरीर के भीतर भ्रूणीय परिवर्धन।

endotoxin **अंतराविष**

किसी ग्रैम-अग्राही जीवाणु की कोशिका भित्ति से व्युत्पन्न प्राणी विष, विशेषतः बाहरी झिल्ली का लिपिड ए भाग।

endotrachea **अंतःश्वासनली, अंतर्वातक**

कीटों की श्वास-नलियों का सबसे भीतरी काइटिनमय आवरण।

enhancement **संवृद्धि**

जैव नियंत्रण कार्यक्रम में प्राकृतिक शत्रुओं के आयुकाल एवं जनन में वृद्धि करने की विधियां।

entomogenous **कीटवर्धित**

कीटों के शरीर के अंदर अथवा ऊपर वृद्धि करने वाले सूक्ष्मजीव।

entomology **कीटविज्ञान**

प्राणिविज्ञान की वह शाखा, जिसमें कीटों की संरचना, शारीरिक क्रिया, परिवर्धन, वर्गीकरण, नियंत्रण आदि का अध्ययन होता है।

entomopathogenic **कीटरोगजनक**

कीटों में रोग उत्पन्न करने में सक्षम जीव।

entomophagous **कीटभक्षी, कीटाहारी**

कीटों अथवा उनके अंगों का उपभोग करने वाले प्राणी अथवा पादप।

entomophagy **कीटाहार**

अन्य जीवों द्वारा कीटों का भक्षण।

entomophilic **कीट परागित**

कीटों द्वारा परागित होने वाले पादप।

entomopox virus **कीटस्फोट विषाणु, कीट-पॉक्स विषाणु**

कशेरुकियों के स्फोट-विषाणु से आकृतिक समानता रखने वाला कीट विषाणु।

environment **पर्यावरण**

बाहरी और भीतरी सभी दशाओं (तापमान, प्रकाश, भूमि, हवा, पानी, पौधे, प्राणी) का पूर्ण योग, जो जीवों के अस्तित्व, वृद्धि, परिवर्धन, सक्रियता आदि पर प्रभाव डालता है।

enzyme **प्रकिण्व/एन्जाइम**

जैव उत्प्रेरक प्रोटीन जो उपापचयी क्रियाधारों की सक्रियण ऊर्जा को कम करके इष्टतम तापमान एवं पी.एच. पर अभिक्रिया संपन्न करते हैं।

Ephemeroptera **एफीमेरॉप्टेरा (अचिरपंखी गण)**

मृदु–शरीरी कीट जिनकी शृंगिकाएं छोटी, शूकमय (setaceous), मुखांग आदंशी प्रकार के तथा अवशेषी होते हैं। पंख झिल्लीमय होते हैं जो विश्रामावस्था में ऊपर की ओर उठे रहते हैं। उदर के अंत में बहुत लंबे लूम होते हैं और प्रायः ऐसे कि पुच्छीय दीर्घण (caudal prolongation) होता है। कायांतरण अल्परूपांतरी (hemimetabolous) होता है, अर्भक जलीय और लंबे लूम तथा मध्य पुच्छतंतुक वाले होते हैं। वातक क्लोम (tracheal gill) होते हैं। उदा.मई मक्षियां (मे फ्लाई)।

epiboly **एपिबोली, अध्यारोहण**

भ्रूणोद्भव (एम्ब्रियोजेनेसिस) में एक कोरकखंड (ब्लास्टोमियर) का दूसरे के ऊपर फैल जाना, जिसके फलस्वरूप बाहरी परत बाह्यचर्म बन जाती है और भीतरी अंतश्चर्म तथा मध्यजनस्तर (मेसोडर्म) बनाती है।

epicranial suture **अधिकपाल सीवन**

कीट शिर के कपाल में अंग्रेजी के अक्षर Y के आकार की सीवन। इसमें शीर्ष की मध्य किरीटी सीवन और आनन क्षेत्र की अपसारी (divergent) ललाट सीवन सम्मिलित है।

epicuticle **अधिक्यूटिकल**

चार स्तर वाले तंत्र के अंतर्गत क्यूटिकल का सबसे बाहरी स्तर (तीन स्तर वाले तंत्र के वल्कुट स्तर के समान)।

epidermis **अधिचर्म, बाह्यत्वचा**

प्राणियों के शरीर में त्वचा की बाहरी रक्षात्मक परत, जो भ्रूण के बाह्यचर्म या अधिकोरक से बनती है (तु. hypodermis)।

epididymis **एपिडिडिमिस, अधिवृषण**

शुक्रवाहक की लंबी कुंडलित नलिकाकार संरचना। उच्चतर कशेरुकियों में यह वृषण और शुक्रवाहक के बीच स्थित होती है। स्तनियों में इसके दो भाग हो जाते हैं—कैपुट (caput) और कॉडा (cauda)।

epigenesis **अनुजनन**

एक धारणा जिसके अनुसार यह माना जाता है कि प्रत्येक पीढ़ी में भ्रूण का विकास पुनरुत्पत्ति सिद्धांत के विपरीत अविभेदित पदार्थ द्वारा नए सिरे से होता है।

epimere **एपीमियर**

कीट के शिश्नाधार का पृष्ठ प्रवर्ध।

epimeron **पश्चपार्श्वक, एपीमिरॉन**

कीटों में पार्श्वक (pleuron) का भाग, जो स्थिति में अग्रपार्श्वक (episternum) की तरह पश्च अथवा लगभग इतना ही आगे हो सकता है।

epipharynx **अधिग्रसनी**

एक मध्यपालि जो कभी–कभी ऊर्ध्वोष्ठ या मुखपालि के पश्च (या अधर) पृष्ठ पर उपस्थित रहती है।

epiphysis **अधिप्रवर्ध, एपिफिसिस**

1. कुछ हड्डियों के सिरे का भाग, जो अलग से अस्थिभवन होने के बाद मुख्य हड्डी से जुड़ जाता है; जैसे कशेरुकों तथा बाहु की हड्डियों में।

2 कभी–कभी पिनियल काय के पर्याय के रूप में प्रयुक्त।

episome **अधिकाय**

एक प्लैज़्मिड, जो स्वायत्त और स्वतः प्रतिकृतिकर अवस्था में रहता हो अथवा परपोषी के गुणसूत्रों में घुलमिल सकता हो।

epistasis **प्रबलता**

एक प्रकार की जीन-अंतरक्रिया जिसमें एक जीन दूसरे अविकल्पी जीन (जीनों) के लक्षणप्ररूप की अभिव्यक्ति नहीं होने देता।

epistomal suture **अधिमुखक सीवन**

अग्रमुखपालि सीवन, आनन (face) के आर–पार अवकपोल के अग्रसिरों को जोड़ने वाली खांच, जिससे अंदर की ओर एक मजबूत

अधिमुखक कठक बन जाता है। यह कठक प्ररूपतः सीधा, परंतु ऊपर की ओर चापित, कभी–कभी अनुपस्थित रहता है।

epithelial cell **उपकला-कोशिका**

शरीर की बाह्य एवं आंतरिक सतहों के आवरण, ग्रंथियों और संवेदांगों के भागों का निर्माण करने वाली स्तराधानित कोशिकाएँ जिनकी आसन्न झिल्लियों के बीच बंधकाय होते हैं। इनका एक पृष्ठ मुक्त तथा दूसरा आधार झिल्ली पर टिका हुआ रहता है।

epithelium **उपकला, एपिथीलियम**

किसी अंग, नली, गुहा आदि की सतह को ढकने वाला कोशिकीय ऊतक। कोशिकाओं की आकृति या संरचना के अनुसार इनके कई प्रकार होते हैं; जैसे स्तंभाकार (कॉलम्नर), घनाभ (क्यूबाइडल), शल्की (स्क्वैमस) आदि।

epizoic **अधिजान्तव**

प्राणी के शरीर पर रहने वाला अथवा उससे संलग्न रहने वाला।

epizoon **अधिजंतु**

वह प्राणी जो दूसरे प्राणी की बाहरी सतह पर रहता है। दे. ectoparasite।

epoch **युग**

पृथ्वी के कालक्रम का सबसे छोटा भूविज्ञानीय खंड। कई युग मिलकर एक कल्प बनाते हैं और कई कल्प मिलकर एक महाकल्प। उदा. पेलियोसीन, इओसीन, ओलिगोसीन, मायोसीन तथा प्लायोसीन।

equilibrium position **संतुलन स्थिति**

किसी कीट जाति का समष्टि घनत्व जो दीर्घकाल तक लगभग स्थिर बना रहकर माध्य स्तर के आस-पास घटे-बढ़े।

era **महाकल्प**

पृथ्वी के कालक्रम का सबसे बड़ा भूविज्ञानीय खंड, जिसमें कई कल्प होते हैं। पांच प्रमुख महाकल्प ये हैं: प्राग्जैविक (एजोइक),

कैम्ब्रियनपूर्व (प्रीकैम्ब्रियन), पुराजीवी (पेलियोजोइक), मध्यजीवी (मेसोजोइक) और नूतनजीवी (सीनोजोइक)।

eradicant **उन्मूलक**

ऐसा रसायन, जिसका प्रयोग पीड़क को किसी पादप या पर्यावरण स्थल से दूर करने में किया जाता है।

eradication **उन्मूलन**

किसी क्षेत्र से कीटों, खरपतवारों, रोगाणुओं या अन्य पीड़कों का पूर्णतः विलोपन।

erythrocyte **रक्ताणु**

कशेरुकिओं में चपटी बिंब-जैसी गोल कोशिकायें, जो हीमोग्लोबिन वर्णक की उपस्थिति के कारण लाल होती है। हीमोग्लोबिन की सहायता से ये शरीर के विभिन्न भागों में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं और वहां से कार्बन डाइ-ऑक्साइड ले लेती हैं। केवल स्तनियों में ये केंद्रक विहीन होती हैं।

erythropoiesis **रक्ताणु-उत्पत्ति**

अस्थि मज्जा में पूर्वगामी रक्ताभ कोशिकाओं का रक्ताणुओं में विभेदन।

escape **पलायन, बचाव**

वह घटना, जिसमें सुग्राही पादप कीट के आक्रमण से बच जाता है।

ethology **स्वाभाविकी**

प्राणियों के व्यवहार का अध्ययन; विशेषकर प्राकृतिक परिस्थितियों में प्राणियों के नैसर्गिक या सहज व्यवहार का अध्ययन।

euchromatin **यूक्रोमैटिन**

क्रोमैटिन का असंघटित आनुवंशिकता-सक्रिय क्षेत्र।

eucoiliform larva **सुकुंडलित डिंभक**

डिंभकों का ऐसा प्रकार, जिसमें तीन जोड़ी लंबे वक्षीय उपांग और पुच्छ के समान एक लंबा उद्‌वर्ध होता है। यह डिंभक डिप्टेरा कीटों का परजीवी होता है।

eugenics **सुजनिकी**

वरणात्मक प्रजनन द्वारा मानवों के आनुवंशिक विशेषकों में सुधार लाने की विधियों का अध्ययन एवं तत्सम्बंधी सिद्धान्त।

eugenics **सुजननिकी, सुजननविज्ञान**

आनुवंशिकी के आधार पर मानव की भावी पीढ़ियों को अधिक उन्नत बनाने की विधि या संकल्पना।

eukaryote(s) **सुकेंद्रकी**

जीवों (पादपों और जंतुओं) का विशाल समूह जिनकी कोशिकाओं में झिल्ली से घिरा केंद्रक होता है।

eukaryotic **सुकेंद्रकी**

ऐसी कोशिका जिसका केंद्रक एक केंद्रकीय झिल्ली द्वारा कोशिकाद्रव्य से अलग रहता है।

eustachian tube **यूस्टेकी नलिका**

स्थलीय कशेरुकियों में छोटी-पतली युग्मित नली, जो कर्णपटह गुहा को ग्रसनी से जोड़ती है। इसका कार्य कर्णपटह-झिल्ली के भीतर और बाहर हवा के दबाव को बराबर रखना है।

Eutheria **यूथीरिया**

उच्चतर जरायुज स्तनियों का एक उपवर्ग। इनके शिशु काफी परिवर्धित अवस्था में जन्म लेते हैं और इनके भ्रूणों का पोषण अपरा द्वारा होता है। उदा. गाय, भेड़, वानर, मानव आदि।

evolution **विकास**

जीवधारियों की उत्तरोत्तर (आनुक्रमिक) पीढ़ियों में होने वाला क्रमशः परिवर्तन, जिसके फलस्वरूप कालांतर में नए लक्षणों से युक्त जटिलतर जीव उत्पन्न होते रहते हैं। इसका प्रमुख आधार आनुवंशिक विभिन्नताएं हैं।

evolutionary classification **विकासीय वर्गीकरण**

वर्गीकरण की वह पद्धति, जो जातिवृत्तीय (phylogenetic) शाखाओं और प्राणियों के वर्गकों के बीच विकासीय अपसरण (divergence) के परिमाण पर आधारित होती है।

exarate adecticous pupa — **अबद्ध अक्रियचिबुक कोशित**

ऐसा कोशित, जिसके उपांगों का शरीर के साथ किसी प्रकार का गौण संबंध नहीं होता। ऐसे कोशित साइफोनेप्टेरा, स्ट्रेप्सिप्टेरा और अधिकांश कोलिओप्टेरा तथा हाइमेनोप्टेरा आदि में पाए जाते हैं।

excretion — **उत्सर्जन**

कोशिकाओं, ऊतकों या अंगों से उपापचय के परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादों से मुक्त होने की विधि।

excretory system — **उत्सर्जन तंत्र**

उन सभी संरचनाओं और अंगों का समुच्चय जो शरीर से वर्ज्य पदार्थ को बाहर निकालने में योगदान करते हैं।

excurrent — **बहिर्वाही**

ऐसी वाहिनी या नलिका के लिए प्रयुक्त, जिसमें होकर कोई द्रव बाहर की ओर जाता है; जैसे स्पंजों में वे नलिकाएं जिनके द्वारा पानी स्पंज गुहा अथवा प्रास्य (ऑस्कुलम) की तरफ जाता है। तु incurrent अंतर्वाही।

exergonic reaction — **ऊर्जाक्षेपी अभिक्रिया**

ऊर्जा मोचन करने वाली अभिक्रिया। इसे ऋणात्मक रूप में व्यक्त किया जाता है।

exoccipital — **पार्श्वअनुकपाल, एक्सऑक्सीपिटल**

कशेरुकियों में महारंध्र के दोनों तरफ स्थित करोटि के पश्च भाग की हड्डी। स्तनियों में इन हड्डियों में कंद रूपी उभार होते हैं जो शीर्षधर (ऐटलस) कशेरुक के गर्त से लगे रहते हैं। इस तरह की संधि के द्वारा सिर को इधर–उधर घुमाया-फिराया जा सकता है।

exocrine — **बहिःस्रावी**

ऐसी ग्रंथियों के लिए प्रयुक्त जिनका स्राव वाहिनी में होकर जाता है। विप. endocrine अंतःस्रावी।

exocuticle — **एक्सोक्यूटिकल**

चार स्तर वाले तंत्र के अंतर्गत दूसरा क्यूटिकली स्तर।

exocytosis **बहिःकोशिकता**

ऐसा प्रक्रम जिसमें झिल्ली से परिबद्ध आशय कोशिका-झिल्ली से समेकित होकर अंतः कोशिकीय पदार्थों को कोशिका से बाहर निकाल देते हैं।

exogenous **बहिर्जात**

उत्पादक संरचना के बाहर पैदा होने वांला।

exopodite **बहिःपादांश**

क्रस्टेशिया में दूर पादांश की बहिःपालि (शाखा खंड की बाहरी पालि), जो प्रायः अत्यधिक परिवर्धित होती है।

Exopterygota **एक्सोप्टेरीगोटा**

कीटों का एक प्रभाग, जिसके सदस्यों में साधारण अथवा अल्प कायांतरण होता है। इनमें पंख बाहर से परिवर्धित होते हैं और तरुण अवस्था में ये कीट अर्भक (nymph) कहलाते हैं जो प्रौढ़ों के समान होते हें।

exoskeleton **बहिःकंकाल**

शरीर की बाहरी सतह पर स्थित दृढ़ संरचनाएं जो अन्य अंगों को सुरक्षा प्रदान करती हैं; जैसे आर्थ्रोपोडा की त्वचा पर मोटी क्यूटिकल, मोलस्कों में कवच, पक्षियों में पर, स्तनियों में बाल, खुर, नाखून आदि।

exothermic process **ऊष्माक्षेपी प्रक्रम**

ऐसा प्रक्रम जिसके दौरान ऊर्जा ऊष्मा के रूप में बाहर निकलती है। तु. endothermic process.

exotic **विदेशी**

विदेश से प्रविष्ट हुई किसी जीव अथवा कीट की किस्म या जाति।

expiration **निःश्वसन**

श्वसन-अंगों यानी फुप्फुस से वायु का बाहर निकलना।

extensor muscle **प्रसारिणी पेशी**

शरीर के किसी अंग या भाग को फैलाने या तानने वाली पेशी। विप. flexor आकोचनी।

exteroceptor **बाह्यग्राही, एक्स्टेरोसेप्टर**

शरीर के बाहर के उद्दीपनों (प्रकाश, ध्वनि, गंध आदि) को ग्रहण करने वाली संवेदी संरचना।

extracellular matrix **कोशिकाबाह्य आधात्री**

कुछ ऊतकों में कोशिकाओं को घेरे रहने वाले प्रोटीनों और ग्लाइकोप्रोटीनों की अकोशिकीय आधात्री। यह विस्तृत हो सकती है, जैसे उपास्थि और संयोजी ऊतक में, तथा कैल्सीभूत हो सकती है, जैसे अस्थि आदि में।

extracellular **कोशिकाबाह्य**

कोशिका के बाहर रहने का।

extracellular digestion **कोशिकाबाह्य पाचन**
जीव में कोशिकाओं के बाहर आहार-नाल या उसी तरह की गुहा में होने वाली पाचन क्रिया। उदा.– स्पंज के अतिरिक्त सभी बहुकोशिक प्राणियों में पाचन।

extrachromosomal DNA **गुणसूत्रबाह्य डी.एन.ए(कोशिकाद्रव्यी डी.एन.ए.)**
केंद्रक के अतिरिक्त कोशिका अंगकों अर्थात् सूत्रकणिका, हरितलवक आदि में पाया जाने वाला डी.एन.ए.।

extrachromosomal genetic element **गुणसूत्रबाह्य आनुवंशिक तत्व**
गुणसूत्र के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर के आनुवंशिक कारक जैसे प्लाज़्मिड जो जीवाणु कोशिका के कोशिकाद्रव्य में स्वतः प्रतिकृति बनाता है।

extranuclear genes **केंद्रकबाह्य जीन**

केंद्रक के अतिरिक्त कोशिका अंगकों में पाए जाने वाले जीन।

exuviae **निर्मोक**

निर्मोचन के दौरान अलग हुई त्वचा, क्यूटिकल, आदि।

eye piece micrometer (ocular micrometer)

नेत्रिका सूक्ष्ममापी

सूक्ष्मदर्शी की नेत्रिका में एक रैखिक मापक।

eye spot

दृक् बिंदु

कुछ प्रोटोजोआ प्राणियों में प्रकाशग्राही वर्णक का एक छोटा स्थल या अंगक; जैसे यूग्लीना में।

F

F_2 (second filial generation)

F_2, एफ$_2$ (द्वितीय संतानीय पीढ़ी)
F_1, एफ$_1$ जीवों के स्वनिषेचन अथवा उनके परस्पर प्रसंकरण से प्राप्त पीढ़ी।

facet

फलक

1. संधि के लिए चिकनी, चपटी या गोल सतह अथवा तल; जैसे हड्डी का संधि तल
2. संयुक्त नेत्र में स्वच्छमंडल (कॉर्निया) के सूक्ष्मखंड जो नेत्रांशक के बाहरी सिरे पर स्थित होते हैं।

facial nerve

आनन-तंत्रिका

कशेरुकियों में मेड्युला ऑब्लांगेटा से निकलने वाली सातवीं कपाल तंत्रिका, जिसकी शाखाएं चेहरे, मुख, तालु आदि अंगों में जाती हैं।

facial

आननी

चेहरे में स्थित या उससे संबद्ध किसी अंग या संरचना के लिए प्रयुक्त; जैसे आनन धमनी या तंत्रिका।

facultative animal parasite

विकल्पी प्राणि-परजीवी
प्राणि-परजीवी सूत्रकृमि जो प्राणि-परपोषी के बिना भी अपने जीवन–चक्र को बनाए रखता है।

facultative meiotic parthenogenesis

वैकल्पिक अर्धसूत्री अनिषेकजनन
जनन का वह प्रकार जिसमें द्वितीय ध्रुवीय केंद्रक तथा अंड प्राक्केंद्रक के संलयन से न्यूनीकृत अंडकों में द्विगुणित गुणसूत्रीय पूरक पुनः स्थापित हो जाता है।

facultative plant parasite

विकल्पी पादप परजीवी
ऐसी जीव-जातियाँ जो कुछ विशेष परिस्थितियों में पादपों या कवकों पर अशन तथा जनन करने की क्षमता रखती हैं।

facultative **विकल्पी, वैकल्पिक**

विभिन्न परिस्थितियों में रह सकने तथा विषम स्थितियों में अपने को अनुकूलित करने की क्षमता वाला, विशेष रूप से ऐसे प्राणियों के लिए प्रयुक्त जो आमतौर पर स्वतंत्र रूप से रहते हैं किंतु परजीवी या अर्धपरजीवी जीवन भी व्यतीत कर सकते हैं; जैसे कुछ सहजीवी, अनॉक्सीजीवी आदि। विप obligate अविकल्पी।

FAD (flavin adenine dinucleotide) **एफ.ए.डी.(फ्लेविन ऐडेनीन डाइन्यूक्लिओटाइड)**
उपचयी-अपचयी सह-एन्जाइम जो राइबोफ्लेविन फास्फेट के ऐडेनिलिक अम्ल के साथ संघनन होने से बनाता है।

Fallopian tube **डिंबवाहिनी नली, फैलोपिअस-नलिका**

स्तनियों में अंडवाहिनी, जिसका ऊपरी सिरा कीप-जैसा फैला होता है और निचला सिरा गर्भाशय में खुलता है। अंडाणु इसमें होकर अंडाशय से निकलकर गर्भाशय में जाता है। निषेचन की क्रिया इसी भाग में होती है।

family **कुल, फ़ैमिली**

प्राणियों के वर्गीकरण में प्रयुक्त समूहवाची संकल्पना या इकाई, जो गण (ऑर्डर) का उपविभाग होती है और जिसमें एक या अधिक वंश (जीनस) होते हैं। उदा. मानव का होमोनिडी कुल।

fang **विषदंत**

विषग्रंथि से जुड़े लंबे नोकीले दांत, जो अन्य प्राणियों को काटने, शिकार पकड़ने या चीरने-फाड़ने के साथ-साथ उनके शरीर में विष पहुंचाते हैं; विशेष रूप से विषैले सांपों में ऊपरी जबड़े के लंबे, खोखले या खांचदार दांत।

fat body **वसा-पिंडक**

1. उभचरों में वृक्क तथा वृषण के अग्र सिरे से जुड़े हुए पालियुक्त पीले पिंड, जिनमें वसा भरी रहती है। शीतकाल या शीतनिष्क्रिय अवस्था में इनसे प्राणी को पोषण मिलता है।

2. कीटों में वसा-ऊतक का पिंड, जो देहगुहा के अधिकांश भाग में फैला रहता है। वसा के अतिरिक्त इसमें प्रोटीन तथा

ग्लाइकोजन भी होते हैं जिनका उपयोग शीतनिष्क्रिय अवस्था या भोजन की कमी के समय किया जाता है।

fatty acid — **वसीय अम्ल**

कार्बनिक एलिफैटिक अम्ल जिसमें प्रायः सीधी शृंखलाएँ और समसंख्यक कार्बन अणु होते हैं। ये वसाओं और तेलों में पाए जाते हैं।

fauna — **प्राणिजात**

किसी विशिष्ट काल, क्षेत्र या आवास में पाए जाने वाले प्राणियों या प्राणि-जातियों का सामूहिक नाम; जैसे मीसोजोइक प्राणिजात, समुद्री प्राणिजात, हिमालयी प्राणिजात आदि।

Fc fragment — **एफसी.-क्रिस्टलनीय खंड (एफ.सी. खंड)**

पपीते से प्राप्त प्रकिण्व द्वारा अपघटित इम्यूनोग्लोबुलिन अणु की दो भारी शृंखलाओं के अपरिवर्ती प्रक्षेत्र जो क्रिस्टलित किए जा सकते हैं। इस खंड में प्रतिजनों के लिए बंधन स्थल नहीं होते; किंतु इसके द्वारा कोशिका पर प्रतिरक्षी ग्राही को जोड़ने वाले पूरक प्रोटीन संलग्न होते हैं।

feather — **पिच्छ, पर**

पक्षियों के शरीर को बाहर से ढकने वाली अधिचर्मी संरचनाएं, जो पंखों की अधिकांश सतह को भी ढके रहती हैं।

fecundity — **बहुप्रजता, जननक्षमता**

बार-बार संतानोत्पत्ति अथवा निषेचन की क्षमता। यह शब्द सामान्यतया अंडों की संख्या के संदर्भ में प्रयोग होता है।

feed-back inhibition — **पुनर्भरण संदमन**

जैव संश्लेषण पथ के अंत्य उत्पाद द्वारा उसके प्रारंभिक प्रकिण्व का संदमन।

feeding mechanism — **अशन क्रियाविधि**

भोजन ग्रहण करने का ऐसा प्रक्रम, जिसमें खोजना, छेद करना, लार निकालना (लालास्रवण) तथा अंतर्ग्रहण शामिल है।

femur **ऊर्विका, फीमर**

1. जांघ की हड्डी अथवा कशेरुकियों के पश्च पाद की समीपस्थ (proximal) हड्डी।

2. कीटों की टांग में समीपस्थ सिरे से तीसरा खंड, जो शिखरक (ट्रोकेन्टर) और अंतर्जंघिका (टिबिया) के बीच स्थित होता है।

fenestra **गवाक्ष**

किसी हड्डी या उपास्थि में स्थित या दो हड्डियों के बीच का छिद्र; जैसे मध्यकर्ण और कर्णावर्त (कॉक्लिआ) के बीच अंडाकार गवाक्ष (फेनेस्ट्रा ओवेलिस)।

fermentation **किण्वन**

ऊर्जा उपलब्ध कराने वाली अवायवीय क्रिया। इसमें क्रियाधार के उत्पाद अंत्य इलेक्ट्रॉन-ग्राही के रूप में काम करते हैं। ये उत्पाद क्रियाधार की अपेक्षा न तो अधिक ऑक्सीकृत होते हैं ओर न अपचित। उदा. ऐल्कोहॉलीय पेय बनाने में अवायवीय दशा में यीस्ट द्वारा शर्करा का कार्बन ऑक्साइड और ईथेनोल के रुप में बदलना।

fertilization **निषेचन**

लैंगिक रूप से विभेदित दो युग्मकों का संलयन जिसके फलस्वरूप युग्मज बनता है।

fibrin **फाइब्रिन**

सफेद अघुलनशील तंतुमय प्रोटीन, जो थ्रॉम्बिन की क्रिया द्वारा फाइब्रेनोजेन से बनता है और स्कंदन के बाद रुधिर (थक्के) में पाया जाता है।

fibula **बहिर्जंघिका, फिबुला**

चतुष्पाद कशेरुकियों में पश्चपाद के निचले भाग की दो हड्डियों में से अक्षपश्चीय हड्डी। यह टिबिया की अपेक्षा पतली और उससे आंशिक या पूर्ण रूप से जुड़ी रहती है।

filial generation **संतानीय पीढ़ी, फीलियल जेनेरेशन**

संकरण द्वारा प्रजनन की क्रिया में प्रारंभिक जनक पीढ़ी के बाद की पीढ़ियां, जिन्हें क्रमशः प्रथम संतानीय प्रीढ़ी, द्वितीय संतानीय पीढ़ी, आदि कहते हैं।

filiform **तंतुरूप**

तंतु के समान संरचना।

filopodium **तंतुपाद**

कुछ कोशिकाओं की सतह पर पाई जाने वाली लंबे-तंतु की शलाका जिसमें ऐक्टिन तंतु होते हैं।

fin **पख, वाज**

जलीय कशेरुकियों, विशेषतः मछलियों में त्वचा के झिल्लीमय प्रवर्ध जो तैरने, दिशा-परिवर्तन करने या संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। इन युग्मित या अयुग्मित अंगों में कई कंकालीय संरचनाएं होती हैं जिन्हें अर (ray) कहते हैं।

fishery (fisheries) **मात्स्यिकी**

मछली तथा कुछ अन्य उपयोगी जलीय जंतुओं को पालने पकड़ने का काम, प्रक्रिया या व्यवसाय।

fission **विखंडन**

कोशिका के स्वतः विभाजन से नए प्राणी या नई कोशिकाओं का बनना। प्रोटोज़ोआ प्राणियों में जनन की यही सामान्य प्रक्रिया है।

fixative **स्थायीकर**

जीवों के परिरक्षण और मरणोत्तर परिवर्तनों को रोकने के काम आने वाला रसायन।

Flagellata (Mastigophora) **फ्लेजेलेटा (मैस्टिगोफोरा)**

प्रोटोज़ोआ संघ के ऐसे प्राणियों का एक वर्ग, जिनमें चलन अंगक के रूप में एक या कई कशाभ होते हैं।

flame cell — **ज्वाला कोशिका**

कई कृमियों के उत्सर्जन तंत्र में विशिष्ट कोशिकाएं, जिनके पक्ष्माभों (या कशाभों) द्वारा उत्पन्न गति से दीपक की लौ का आभास होता है।

flatworm — **चपटाकृमि**

बिना देहागुहा के, द्विपार्श्व सममिति वाले अकशेरुकी प्राणी, जिनमें जटिल उभयलिंगी जननांग होते हैं। इनके तीन वर्ग होते हैं – टर्बीलेरिया, ट्रिमैटोडा और सेस्टोडा। उदा. यकृत पर्णाभ (फैशिओला), फीताकृमि (टीनिया) आदि।

flexor — **आकोचनी**

उन पेशियों के लिए प्रयुक्त, जो किसी भुजा या पाद को शरीर की ओर मोड़ती हैं; जैसे भुजा की द्विशिरस्क पेशी (बाइसेप्स पेशी)।

fly — **मक्खी, मक्षी**

केवल एक जोड़ी पंख वाले डिप्टेरा गण के कीटों का सामान्य नाम। अग्र पारदर्शी पंख, स्पंजी मुखांग और संतोलक के रूप में पिछले रूपांतरित पंख इनके प्रमुख लक्षण हैं।

foetus — **गर्भ**

स्तनियों के गर्भाशय में भ्रूण की वह अवस्था, जब प्राणी के मुख्य लक्षण पहचाने जा सकते हैं।

follicle cell — **पुटक कोशिका**

अंडाशयी अंड नलिका की आंतरिक उपकला कोशिकाएं।

follicle — **1. गर्त, कूप 2. पुटक**

1. पक्षियों, स्तनियों आदि की त्वचा में एक गर्त या गड्ढा, जिसके आधार पर सक्रिय कोशिकाओं का समूह या पैपिला होता है और जहां से रोम, पिच्छ आदि निकलते हैं।

2. स्तनधारियों के अंडाशय में कोशिकाओं का छोटा पुंज या समूह, जिसमें परिपक्व होता हुआ अंडाणु रहता है।

fontanelle **कलांतराल**

किसी हड्डी या दो हड्डियों के बीच झिल्ली से ढका रहने वाला छिद्र। उदा. मानव के नवजात शिशु के कपाल में ललाटिका (फ्रॉण्टल) और भित्तिकास्थि (पैराइटल) के बीच का छिद्र।

food chain **आहार शृंखला**

किसी भी प्राकृतिक समुदाय में पाया जाने वाला जीवधारियों का क्रम, जिसके माध्यम से ऊर्जा का स्थानांतरण होता है। पौधों से शुरू होने वाले इस क्रम में प्रत्येक जीव अपने से पहले वाले जीव पर भोजन या ऊर्जा के लिए निर्भर होता है।

food vacuole **खाद्यधानी**

जीवद्रव्य में खाद्य कण के चारों ओर बना तरलयुक्त अस्थायी अवकाश, जिसमें पाचन-क्रिया होती है; जैसे अमीबा में।

food web **खाद्य जाल**

किसी पारितंत्र में परस्पर संयोजित विभिन्न समष्टियों को एक दूसरे के साथ जोड़ने वाली खाद्य शृंखलाओं के शाखन या संयोजन का एक कॉम्पलेक्स।

foot **पद, पाद**

1. अकशेरुकियों में चलने, तैरने, या किसी स्थान पर लगने या चिपकने वाला अंग; जैसे क्रस्टेशिया के अनुबंध, मोलस्क प्राणियों के पाद।

2. कशेरुकियों में टांग का अंतिम भाग, जिस पर प्राणी खड़ा होता है। मानव में गुल्फ के नीचे की सारी संरचना पाद कहलाती है। परन्तु अंगुलिचारी प्राणियों में पाद एक या अधिक अंगुलियों के अग्रांत भाग से बनता है।

foramen magnum **महारंध्र**

कशेरुकी करोटि के पिछले सिरे पर स्थित बड़ा छिद्र, जिससे होकर मेरुरज्जु निकलती है।

foramen **रंध्र, फोरामेन**

छोटा छिद्र, विशेष रूप से काइटिनी, उपास्थिल या अस्थिल संरचना में। उदा. दृक् तंत्रिका रंध्र।

fore limb **अग्रपाद**

चतुष्पादों की अगली टांग या बाहु, जिसका आदि रूप मछलियों में अंस पख (pectoral fin) है किंतु पक्षियों में जो पंख (पक्ष) में रूपांतरित हो गया है।

forearm **प्रकोष्ठ**

प्राइमेट स्तनियों में बाहु या अग्रपाद का भाग, जो कोहनी और कलाई (मणिबंध) के बीच स्थित होता है।

forebrain **अग्रमस्तिष्क**

मस्तिष्क के तीन मुख्य भागों में से अग्र भाग, जो कशेरुकियों में घ्राण पालि, प्रमस्तिष्क गोलार्ध और अग्रमस्तिष्कपश्च (डाइएनसेफैलॉन) से बनता है।

foregut **अग्रांत्र**

(दे. mesenteron)

forensic entomology **विधि कीटविज्ञान**

कीटविज्ञान की वह शाखा जिसमें कानूनी विषयों के लिए, विशेषकर न्यायालय में, कीटों और अन्य संधिपादों के अध्ययन का अनुप्रयोग होता है। विधि कीटविज्ञान की तीन श्रेणियों हैं: शहरी, संगृहीत उत्पाद और चिकित्सा-विधि।

formulation **1. संरूपण 2. संरूप**

वह पीड़कनाशी उत्पाद, जो सक्रिय संघटक, वाहक और अन्य योगजों के मिश्रण में बिक्री या उपयोग के लिए तैयार किया जाता है।

fossorial legs **खनन पाद**

कुछ कीटों जैसे कि मोल-क्रिकेट (झींगुर) तथा कृंतकों जैसे कि छछूंदर आदि के कठकीकृत नखरयुक्त अग्रपाद, जो खोदने का कार्य करते हैं।

free martin — **फ्री मार्टिन**

गाय वर्ग के जुड़वाँ वत्सों में ऐसी बंध्य मादा जिसकी अपरा गर्भाशय में ही नर वत्स की अपरा से जुड़ी होती है। इस संलयन के कारण नर भ्रूण का हार्मोन मादा भ्रूण में पहुंच कर उसे प्रभावित कर देता है।

frons — **फ्रॉन्स**

ललाट सीवन और अधिमुखक-सीवन का मध्यवर्ती क्षेत्र या सीवनों के न होने पर उसके समतुल्य क्षेत्रों के बीच स्थित कपाल का आननी क्षेत्र, जिसमें मध्य नेत्रक होते हैं और जो ऊर्ध्वोष्ठ पेशियों के उत्पत्ति स्थल हैं।

frontal bone — **ललाटिका**

कशेरुकियों में मस्तिष्क के अग्रभाग को ढकने वाली चर्मीय अस्थि।

frugivorous — **फलभक्षी**

मुख्य रूप से फल खाने वाले प्राणियों के लिए प्रयुक्त; जैसे कुछ चमगादड़।

fruit fly — **फलमक्खी**

डिप्टेरा गण के कुलों–ट्राइपेटिडी और ड्रोसोफिलिडी के अंतर्गत आने वाली मक्खियां जिनके डिंभक फलों को ग्रस्त करते हैं।

function — **प्रकार्य**

जीव के किसी अंग या भाग का विशिष्ट काम या विशिष्ट क्रिया।

fundatrices — **मूलप्रसू**

एक शिशरातिजीवी (over wintering) निषेचित अंडे द्वारा प्राथमिक परपोषी पादप पर उत्पन्न जरायुज अनिषेकजननीय मादा ऐफिड।

furca — **द्विशिख**

शरीर के विविध भागों या अंगों में स्थित चिमटाकार अथवा द्विशाखीय संरचना। उदाहरण–पुच्छीद्विशिख, ओष्ठक द्विशिख आदि।

fusiform **तर्कुरूप, तकुआनुमा**

तकुआ के समान संरचना, जो मध्यभाग से दोनों सिरों की ओर क्रमशः पतली होती है।

fusion protein **संलयन प्रोटीन**

वह प्रोटीन जो परपोषी कोशिकाओं, विषाणु आवरण और परपोषी प्लैज़्मा झिल्ली के बीच संलयन को प्रेरित करती है।

fusion **संलयन**

दो कोशिकाओं, अंगों अथवा हड्डियों आदि का मिलकर एक हो जाना; जैसे नर और मादा कोशिकाओं या युग्मकों का समेकन, मेंढ़क में टिबिया फिबुला का जुड़कर एक हो जाना और पक्षियों में गुल्फ (टार्सस) तथा प्रपद (मेटाटार्सस) का जुड़कर गुल्फ-प्रपदिका (टार्सोमेटाटार्सस) बन जाना।

G

galea **गैलिया**

जंभिका की बाहरी एन्डाइट पालि, जिसमें स्टाइपीज से निकलने वाली मांसपेशी भी है।

gall **पिटिका**

वरूथियों (mites), कीटों, जीवाणुओं, सूत्रकृमियों, विषाणुओं, कवकों या रसायनों द्वारा उत्पन्न पादप ऊतक में वृद्धि या पिंडक (lump) या सूजन। अनेक मिज मक्खियां पिटिका उत्पन्न करती हैं।

game **आखेट**

ऐसे प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जिनको शिकारी शौक के लिए पकड़ने या मारने की कोशिश करते हैं।

gamete **युग्मक**

अगुणित गुणसूत्र संख्या वाली परिपक्व प्रजनन कोशिका जो अपने समान किंतु विपरीत लिंग वाली अन्य कोशिका के साथ संलयित होकर युग्मज बनाती है जैसे, अंडाणु तथा शुक्राणु आदि।

gametocyte **युग्मकजनक**

युग्मक उत्पन्न करने वाली कोशिका।

gametophyte **युग्मकोद्भिद्**

पौधों में पीढ़ी-एकान्तरण में अगुणित युग्मक बनाने वाली प्रावस्था।

gamma taxonomy **गामा वर्गिकी**

टैक्सा के विभिन्न जैव पक्षों से संबंधित वर्गिकी का वह स्तर, जिसके अंतर्गत अंतराजातीय समष्टि से लेकर जाति-उद्भवन तक की विकासात्मक दरों तथा प्रवृत्तियों का अध्ययन किया जाता है।

gammaglobulin **गामा ग्लोबुलिन**

सिस-ग्लोबुलिन का एक प्रभाग जिसमें प्रतिपिंड अधिक संख्या में होते हैं।

ganglion **गुच्छिका, गैंग्लिऑन**

तंत्रिका केंद्र अर्थात् तंत्रिकीय कोशिका पिंडों का सघन पुंज, जिससे तंत्रिका-रेशे निकलते हैं।

gap **अंतराल**

द्विक डी.एन.ए. की एक लड़ में एक या अधिक न्यूक्लीओटाइडों का न होना।

gastrodermis **जठरचर्म, गैस्ट्रोडर्मिस**

आंत्रगुहा का आस्तर बनाने वाला ऊतक, जो पाचन तथा अवशोषण संबंधी कार्य करता है।

Gastropoda **गैस्ट्रोपोडा**

असममित मोलस्क प्राणियों का एक वर्ग जिसमें शंख, घोंघा, स्लग आदि आते हैं। सुपरिवर्धित सिर में आंखें तथा स्पर्शक, चपटा पाद, अविभाजित प्रावार और पूरे शरीर को घेरने वाला एक-कपाटीय कवच इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

gastrula **गैस्ट्रुला, कंदुक**

भ्रूण के परिवर्धन में द्विभित्तीय संरचना, जो प्रायः ब्लैस्टुला (कोरक) के अंतर्वलन से बनती है और इसमें तीन प्राथमिक जनन स्तर (बाह्य जननस्तर, मध्यजनस्तर और अंतर्जनस्तर) स्पष्ट हो जाते हैं। यह ब्लैस्टुला और न्यूरुला के बीच की अवस्था है और इसमें आद्यांगिक आंत्र तो बन जाती है किंतु और कोई तंत्र नहीं होता।

gastrulation **गैस्ट्रुलाभवन, कंदुकन**

भ्रूण के परिवर्धन में कोरक (ब्लैस्टुला) से कंदुक का बनना।

gelatinous matrix **श्लेषी आधात्री**

सूत्रकृमियों की कुछ मादाओं द्वारा स्रावित श्लेष्मक पदार्थ, जिसमें वे अंडे देती हैं।

gemmule — **जेम्यूल, मुकुलक**

कुछ स्पंजों के शरीर में बनने वाले अलैंगिक, प्रतिरोधी जनन पिंड। इनमें संरक्षी आवरण के भीतर अविभेदित कोशिकाओं का एक समूह होता है जो जनक से पृथक् होने या उसके नष्ट होने पर नया स्पंज बनाता है; जैसे स्पंजिला में।

genae — **कपोल**

सामान्यतः नेत्रों के पीछे तथा निचले क्षेत्र अर्थात् भित्तिकास्थियों के पार्श्व भाग।

gene bank (gene library) — **जीन बैंक (जीन संग्रह)**

किसी जीव के डी.एन.ए. को विविक्त/पृथक् प्रतिबंधन एन्जाइम-जनित खंडों के रूप में हजारों विभिन्न प्लैस्मिड, लैम्डा अथवा कॉस्मिड संवाहकों (वेक्टरों) में निवेशित करके बनाया गया बैंक। अधिकांश संग्रह *ई. कोलाई* परपोषी में बनाए और संचित किए जाते हैं।

gene cloning — **जीन क्लोनन**

किसी जीव के संजीन से व्यष्टि जीन अनुक्रम को अलग करने तथा उन्हें किसी सूक्ष्म जीव के प्लैज्मिड में निवेशित करके उनकी संख्या बढाने की तकनीक जिससे उनकी संख्या पुनर्योजी डी.एन.ए. में असाधारण रूप से बढ़ सके।

gene family — **जीन कुल**

संबंधित एक्सॉन (प्रखंड) वाले जीनों का वह समुच्चय जिसके सदस्य किसी पूर्वज जीन के द्विगुणन और विभेदन के फलस्वरूप उत्पन्न हुए हों।

gene flow — **जीन प्रवाह**

किसी समष्टि में अंतःप्रजनन द्वारा जीनों का व्यापक वितरण, जिसके फलस्वरूप उत्परिवर्ती (म्यूटेन्ट) जीन या तो स्थापित हो जाता है या फिर लुप्त हो जाता है।

gene for gene hypothesis — **जीन-प्रति जीन परिकल्पना**

परपोषी में प्रतिरोधी जीन (आर.जीन) और परजीवी में उग्रजीन (वी. जीन) के बीच तालमेल बैठाने की संकल्पना।

gene frequency **जीन आवृत्ति**

किसी समष्टि (population) में किसी एक जीन का उसके सभी विकल्पी जीनों की तुलना में अनुपात।

gene gun **जीन गन**

वह साधन जिसके द्वारा आनुवंशिक पदार्थ को सूक्ष्म प्रक्षेपकों पर आरोपित करके कोशिकाओं में प्रवेश कराया जाता है।

gene library **जीन संग्रह**

उन क्लोनित डी.एन.ए. खंडों का संचय जो एकल संजीन के सभी अनुक्रमों का निरूपण करते हैं।

gene mapping **जीन मानचित्रण**

विशेष गुणसूत्रों और गुणसूत्र प्रक्षेत्रों पर विशिष्ट जीनों का सापेक्ष स्थान निर्धारण करने की विधि। इसमें सहलग्नी विश्लेषण, कायिक कोशिका संकरण और *स्वस्थाने* संकरण आदि शामिल हैं।

gene mutation **जीन उत्परिवर्तन**

जीन की अणु संरचना में पुनर्गठन के कारण होने वाला सहसा परिवर्तन।

gene **जीन**

आनुवंशिक इकाई अथवा डी.एन.ए. का वह खंड जो पॉलिपेप्टाइड का कूटन करता है।

genetic code **आनुवंशिक कूट**

तिहरे क्षारक अनुक्रम में लिखी डी.एन.ए. की भाषा जिसे एम आर. एन.ए. में लिप्यंतरित कर पढ़ा जा सकता है तथा स्थानांतरण के दौरान निर्मित पॉलीपेप्टाइडों के रूप में व्यक्त किया जाता है।

genetic control **आनुवंशिक नियंत्रण**

पीड़क नियंत्रण की एक विधि, जिसमें लक्ष्य जाति के गुणसूत्री विपथन या अन्य आनुवंशिकी अपसामान्यताओं वाले सामान्य मैथुनक्षम चुने हुए प्रभेदों (strains) का उपयोग किया जाता है। ये

प्रभेद लक्ष्य समष्टि में मोचित किए जाने पर, वन्य (प्रसामान्य) कीटों के साथ मैथुन करके बंध्य या अल्प जीवनक्षम संतति पैदा करते हैं।

genetic drift **आनुवंशिक विचलन**

परिमित समष्टि में प्रतिचयन त्रुटि के कारण जीन आवृत्ति में परिवर्तन जिसके परिणामस्वरूप युग्म विकल्पियों का अपहरण होता है।

genetic engineering **आनुवंशिक अभियांत्रिकी**

जीनों के नए संयोजनों अथवा अनुक्रमों की रचना के उद्देश्य से किया जाने वाले हेर-फेर, जो डी.एन.ए. अणुओं में किये जाते हैं।

genetic map **आनुवंशिक चित्रण**

गुणसूत्र में स्थित जीनों के रैखिक विन्यास का आलेखी चित्रण।

genetic **1. आनुवंशिक 2. जीनीय**

1. आनुवंशिकी का अथवा उससे संबद्ध।

2. जीन का, उससे उत्पन्न अथवा उससे संबद्ध।

genetic recombination **आनुवंशिक पुनर्योजन**
लैंगिक जनन करने वाले जीवों में ऐसा प्रक्रम जिसमें युग्मक-निर्माण के दौरान अर्धसूत्रण में विनिमय तथा गुणसूत्र युग्मन द्वारा समजात गुणसूत्रों के बीच डी.एन.ए. का परस्पर विनिमय होता है। इससे बनने वाले युग्मकों में एक ही गुणसूत्र पर नर और मादा दोनों की जीन होती हैं।

genetics **आनुवंशिक विज्ञान, आनुवंशिकी**

जीवविज्ञान की वह शाखा जिसमें जीवों की वंशागति और विभिन्नता का अध्ययन किया जाता है।

genital chamber **जनन-कक्ष**

नवें और दसवें उदरीय खंडों के बीच विद्यमान कंजेक्टिवीय झिल्ली का अधरीय अंतर्वलन जिसमें शिश्नीय अंग रहते हैं। मादा में, आठवीं उदरीय उरोस्थि (स्टर्नम) के पीछे या ऊपर मैथुनी अंतर्वलन गुहिका होती है जिसमें जननांग-रंध्र और शुक्रवाहिका का छिद्र होता है।

इसके संकरा होने से कभी-कभी योनि थैलीनुमा या नलिकाकार हो जाती है।

genital papillae **जनन-पिप्पल**

नर के पुच्छ पर स्थित संवेदी अंग जो मैथुन के काम में लाए जाते हैं।

genital ridge **जननांग-कटक**

भ्रूणीय जनद आद्यांगों में से एक कठक मध्यजनस्तरीय भित्ति में बने स्प्लैंक्नोप्लूर कठक जैसे उभार, जिसमें जनन कोशिकाएं होती हैं।

genital segment **जनन खंड**

नर–उदर के नवें खंड को विशेष रूप से जनन खंड कहते हैं यद्यपि जनन पुंज (जनन खंड) में नवें खंड के साथ अन्य खंड भी संबद्ध रहते हैं।

genitalia **जननेंद्रिय**

सामान्य रूप से जननांगों को, विशेषतः बाह्य जननांगों को, ही जननेंद्रिय कहते हैं।

genome **संजीन**

आनुवंशिक पदार्थों (जीनों) का पूर्ण समुच्चय।

genotype **जीनप्ररूप**

जीन की आनुवंशिक रचना जो पर्यावरणीय कारकों के साथ मिल कर लक्षण प्ररूप का निर्धारण करती है।

genotypic variance **जीनप्ररूपी विचलन**

लक्षणप्ररूपी प्रसरण का वह भाग, जो व्यष्टियों के जीनप्ररूप के कारण होता है।

genus novum **जीनस नोवम**

नव प्रस्तावित वंश के प्रारंभिक अनुप्रयोग के समय दिया जाने वाला नाम।

genus — **जीनस, वंश**

समान लक्षणों वाले जीवधारियों का विशिष्ट समूह या वर्गक (taxon), जिसमें प्रायः कई जातियां (स्पीशीज) होती हैं। द्विपद नामावली में पहला नाम जीनस का होता है जो रोमन लिपि में बड़े अक्षर से शुरू होता है। उदा. मेंढक के वंश का नाम राना (Rana) और मानव के वंश का नाम होमो (Homo) है।

geographic isolates — **भौगोलिक पृथकंश**

भौगोलिक अवरोधों के कारण अलग हुए जीनों की समष्टि।

geological distribution — **भूवैज्ञानिक वितरण**

पृथ्वी के इतिहास में विभिन्न काल व युगों में विविध प्रकार के प्राणी और पौधों की उपस्थिति।

germ band — **जनन पट्टी**

कोरकचर्म के अधर की ओर स्थित स्थूलीकृत कोशिकओं का क्षेत्र, जो भ्रूण बन जाता है। यह भ्रूणीय आद्यक के विभेदन तथा वृद्धि से बनता है।

germ cell — **जनन कोशिका**

पृथक् लिंग की कोशिकाएं, जिनके संलयन से निषेचन की क्रिया के फलस्वरूप नया जीव उत्पन्न होता है; जैसे युग्मक, शुक्राणु या अंडाणु।

germ tract — **जनन पथ**

कोरक का कोशिकाद्रव्य क्षेत्र, जिसमें जनन कोशिकाएं होती हैं।

germarium — **अंडदाशय, जर्मेरियम**

अंडाशयी या वृषण नलिका का अंत्यकक्ष, जिसमें प्राथमिक अंडाणुजन या शुक्राणुजन होते हैं।

germinal zone — **जनन-क्षेत्र**

अंडाशय में वह स्थान, जहाँ कोशिकाओं का तीव्र विभाजन होता है।

germplasm theory **जननद्रव्य सिद्धांत**

उन्नीसवी सदी के जीव विज्ञानी वाइजमैन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत जिसके अनुसार जननद्रव्य जनन-कोशिकाओं में बिना किसी परिवर्तन के पीढ़ी दर पीढ़ी संचरित होना रहता है।

germplasm **जननद्रव्य**

उद्गम स्थल से प्राप्त आनुवंशिक पदार्थ।

gestation **गर्भावधि**

जरायुज प्राणियों में गर्भधारण से लेकर जन्म होने तक का समय।

giant cell **महाकोशिका**

परपोषी में सूत्रकृमि संक्रमण के परिणामस्वरूप बनी बड़ी बहुकेंद्रकी कोशिका।

giant chromosome **महा गुणसूत्र**

डिप्टेरा लार्वा की लार-ग्रंथि में पाए जाने वाले वे गुणसूत्र जो समजात गुणसूत्रों के एक अन्तर्ग्रथित युग्म के प्रतिक्रियन द्वारा गुणों के अलग हुए बिना ही बनते हैं। इनमें हल्के तथा गहरे रंग की पट्टियों की एक विशिष्ट रचना होती है जो प्रकाश सूक्ष्मदर्शी से देखी जा सकती है।

gill cleft (gill slit) **क्लोम विदर**

कशेरुकियों में ग्रसनी से बाहर की ओर खुलने वाला छेद, जिससे पानी क्लोम के ऊपर बहता हुआ बाहर निकल जाता है।

gill respiration **क्लोम श्वसन**

जलीय जीवन के अत्यधिक सुस्पष्ट अनुकूलनों में से एक जिसमें वातक का विस्तार इन क्लोमों तक होता है और गैसों का विसरण वातक सूत्रों और जल के बीच अधिचर्म में से होकर होता है।

gill **गिल, क्लोम**

जलीय प्राणियों के श्वसन अंग, जो स्तरित अथवा तंतु–जैसे उद्वर्धों के रूप में होते हैं। इनके द्वारा प्राणी पानी में घुली ऑक्सीजन लेता और कार्बन–डाइऑक्साइड छोड़ता है।

gizzard **पेषणी, गिजर्ड**

कई प्राणियों में पाचन पथ या आंत्रनाल का विशिष्ट भाग, जहां खाद्य पदार्थों को तोड़ने–पीसने की क्रिया होती हैं; जैसे पक्षियों में।

glabrous **अरोमिल**

रोमहीन अथवा चिकनी सतह वाली संरचना। रोमिल का उल्टा।

gland **ग्रंथि**

ऐसा अंग, जो विशिष्ट रासायनिक यौगिकों, जैसे एन्जाइम या हार्मोन आदि, का स्रवण करता है। उदा. लार ग्रंथियां, अग्न्याशय, पीयूष आदि।

glenoid cavity **अंस उलूखल**

चतुष्पाद कशेरुकियों के अंसफलक में प्याले जैसी गुहा, जिसमें प्रगंडिका (ह्यूमरस) का सिर बैठता है।

glia **तंत्रिबंध**

तंत्रिका तंत्र को आच्छादित करने वाली झिल्ली।

globin **ग्लोबिन**

हीमोग्लोबिन के अपघटन से बनने वाला प्रोटीन।

glomerulus **केशिकागुच्छ**

सूक्ष्म रुधिर वाहिकाओं का समूह; विशेष रूप से वृक्क नलिका के समीपस्थ सिरे पर रुधिर केशिकाओं की गांठ।

glottis **घांटी**

उच्चतर कशेरुकियों में ग्रसनी से श्वासनली (ट्रैकिया) में खुलने वाला छिद्र। भोजन निगलते समय यह पेशियों द्वारा बंद हो जाता है।

glucose **ग्लूकोज**

मोनोसैकेराइड तथा हैक्सोस के रूप में वर्गीकृत कार्बोहाइड्रेट, जो अनेक सूक्ष्मजीवों में ऊर्जा स्रोत के रूप में प्रयुक्त होता है। इसे डैक्स्ट्रोस या अंगूर (द्राक्षा) शर्करा भी कहते हैं।

glucoside **ग्लूकोसाइड**

ऐल्कोहॉल तथा ग्लूकोज पर लघुकारक कार्बन के बीच बना ऐनहाइड्राड।

glycogen **ग्लाइकोजन**

अनेक बैक्टीरिया, कवकों (ऊओमाइसिटीज के अतिरिक्त), प्रोटोजोआ की कोशिकाओं और कुछ पादपों में भंडारित पॉलिसैकेराइड के रूप में बनने वाला बहुशाखित डी-ग्लूकोन।

glycolysis **ग्लाइको-अपघटन**

एन्ज़ाइमी अभिक्रियाओं का एक क्रम जिससे ग्लूकोज के उपापचय से पाइरूबिक अम्ल 2 मोल, ए.टी.पी. 2 मोल तथा अपचयित एन.ए. डी. 2 मोल बन जाते हैं।

gnathal segments **हनु खंड**

कीट भ्रूण के खंड, जिनके उपांग चिबुक तथा पहली और दूसरी जंभिका बन जाते हैं।

gnathocephalon **हनुशीर्ष**

हनु खंडों द्वारा निर्मित शिर का वह भाग, जिस पर चिबुक तथा पहली और दूसरी जंभिका लगी रहती हैं।

gnathosoma **हनुकाय**

बरूथियों और किलनियों (ticks) के शरीर का अग्र भाग, जिस पर मुख और मुखांग स्थित होते हैं।

gnathostomata **नैथोस्टोमेटा**

जबड़ों वाले कशेरुकियों के कई वर्गों (क्लास) का समूह, जिसे कुछ वर्गीकरण वैज्ञानिक उपसंघ (सब-फाइलम) मानते हैं। वास्तविक मछलियां, उभयचर, सरीसृप, पक्षी तथा स्तनी इस समूह में आते हैं। तु. Agnather एग्नैथा।

Golgi apparatus **गॉल्जी उपकरण**

(दे. Golgi complex)

Golgi bodies **गॉल्जी काय**

प्राणि कोशिकाओं में पाई जाने वाली प्रोटीन तथा लिपॉइड (lipoid) की पटलिकाओं से बनी संरचना या अंगक, जो संभवतः कुछ स्रावों के बनने में योगदान देता है।

Golgi complex **गॉल्जी सम्मिश्र**

सुकेंद्रकी कोशिकाओं के कोशिकाद्रव्य में अंतर्द्रव्यी जालिका के समीप पाये जाने वाले झिल्लीमय चपटी कुंडिकाओं और राइबोसोम–विहीन आशयों के सममित चट्टों जैसे संमिश्र कोशिकांगक। ये प्रोटीनों को आशयों में लेकर कोशिका की सतह तक पहुंचाते हैं।

gonad **जनद**

अंडाशय या वृषण अथवा भ्रूणीय आद्यांग, जो जनन कोशिकाओं को चारों ओर से घेरे हुए अंतरंग मध्य जनस्तरीय कोशिकाओं से बने होते हैं।

gonadotropic (gonadotrophic) **जनदप्रभावी, जननग्रंथि प्रेरक**
जननग्रंथियों (जनदों या गोनडों) के कार्य को प्रभावित या उद्दीपित करने वाला (पदार्थ)। उदा. स्तनी अपरा द्वारा स्रावित हॉर्मोन, पीयूष की अग्रपालि से निकलने वाला हॉर्मोन आदि।

gonapophysis **युग्मनप्रवर्ध**

जनन पादों के कक्ष पादांशों के मध्यवर्ती समीपस्थ प्रवर्ध, जो थाईसैनूरा गण के कुछ नरों में पाए जाते हैं। इनसे अंडनिक्षेपक के पहले और दूसरे प्रकठक का निर्माण होता है।

gonopore **जननरंध्र**

नर कीट में माध्यक स्खलनीय वाहिनी का बाह्य रंध्र, जो सामान्यतः अंतःशिश्न में या युग्मित निर्गम वाहिनियों के एक रंध्र में छिपा रहता है। मादा कीट में पार्श्वीय अंडवाहिनियों के युग्मित आद्य रंध्रों में से एक रंध्र या युक्त अंडवाहिनी का सामान्य रंध्र।

gonostylus **जननकंटिका**

नवें खंड की वे कंटिकाएं जो यदि उपस्थित हों तो रूपांतरित होकर आलिंगक अंग (हारपेगोन) बनाती हैं।

gonozooid **जननजीवक**

हाइड्रोजोअन निवह (कॉलोनी) का एक लैंगिक व्यष्टि या जनन जीवक, जिसमें जनद होते हैं।

Graafian follicle **ग्राफी पुटक**

स्तनियों के अंडाशय में तरलयुक्त गोलाकार गुहा या पुटक, जिसमें अंडक (ऊसाइट) या अंडाणु बढ़ते हैं।

grain mite **धान्य चिंचड़ी**

चिंचड़ियों (बरूथियों) की वे जातियां जो भंडार–गृहों में रखे धान्यों को ग्रस्त करती हैं। उदाहरण–टाइरोफेगस प्यूटीसेन्टी, *एकैरोप्सिम* व एकेरोहेन्सी की कुछ जातियां।

grain moth **धान्य शलभ**

एक छोटा-शलभ, जिसके डिंभक अनाज पर अशन करते हैं। उदाहरण–ऐंग्वुईमॉइस अनाज शलभ *साइटोट्रोगा सीरियेलेला*।

granulocyte **कणिकाणु**

वे श्वेत रुधिर कोशिकाएं जिनमें कणिकामय या दानेदार कोशिकाद्रव्य और बहुपालियुक्त केंद्रक होता है। ये तीन प्रकार की होती हैं: 1. क्षारकरागी, 2. इओसिननरागी और 3. उभयरागी।

grasshopper **टिड्डा**

ऑर्थोप्टेरा गण का पादपभोजी कीट। उछलने-कूदने वाली टांगें, कर्तन-चर्वण मुखांग तथा नरों में सामान्यतः घर्षण ध्वनि-अंगों का पाया जाना इनके प्रमुख लक्षण हैं।

gravid **अंडपूर्ण**

ऐसी मादा अथवा देहखंड जिसमें अंडे भरे होते हैं।

gregarious parasite **यूथी परजीवी**

वह परजीवी, जो एक परपोषी पर आक्रमण कर कई पीढ़ियों का परिवर्धन करता है। यह अंतः परजीवी अथवा बाह्य परजीवी हो सकता है।

gregarious **यूथी**

अपने जैसे अन्य प्राणियों के साथ झुंड में रहने वाला।

grey matter **धूसर द्रव्य**

केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का भूरे रंग का ऊतक, जिससे प्रमस्तिष्क का बाहरी और मेरुरज्जु का भीतरी भाग बनता है। इसमें तंत्रिका-कोशिकाओं का जमाव होता है।

growth factor **वृद्धि-कारक**

वृद्धि को प्रभावित करने वाला कोई भी आनुवंशिक अथवा बाह्य कारक।

growth hormone **वृद्धि-हॉर्मोन (सोमेटोट्रोफिन)**

हाइपोथैलैमसी हॉर्मोन के प्रति होने वाली अनुक्रिया से ऐडिनो हाइपोफिसिस (अग्र पीयूष ग्रंथि) द्वारा उत्पन्न एक प्रोटीनी हॉर्मोन। यह हॉर्मोन वृद्धि को बढ़ावा देने वाले उपापचयी पथों को प्रोत्साहित करता है और वयस्क अवस्था से पूर्व होने वाली लंबी अस्थियों की लंबाई को बढ़ाता है। इस हॉर्मोन की कमी से वामनता होती है और अत्यधिक स्राव से अतिकायता।

growth **वृद्धि**

कोशिकाओं की संख्या बढ़ने के फलस्वरूप ऊतक या अंग का बढ़ना।

gubernaculum **प्रनिदेशक**

नर में खाँचेदार क्यूटिकलीकृत प्लेट जैसी संरचना, जो कंटिकाओं को जनन-रंध्र की ओर निर्देशित करती है।

guinea worm **गिनीकृमि, नहरुवा**

ड्रैकुनकुलस मेडिनेनसिस का सामान्य नाम, जो एक प्राणि-परजीवी सूत्रकृमि है।

gula **गलकठक, गलक**

कुछ उद्हनु (prognathous) कीटों में शिर की मध्य अधर पट्टिका, जो ग्रीवा क्षेत्र के दृढ़ीकरण द्वारा निर्मित होती है और

निकटस्थ रूप से पश्च छदि (post tentorial) गर्तों से सह पश्चचिबुकांग अथवा अधःचिबुकांग के साथ लगी होती है।

gullet **ग्रसिका**

पेशीय नली, जिससे होकर भोजन ग्रसनी से आमाशय में पहुंचता है।

gynandromorphs **मादानररूप**

वह जंतु जिसमें शरीर का एक भाग नर तथा दूसरा भाग मादा होता है। यह प्रायः कीटों में पाया जाता है। यह आरंभिक कोशिका विभाजन के दौरान एक एक्स-गुणसूत्र की हानि के फलस्वरूप बनता है।

H

habitat **आवास**

जीवों के रहने का प्राकृतिक स्थान या पर्यावरण।

haem **हीम**

हीमोग्लोबिन अणु का प्रोटीन रहित भाग।

haemal **हीमल**

1. रुधिर या रुधिर वाहिका का अथवा उससे संबंधित।
2. मेरु-रज्जु के जिस तरफ हृदय स्थित हो उसी तरफ स्थित किसी संरचना के लिए प्रयुक्त।

haemochorial placenta **रुधिर-जरायु अपरा**

मानव सहित कुछ स्तनियों में पाया जाने वाली अपरा, जिसमें मातृरुधिर कोशिकाओं की दीवारें गल जाती हैं और जिसके फलस्वरूप भ्रूण की रुधिर-वाहिकाएं मातृ-रुधिर के सीधे संपर्क में आ जाती हैं।

haemocoel **रक्त-गुहा**

1. मध्य जनन-स्तर तथा अन्य जनन-स्तरों के बीच भ्रूण की रुधिर गुहिका या गुहिकाएं।
2. रक्त से भरी कीटों की शरीर गुहिका (रुधिर लसीका) जिसके अंदर अभ्यंतर अंग होते हैं।

haemocyanin **हीमोसायनिन**

नीले या नीले–हरे रंग का श्वसन वर्णक जिसमें लोहे के स्थान पर तांबा होता है। इस प्रकार का वर्णक कुछ आर्थ्रोपॉड तथा मोलस्क प्राणियों के रुधिर में पाया जाता है।

haemoglobin **हीमोग्लोबिन**

कशेरुकियों की लाल रुधिर कोशिकाओं में पाए जाने वाला श्वसन-वर्णक, जिसमें ग्लोबिन नामक एक जटिल प्रोटीन के साथ हीम नामक एक लोहयुक्त पदार्थ रहता है। कुछ अन्य प्राणियों– जैसे केंचुए के रक्त तथा कुछ सूत्रकृमियों की पेशियों में भी ये वर्णक पाए जाते हैं।

haemogram **हीमोग्राम, रुधिरालेख**

समय विशेष पर कीट के रुधिराणुओं की पूर्ण संख्या की गणना और विभिन्न प्रकार के रुधिराणुओं का आकलन।

haemolymph **हीमोलिम्फ, रुधिर-लसीका**

रक्त गुहा में भरा, कीटों के रक्त का तरल भाग, जो रुधिर और लसीका दोनों का कार्य करता है। इसमें आंतरिक अंग परिव्याप्त रहते हैं।

haemolysis **रुधिरलयन**

लाल रुधिर कणिकाओं का टूटना या इन कणिकाओं की बाहरी झिल्ली के टूटने से हीमोग्लोबिन का निकल जाना।

haemophilia **हीमोफिलिया**

एक्स-सहलग्न अप्रभावी विकार जिसके कारण रक्त के थक्के बनने की क्षमता कम हो जाती है। मादाएं सामान्यतया इस विकार की वाहक होती हैं। लेकिन यदि अर्धयुग्मजी हीमोफिलिया ग्रस्त नर और विषमयुग्मजी वाहक मादा के बीच संगम होता है तो हीमोफिलियाग्रस्त मादाओं का जन्म हो सकता है।

haemostasis **हीमोस्टैसिस, रुधिरस्तंभन**

रुधिर-लसीका की हानि का संदमन।

hair pin loop **हेयरपिन पाश**

आर.एन.ए. अथवा डी.एन.ए. के एकल रज्जुक में आसन्न (विलोमित) अनुक्रमों के बीच क्षारक युग्मन से बनने वाला द्विक-कुंडलिनी प्रदेश।

hair **बाल, रोम**

प्राणियों में अधिचर्म से उत्पन्न होने वाली धागे जैसी संरचनाएं, जो स्तनियों का विशिष्ट लक्षण हैं।

hallux **पादांगुष्ठ**

स्थलीय कशेरुकियों में पश्च पाद अथवा टांग की पहली अंगुलि।

halteres(balancers) **संतोलक**

डिप्टेरा-गण के कीटों यानी मच्छर, घरेलू मक्खी आदि में पश्च पंखों के रूपांतरण से बनी मुद्गराकार संरचनाएं। उड़ते समय कीटों के शरीर का संतुलन बनाए रखना इनका मुख्य कार्य है।

haplodont **हैप्लोडॉन्ट, सरलदंती**

सरल नोकीले दांतों या ऐसे दांतों के लिए प्रयुक्त, जिनके चर्वणक में शिखर (क्राउन) होते हैं।

haploid number **अगुणित संख्या**

जीवों की कायिक कोशिकाओं में पाए जाने वाले कुल गुणसूत्रों की आधी संख्या, जो प्रायः युग्मकों में पाई जाती है।

haploid **अगुणित**

जिसमें गुणसूत्रों की संख्या का कायिक कोशिकाओं के गुणसूत्रों की संख्या से आधी हो जैसे जनन कोशिकाएं।

hapten **हेप्टेन**

एक छोटा अणु जो प्रोटीन के साथ संयुग्मित किए जाने पर प्रतिजन (एन्टीजन) के रूप में कार्य करता है।

harpagone **हारपेगोन**

नवें खंड के परिशिश्न (periphallic) प्रवर्ध, जिनमें प्रत्येक की अपनी-अपनी पेशियां रहती हैं। ये संभवतः जनन कंटिकाओं से निकलती हैं और सामान्यतः इनका कार्य आलिंगन होता है। शल्क पंखी गण (लेपिडोप्टेरा) में इन्हें हार्पीज कहा जाता है।

hatching membrane — **स्फुटन झिल्ली**

स्फुटन के समय शिशु कीट को लपेटे रहने वाली झिल्ली; स्फुटन के दौरान या ठीक उसके बाद भ्रूणीय निर्मोकी क्यूटिकुला।

hatching — **अंडजोत्पत्ति, विनिनर्गमन, स्फुटन**

अंडे से डिंभक का बाहर निकलना।

Haversian canal — **हैवर्स-नलिका**

हड्डियों के अंदर की छोटी–छोटी नलिकाएं, जिनमें तंत्रिकाएं, लसीका-अवकाश और रुधिर कोशिकाएं रहती हैं।

hazardous — **संकटजनक**

खतरनाक, आपत्तिजनक (पीड़कनाशी) जो लेबल पर लिखे निर्देशनों के अनुसार इस्तेमाल न किए जाने पर क्षतिकारक या घातक हो सकते हैं।

head — **शीर्ष**

प्राणियों में अग्र सिरे पर स्थित सबसे प्रमुख भाग, जिसमें मस्तिष्क, मुख तथा प्रमुख ज्ञानेंद्रियां स्थित होती हैं।

heart — **हृदय**

प्राणियों के शरीर में तरल या रुधिर का परिसंचरण करने वाला अंग।

heat inactivation — **ताप निष्क्रियण**

ऊष्मा के प्रभाव से जैविक सक्रियता का विनाश। उदाहरणतः प्रतिरक्षाविज्ञान में सक्रियता का विनाश सीरम को 56^0 से. पर 20 मिनट तक गर्म करने से होता है।

heat shock proteins — **ताप प्रघात प्रोटीन**

प्रोटीन जो तापीय विकृतन से एन्जाइमों की रक्षा करके कोशिका को ताप प्रतिबल से बचाते हैं। ताप प्रघात से सक्रिय होने पर ये जीन पॉलिपेप्टाइडों का संश्लेषण आरंभ कर देते हैं।

heavy water **भारी जल**

जल जो हाइड्रोजन के समस्थानिक (ड्यूटेरियम) और ऑक्सीजन के संयोग से बनता है।

helminthology **कृमिविज्ञान**

प्राणिविज्ञान की वह शाखा, जिसमें कृमियों, विशेषतया परजीवी कृमियों, का अध्ययन होता है।

helper lymphocyte (T_H lymphocyte) **सहायक टी. लसीकाणु (टी.एच. लसीकाणु)**
थाइमस से व्युत्पन्न लसीकाणु जो बी. कोशिका लसीकाणु द्वारा उत्पादित प्रतिरक्षी के लिए आवश्यक होता है और साथ ही कोशिका माध्यित प्रतिरक्षा के सामान्य रूप से विकसित होने के लिए आवश्यक है।

helper T. cell **सहायक टी. कोशिका**

एक प्रकार का टी. लसीकाणु जो दूसरे टी. लसीकाणुओं, बी. लसीकाणुओं और महाभक्षकाणुओं की सहायता करता है जिससे इन कोशिकाओं की सामान्य क्रियाएं बढ़ जाती हैं।

hemagglutination **रुधिर समूहन**

ऐन्टीबॉडी या विषाणु द्वारा लाल रुधिर कोशिकाओं का पिंड-सा बन जाना।

hematophagous insect **रुधिरभक्षी कीट**
रक्त पर अशन करने वाले कीट।

Hemichordata (Hemichorda) **हेमीकॉर्डा (हेमाकॉडेटा)**
कॉर्डेटा का एक उपसंघ जिसमें कृमिरूपी समुद्री आदि प्राणी आते हैं। इनमें कशेरुकियों के कुछ लक्षण पाए जाते हैं; जैसे गिलछिद्र और शरीर के केवल अग्र भाग में पृष्ठरज्जु जैसी संरचना। उदा. बैलेनोग्लॉसस।

hemimetabolan **अल्परूपांतरी**

सरल कायांतरण वाले बाह्य पंखी। यह कायांतरण प्रत्यक्ष अथवा अपूर्ण कहा जाता है।

Hemiptera **हेमिप्टेरा**

पौधों तथा प्राणियों पर परजीवी अथवा नाशक कीटों का एक बड़ा गण (आर्डर) जिसमें मत्कुण, साइकेडा, एफिड आदि आते हैं। वेधनचूषण मुखांग तथा प्रायः दो जोड़ी पंख जिनमें अगला पिछले की अपेक्षा अधिक मजबूत होता है इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

hemocyte **रुधिराणु**

कीट की रक्त-कोशिकाएं।

hemocytopoietic organ **रुधिराणु उत्पादक अंग**
वे अंग, जो रक्त कोशिकाएं बनाते हैं।

hepatic caeca **यकृतीय अंधनाल**

भ्रूणीय आहार नाल के अग्र सिरे पर स्थित आद्यांगिक अंधनाल, जिससे बाद में यकृत् परिवर्धित होता है।

hepatic portal system **यकृत् निवाहिका तंत्र**
रुधिर में घुले हुए भोजन पदार्थ को आंत्र की कोशिकाओं से यकृत् में ले जाने वाली शिराओं का तंत्र। तात्कालिक आवश्यकता के बाद पचे हुए भोजन का बचा हुआ अंश इस तंत्र द्वारा यकृत् में सीधे पहुंचकर जमा होता रहता है।

herbivore **शाकभक्षी, शाकाहारी**

पौधे तथा घास–पात खाने वाला प्राणी; जैसे टिड्डी, गाय, बकरी, हाथी आदि।

heredity **आनुवंशिकता**

आनुवंशिक तौर पर लक्षणों का जनकों से संतति में पहुंचना।

hermaphrodite **उभयलिंगी**

जीव जिसमें नर तथा मादा दोनों प्रकार के जननांग एक ही व्यष्टि में पाये जाते हों। जैसे केंचुआ, फीता–कृमि, आदि।

hermaphroiditism **उभयलिंगता**

वह स्थिति, जिसमें एक ही व्यष्टि में नर और मादा युग्मक उत्पन्न होते हैं। उदा. रैब्डाइटिस।

herpetile **उभयसृप**

उभयचरों और सरीसृपों का सामूहिक नाम।

herpetology **हरपेटोलॉजी, उभयसृपविज्ञान**

प्राणिविज्ञान की वह शाखा, जिसमें सरीसृपों तथा उभयचरों की संरचना, स्वभाव और वर्गीकरण आदि का अध्ययन होता है।

heterocercal **विषमपालि**

ऐसे पुच्छ या पुच्छ पख के लिए प्रयुक्त, जिसकी ऊपरी या पृष्ठ पालि निचली अधर पालि से बड़ी होती है। शार्क इसका सामान्य उदाहरण है।

heterochromatin **हेटेरोक्रोमैटिन**

अत्यधिक संघनित क्रोमैटिन जिसके कारण वह अन्य क्रोमैटिनों की तुलना में भिन्न प्रकार से अभिरंजित होता है। तु. euchromatin

heterodactylous **विषमांगुलिक**

पक्षियों में ऐसे पैर या पाद के लिए प्रयुक्त, जिसकी पहली दो अंगुलियां पीछे की ओर और तीसरी तथा चौथी आगे की ओर रहती हैं।

heterodont dentition **विषमदंती दंतविन्यास**
एक ही प्राणी में विभिन्न प्रकार के दांतों का होना; जैसे स्तनियों में कृंतक, रदनक, प्रचवर्णक और चर्वणक। विप. homodont dentition समदंती दंतविन्यास।

heterogenous population **विषमांग समष्टि, विषमांगी समष्टि**
विविध लक्षणों वाली जीव समष्टि।

heterokaryon **विषम केंद्रक**

दो या अधिक कोशिकाओं के संचलन से उत्पन्न दो प्रकार के केंद्रकों से युक्त कोशिका।

heteroploidy **विषमगुणिता**

गुणसूत्रों की अभिलाक्षणिक द्विगुणित संख्या से भिन्न संख्या का पाया जाना।

heterosis **हेटेरोसिस**

वह स्थिति जिसमें संकर किसी लक्षण या लक्षणों की दृष्टि से जनकों के परिसर से बाहर हो।

heterotroph **विषमपोषी**

ऐसे जीव, जो अकार्बनिक पदार्थों से अपना भोजन नहीं बना सकते और स्वपोषी जीवों या कार्बनिक पदार्थों से पोषण प्राप्त करते हैं।

heterotrophic **विषमपोषी**

ऐसे जीव जो अपने भोजन के लिए स्वतः कार्बनिक पदार्थों के संश्लेषण करने में असमर्थ होते हैं।

heterotrophism **विषमपोषण**

पोषण का एक प्रकार, जिसमें जीवधारी भोजन के लिए अन्य जीवों (मृत या जीवित) पर आश्रित होता है।

heterozygote **विषमयुग्मज**

समजात गुणसूत्र जोड़ों में समान विस्थल पर एक ही जीन के भिन्न विकल्पियों (aleles) वाला जीव। ऐसे जीव से इन जीन के संदर्भ में दो पृथक् प्रकार के युग्मक उत्पन्न होते हैं। तु. homozygote समयुग्मज।

heterozygous **विषमयुग्मजी**

जिसमें किसी जोड़े के दोनों गुणसूत्रों में संगत बिंदुओं पर भिन्न जीन विकल्पी हों। तु. homozygous.

Hexactinellida **हेक्सैक्टिनेलिडा**

पोरीफेरा संघ में छह-अरीय सिलिकामय कंटिका वाले समुद्री स्पंजों का एक वर्ग। सतही एपिथीलियम का न होना और कीप-कोशिकाओं (कोएनोसाइट) का अंगुलि-जैसे कक्षों तक ही सीमित रहना इनके प्रमुख लक्षण हैं। उदा. यूप्लेक्टेला।

hibernation **शीतनिष्क्रयता**

कुछ प्राणियों की ठंडे प्रतिकूल मौसम में सुप्त पड़े रहने की अवस्था। शरीर का तापमान गिरना, भोजन ग्रहण न करना और उपापचय मंद पड़ जाना, इस अवस्था की विशेषताएं हैं; जैसे मेंढ़क, छिपकली, सांप आदि में। तु. aestivation ग्रीष्मनिष्क्रियता।

hierarchy **पदानुक्रम**

विभिन्न टैक्सा (वर्गक) स्तरों को स्पष्टतः सूचित करने वाली वर्गीकरण की श्रेणी पद्धति।

hilum (hilus) **नाभिका**

वृक्क, फुप्फुस, प्लीहा आदि कुछ अंगों में स्थित गर्त या खांच, जिससे रक्त-वाहिकाएं, तंत्रिकाएं और वाहिनियां आती जाती हैं।

hind brain **पश्च मस्तिष्क**

कशेरुकी मस्तिष्क के तीन प्रमुख भागों में से पश्चतम भाग, जिसमें मुख्यतया अनुमस्तिष्क (सेरिबेलम) और मेडुला आब्लांगेटा होते हैं।

hinge region **हिन्ज क्षेत्र**

इम्यूनोग्लोबुलिन संरचना का वह प्रक्षेत्र जिसमें केवल दीर्घ शृंखलाएं और एक स्पष्ट स्थानगत कोण होता है जिसकी वाई (Y) रूपी विवृत भुजाओं के कब्जे के आगे इम्यूनोग्लोबुलिन की लघु शृंखलाएँ जुड़ सकती हैं।

hip girdle (pelvic girdle) **श्रोणि मेखला**

कशेरुकियों में उन हड्डियों का ढांचा, जिससे पश्च पाद जुड़े रहते हैं। इसमें तीन हड्डियां जघनास्थि (प्युबिस), श्रोणि-अस्थि (इलियम) और आसनास्थि (इस्कियम) होती है।

his operon **हिस प्रचालेक**

हिस्टिडीन के जैवसंश्लेषण के लिए प्रकार्यात्मक रूप से संबंधित जीनों का गुच्छ। सारे जीन एक बहुत लंबे एम.आर.एन.ए. अणु में अनुलेखित होते हैं और एक संचालक जीन के नियंत्रण में समन्वित रूप से कार्य करते हैं।

histology **ऊतक-विज्ञान, औतिकी**

ऊतकों के अध्ययन से संबंधित जीवविज्ञान की शाखा।

histopathology **ऊतक रोगविज्ञान**

परपोषी में रोगजनक/परजीवी द्वारा होने वाले कोशिकीय परिवर्तनों का अध्ययन।

holoblastic cleavage **पूर्णभंजी विदलन**

विदलन का वह प्रकार, जिसमें संपूर्ण अंडा विभाजित हो जाता है (पूर्ण विदलन)।

holocrine secretion **पूर्णस्रावी स्राव**

स्रवण का ऐसा प्रकार, जिसमें एपिथिलियमी कोशिकाएं एन्जाइमों का स्रवण करने के प्रक्रम में विघटित हो जाती हैं और अपनी अंतर्वस्तुओं को आंत्र की अवकाशिका (lumen) में उंड़ेल देती हैं।

holophytic nutrition **पादपसम पोषण, पूर्णपादपी पोषण**

पौधों की तरह कुछ प्राणियों में प्रकाश-संश्लेषण द्वारा भोजन बनाने की विधि अर्थात् सूर्य के प्रकाश में पर्णहरित (क्लोरोफिल) द्वारा अकार्बनिक पदार्थों से कार्बनिक यौगिकों का संश्लेषण। उदा. यूग्लीना।

holotype **होलोटाइप, नामप्ररूप, मूलप्ररूप**

लेखक द्वारा मूल विवरण के प्रकाशन के समय नामपद्धति प्ररूप के तौर पर उपयोग किया जाने या बताया जाने वाला अनन्य नमूना।

holozoic nutrition **प्राणिसम पोषण, पूर्णजांतविक पोषण**

प्राणियों में भोजन प्राप्त करने की सामान्य विधि, जिसमें जीवों अथवा ठोस और जटिल कार्बनिक पदार्थों का ग्रहण किया जाता है। कुद पादपों में भी यह विधि पाई जाती है; जैसे घटपर्णी (pitcher plant)।

homeostasis **समस्थापन**

किसी तंत्र का गतिक संतुलन बनाए रखने और विक्षोम होने पर अपनी नियामक क्रियाविधि द्वारा साम्यावस्था बनाए रखने की

प्रकृति। यह तंत्र संदर्भ के अनुसार व्यष्टि, समष्टि अथवा प्रक्रम हो सकता है।

Homo **होमो**

प्राइमेट गण का एक वंश, जिसमें मानव की एक मात्र जीवित जाति *होमो सेपिएन्स* और कई विलुप्त जातियां आती हैं। भ्रू-कटक का न होना, सुविकसित ठोढ़ी का पाया जाना, प्रत्येक जबड़े में दांतों की चापाकार व्यवस्था, हाथ पैर का एक जैसा न होना, पैर की अंगुलियों का अपेक्षाकृत छोटा होना, सीधे खड़े होकर चलना, अतिविकसित मस्तिष्क और सार्थक वाणी (articulated speech) इसके विशिष्ट लक्षण हैं।

homocercal **समपालि**

मछिलयों में ऐसे पख (वाज) या पुच्छ के लिए प्रयुक्त जिसमें पृष्ठ पालि और अधर पालि लगभग बराबर होती है। आजकल की अधिकांश अस्थि-मीनों में इस प्रकार की दुम (पुच्छ) पाई जाती है।

homodont dentition **समदंती दंतविन्यास**

किसी प्राणी में एक ही प्रकार के दांतों का पाया जाना; जैसे मेंढ़क में। विप. heterodont dentition असमदंती दंतविन्यास।

homologous organs **समजात अंग**

ऐसे अंग, जो उद्‌भव और परिवर्धन में समान किंतु कार्य में प्रायः भिन्न हों; जैसे मानव के अग्रपाद और पक्षियों के पंख। तु. analogous organs समवृत्ति अंग।

homologous **समजात**

प्ररूप अथवा जाति के संदर्भ में समान।

homologous sequence **समजात अनुक्रम**

एक ही जाति से अथवा भिन्न जातियों से ऐसे डी.एन.ए. अणु जिनके समान क्षारक अनुक्रम ज्यों के त्यों बने रहते हैं।

homologous chromosome **समजात गुणसूत्र**

नर और मादा दोनों जनकों से आए एक-एक गुणसूत्र से बना जोड़ा जिनके समान जीन विस्थलों का अनुक्रम भी समान होता है।

homology **समजातता**

उद्‌भव तथा परिवर्धन में समान किंतु कार्य में सामान्यतः भिन्न होने की स्थिति, जैसे पक्षियों के पंख और मानव के हाथ। तु. **analogy** समवृत्तिता।

homonym **समनाम**

विभिन्न वर्गकों के लिए विभिन्न वैज्ञानिकों द्‌वारा प्रस्तावित एक ही नाम।

homothermal **समतापी**

ऐसे प्राणियों के लिए प्रयुक्त, जिनके शरीर का तापमान वातावरण के अनुसार घटता–बढ़ता नहीं बल्कि सदा स्थिर रहता है; जैसे पक्षी व स्तनी। तु. poikilothermal असमतापी।

homozygote **समयुग्मज**

समजात गुणसूत्र (क्रोमोसोम) जोड़ों पर समान विस्थल (locus) पर एक ही प्रकार के जीन जोड़े वाले जीव। ऐसे जीव से इस जीन के संदर्भ में एक ही प्रकार के युग्मक उत्पन्न होते हैं। तु. heterozygote विषमयुग्मज।

homozygous **समयुग्मी**

जिसमें किसी जोड़े के दोनों गुणसूत्रों के संगत बिन्दुओं पर समान जीन विकल्पी हों। तु. heterozygous.

honey bee **मधुमक्खी**

सामाजिक कीट, अधिकतर एपिस जातियां (एपिडीः हाइमेनोप्टेरा), जो उपनिवेशों में रहती हैं और पेड़ों के ऊपर या खाली घरों में छत्ते बनाती हैं। ये बहुत लाभकारी हैं क्योंकि शहद और मोम प्रदान करती हैं तथा परागण में मदद करती हैं। इनकी सामान्य जातियां भारतीय मधुमक्खी (*एपिस सेराना इंडिका*), इतालवी मधुमक्खी (*एपिस मिलीफेरा*), छोटी मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया) और रॉक मधुमक्खी (*एपिस डोर्सेटा*) हैं।

honey dew **मधु-बिंदु**

होमोप्टेरा गण के कुछ कीटों–जैसे एफिड, शल्क कीट, श्वेत मक्खी आदि द्वारा उत्सर्जित किया जाने वाला मीठा स्राव, जो चींटियों को आकर्षित करता है और "काली फफूंदी" के पैदा होने को बढ़ावा देता है, जिससे पौधे के भाग काली परत से ढक जाते हैं तथा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में रुकावट आती है।

honey guide **मधु-निर्देशक, मधु पथदर्शक**

कुछ विशेष पुष्पों की पंखुड़ियों पर बिंदियां या रेखाएं, जो आगंतुक कीट (कीटों) को इन पुष्पों के मकरंद कोषों की ओर निर्देशित करती हैं।

honey **मधु, शहद**

मधु-मक्खियों द्वारा विभिन्न प्राकृतिक स्रोतों, जैसे - विभिन्न फूलों का मकरंद, नेक्ट्रिन के स्राव, मधु बिंदु आदि से परिष्कृत किया जाने वाला मीठा श्यान (viscous) तरल।

hoof **खुर, शफ**

ऐसा शृंगी आवरण जो खुरदार स्तनियों की अंगुलियों के सिरों को ढके रखता है। यह संरचना नख या नखर के समरूप होती है और घोड़े, बकरी, गैंडा, जिराफ आदि में पाई जाती है।

hook **अंकुश**

नुकीले, मुड़े हुए उपांग, जिनकी सहायता से प्राणी किसी वस्तु से लटक या चिपक सकता है; जैसे फीताकृमियों की मूर्धा (स्कोलेक्स) में।

hookworm **अंकुश कृमि, हुकवर्म**

गोलकृमियों के अंकाइलोस्टोमैटिडी कुल का परजीवी। परपोषी की आंत्र से चिपकने के लिए मुखीय अंकुश इनका विशिष्ट लक्षण हैं। ये मानव तथा अन्य प्राणियों में रोग फैलाते हैं।

hoolock **हुलुक, हूकू**

असम तथा ऊपरी बर्मा में पाए जाने वाले छोटे आकार के, विशेषतः हाइलोबेटीज वंश के, गिब्बन का सामान्य नाम। भारत में पाया जाने वाला यही एकमात्र मानवाभ कपि (anthropoid ape) है।

hopper band **फुदका पट्टिका**

टिड्डियों में यूथी फुदकों का ऐसा समुच्चय, जो संगठित रूप में कूच करता है।

hormone receptor **हॉर्मोनग्राही**

कोशिका की सतह पर पाए जाने वाला विशिष्ट हॉर्मोन-बंधकारी स्थल।

hormone **हॉर्मोन**

अंतःस्रावी ग्रंथियों द्वारा स्रवित ऐसा रासायनिक संदेशप्रेषक (मुख्यतः प्रोटीन अथवा स्टीरॉयड) जो सीधे रक्त प्रवाह में मिलकर शरीर के विशिष्ट भाग पर विशिष्ट प्रभाव डालता है।

horn **सींग, शृंग**

खुरदार स्तनियों के सिर से निकलने वाली नोकीली कठोर संरचनाएं, जिनका उपयोग प्राणी प्रायः अपनी सुरक्षा के लिए करता है।

host crossover **परपोषी विनिमय**

कीट जाति का खाद्य, आश्रय या अंडनिक्षेपण की खोज में पहले परपोषी को छोड़कर किसी अन्य परपोषी पर चले जाना।

host specificity **परपोषी विशिष्टता**

यह जाति विशेष का पोषणज विशिष्टीकरण है और प्रकृति में बहुत जटिल प्रक्रम है, विशेष तौर पर परजीवियों, परजीव्याभों में और कुछ एकाहारी कीटों में जो खरपतवारों के जैविक नियंत्रण में उपयोगी हैं। यह जीवन-क्रियाओं की पूर्ण आवश्यकताओं की सफलतापूर्वक प्राप्ति है जिसकी इति अशन, जीवन-वृत्त पूरा करने और जनन के लिए उपयुक्त परपोषी तक पहुंचने में है जो जाति-विशेष की संतति को बढ़ाने के लिए भी उपयुक्त हो। रक्त-चूषक कीटों में जूं और पिस्सू परपोषी विशिष्ट हैं। कृषि-कीटों में बैंगन का वेधक, पिंक बोल वर्म और बीज-भक्षी शूट फ्लाई इसके विशिष्ट उदाहरण हैं। (सीड फ्लाई) ओफियोमिया लेन्टानी लेन्टाना खरपतवार

विशिष्ट है और शल्क कीट *डेक्टीपोलस इन्डिकस* नागफनी खतपतवार विशिष्ट है।

host **परपोषी**

वह जीव जो अन्य जीव को खाद्य तथा आश्रय प्रदान करता है लेकिन स्वयं उस जीव से कोई भी लाभ प्राप्त नहीं करता। उदा. टमाटर का पौधा जड़गाँठ सूत्रकृमि का परपोषी है।

housefly **गृहमक्षी, घरेलू मक्खी**

घरों में पाया जाने वाला डिप्टेरा गण का कीट, जिसमें दो पंख और स्पंजी मुखांग होते हैं। यह कीट टाइफायड, हैजा आदि कई रोगों का वाहक है।

humerus **प्रगंडिका, ह्यूमेरस**

चतुष्पाद कशेरुकियों में अग्रपाद की निकटस्थ सबसे लंबी हड्डी, जो एक तरफ अंसखात (ग्लीनाइड फोसा) से और दूसरी तरफ बहिःप्रकोष्ठिका (रेडियस) तथा अंतःप्रकोष्ठिका (अल्ना) से जुड़ी रहती है।

humivore **ह्यूमस भक्षी**

वह जीव जो ह्यूमस को खाता है।

humoral antibody **तरल प्रतिरक्षी**

शरीर के तरलों अर्थात प्लैज्मा, लसीका और ऊतकीय तरलों में उपस्थित प्रतिरक्षी।

humoral immunity **तरल प्रतिरक्षा**

जीव की रोधक्षमता, जो रक्त में प्रतिजन के प्रवेश से बने प्रतिरक्षियों के रक्तधारा में प्रवाहित होने से अथवा सीरम के माध्यम से स्थानांतरित हो सकने वाली हो।

hyaline cartilage **काचाभ उपास्थि**

कुछ-कुछ नीली-सफेद और पारभासी उपास्थि, जो उपास्थ्यणु (chondrocyte) और अंतराकोशिक पदार्थों से बनती है और सभी

कशेरुकियों के भ्रूणों तथा वयस्क शार्कों और रे मछलियों में पाई जाती हैं।

hybrid DNA **संकर डी.एन.ए.**

डी.एन.ए. अणु संकर जिसके एक रज्जुक के स्थान पर एक आर.एन. ए. रज्जुक आ जाता है।

hybrid sterility **संकर बंध्यता**

संकरण द्वारा प्रेरित बंध्यता जिसके कारण संकर, जीवनक्षम-संतान उत्पन्न नहीं करते। संकर-बंध्यता का आधार जीनी, गुणसूत्री अथवा कोशिकाद्रव्यी हो सकता है।

hybrid vigour **संकर ओज**

संकर का अपने जनकों से श्रेष्ठ होना।

hybrid **संकर**

आनुवंशिक असमान-जीव प्ररूपों के संकरण से प्राप्त उत्पाद।

hybridization **संकरण**

दो असमान जनकों के संकर बनाने या होने की प्रक्रिया।

Hydra **हाइड्रा**

सीलेन्टेरेटा संघ और हाइड्रोज़ोआ वर्ग के अलवणजलीय प्राणी, जो लकड़ियों, पत्थरों, पत्तियों आदि पर चिपके रहते हैं। इनके शरीर में एक गुहा होती है जो स्पर्शिकाओं से घिरे मुंह द्वारा ऊपर की ओर खुलती है।

hydrolysis **जल-अपघटन**

वह रासायनिक अभिक्रिया जिसमें जल अन्य पदार्थ से क्रिया करके दो या दो से अधिक नए पदार्थ बनाता है। इसमें जल के अणु के आयनीकरण से क्रियाधार पदार्थ टूटता है।

hydrozoa **हाइड्रोज़ोआ**

ऐसे सीलेन्टेरेट प्राणियों का वर्ग, जिनमें अलैंगिक पीढ़ी अचल पॉलिप के रूप में और लैंगिक पीढ़ी मुक्तप्लावी मेड्यूसा के रूप में

पाई जाती है। किंतु हाइड्रा जैसे कुछेक प्राणियों में मेड्यूसा अवस्था नहीं पाई जाती है और पॉलिप अवस्था में ही जनद (गोनड) बनते हैं। सरल जठरांत्र (सीलेन्टेरोन), बाह्यचर्मीय जनद और प्रायः निवही व्यवस्था इनके अन्य लक्षण हैं।

Hymenoptera **हाइमेनोप्टेरा**

इस गण के कीटों में दो जोड़ी झिल्लीमय पंख, शिराविन्यास प्रायः लघुकृत; अग्र-पंखों की अपेक्षा पश्चपंख छोटे और अकुंशिकाओं (hooklets) द्वारा अग्रपंखों से अंतःबद्ध (interlocked) होते हैं। मुखांग मुख्यतः आदंश और कभी–कभी लेहन (lapping) और चूषण के लिए भी अनुकूलित; उदर सामान्यतः आधारी रूप से संकीर्णित (constricted) और इसका पहला खंड पश्चवक्ष से संयुक्त होता है। अंडनिक्षेपक हमेशा होता है और क्रकचन (sawing), वेधन या दंशन (stinging) के लिए प्रयुक्त होता है; डिंभक आमतौर पर अपादी और लगभग सुपरिवर्धित सिर वाला; कोशित अबद्ध और सामान्यतया कोया भी होता है। उदा. चींटी, मक्षिका, बर्र आदि।

hyoid apparatus **कंठिका उपकरण**

अधिकांश कशेरुकियों में जीभ और उससे संबंधित पेशियों को सहारा देने वाली अस्थि या उपास्थि जो भ्रूण के दूसरे या तीसरे अंतरंग चाप से परिवर्धित होती है।

hyoid **कंठिका, हाइऑइड**

1. जिह्वा के आधार पर स्थित तथा भ्रूण की कंठिका–चाप से परिवर्धित अस्थि या अस्थि शृंखला के लिए प्रयुक्त।
2. कुछ कीटों में ग्रसनी को बाहर से चारों तरफ घेरने वाला कठक (स्क्लेराइट)।

hypandrium **पुमधर**

मादा कीटों में पाई जाने वाली आठवीं उरोस्थि (sternum)। यदि आठवीं उरोस्थि छोटी या न हो तो सातवीं उरोस्थि को ही पुमधर कहा जाता है। नरों में प्रायः नौवीं उदरीय उरोस्थि, जो जनन कक्ष तक बढ़ी होती है।

hyper metamorphosis — **अतिकायांतरण**
एक ऐसी दशा, जिसमें कीट अपने परिवर्धन के दौरान दो या अधिक स्पष्टतः भिन्न डिंभक इन्स्टारों से होकर गुजरता है। इस परिघटना के समय डिंभकीय जीवन में नियमित रूप से विशेष परिवर्तन देखे जाते हैं।

hyperchromic effect — **अतिवर्णकीय प्रभाव**
विरज्जुकित डी.एन.ए. द्वारा पराबैंगनी विकिरणों का अधिक मात्रा में शोषण। ऐसा विलयन में विकृतीकृत न्यूक्लीक अम्ल के क्षारक युग्मों के बीच हाइड्रोजन आबंध न होने के कारण होता है। डी.एन.ए. के एकल रज्जुकों का प्रकाशिक घनत्व अधिक होने से उनकी अपारदर्शिता बढ़ जाती है।

hyperparasite — **परात्परजीवी**
किसी दूसरे परजीवी के शरीर पर बाहर या शरीर के अंदर रहने वाला परजीवी।

hypersensitivity — **अतिसंवेदनशीलता**
रोगजनकों के प्रति पादप ऊतकों की चरम संवेदनशीलता।

hypersenstive resistance — **अतिसंवेदी प्रतिरोध**
आक्रमण कारक की द्रुत अनुक्रिया से ग्रस्त ऊतक की असामयिक मृत्यु (ऊतक क्षय), जिसमें कारक निष्क्रिय तथा स्थानबद्ध हो जाता है।

hyperthyroidism — **अवटुअतिक्रियता**
अवटु ग्रंथि का अधिक सक्रिय हो जाना या सक्रियता से उत्पन्न असामान्य अवस्था, जिसमें उपापचय दर में वृद्धि, उच्च रक्त चाप आदि लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं।

hypertonic — **अतिपरासारी**
ऐसा विलेय जिसकी सांद्रता प्राणि-देह-द्रव्य या परिवेशी माध्यम की सांद्रता से अधिक हो।

hypertrophy — **अतिवृद्धि**
किसी अंग या ऊतक के आकार में असाधारण वृद्धि।

hypha **तंतु**

धागे-जैसे रज्जुक या तंतु, जो कवकजाल की एक संरचनात्मक इकाई बनाते हैं।

hypodermal glands **अधश्चर्म-ग्रंथि**
अधश्चर्म या अधश्चर्मी रज्जु से संबद्ध ग्रंथियां।

hypodermis **अधश्चर्म**

उपत्वचा (क्यूटिकल) के नीचे एक पतली संकोशिकीय परत।

hypoglossal nerve **अधोजिह्वा तंत्रिका**

सरीसृपों, पक्षियों तथा स्तनियों में बारहवीं तथा अंतिम युग्मित कपाल-तंत्रिका, जो जीभ की पेशियों तथा हायड उपकरण को चेतना प्रदान करती है।

hypognathous **अधरहनु**

1. ऊपरी जबड़े की अपेक्षा निचले जबड़े का कुछ अधिक लंबा।

2. कुछ कीटों में अधर तल की ओर उन्मुख होना (मुखांग)।

hypomere **अधोखंड**

शिश्नाधार का अधर प्रवर्ध।

hypopharynx **अधोग्रसनी**

शिर के चर्वक क्षेत्र के अंतर्गत अधर भित्ति की मध्य-मुखपश्चीय पालि, जो अधरोष्ठ के आगे की ओर होती है। मच्छर आदि रक्तचूषी कीटों में यह संरचना काफी लंबी और शुंड का एक भाग होती है जिसमें होकर लार बहती है।

hypophysis **हाइपोफिसिस, पीयूषिका**

कशेरुकियों में मस्तिष्क के अधर तल और मुख के ऊपर सतह के बीच स्थित वाहिनीहीन ग्रंथि, जिसे पीयूष काय (पिट्यूटरी बॉडी) भी कहते हैं।

hypoplasia **अल्प वृद्धि**

कोशिका विभाजन की कमी के कारण ऊतकों की वृद्धि में कमी।

hypostoma **अधोरंध्र**

सामान्यतया चिबुक के पश्च भाग में उपकपाल के सीमांत का भाग, जो कभी–कभी अधोरंध्र पट्टिका के रूप में मध्य की ओर या सिर की अधर भित्ति में अधोरंध्र सेतु के रूप में विस्तारित होता है।

hypostoma (hypostome) **अधोरंध्र, हाइपोस्टोम**

1. कीटों के मुख के ऊपर चेहरे का निचला अग्र भाग
2. क्रस्टेशिया प्राणियों में मुख रंध्र के पश्च किनारे को बनाने वाला वलन।
3. मुख के नीचे या ठीक पीछे स्थित कोई संरचना, जैसे, हाइड्रा का मुख-शंकु।

hypothalamus **हाइपोथैलेमस, अधश्चेतक**

कशेरुकियों के मस्तिष्क में डाएन्सेफलन का निचला भाग, जो चेतक (थैलेमस) के नीचे रहता है और तृतीय निलय का आधार बनाता है।

hypotonic **अल्पपरासारी**

जिसकी देह-द्रव्य की सांद्रता परिवेशी माध्यम से कम हो।

I

ichthyology **मत्स्यविज्ञान**

मछलियों के अध्ययन से संबंधित प्राणिविज्ञान की शाखा।

identical twins **अभिन्न यमज**

एक साथ जन्म लेने वाले दो बच्चे, जो मादा के शरीर में एक ही निषेचित अंडे के विभाजित होने के फलस्वरूप परिवर्धित होते हैं। सामान्य (द्विअंडज) यमज के विपरीत इनके आकार, रूप-रंग आदि में काफी समानता पाई जाती है।

identification **पहचान, अभिनिर्धारण**

व्यष्टियों को पहले से स्थापित विभिन्न वर्गों अथवा (टेक्सॉनों) में रखना।

idiogram **विशिष्ट आरेख**

गुणसूत्रीय पूरक का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

idiotype **विशिष्ट प्ररूप**

प्रतिरक्षी अणुओंकी लघु शृंखला और दीर्घ शृंखला के परिवर्ती प्रक्षेत्रों में उपस्थित सामूहिक प्रतिजनी निर्धारक।

ileum **क्षुद्रांत्र, इलियम**

कशेरुकियों में छोटी आंत्र के पश्च भाग (अर्थात् जेजूनम) और बड़ी आंत के बीच का भाग।

ilium **इलियम (अस्थि), श्रोणि-अस्थि**

श्रोणि-मेखला की अग्र पृष्ठीय हड्डी, जो चतुष्पादों में जघनास्थि (प्यूबिस) तथा आसनास्थि (ischium) से और त्रिक (सैक्रल) कशेरुक के अनुप्रस्थ प्रवर्ध से जुड़ी रहती है।

imaginal discs — **पूर्णक डिस्क**

पूर्णरूपांतरणीय कीटों के डिम्भकों में बाह्यत्वचा का स्थूलन जिनमें अविभेदित कोशिकाओं के समूह होते हैं। इन कोशिकाओं से बाह्यत्वचा और उसके नीचे मध्योतक के अंतर्वलित एकल स्तर बनते हैं और कायांतरण के बाद वयस्क अंग और उपांग बनते हैं।

imago — **पूर्णक (पूर्णकीट)**

कीटों के कायांतरण की अंतिम या वयस्क अवस्था, जिसमें कीट लैंगिक दृष्टि से परिपक्व हो जाता है।

immature stage — **अपक्व अवस्था**

कायांतरण अवधि में कीट की मध्यवर्ती अवस्थाएं, जो लैंगिक रूप में परिवर्धित नहीं होती।

immature — **अपरिपक्व**

जिसका लैंगिक विकास पूरा न हुआ हो।

imminent hazard — **आसन्न संकट**

पीड़कनाशी के निरंतर प्रयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से उत्पन्न खतरे की परिस्थिति।

immune electrophoresis — **प्रतिरक्षा विद्युत् कण संचलन**

विद्युत् कण संचलन और जेल विसरण की संयुक्त तकनीक, जिसके द्वारा किसी सीरम के प्रतिजन–घटकों का वियोजन और विभिन्न प्रोटीनों का पृथक्करण किया जाता है।

immune cytolysis — **प्रतिरक्षा कोशिकालयन**

1. कोशिका-आविषी टी. लसीकाणुओं अथवा अन्य कोशिका-आविषी कोशिकाओं (जैसे एन.के. कोशिकाओं) द्वारा लक्ष्य-कोशिकाओं का लयन।
2. पूरक की उपस्थिति में प्रतिरक्षी द्वारा सुग्राहीकृत कोशिकाओं का लयन।

immune — **प्रतिरक्षित**

ऐसे जीव जिनमें रोग, अथवा संक्रमण या किसी दूसरे पीड़कों के प्रति पूर्ण निरोध क्षमता होती है।

immunity **प्रतिरक्षा**

सामान्यतः जीवों में संक्रमण का प्रतिरोध करने की क्षमता। विभोजियों के संदर्भ में प्राग्विभोजी द्वारा कोशिका में उसी प्ररूप के दूसरे विभोजी के संक्रमण को रोकने की क्षमता। यह प्राग्विभोजी संजीन द्वारा विभोजी द्मनकर के संश्लेषण का परिणाम है। ट्रासपोसोनो के एक ही डी.एन.ए. अणु में उसी प्ररूप के दूसरे ट्रान्सपोसोनों के अंतरण को रोकने की क्षमता अथवा किसी संक्रमण कारक के प्रति व्यष्टि अथवा समष्टि की बढ़ती हुई प्रतिरोध क्षमता।

immunization **प्रतिरक्षण**

प्रतिजन प्रवेशन का वह प्रक्रम जिसके द्वारा परपोषी में रोग विशेष के प्रति, रोधक्षमता उत्पन्न होती है। (दे. **active immunization** और **passive immunization**)।

immunodeficiency **प्रतिरक्षा न्यूनता**

तरल प्रतिरक्षा अथवा कोशिका माध्यित प्रतिरक्षा में कमी होना।

immunodominance **प्रतिरक्षा प्रभाविता**

प्रतिरक्षाजन अणु में उसके एक विशिष्ट अवयव की ऐसी क्षमता जिसके द्वारा (1) किसी प्रतिरक्षा अनुक्रिया में उच्चतम अनुमाप के प्रतिरक्षी उत्पन्न हो सकें तथा (2) किसी बहुसंयोजी प्रतिसीरम से उसी अणु के किसी अन्य अवयव की तुलना में अधिक प्रतिरक्षी जोड़ का आबंधन हो सके।

immunogen **प्रतिरक्षाजन**

प्रोटीन या ग्लाइकोप्रोटीन जैसा पदार्थ जो शरीर में प्रवेश करने पर प्रतिरक्षा अनुक्रिया उत्पन्न करता है। सभी प्रतिरक्षाजन प्रतिजन होते हैं, किंतु प्रत्येक प्रतिजन का प्रतिरक्षाजन होना जरूरी नहीं है।

immunoglobulin (Ig) **इमुनोग्लोबुलीन (आई.जी)**
प्रतिजनों का एक प्रकार।

immunological memory **प्रतिरक्षात्मक स्मृति**
प्रतिरक्षात्मक तंत्र में प्रतिजन में प्रथम प्रभावन की अपेक्षा परवर्ती प्रभावन के प्रति अधिक शीघ्रता और प्रबलता से अनुक्रिया दिखा सकने की क्षमता।

immunological tolerance — **प्रतिरक्षात्मक सह्यता**
प्राणियों में किसी विशिष्ट प्रतिजन के प्रति तरल-अथवा कोशिका माध्यित प्रतिरक्षा उत्पन्न करने की असमर्थता जबकि अन्य प्रतिजनों के प्रति वे अनुक्रिया के लिए सामान्यतः समर्थ होते हैं।

immunological competance — **प्रतिरक्षात्मक सामर्थ्य**
प्रतिरक्षा अनुक्रिया उत्पन्न करने की क्षमता।

immunological reaction — **प्रतिरक्षात्मक अभिक्रिया**
किसी प्रतिरक्षी में प्रभावित लसीकाणुओं के साथ *पात्रे* संयोजन से अथवा प्रभावित लसीकाणुओं की प्रतिजन के साथ अनुक्रिया से उत्पन्न उत्परिवर्तन जिसे मापा जा सके।

imprinting — **अध्यंकन**

जल्दी सीखने या पहचानने की एक प्रक्रिया, जिससे किसी नवजात पक्षी अथवा स्तनी या अंडों से निकलने या पैदा होने के बाद कुछ घंटों में ही माता-पिता या आसपास के किसी पदार्थ आदि से लगाव हो जाता है।

impulse — **आवेग**

तंत्रिका-कोशिकाओं में संचारित वैद्युत रासायनिक आवेग, जो पेशियों, ग्रंथियों तथा अन्य तंत्रिका-कोशिकाओं को उत्तेजित करता है।

inbred line — **अंतःप्रजात क्रम**

परपरागित पादपों में अंतःप्रजनन तथा चयन द्वारा उत्पादित एक समयुग्मजी क्रम।

inbreeding — **अंतःप्रजनन**

आनुवंशिकतया संबद्ध व्यष्टियों का संगमन। (दे. breeding)

incidence — **आपतन**

परपोषी पर किसी जीव की उपस्थिति का परिणाम और उसके प्रभावों की सीमा।

incidental pest — **आकस्मिक पीड़क**

निरंतर विद्यमान लेकिन कभी-कभी क्षति पहुंचाने वाला पीड़क।

incisor — **कृंतक**

स्तनियों के मुंह में सामने वाले छेनी-जैसे दांत, जो काटने के काम आते हैं।

inclusion (polyhedron) insect control viruses — **अंतर्विष्ट पिंड-कीट नियंत्रण विषाणु**

वह संरचना, जिसमें कई विषाणु कण प्रोटीन मैट्रिकस में अंतःस्थापित होते हैं। इनका निर्माण विशेष विषाणुओं से संक्रमित कोशिकाओं में होता है।

incomplete dominance — **अपूर्ण प्रभाविता**

वह स्थिति जिसमें विषम युम्मजों का लक्षण दो समयुग्मजों के मध्यवर्ती हो।

incubation period — **ऊष्मायन-अवधि**

1. संक्रमण होने और रोग के प्रथम लक्षण दिखाई देने के बीच का समय।

2. किसी माध्यम से सूक्ष्मजीवों की प्रविष्टि के बाद वृद्धि और उनके प्रदर्शित होने का समय।

incubation period — **प्रकटन/उद्भवन अवधि**

1. पक्षियों, सरीसृपों आदि में अंडे देने और अंडों के स्फुटन (hatching) से बच्चे उत्पन्न होने के बीच की अवधि।

2. संक्रमण होने और प्रथम लक्षण दिखाई देने के बीच का समय।

incurrent — **अंतर्वाही**

ऐसी नलिकाओं या संरचनाओं के लिए प्रयुक्त, जिनमें जल की धारा बाहर से अंदर की तरफ जाती है; जैसे स्पंजों तथा कुछ मोलस्कों में। तु. excurrent बहिर्वाही।

incus — **इन्कस, स्थूण**

स्तनियों के कर्ण की तीन श्रवण-अस्थिकाओं में से एक, जो अन्य कशेरुकियों में पाई जाने वाली क्वाड्रेट के समरूप होती है।

indicator plant **सूचक पादप**

एक अ-फसलीय पादप अथवा एकांतर परपोषी पादप, जो मुख्यतया सहनशील होता है तथा जिसे फसलीय पादपों के बीच लगा देते हैं जिससे कि पीड़क की पहचान जल्दी हो सके।

indicator **सूचक**

वह पदार्थ जिसका रंग परिस्थितियों के परिवर्तन के अनुसार बदलता है। उदा. pH मान जो अम्लीयता और क्षारीयता में हुए परिवर्तनों को दिखलाते हैं।

indigenous **देशज, देशी**

विशेष-क्षेत्रीय; किसी प्रदेश में प्राकृतिक रूप से मिलने वाले पादप या प्राणी।

indirect end labelling **अप्रत्यक्ष अंत्य लेबलन**
डी.एन.ए. के एक विशिष्ट स्थान पर काट देकर और काट के एक तरफ संलग्न अनुक्रम वाले सभी टुकड़ों को पृथक् कर डी.एन.ए. संगठन के जांच की तकनीकी।

individual variation **व्यष्टिगत विभिन्नता**
किसी समष्टि के व्यष्टियों में पाई जाने वाली विभिन्नता।

induced enzyme **प्रेरित प्रकिण्व**

दे. adaptive enzyme

induced mutation **प्रेरित उत्परिवर्तन**

सहज रूप से प्रकृति में होने वाले उत्परिवर्तनों के विपरीत, उत्परिवर्तनजन के प्रभाव से होने वाले उत्परिवर्तन।

inducer (gene inducer) **प्रेरक (जीन प्रेरक)**
नियामक प्रोटीन से आबंधन कर जीन अभिव्यक्ति को बढ़ाने वाला (अणु)।

infection **संक्रमण**

पोषी में किसी परजीवी की स्थापना।

infective larva **संक्रामक डिंभक (लार्वा)**

परजीवी के जीवन-चक्र की वह अवस्था, जब वह परपोषी के ऊतक के अंदर जाकर उसे संक्रामित करने में सक्षम होता है।

infestation **ग्रसन**

किसी पीड़क द्वारा दूसरे जीव को क्षति पहुंचाना।

inflammation **शोथ**

ऊतक-क्षति के बाद होने वाले कोशिकीय और रक्तवाहिनीय परिवर्तन। शोथ के लक्षण हैं—उस स्थान का गर्म होना, लाल हो जाना, पीड़ा और सूजन।

infochemical **सूचन रसायन**

वह रसायन, जो दो व्यष्टियों के बीच एक पारस्परिक क्रिया की सूचना का संवाहक है। इसके फलस्वरूप अभिग्राही में व्यवहारात्मक अथवा शरीरक्रियात्मक अनुक्रिया उत्पन्न होती है। यह "सेमियो" रसायनों (व्यवहार परिवर्तन करने वाले रसायन) का संवर्ग है।

infundibulum **कीपक, इंफन्डीबुलम**

कीप से मिलती–जुलती आकृति की संरचना, जो कशेरुकी भ्रूण में अग्रमस्तिकपश्च (डाइएनसेफ़लॉन) के तल से निकलती है और बढ़ कर पीयूष काय (पिट्यूटरी बॉडी) का भाग बन जाती है।

ingestion **अंतर्ग्रहण**

मुख के द्वारा शरीर के अंदर भोजन ले जाने की क्रिया।

inhalation toxicity **अंतःश्वसन आविषालुता**

श्वसन-तंत्र के माध्यम से आविषालु होने की क्रिया।

inheritance **वंशागति**

जनकों या माता-पिता से संतान में जननिक लक्षणों या गुणों का पहुंचना।

inhibition system **संदमन तंत्र**

कीटों में उपांगों की पेशियों के नियमन में लगे तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित करने की क्रियाविधि। मस्तिष्क अथवा अधोग्रसिका गुच्छिका से उत्पन्न अथवा दोनों से उत्पन्न आवेग अंतर्जात रूप से कार्य कर पाद-पेशियों का एकांतर संकुचन और शिथिलीकरण आरंभ कर देता है, जैसे कि, जब आकोचनी पेशियां (flexor muscles) संकुचित होती हैं तो प्रसारिणी पेशियां (extensor muscles) शिथिल हो जाती हैं। यह द्विमार्गी उद्दीपन इन दो पेशियों के समुच्चयों की साथ-साथ क्रिया के लिये स्वतः संगामी होता है जैसे कि अकोचनियों की उत्तेजना और प्रसारिणियों के अवरोधक उद्दीपन जो कि बहुत शक्तिशाली होते हैं। कीटों में यह अवरोधक क्रिया संदमन कहलाती है।

inhibitor **संदमक**

वह कारक जो सामान्य गतिविधि को रोकता है अथवा रोकने के लिए प्रयुक्त होता है।

innate immunity **सहज प्रतिरक्षा**

प्रतिरक्षा जो अर्जित न होकर जातियों के लिए वंशानुगत होती है।

inoculation access threshold **संरोपण अभिगम सीमा**

स्वस्थ पादप में विषाणु संरोपण करने के लिए विषाणुधर सूत्रकृमि द्वारा लिया गया समय।

inoculation **संरोपण, निवेशन**

संवर्ध माध्यम या परपोषी में सूक्ष्मजीव का प्रवेशन अथवा स्थानांतरण।

inoculative release **निवेशी मोचन**

अल्पकालीन अवधि में कम संख्या में परजीवियों का मोचन, जो बाद में प्रभावी स्तर तक पहुंच जाता है।

inoculum level **संरोप स्तर**

संरोपण में प्रयुक्त व्यष्टियों की संख्या।

inoculum — **संरोप**

संक्रामित करने के लिए प्रयुक्त कोई जीवांश।

insect control — **कीट नियंत्रण**

हानिकारक कीट समष्टि की रोकथाम।

insect growth regulators (IGR) — **कीट वृद्धि नियामक (आई.जी.आर)**

कीटों में वृद्धि और कायांतरण के नियंत्रण से संबद्ध प्राकृतिक और कृत्रिम रासायनिक यौगिक की ऐसी सामान्य श्रेणी, जो किशोर हार्मोनों अथवा अन्य शरीर–क्रियात्मक क्रियाओं का संदमन करती है जिससे कीट अपना सामान्य परिवर्धन चक्र पूरा नहीं कर पाता।

insect odour plumes — **क्षेत्र कीट गंध पिच्छक**

मादा शलभों द्वारा उत्पन्न सेक्स फीरोमीनों के गंधअणु वायु की दिशा में गंध परिधि बनाते हैं जो विस्तृत क्षेत्र में फैल जाती है। उसी जाति के नर शलभ इस गंध-परिधि के सम्पर्क में आने पर इसकी ओर बढ़ते हैं जिससे कि मादा से संगम कर सकें।

insect pest spectrum — **कीट पीड़क परास-क्रम**

किसी विशेष फसल पर आक्रमण करने वाले नाशक कीटों का संपूर्ण परास। इसके अंतर्गत मुख्य और गौण कीट आते हैं।

insect rearing management — **कीटपालन प्रबंधन**

अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति मानक गुणता वाले कीटों के उत्पादन के लिए संसाधनों का कुशल उपयोग।

insect — **कीट**

षट्पाद; ये कीट इनसेक्टा वर्ग और आर्थ्रोपोडा संघ (phylum) के अंतर्गत आते हैं। शरीर खंडीकृत होकर तीन भागों – सिर, वक्ष और उदर में बंटा होता है। शरीर क्यूटिकल से ढका होता है। सिर पर एक जोड़ी शृंगिका और मुखांग होते हैं जो एक जोड़ी जंभिका (कभी-कभी रूपांतरित) से बने हैं। वयस्कों में वक्षीय प्रदेश में तीन जोड़ी संधित पाद, दो जोड़ी पंख (कभी-कभी एक जोड़ी अथवा अनुपस्थित) तथा उदर के पिछले सिरे पर जनन-छिद्र होता है। वृद्धि कायांतरण द्वारा होती है।

insecta **इन्सेक्टा (कीटवर्ग)**

प्राणि जगत का सबसे बड़ा तथा आर्थ्रोपोडा संघ का एक महत्वपूर्ण वर्ग, जिसमें तिलचट्टा, मक्खी, टिड्डी, दीमक, तितली आदि अनेक प्रकार के संधिपाद प्राणी आते हैं। शरीर का तीन भागों (सिर, त्रिखंडी वक्ष और उदर) में बंटा होना, सिर में दो संयुक्त नेत्र और एक जोड़ी शृंगिकाएं, वक्ष में तीन जोड़ी टांगें और प्रायः दो जोड़ी पंख, वातिका (श्वास-नलियों) द्वारा श्वसन और जीवन-चक्र में जटिल कायांतरण इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

insectary **कीटशाला**

कीटविज्ञान के विभिन्न पक्षों का अध्ययन करने के लिए कीटों के पालन और प्रजनन का स्थान।

insecticide **कीटनाशी**

रासायनिक पदार्थ या पदार्थों का मिश्रण, जिसका उपयोग हानिकारक कीटों को रोकने या नष्ट करने के लिए किया जाता है।

Insectivora **इन्सेक्टीवोरा**

छोटे आकार के कीटभक्षी अपरायुक्त स्तनियों का एक गण, जिसमें छछूंदर, झाऊ मूसा आदि आते हैं। ये प्रायः स्थलीय और रात्रिचर होते हैं और इनके अविभेदित दांत लगभग समान और शंकुरूपी होते हैं।

insectivorous **कीटभक्षी**

कीटों का भक्षण करने वाले प्राणि अथवा पादप।

insectorium **कीटालय**

प्रयोगशाला, जिसमें भविष्य में अध्ययन करने के प्रयोजन से बड़ी संख्या में कीटों का प्रजनन किया जाता है और उन्हें पाला जाता है।

insemination **वीर्यसेचन**

अंडाणु के निषेचन के उद्देश्य से मैथुन या किसी कृत्रिम विधि से शुक्राणुओं का मादा जनन-पथ में प्रवेश या अंडाणु के आस-पास पहुंचना।

insert — **निवेश**

संवाहक अणु के साथ जुड़ा विजातीय डी.एन.ए. का खंड।

instar — **इंस्टार, निरूप (निर्मोक रूप)**

कीटों में लार्वा-परिवर्धन के दौरान दो निर्मोकों (मोल्ट या एक्डाइसिस) के बीच की अवस्था।

instinct — **वृत्ति, नैसर्गिक वृत्ति, सहज वृत्ति**

कुछ उद्दीपनों के प्रति अनुक्रिया के फलस्वरूप एक साथ होने वाले सहज उत्तरोत्तर प्रतिवर्त।

integrated control — **एकीकृत नियंत्रण, समाकलित नियंत्रण**

कीट संख्या को आर्थिक क्षतिस्तर से नीचे रखने के लिए पारिस्थितिकी पर आधारित कीट- नियंत्रण की एक पद्धति जिसमें कीट-नियंत्रण की अनेक संगत तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

integrated pest management — **एकीकृत पीड़क प्रबंधन, समाकलित पीड़क प्रबंधन**

पर्यावरण और पीड़कों की समष्टि गतिकी (population dynamics) का ध्यान रखते हुये प्रयुक्त किया जाने वाला पीड़क प्रबंधन, जिसमें सभी उपयुक्त तकनीकों और विधियों का यथासंभव सुसंगत ढंग से उपयोग करके पीड़कों की संख्या को आर्थिक क्षति स्तर से नीचे रखते हैं।

integument — **अध्यावरण**

शरीर का बाहरी आवरण।

intercellular — **अंतराकोशिक**

दो या अधिक कोशिकाओं के बीच का, वहां स्थित या उससे संबंधित; जैसे अंतराकोशिक तरल, अंतराकोशिक अवकाश आदि।

interference — **अंतरक्षेप**

किसी विनिमय का ऐसा प्रभाव जिससे इसके समीप दूसरे विनिमय के घटित होने की प्राथमिकता बढ़ अथवा घट जाती है।

interferon — **इन्टरफेरॉन**

किसी कोशिका अथवा कोशिका समूह में विषाण्वीय संक्रमण से उत्पन्न प्रोटीनों का वह समूह जो अन्य कोशिकाओं में हो सकने वाले उसी संक्रमण को रोकता है।

intermediate host — **मध्यस्थ परपोषी**

ऐसा परपोषी जिसमें परजीवी जीवन-चक्र की अलिंगी अवस्थाएँ विद्यमान रहती हैं।

international code of zoological nomenclature — **अंतरराष्ट्रीय प्राणिविज्ञानीय नामकरण संहिता**
प्राणिविज्ञान संबंधी नाम पद्धति का समुच्चय।

internuncial neuron — **संदेश तंत्रिओन**
अभिवाही और अपवाही तंत्रिओनों के बीच स्थित तंत्रिओन।

interoceptor — **आंतरग्राही**

ऐसे संवेदी अंग या ग्राही, जो प्राणि-शरीर के अंदर उत्पन्न पीड़ा आदि उद्दीपनों को ग्रहण करते हैं। उदा. आंत्र तथा श्वसन-अंगों में स्थित ग्राही।

interphase — **अंतरावस्था**

कोशिका-विभाजन में एक समसूत्रण (माइटोसिस) के समाप्त होने के बाद और दूसरे समसूत्रण के प्रारंभ होने के पहले की अवस्था।

intersegmental membrane — **अंतराखंडीय झिल्ली**
दो द्वितीयक खंडों के बीच की लचीली झिल्ली, जो सामान्यतः प्राथमिक खंड का अदृढ़ीकृत पश्च भाग होती है।

inter-sex — **मध्यलिंगी**

व्यष्टि जिसमें नर और मादा के मिले–जुले संलक्षण मिलते हों और जो नर या मादा में से किसी एक का कार्य करता हो या दोनों में से किसी का कार्य न करता हो।

interspecific interaction — **अंतराजातीय पारस्परिक क्रिया**
दो या दो से अधिक जातियों के बीच परस्पर क्रिया।

interspecific competition — **अंतराजातीय स्पर्धा**
दो या दो से अधिक जातियों के बीच स्पर्धा।

intersternite — **अंतराधरकांश**
कीट आदि संधिपादों (आर्थ्रोपोडों) में अधर दिशा में अंतराखंडीय दृढ़ीकरण।

intervalvulae — **अंतरप्रकठक**
द्वितीय कपाटधरों के बीच में नवें उदरीय खंड के उदरक में स्थित अधरीय कठक।

intestine — **आंत्र**
बाह्य त्वचा से उत्पन्न आहार नाल का वह भाग जो ग्रसनी और मलाशय के बीच होता है।

intima — **आंतरिका**
किसी अंग की आंतरिक परत, जैसे लसीका, रुधिर-वाहिका, आंत अथवा धमनी की आंतरिक परत आदि।

intracellular digestion — **अंतःकोशिकी पाचन**
आंत्र या पाचन-तंत्र की नलिकाकार अवकाशिका में न होकर कोशिका के ही भीतर अंतर्गृहीत भोजन की पाचन-क्रिया।

intracellular — **अंतःकोशिकी, आंतरकोशिक**
कोशिका के अंदर स्थित पदार्थों या वहां होने वाली क्रियाओं के लिए प्रयुक्त।

intraspecific category — **आंतरजातीय कोटि**
एक ही जातीय स्तर में पाई जाने वाली विभिन्न वर्गिकीय उपजातियाँ।

intraspecific interaction — **आंतरजातीय पारस्परिक क्रिया**
एक ही जाति में आपसी क्रियाएं।

intraspecific competition — **आंतरजातीय स्पर्धा**
एक ही जाति के व्यष्टियों में पारस्परिक स्पर्धा।

intron (intervening sequence) **अव्यक्तेक, इन्ट्रॉन**

डी.एन.ए. में या उसके प्रारंभिक अनुलेख (ट्रांसक्रिप्ट) में पाये जाने वाले ऐसे मध्यवर्ती अकूटनी अनुक्रम जो आर.एन.ए. प्रक्रमण के दौरान अनुलेख में से कट कर अलग हो जाते हैं। ये अनुक्रम परिपक्व दूत आर.एन.ए. (एम.आर.एम.ए.) का अंग न बन पाने के कारण ऐमीनों अम्ल-संश्लेषण के लिए अनावश्यक होते हैं।

inundative release **आप्लावी मोचन**

जैव-कारकों के आवर्ती प्रवेशन की वह पद्धति, जो कीटनाशी उपचार के सदृश होती है।

invagination **अंतर्वलन**

किसी एक भाग का मुड़ कर भीतर को चला जाना, विशेष रूप से कोरक (ब्लास्टुला) से कंदुक (गैस्ट्रुला) बनते समय कोशिकाओं के एक स्तर का गुहा के अंदर मुड़ जाना।

invertase **इनवर्टेज**

वह प्रकिण्व जो जलअपघटन द्वारा सुक्रोस को ग्लूकोस तथा फ्रक्टोस (फल शर्करा) में बदल देता है।

involution of the embryo **भ्रूण-अंतर्वलन**

अंडे में भ्रूण के अंतर्वेशन के बाद उसका परिक्रमण (revolution) तथा अंततः अंडे में उसकी स्थिति का उत्क्रमण (reversal)।

iridescent virus **रंगदीप्त विषाणु**

कीट का एक अन्-अधिविष्ट विषाणु, जिसके विशिष्ट अभिलक्षण उसके ऐसे आकर्षक प्रकाशिक गुणधर्म हैं जो ब्रैग परावर्तन से उत्पन्न होते हैं और विषाणु कणों की शोधित प्रपट्टिकाओं को दूधिया रूप देते हैं।

isoenzyme **सम प्रकिण्व**

उन विभिन्न संरचनाओं वाले प्रकिण्वों के समूह का एक प्रकिण्व जिनके उत्प्रेरक गुणधर्म, समान अथवा लगभग समान होते हैं। इसे आइसोजाइम भी कहते हैं।

isogenic — **समजीनी**

अभिन्न जीन समुच्चय वाला।

isolecithal — **समानपीतकी**

ऐसे अंडों के लिए प्रयुक्त, जिनमें पीतक की कणिकाएं अंडे के कोशिकाद्रव्य में चारों ओर लगभग बराबर मात्रा में फैली रहती हैं।

Isoptera — **आइसोप्टेरा**

अनेक अपंखी, बंध्य सैनिकों और श्रमिकों सहित जनन-रूपों से गठित बड़े-बड़े समूहों में रहने वाले सामाजिक और बहुरूपी (polymorphic) कीट। मुखांग प्ररूपी आदंशी; जीभिका 4 पालिक। यह सामाजिक कीटों का एक गण है जिसमें दीमकें आती हैं। सामाजिक व्यवस्था के अनुसार कीट एक बड़ी कॉलोनी (निवह) में रहते हैं। कॉलोनी के सदस्य सामान्यतः बंध्य श्रमिक एवं सैनिक तथा जननिक राजा और रानी होते हैं।

isotonic — **समपरासारी**

कोशिका के परासरण दबाव के समान परासरण दबाव वाला।

J

jejunum **जेजुनम, अग्रक्षुद्रांत्र**

कुछ स्तनियों में ग्रहणी तथा क्षुद्रांत्र (इलियम) के बीच स्थित छोटी आंत का भाग। इस प्रमुख अवशोषण-क्षेत्र का व्यास अपेक्षाकृत बड़ा होता है और इसके अंकुर (विलस) भी बड़े होते हैं।

jet agitator **जेट विलोड़क**

दाब से प्रवाहित होने वाले पानी के कारण टैंक के मिश्रण में निलंबन को नीचे बैठने से रोकने वाली युक्ति।

Johnston's organ **जौन्स्टन अंग**

शृंगिका में उपस्थित अत्यधिक विशिष्टीकृत ध्वनिग्राही अंग। यह अधिकतर पंखयुक्त कीटों के दूसरे शृंगिक खंड में स्थित होता है और इसमें अरीय रूप में स्थित अनेक संवेदिकाएं (sensillae) होती हैं।

jugal (bone) **जुगल, गंडिका**

कशेरुकियों में करोटि की युग्मित वेष्टनास्थि, जो नेत्रकोटर के अग्र किनारे पर स्थित होती है।

juglone **जुगलोन**

क्विनोन से मिलता–जुलता एक भूरे लाल रंग का क्रिस्टलीय पदार्थ ($C_{10}H_4O_2$), जो अखरोट से प्राप्त किया जाता है। यह कैरोमोन की तरह कार्य करता है। यह पदार्थ पौधों को कीटों के प्रति प्रतिरोधी बना देता है।

junior homonym **कनिष्ठ समनाम**

एक ही अथवा भिन्न वर्गकों (टेक्सॉनों) के लिए दो या अधिक सर्वसम नामों की वर्तमान संकल्पना।

junior synonym **कनिष्ठ सहनाम**

एक ही वर्गक के लिए दो या अधिक उपलब्ध समानार्थक शब्दों की वर्तमान संकल्पना।

Jurassic period **जुरेसिक कल्प**

पृथ्वी के ऐतिहासिक कालक्रम में मेसोज़ोइक महाकल्प का एक खंड, जिसमें ट्राइएसिक और क्रिटेशस के बीच 15 करोड़ वर्ष से लेकर साढ़े बारह करोड़ वर्ष पूर्व तक का समय आता है। इसे महान सरीसृपों का युग कहते हैं।

juvenile hormone **किशोर हॉर्मोन**

कीटों में कॉर्पोरा एलाटा (corpora allata) द्वारा उत्पादित तीन प्रमुख कीट-परिवर्धन हॉर्मोनो में एक, जो निर्मोक (moult) के प्ररूप को निर्धारित करता है।

juvenile resistance **किशोर प्रतिरोध**

पादपों की नवोद्भिद् अवस्था में अभिव्यक्त ऊर्ध्वाधरी प्रतिरोध, जिसे नवोद्भिद्-प्रतिरोध भी कहते हैं।

juvenile **किशोर**

1. ऐसी अवस्था जिसमें युवा प्राणी आकार तथा जननक्षमता को छोड़ कर शेष लक्षणों में अपने वयस्क की तरह होता है।

2. ऐसी अवस्था से संबंधित प्राणी, पक्षति (plumage), हार्मोन आदि।

juvenoid **किशोराभ**

पादप या प्राणियों से उत्पन्न कोई ऐसा प्राकृतिक या संश्लिष्ट रसायन, जो वास्तविक किशोराभ हॉर्मोन के समान जैविक सक्रियता प्रदर्शित करता हो।

juxtaglomerular cells **गुच्छासन्न कोशिका**

वृक्क में केशिका–गुच्छ की धमनिकाओं के चारों तरफ की कोशिकाएं।

K

kairomone **कैरोमोन**

एक रसायन या कई रसायनों का मिश्रण, जो एक जाति से उत्पन्न होकर भिन्न जाति के व्यष्टि में अनुक्रिया उत्पन्न करता है। यह प्राप्त करने वाले के लिए लाभप्रद होता है।

Kappa particles **कप्पा कण**

पैरामीशियम के गुणसूत्र बाह्य कण, जो सामान्यतः कोशिका प्रकार्य के लिए आवश्यक नहीं हैं। आजकल इन्हें सहायक अंग अथवा सहजीवी माना जाता है।

karyogamy **केंद्रक संलयन**

युग्मकों के केंद्रकों का पूरी तरह से आपस में मिलना, जैसा कि निषेचन में होता है।

karyokinesis **केंद्रकभाजन**

कोशिका विभाजन के दौरान केंद्रक का विभाजन।

karyotype **केंद्रक प्ररूप**

कोशिकाविभाजन की मध्यावस्था में गुणसूत्रों की संख्या, आकार तथा आकृति के संदर्भ में किसी कोशिका की गुणसूत्रीय संरचना।

keel (carina) **नौतल**

पक्षियों में उरोस्थि के अधर तल से निकली नाव की आकृति वाली हड्डी, जिसके दोनों ओर मजबूत पंख–पेशियां संलग्न रहती हैं।

keratin **केरेटिन**

केश, नख, सींग आदि का प्रमुख घटक। केराटिनों की अनेक अलग-अलग किस्में हैं जो जीनों के एक विशाल कुल द्वारा कूटलेखित

होती हैं। ये अघुलनशील संरक्षी अथवा संरचनात्मक प्रोटीन हैं जिनकी α-कुंडलिनी अथवा β-रचना वाली समांतर पॉलिपेप्टाइड-शृंखलाएँ होती हैं।

key character **कुंजीय लक्षण**

वर्गिकी में वर्गक का वह विशिष्ट लक्षण जो उसकी पहचान का सूचक है।

key factor **प्रमुख कारक**

पर्यावरण के संदर्भ में प्रमुख परिवर्तनशील कारक, जो कीटों के समष्टि घनत्व से निकट रूप से जुड़ा होता है। समष्टि घनत्व में इन परिवर्तनों का कीटों की संख्या की भावी प्रवृत्तियों के पूर्वानुमान के लिए उपयोग करके सतत मॉनीटरन (monitoring) द्वारा मापा जा सकता है।

key pest **प्रमुख पीड़क**

सदैव क्रांतिक रूप में दीर्घस्थायी रहने वाली कीट जाति, जो नियंत्रण पद्धतियों को प्रभावित करती है और जिसका समष्टि घनत्व (population density) मानव हस्तक्षेप के अभाव में आर्थिक क्षति स्तर (economic injury level) को पार कर जाता है।

key **कुंजी**

द्विभाजी युग्मकों के निदानात्मक लक्षणों का वह समुच्चय, जिससे वर्गकों (टैक्सॉनों) की शीघ्र पहचान करने में सहायता मिलती है।

kidney **वृक्क**

कशेरुकियों में उत्सर्जन तथा जल नियमन से संबंधित युग्मित अंग, जिसमें अनेक वृक्क नलिकाएं, रुधिर वाहिकाएं और प्रायः बोमैन संपुट भी होते हैं।

king cobra **नागराज**

भारत तथा दक्षिण–पूर्व एशिया के कुछ अन्य स्थानों पर पाया जाने वाला बड़े आकार का बहुत ही जहरीला तथा फनवाला सांप।

kingdom **जगत्**

जीवधारियों के पांच बृहत् समुदायों में से कोई; जैसे प्रोटिस्टा, प्राणि जगत् अथवा वनस्पति जगत्, आदि।

Klinefelter's syndrome **क्लाइनफेल्टर संलक्षण**

मानव में पाई जाने वाली एक वंशागत अपसामान्यता जिसमें एक्स-एक्स-वाई लिंगसूत्र होते हैं।

knapsack duster **नैपसेक प्रधूलक**

पीठ पर लटकाने वाला प्रधूलक। यह बेलनाकार धूलि-पात्र के शीर्ष पर स्थित धौंकनियों को संचालित करता है।

knock down **अवाघात**

(सामान्यतया पीड़कों से संबद्ध पीड़क-नियंत्रण-संक्रियाओं में या आविषालुता विज्ञान में प्रयुक्त तकनीकी शब्द।) पीड़कनाशी के अनुप्रयोग के तुरंत बाद पीड़क के अचेत हो जाने और बाद में कभी-कभी फिर से सक्रिय भी हो सकने की स्थिति।

krait **करैत**

भड़कीली पट्टियों वाले शांत प्रकृति के किंतु बहुत ही ज़हरीले रात्रिचर सांप, जो भारत सहित पूर्वी एशिया तथा निकटवर्ती द्वीपों में पाए जाते हैं।

Kreb's cycle **क्रेब-चक्र**

वह प्रकिण्व तंत्र जो पायरूविक अम्ल को ऑक्सीजन की उपस्थिति में कार्बन डाई–ऑक्साइड में परिवर्तित करता है, साथ ही ए.टी.पी. के रूप में आबंध ऊर्जा भी निकालता है। इसे साइट्रिक अम्ल-चक्र अथवा ट्राई कार्बोक्सिलिक अम्ल चक्र (टी.सी.ए.) भी कहते हैं।

Kupfer cell **कप्फर कोशिका**

यकृत् में पाया जाने वाला विशिष्ट महाभक्षकाणु।

L

labellum — **ओष्ठक, लेबेलम**

डिप्टेरा के कीटों की शुंडिका के दूरस्थ सिरे पर उपस्थित गद्दियों अथवा मुख–पालि की जोड़ी में से एक पर कूटवातक (pseudotracheae) होते हैं जिनके द्वारा भोजन निकलकर मुख-छिद्र में जाता है।

labial palp — **अधरोष्ठ पैल्प**

कीट के एक जोड़ी खंडीय संवेदी अंग या अधरोष्ठ पर स्थित संस्पर्शक (feeler)।

labial papilla — **ओष्ठीय पिप्पल**

ओष्ठों पर पाई जाने वाली स्पर्श ग्रंथियों के वृत्तक।

labial — **ओष्ठीय**

ओष्ठ से संबंधित।

labium — **अधरोष्ठ, लेबियम**

1. निचला ओष्ठ या ओष्ठ जैसी संरचना।
2. कीट-शीर्ष का पश्च-मध्य-उपांग जो द्वितीय जंभिकाओं के मिलने से निचला ओष्ठ बनाता है।
3. गैस्ट्रोपॉड कवच के मुख का भीतरी किनारा।
4. मकड़ियों की उरोस्थि से संलग्न एक छोटी प्लेट।

labrum — कुछ आर्थ्रोपोडों – जैसे, कीटों का अग्र ओष्ठ।

lac — **लाख, लाक्षा**

लाख कीट, लैक्किफर लाक्का और संबद्ध जातियों (लैक्कीफेरिडीः होमोप्टेरा) द्वारा स्रावित राल।

lacerate **दीर्ण**

कीट द्वारा पर्णशीर्ष के किनारों पर बनाए गए अनियमित गहरे कटाव।

Lacertilia **लेसर्टीलिया**

सरीसृपों का एक गण, जिसमें छिपकलियां आती हैं। शृंगीय अधिचर्मी शल्क, गतिशील पलकें, अवस्कर और युग्मित मैथुनांग इनके प्रमुख लक्षण हैं। उदा. गिरगिट (कैलोटेस), गोह (वैरेनस) और कैमेलियोन।

lacinia **लैसीनिया**

जंभिका की आंतरिक एन्डाइट पालि, जिसमें स्टाइपीज से निकलने वाली एक पेशी और कभी-कभी कपाल-भित्ति से निकलने वाली दूसरी पेशी लगी होती है।

lacrimal bone **अश्रु-अस्थि**

कुछ कशेरुकियों में नेत्र कोटर की पार्श्विक वेष्टनास्थि, जो अश्रुग्रंथि के निकट होती है।

lacrimal gland **अश्रु-ग्रंथि**

स्थलीय कशेरुकियों में ऊपरी पलक के नीचे स्थित ग्रंथि, जिसका तरल आंखों को गीला या नम रखने में सहायक होता है।

lactic acid **लैक्टिक अम्ल**

ग्लूकोस के भंजन द्वारा उत्पन्न एक कार्बनिक अम्ल।

lactose **लेक्टोस (दुग्धशर्करा)**

डाइसैकेराइड कार्बोहाइड्रेट, जो जलअपघटन द्वारा ग्लूकोस और गैलेक्टोस में टूट जाता है। दूध में पाए जाने के कारण इसे दुग्ध शर्करा भी कहते हैं।

lacuna **रिक्तिका**

उपास्थि या अस्थि में पाई जाने वाली छोटी गुहिका, या उनकी कोशिकाओं के बीच का अवकाश।

lagena **लेगीना**

गोणिका (सैक्यूलस) से निकलने वाला पार्श्व कोष्ठ, जिससे कर्णावर्त का निचला भाग बनता है।

Lamarckism **लैमार्कवाद**

लैमार्क (1744–1829) द्वारा प्रतिपादित विकासवाद, जिसके अनुसार उपार्जित लक्षणों की वंशागति नई जीवजातियों की उत्पत्ति में सहायक होती है।

lamella **पटलिका**

पतली प्रकाश–संश्लेषी कला।

Lamellibranchiata (Pelecypoda) **लैमेलीब्रैंकिएटा (पेलेसिपोडा)**
मोलस्कों का एक वर्ग, जिसमें सीपी, शुक्ति आदि आते हैं। सममित शरीर, दो कपाटों वाला कवच, सामान्यतः मांसल फानाकार अधर पाद और पक्ष्माभी जल धाराओं द्वारा अशन-प्रक्रिया इनके विशिष्ट लक्षण हैं।

lamina **पटल**

कंटिका का फलकनुमा दूरस्थ भाग।

lampbrush chromosome **लैंपब्रुश गुणसूत्र**
प्राणि–अंडाणुओं में, द्विपट्टावस्था में पाए जाने वाले बृहद गुणसूत्र जिनके अक्ष के दोनों ओर निकले क्रोमैटिन पाश–युग्मों की श्रेणियों पर सक्रिय RNA का संश्लेषण होता है।

lancet **लेन्सेट**

कीटों का प्रथम प्रकठक (वैल्वुला), जो बल्ब और शूकिका के निचले सीमातों पर सरकता है।

lapping mouth parts **लपलप मुखांग**
मधुमक्खी का मुखांग, जिसमें लंबा, जंभिका-ओष्ठीय सम्मिश्र होता है तथा जिह्वका आकुंचन तथा अपाकुंचन में समर्थ होती है।

large intestine **बृहदांत्र**

कशेरुकियों में छोटी आंत और गुदा के बीच स्थित आहार-नाल का भाग, जो छोटी आंत की अपेक्षा अधिक चौड़ा किंतु लंबाई में छोटा होता है।

larva **लार्वा, डिंभ, डिंभक**

किसी भी प्राणी की ऐसी स्वच्छंदजीवी परिवर्धन अवस्था, जो वयस्क से भिन्न संरचना और स्वभाव वाली होती है। (जैसे–कीटों में इल्लियां, अपादक और भृंगक तथा मेंढक का टेडपोल लार्वा आदि)।

larvarium **डिंभशाला**

कीट डिंभक द्वारा बनाया गया नीड़ अथवा आश्रय-स्थल, जो कभी–कभी एक रेशमी झूले अथवा नलिका के समान हो सकता है। यह पत्तियों के टुकड़ों, चीड़ की पतली पत्तियों, मृदा-कणों आदि को आपस में बुनकर बनाया जाता है।

larvicide **लार्वानाशी, डिंभकनाशी**

ऐसा कीटनाशी रसायन, जो डिंभकों को मारने के काम में लाया जाता है।

larynx **कंठ**

चतुष्पाद कशेरुकियों में श्वासनली (ट्रैकिया) के ऊपरी भाग के उस स्थल पर फूली हुई संरचना, जहां वह ग्रसनी से मिलती है। इसकी दीवारों में पेशी से चलने वाले उपास्थि के छल्ले होते हैं जो घांटी को बंद करते और खोलते हैं।

lateral field **पार्श्व क्षेत्र**

अनुदैर्घ्य क्यूटिकलीय निशानों का एक जोड़ा, जो सूत्रकृमि के शरीर के दोनों पार्श्वों पर स्थित होता है।

lateral nerves **पार्श्व तंत्रिका**

तंत्रिका-वलय से पीछे की ओर जुड़ी पार्श्व-गुच्छिकाओं से निकलने वाली युग्म-तंत्रिकाएँ।

lateral oviduct **पार्श्वीय अंडवाहिनी**

अंडाशय से संबद्ध और मध्यजनस्तर से व्युत्पन्न मादा तंत्र की युग्मित पार्श्व-वाहिनियों में से एक। कभी-कभी मध्य वाहिनी की बाह्यचर्म शाखा अंशतः या पूर्णतः इसकी जगह ले लेती है।